THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

# स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 198 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.7 2080 गुरुवार, 5 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये


# आप सांसद संजय सिंह गिरफ्तार

## दिल्ली आबकारी केस में ईडी ने 10 घंटे छापेमारी की, इसी केस में मनीष सिसोदिया जेल में हैं

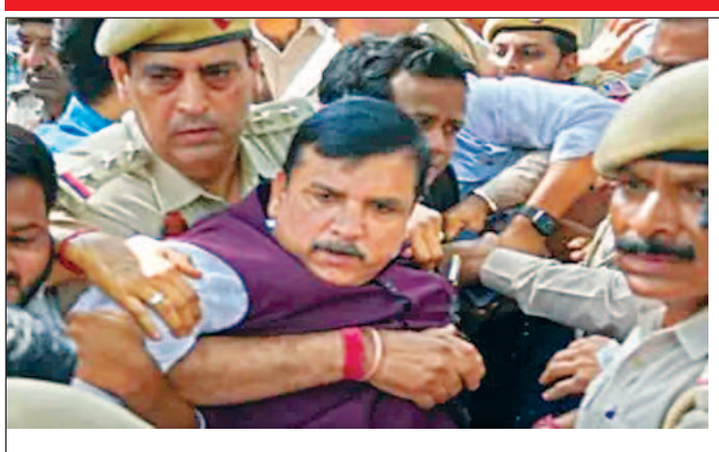

दिन भर पूछताछ के बाद संजय सिंह को गिरफ्तार कर ले जाती ईडी टीम।

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह को ईडी ने अरेस्ट कर लिया है। उनके दिल्ली वाले घर पर बुधवार सुबह 7 बजे ईडी की टीम पहुंची थी। 10 घंटे तक चली इस छापेमारी के बाद गिरफ्तारी की गई।

बताया जा रहा है कि करीब 7-8 अधिकारी आबकारी नीति केस के सिलसिले में छानबीन कर रहे थे। आबकारी नीति केस की चार्जशीट में संजय सिंह का भी नाम है। इस केस में मनीष सिसोदिया जेल में हैं।

ईडी की कार्रवाई को लेकर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने कहा- इस केस में 1000 रेड पड़ चुकी हैं। संजय सिंह के घर पर कुछ नहीं मिलेगा। 2024 के चुनाव आ रहे हैं और वे जानते हैं कि वे हारेंगे। ये उनकी हताशा भरी कोशिशें हैं। जैसे-जैसे चुनाव नजदीक आएगा,ईडी, सीबीआई जैसी सभी एजेंसियां सक्रिय हो जाएंगी। इस बीच, दिल्ली में बीजेपी ने आप के ऑफिस के बाहर प्रदर्शन किया। भाजपा के कार्यकर्ता 'अब तो ये स्पष्ट है, केजरीवाल भ्रष्ट है', नारे वाले पोस्टर लेकर सड़क पर उतरे। प्रदर्शनकारियों की मांग है केजरीवाल को सीएम पद से इस्तीफा दे देना चाहिए।

*** सौरभ भारद्वाज बोले- यह एक काल्पनिक घोटाला है**

दिल्ली सरकार में मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा- यह एक काल्पनिक घोटाला है जिसमें पिछले 15 महीने से छान-बीन चल रही है। कम से कम 1 हजार जगहों पर ईडी और सीबीआई छापेमारी कर चुकी हैं, लेकिन कहीं से भी 1 रुपया बरामद नहीं हुआ।

संजय सिंह के घर ईडी की छापेमारी को लेकर आम आदमी पार्टी ने कहा - संजय सिंह अडाणी के मुद्दे पर लगातार सवाल उठाते रहे हैं और इसी वजह से उनके आवास पर छापेमारी की गई है। केंद्रीय एजेंसियों को पहले भी कुछ नहीं मिला और आज भी कुछ नहीं मिलेगा।

*** कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा- बीजेपी भय-आतंक का माहौल बना रही**

कांग्रेस नेता प्रमोद तिवारी ने कहा- यह (बीजेपी) सरकार तानाशाही रवैया अपनाकर जोर-जबरदस्ती, दमन, भय और आतंक का माहौल पत्रकारों के खिलाफ और उन नेताओं के खिलाफ कायम करना चाहती है जो विरोधी दल के हैं, विशेषकर जो इंडिया गठबंधन से जुड़े हैं। जिस तरह संजय सिंह के यहां छापेमारी की गई वह निंदनीय है। इसी साल जनवरी में ईडी ने अपनी चार्जशीट में संजय सिंह का नाम जोड़ा था। इसको लेकर संजय सिंह ने काफी हंगामा मचाया था। दरअसल मई में संजय सिंह ने दावा किया कि ईडी ने उनका नाम गलती से जोड़ दिया है। जिस पर ईडी ने जवाब दिया कि हमारी चार्जशीट में संजय सिंह का नाम चार जगह लिखा गया है। इनमें से तीन जगह नाम सही लिखा गया है। सिर्फ एक जगह टाइपिंग की गलती हो गई थी। जिसके बाद ईडी ने संजय सिंह को मीडिया में बयानबाजी न करने की सलाह दी थी, क्योंकि मामला कोर्ट में लंबित है।

### > संजय सिंह पर क्या है आरोप

ईडी की चार्जशीट में संजय सिंह पर 82 लाख रुपए का चंदा लेने का जिक्र है। इसको लेकर ही ईडी बुधवार को उनके घर पहुंची और उनसे पूछताछ की। दिल्ली शराब नीति केस में ईडी की दूसरी सप्लिमेंट्री चार्जशीट 2 मई को जारी की गई थी। जिसमें आम आदमी पार्टी के राज्य सभा सांसद राघव चड्ढा का भी नाम सामने आया था। हालांकि उन्हें आरोपी नहीं बनाया गया है।

### राघव बोले-ईडी को कोई सबूत नहीं मिला

आप सांसद नेता राघव चड्ढा ने कहा- पिछले पंद्रह महीनों से भाजपा आप कार्यकर्ताओं पर शराब घोटाले का आरोप लगा रही है। पिछले 15 महीनों में उसने ईडी और सीबीआई से 1000 स्थानों पर छापे मारे हैं। किसी भी एजेंसी को एक भी पैसा नहीं मिला। यह हताश बीजेपी है जो आगामी चुनाव हारने वाली है, इसलिए वे डर के मारे ऐसा कर रहे हैं। संजय सिंह के घर मारे गए छापे में भी ईडी को एक भी पैसा नहीं मिला होगा, उन्हें कोई सबूत नहीं मिला, क्योंकि जब कोई घोटाला नहीं हुआ तो क्या मिलेगा। संजय सिंह की गिरफ्तारी के बाद उनके पिता बोले- मैंने संजय से कहा कि चिंता न करें। मुझे लगता है कि ईडी को गिरफ्तारी का कोई आधार नहीं मिला, लेकिन अधिकारियों को गिरफ्तार करने के लिए कहा गया था, इसलिए उन्होंने संजय को गिरफ्तार कर लिया। इसके सकारात्मक परिणाम आएंगे क्योंकि सरकार बदल जाएगी। इससे पहले छापेमारी के दौरान उन्होंने कहा था- विभाग अपना काम कर रहा है, हम उनका सहयोग करेंगे। मैं उस समय का इंतजार करूंगा जब उनको क्लियरेंस मिल जाएगी। इससे पहले 24 मई को इसी केस में संजय सिंह के करीबियों के यहां ईडी ने छापा मारा था। तब संजय सिंह ने कहा था- मैंने ईडी की फर्जी जांच को पूरे देश के सामने उजागर किया। आज मेरे सहयोगियों अजीत त्यागी और सर्वेश मिश्रा के घर ईडी ने छापा मारा है।

# केंद्रीय कैबिनेट ने तेलंगाना में 900 करोड़ रुपये के आदिवासी विश्वविद्यालय के प्रस्ताव को मंजूरी दी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने तेलंगाना के मुलुगु में 900 करोड़ रुपये की लागत से सममक्का-सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है।

सूत्रों के मुताबिक, बुधवार को हुई केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में तेलंगाना में जनजातीय विश्वविद्यालय स्थापित करने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 1 अक्टूबर को चुनावी राज्य तेलंगाना के अपने दौरे के दौरान मुलुगु में विश्वविद्यालय की स्थापना की घोषणा की थी।

पीएम मोदी ने एक समारोह के दौरान कहा था कि केंद्र सरकार मुलुगु में एक केंद्रीय आदिवासी विश्वविद्यालय स्थापित करेगी, जिसका नाम आदिवासी देवी सम्मक्का और सारक्का के नाम पर रखा जाएगा। इस पहल के लिए 900 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया है। मैं तेलंगाना के लोगों को उनके प्यार के लिए आभार व्यक्त करता हूं। बता दें कि इस साल दिसंबर में तेलंगाना में विधानसभा चुनाव होने हैं। भाजपा की राज्य में ज्यादा राजनीतिक उपस्थिति नहीं है। इसलिए पार्टी आक्रामक तरीके से राज्य में अपनी पकड़ बनाने की कोशिश कर रही है। पीएम मोदी पिछले एक सप्ताह में दो बार तेलंगाना का दौरा कर चुके हैं। जिससे पता चलता है कि भाजपा राज्य में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने को लेकर कितनी उत्साहित है, जहां मुकाबला मुख्य रूप से सत्तारूढ़ भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) और विपक्षी कांग्रेस के बीच द्विध्रुवीय है।

# 10 अक्तूबर को विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होंगे बिधूड़ी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ सदन में आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में भाजपा सासंद रमेश बिधूड़ी 10 अक्तूबर को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति के सामने पेश होंगे। 10 अक्तूबर को रमेश बिधूड़ी विशेषाधिकार समिति के सामने अपना बयान दर्ज कराएंगे। बैठक के एजेंडे के अनुसार, संसद के कई सदस्यों की शिकायत के बाद रमेश बिधूड़ी का बयान दर्ज कराया जाएगा। बता दें कि संसद के विशेष सत्र के दौरान चंद्रयान-3 मिशन पर सदन में चर्चा के दौरान रमेश बिधूड़ी ने बसपा सांसद दानिश अली के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी थी।

*** भाजपा सांसदों ने दानिश अली पर लगाए थे आरोप**

रमेश बिधूड़ी के बयान के बाद काफी हंगामा हुआ और कई राजनीतिक पार्टियों के सांसदों ने लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर बिधूड़ी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। भाजपा सांसदों ने आरोप लगाया कि दानिश अली ने रमेश बिधूड़ी को उकसाया और वह बिधूड़ी के संबोधन के दौरान बार-बार पीएम मोदी के खिलाफ बयानबाजी कर रहे थे। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने भी रमेश बिधूड़ी के बयान की निंदा की लेकिन ये भी कहा कि दानिश अली ने ही उन्हें उकसाया था। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें मिली शिकायतों को लोकसभा की विशेषाधिकार समिति को भेज दिया था। विशेषाधिकार समिति की अध्यक्षता भाजपा सदस्य सुनील कुमार सिंह कर रहे हैं। हाल ही में रमेश बिधूड़ी ने मीडिया से बात करते हुए कहा था कि हर जनप्रतिनिधि का जनता के प्रति दायित्व बनता है। सदन के किसी खास सदस्य के प्रति लगातार कमेंट करते रहना और पीएम मोदी और लोकसभा स्पीकर पर टिप्पणी करना अच्छी बात नहीं है। रमेश बिधूड़ी ने कहा कि अगर उन्हें (दानिश अली) मेरी बात बुरी लगी तो वो मुझे फोन करते, मामला तुरंत समाप्त हो जाता लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। इसके बदले उन्होंने केजरीवाल जैसी रणनीति अपनाई। उन्होंने मेरे मुद्दे पर राजनीति की। दानिश अली और ओवैसी जैसे लोग मुस्लिम तुष्टीकरण कर रहे हैं।

# 15 घंटे में में 13 बार हिली नेपाल की धरती

## अभी टला नहीं है भूकंप का खतरा!

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेपाल के पश्चिमी हिस्से में आए मंगलवार को भूकंप के बाद सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है। क्योंकि नेपाल में मंगलवार दोपहर दो बजे से लेकर बुधवार की सुबह पांच बजे तक लगातार धरती का हिलना जारी रहा। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 घंटों में नेपाल के पश्चिमी इलाके में बने एपिसेंटर से 13 बार नेपाल के अलग-अलग हिस्सों में भी धरती का कंपन महसूस किया गया है।

वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरीके से लगातार प्रत्येक घंटे में औसतन चार की तीव्रता से ज्यादा वाले भूकंप नेपाल में आ रहे हैं, वह खतरे की ओर इशारा भी कर रहे हैं। हालांकि वैज्ञानिकों का मानना है कि जिस तरीके के आफ्टर शॉक्स लगातार बने हुए हैं और तीव्रता बढ़ती है तो निश्चित तौर पर खतरा भी बड़ा हो सकता है। जिसका उसका असर नेपाल के साथ-साथ भारत के अलग अलग हिस्सों समेत दिल्ली-एनसीआर तक में देखा जा सकता है। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक नेपाल में पहली बार मंगलवार को भूकंप दो बजकर 25 मिनट पर 4.6 की तीव्रता का आया था। उसके ठीक 26 मिनट बाद यानी दो बजकर मिनट पर नेपाल में जबरदस्त तरीके की धरती हिली। उस वक्त भूकंप की तीव्रता 6.2 की आंकी गई। यही वह दो भूकंप के झटके थे, जिन्हें दिल्ली-एनसीआर समेत देश के अलग-अलग हिस्सों में जबरदस्त तरीके से महसूस किया गया। आंकड़े बताते हैं कि नेपाल में इन दो बड़े झटकों के बाद एक नियमित अंतराल पर लगातार बुधवार की सुबह तक भूकंप के झटके आते रहे। इन दो झटकों के बाद मंगलवार दोपहर बाद तीन बजे से लेकर चार बजे के अंतराल में तीन और भूकंप के झटके नेपाल में महसूस किए गए। इन तीनों झटकों की रिक्टर स्केल पर तीव्रता साढ़े तीन की आंकी गई।

### वायु सेना को मिला पहला 'तेजस द्विन सीटर' एयरक्राफ्ट

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय वायु सेना को अपना पहला 2 सीटर लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट 'तेजस द्विन सीटर' मिल गया है। बुधवार को यह विमान आधिकारिक तौर पर भारतीय वायु सेना को सौंपा गया। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड यानी एचएएल ने बुधवार को वायु सेना को पहला तेजस द्विन सीटर ट्रेनर विमान सौंपा हैं। तेजस द्विन सीटर ट्रेनर विमान एक हल्का विमान है। इसकी एक बड़ी खासियत यह भी है कि यह विमान किसी भी मौसम में उड़ान भर सकता है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड को कुल 18 द्विन सीटर विमान का ऑर्डर दिया गया था। भारतीय वायु सेना द्वारा दिए गए इस आर्डर में से 8 विमान अगले साल तक दे दिए जाने हैं।

# आपराधिकता जुड़ी होगी तो सांसदों को मिली मुकदमे से छूट पर विचार करेंगे, कोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संविधान पीठ ने बुधवार को एक अहम टिप्पणी में कहा है कि अगर मामले में आपराधिकता जुड़ी है को कानून निर्माताओं को मिली कानूनी छूट पर विचार किया जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सांसदों-विधायकों को मुकदमे से छूट देने वाले 1998 के आदेश की समीक्षा की जाएगी। बता दें कि 1998 के सुप्रीम कोर्ट के फैसले के तहत सांसदों और विधायकों पर संसद और विधानसभाओं में भाषण देने या वोट देने के लिए रिश्वत लेने जैसे मामलों में मुकदमा नहीं चलाया जा सकता।

मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली संविधान पीठ ने सुनवाई के दौरान कहा कि हमें इस बात पर विचार करना होगा कि अगर मामले में आपराधिकता जुड़ी है तो क्या तब भी सांसदों-विधायकों को विशेषाधिकार का फायदा दिया जाए या नहीं। पीठ ने 1998 के फैसले का जिक्र करते हुए कहा कि यह माना कि आपराधिकता के बावजूद कानून निर्माताओं को छूट मिली हुई है। मुख्य न्यायाधीश के अलावा इस संविधान पीठ में जस्टिस एएस बोपन्ना, जस्टिस एम एम सुंदरेश, जस्टिस पीएस नरसिम्हा, जस्टिस जेबी पारदीवाला, जस्टिस संजय कुमार और जस्टिस मनोज मिश्रा शामिल हैं। बीती 20 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट ने नोट के बदले वोट मामले में 1998 के फैसले की समीक्षा के लिए संविधान पीठ का गठन किया था। संविधान पीठ ने इस मामले पर आज सुनवाई की। बता दें कि झामुमो प्रमुख और पूर्व सीएम शिबू सोरेन, उनकी बहू सीता सोरेने समेत पार्टी के चार सांसदों पर आरोप लगा था कि 2012 में राज्यसभा चुनाव के दौरान एक विशेष उम्मीदवार को वोट देने के लिए उन्होंने रिश्वत ली थी। इस पर सीबीआई ने सोरेन और उनकी पार्टी के सांसदों के खिलाफ मामला दर्ज किया। इस पर सीता सोरेन ने शीर्ष अदालत में याचिका दायर कर कहा कि संवैधानिक प्रावधान सांसदों को इन मामलों में मुकदमे से छूट देते हैं। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने मामले को रद्द कर दिया था।

*** क्या है 1998 का फैसला**

उल्लेखनीय है कि साल 1998 में पांच जजों की संविधान पीठ ने पीवी नरसिम्हा राव बनाम सीबीआई मामले में फैसला देते हुए कहा था कि सांसदों-विधायकों को संविधान के अनुच्छेद 105(2) और अनुच्छेद 194(2) के तहत आपराधिक मामलों में छूट मिली हुई है, जिसके तहत सदन में पैसों के बदले सदन में भाषण देने और वोट देने के मामले में उन पर मुकदमा नहीं चलाया जा सकता। अनुच्छेद 105(2) कहता है कि संसद का कोई भी सदस्य सदन में किसी भी भाषण या वोट देने के लिए अदालत की कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं होगा। अनुच्छेद 194 के तहत ऐसी ही सुविधा विधानसभा के लिए दी गई है।

# राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं : देश के विकास के लिए सुरक्षा जरूरी

## संसाधनों के सही इस्तेमाल पर निर्भर करती है प्रगति

राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम को संबोधित करती हुईं राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू।

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि भारत की सुरक्षा चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से परे हैं और अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा और साइबर सुरक्षा से निपटने के कल्याण के अन्य आयामों को शामिल करती हैं।

वह यहां राष्ट्रपति भवन में 63वें राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज (एनडीसी) पाठ्यक्रम के संकाय और पाठ्यक्रम के सदस्यों को संबोधित कर रही थीं। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक माहौल गतिशील है और कई चुनौतियां पेश कर रहा है।

**'भू-राजनीतिक परिस्थिति ने बदल दिया सुरक्षा परिदृश्य'**

उन्होंने आगे कहा, तेजी से बदलते हुए भू-राजनीतिक माहौल में हमें प्रतिकूल परिस्थितियों से निपटने के लिए अच्छी तरह से तैयार रहने की जरूरत है। भू-राजनीतिक गतिशीलता ने सुरक्षा परिदृश्य को बदल दिया है। राष्ट्रीय और वैश्विक मुद्दों की गहरी समझ रखने की जरूरत है। हमें न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित करना है, बल्कि साइबर युद्ध, प्रौद्योगिकी-सक्षम आतंकवाद और जलवायु परिवर्तन जैसी नई सुरक्षा चुनौतियों के लिए भी तैयार रहना है।

**'अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करने की जरूरत'**

मुर्मू ने कहा कि व्यापक अनुसंधान पर आधारित ज्ञान और अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों को लागू करने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, 'आपको वर्तमान और भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के इनोवेटिव एप्लिकेशंस का पता लगाने की जरूरत है। वास्तव में, सरकारी एजेंसियों और कॉर्पोरेट क्षेत्र को इन चुनौतियों की पहचान करने और उनसे निपटने के लिए हाथ मिलाने की जरूरत है।'

**'क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से परे हमारी सुरक्षा चिंताएं'**

मुर्मू ने जोर देकर कहा कि जिस तरह से वैश्विक घटनाएं सामने आ रही हैं, हम किसी भी तरह की स्थिति और संकट से निपटने के लिए विश्व स्तर पर सक्षम और भविष्य के लिए तैयार आत्मनिर्भर होने के महत्व को तेजी से महसूस कर रहे हैं। उन्होंने कहा, आज हमारी सुरक्षा चिंताएं क्षेत्रीय अखंडता के संरक्षण से परे हैं और इसमें अर्थव्यवस्था, पर्यावरण, ऊर्जा सुरक्षा और साइबर सुरक्षा से निपटने वाले कल्याण के अन्य आयाम शामिल हैं।

### 'प्रगति और विकास के लिए सुरक्षा और रक्षा जरूरी'

राष्ट्रपति ने कहा कि सशस्त्र बलों की भूमिका पारंपरिक सैन्य मामलों से परे भी बढ़ी है। उन्होंने कहा, 'यह स्पष्ट है कि जटिल रक्षा और सुरक्षा माहौल में भविष्य के संघर्षों के लिए अधिक एकीकृत बहु-राज्य और बहु-एजेंसी दृष्टिकोण की आवश्यकता होगी।' मुर्मू ने कहा कि प्रगति और विकास के लिए सुरक्षा और रक्षा जरूरी है।

उन्होंने कहा कि किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती है कि वह अपने पास उपलब्ध संसाधनों, विशेष रूप से अपने मानव संसाधन का कितने प्रभावी ढंग से उपयोग करता है। राष्ट्रपति ने कहा कि सिविल सेवा और रक्षा सेवा दोनों के अधिकारियों को देश की लोकतांत्रिक प्रणाली में संवैधानिक ढांचे के बारीक बिंदुओं को समझना चाहिए।

### मणिपुर हिंसक स्थिति के लिए विदेशी आतंकी जिम्मेदार

**विधायक ने अमित शाह से की म्यांमार सीमा पर फेंसिंग की मांग**

इम्फाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मणिपुर में कभी जातीय हिंसा तो कभी हिंसक प्रदर्शन इन सभी स्थिति के लिए भाजपा ने विदेशी आतंकवादी समूहों को जिम्मेदार माना है। मणिपुर के भाजपा विधायक आरके इमो सिंह ने राज्य में उथल-पुथल की स्थिति और देश के बाकी हिस्सों में खराब छवि दिखाने के लिए आतंकीवादी समूहों को जिम्मेदार माना है।

मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को मणिपुर के भाजपा विधायक आरके इमो सिंह ने एक पत्र लिखकर यह बात कही। उन्होंने पत्र के जरिए कहा, देश में आतंक फैलाने और अलगाववादी एजेंडे का प्रचार करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मंचों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसमें शामिल सभी लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही उन्होंने मिजोरम सरकार द्वारा म्यांमार से अवैध अप्रवासियों के बायोमेट्रिक डेटा संग्रह को रद्द करने से इनकार करने को गंभीरता से लेने का आग्रह किया है।

# कर्नाटक में भी निकला जाति का जिन्न

## मोइली की मांग-सिद्धारमैया जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी करें

वीरप्पा मोइली

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सियासी दुनिया में दक्षिण का दुर्ग कहे जाने वाले कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में भाजपा को कांग्रेस के हाथों करारी शिकस्त झेलनी पड़ी। अब दोनों प्रमुख राष्ट्रीय पार्टियां इस साल के अंत में होने वाले पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के साथ-साथ लोक सभा चुनाव 2023 की तैयारियों में जुटी हैं। राजनीतिक रणनीति बनाने पर मंथन के अलावा तमाम दल वोट बैंक और जातियों को साधने की कवायद भी कर रहे हैं।

*** पांच साल पहले बनी रिपोर्ट**

उत्तर भारत के बाद अब दक्षिण में भी जाति आधारित जनगणना के आंकड़ों पर बात शुरू हो गई है। कांग्रेस के कद्दावर नेता और पूर्व कानून मंत्री वीरप्पा मोइली ने कर्नाटक की कांग्रेस सरकार से मांग की है कि जातिगत जनगणना के आंकड़े और लगभग पांच साल पहले तैयार हुई रिपोर्ट सार्वजनिक की जाए।

*** सिद्धारमैया के पिछले कार्यकाल में तैयार हुई रिपोर्ट**

वरिष्ठ कांग्रेस नेता वीरप्पा मोइली ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया से जातिगत जनगणना के आंकड़े जारी करने की मांग की। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार को जातिगत जनगणना की रिपोर्ट जारी करनी चाहिए। पूर्व केंद्रीय कानून मंत्री मोइली ने कहा कि सिद्धारमैया के पिछले कार्यकाल (2013-18) के दौरान जातिगत जनगणना कराई गई थी। मोइली ने कहा कि कर्नाटक स्टेट बैकवर्ड क्लासेज कमीशन ने एच कंथाराज की अध्यक्षता में जाति आधारित जनगणना कराई थी। उन्होंने कहा कि कंथाराज कमीशन की तरफ से बाद में जनगणना की रिपोर्ट सरकार के पास जमा कराई गई।

*** किन मुख्यमंत्रियों के पास 'दबी' रही फाइल**

उन्होंने कहा कि 2018 के बाद बनी कांग्रेस और जनता दल सेकुलर (जेडीएस) की सरकार में जब एचडी कुमारस्वामी मुख्यमंत्री थे तो उनके पास भी कंथाराज आयोग की रिपोर्ट जमा थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार गिरने के बाद जब भाजपा के बीएस येदियुरप्पा और उनके बाद बसवराज बोम्मई मुख्यमंत्री बने, तब भी जाति आधारित जनगणना की रिपोर्ट सरकार के पास थी।

कंथाराज आयोग की रिपोर्ट पिछले पांच साल में जारी नहीं होने के कारण पर मोइली ने कहा, इसका केवल एक ही मतलब है कि भारतीय जनता पार्टी और जेडीएस जाति आधारित जनगणना कराना ही नहीं चाहते। यही कारण है कि दनों दलों ने कंथाराज कमीशन की रिपोर्ट रिलीज नहीं कराई।

मोइली ने करीब 30 साल पुराने वाकये का जिक्र करते हुए कहा, 1992 में मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने चिन्नाप्पा रेड्डी आयोग की रिपोर्ट जारी की थी।

# इसरो ने चुन लिए गगनयान के यात्री

## वायुसेना के ये तीन जवान बनेंगे एस्ट्रोनॉट्स

चेन्नई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। चंद्रयान-3 की सफलता के बाद अब इसरो यानी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन अब गगनयान की तैयारी कर रहा है। कहा जा रहा है कि इसरो ने इसके लिए अंतरिक्ष यात्री (एस्ट्रोनॉट्स) भी चुन लिए हैं। हालांकि, अब तक स्पेस एजेंसी ने इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा है, लेकिन भारतीय वायुसेना के एक वीडियो से इस बात के संकेत मिल रहे हैं। 91वीं वर्षगांठ पर आईएएफ की तरफ से माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म 'एक्स' (पहले ट्विटर) पर एक वीडियो साझा किया गया था।

11 मिनट लंबे इस वीडियो में वायुसेना की उपलब्धियां गिनाई गई थीं। खास बात है कि इस वीडियो में तीन जवानों की झलक भी दिखाई गई, जिनका चुनाव गगनयान के लिए किया गया था। वीडियो में तीनों जवान तैयारी करते नजर आ रहे थे। हालांकि, सुरक्षा के मद्देनजर एस्ट्रोनॉट्स की पहचान को जाहिर नहीं किया गया है। इसरो ने भी बताया है कि कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु स्थित एस्ट्रोनॉट ट्रेनिंग फेसिलिटी में तमाम सुविधाएं उपलब्ध हैं। एस्ट्रोनॉट्स के लिए मॉड्यूल में शैक्षणिक पाठ्यक्रम, गगनयान उड़ान प्रणाली, परवलयिक उड़ानों के माध्यम से सूक्ष्म-गुरुत्वाकर्षण परिचित, एयरो-मेडिकल प्रशिक्षण, वापसी और पुनर्वास प्रशिक्षण, उड़ान प्रक्रियाओं में महारत हासिल करना और चालक दल प्रशिक्षण सिमुलेटर पर प्रशिक्षण शामिल हैं। साथ ही प्रशिक्षण के हिस्से के रूप में हवाई चिकित्सा प्रशिक्षण, आवधिक उड़ान अभ्यास और योग को भी शामिल किया गया है। खास बात है कि इसरो इस मिशन के लिए सबसे अहम मानव सुरक्षा को मान रहा है। भारतीय स्पेस एजेंसी ने बताया कि इसके लिए कई आधुनिक तकनीकों को विकसित किया जा रहा है।

**गगनयान का मकसद**

संभावनाएं जताई जा रही हैं कि गगनयान मिशन साल 2024 में लॉन्च हो सकता है। इसके साथ ही भारत अंतरिक्ष में मानव को भेजने वाला चौथा देश बन जाएगा। इस सूची में अमेरिका, रूस और चीन का नाम शामिल है। गगनयान मिशन की पहली मानवरहित उड़ान प्रयोग के तौर पर जल्द लॉन्च होगी। वहीं, इसरो ने अंतरिक्ष यान को तीन लोगों के लिहाज से डिजाइन किया है। गगनयान अंतरिक्षयान 3 दिनों के मिशन के दौरान 400 किमी के ऑर्बिट में भेजा जाएगा।

## 'बीजेपी को आप से लगता है डर', संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी को लेकर बोलीं मंत्री आतिशी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली में आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी को लेकर केजरीवाल सरकार में मंत्री आतिशी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। आतिशी ने कहा है कि पिछले 15 महीने से इस तथाकथित शराब घोटाले में सीबीआई-ईडी जांच कर रही है। लेकिन, अभी तक एक रुपए का भ्रष्टाचार केंद्र सरकार और उनकी सारी एजेंसियां न साबित कर पाई हैं और न ही कोई सबूत दे पाई हैं। यह दिखाता है कि बीजेपी को आप से डर लगता है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पता है कि वे लोकसभा चुनाव हार रहे हैं।

# बांसुरी का संजय सिंह पर हमला

## 'भ्रष्टाचार में लिप्त हैं आप के नेता, इसलिए ईडी ने की छापेमारी'

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी की दिवंगत नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज ने आप सांसद संजय सिंह के आवास पर ईडी की छापेमारी के बाद बुधवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की सरकार और आम आदमी पार्टी भ्रष्टाचार में लिप्त है। शराब घोटाले में उन्होंने अपने चुनिंदा शराब कारोबारियों की जेबें भरी हैं। दिल्ली बीजेपी की उपाध्यक्ष बांसुरी स्वराज ने आगे कहा कि आप नेताओं ने तय कर लिया था कि दिल्ली को शराब का शहर बनना है। संजय सिंह और अन्य बड़े नेता इसमें लिप्त हैं, इसलिए ईडी की छापेमारी हो रही है। वाईएसआर नेता राघव मंगूटा और शराब कारोबारी दिनेश अरोड़ा का अनुमोदक बने हैं।

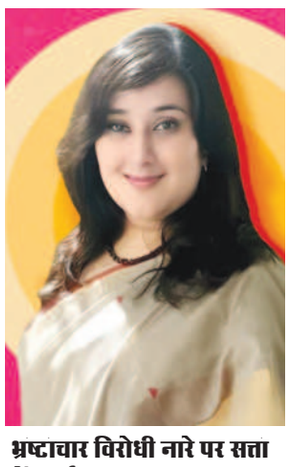

**भ्रष्टाचार विरोधी नारे पर सत्ता में आई आप**

वाईएसआर नेता जानते हैं कि इस घोटाले में क्या-क्या हुआ। यही वजह है कि दिल्ली शराब घोटाले में अहम तथ्य सामने आने के बाद प्रवर्तन निदेशालय ने छापेमारी की है। बांसुरी का कहना है कि अजीब बात है कि यह वही पार्टी है, जो भ्रष्टाचार विरोधी नारे पर चुनी गई थी और आज यह इंडिया गुट का अभिन्न अंग है।

**किसी को बक्शा नहीं जाएगा**

वहीं दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने ईडी की छापेमारी के बाद कहा है कि शराब घोटाला मामले में संजय सिंह ने अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह भी कहा है कि जो लोग शराब घोटाले में शामिल हैं, उनमें से किसी को भी बक्शा नहीं जाएगा। सचदेवा ने सीएम अरविंद के आलीशान बंगले की सीबीआई जांच शुरू होने का 27 सितंबर को स्वागत किया था। मुख्यमंत्री के लिए आलीशान बंगला बनाने में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार हुआ। सीबीआई जांच के बाद सीएम अरविंद केजरीवाल का सच सबके सामने आ जाएगा। अभी वो इस मसले पर चुप्पी साधे हैं, लेकिन सीएम आवास के मसले पर उन्हें जवाब तो देना पड़ेगा।

## पत्नी को नहीं दे रहा था भरण पोषण

### कोर्ट भेजने वाला था जेल, मां ने मंगलसूत्र गिरवी रख दिए रुपए

ग्वालियर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्वालियर। एक मां ने अपने बेटो को जेल जाने से बचाने के लिए अपना ही मंगलसूत्र गिरवी रख दिया। मंगलसूत्र के गिरवी रखने से आए रुपयों अपनी बहू को दिए और बेटा जेल जाने से बच गया। कुटुंब न्यायालय में मंगलवार को इस केस की चर्चा भी रही, क्योंकि कोर्ट के आदेश पर पति को हिरासत में ले लिया था। अधिवक्ता हरीश दीवान ने बताया कि किशन सिंह के खिलाफ उसकी पत्नी ने भरण पोषण का केस दायर किया है। कोर्ट ने भरण पोषण का आदेश दिया था, लेकिन उसने पत्नी को भरण पोषण राशि का भुगतान नहीं किया। भरण पोषण की राशि 48 हजार रुपए हो गई। जब राशि का भुगतान नहीं किया गया तो पत्नी ने भी आपत्ति की। इसके चलते कोर्ट ने किशन सिंह को गिरफ्तारी वारंट पर तलब किया। उसे पुलिस कोर्ट लेकर पहुंची। उसने 48 हजार में 10 हजार रुपए देने की बात कही। वह 10 हजार रुपए साथ लेकर आया था। शेष राशि तीन दिन में देने का समय मांगा। इसको लेकर कोर्ट ने नाराजगी जताई और उसे जेल भेजने की तैयारी शुरू कर दी।

# ईडी और सीबीआई के जरिए चुनाव जीतना चाहती है बीजेपी

## संजय सिंह के घर पर हुई रेड पर बोले शिवसेना नेता संजय राउत

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में शिवसेना (उद्धव बाला साहब ठाकरे गुट) सांसद संजय राउत ने बीजेपी पर हमला बोला। उन्होंने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि क्या बीजेपी 2024 के आम चुनाव अपने विरोधियों पर ईडी और सीबीआई के छापे मारकर करवाना चाहती है। संजय राउत ने कहा, सीबीआई और ईडी अब विपक्ष की आवाज को दबाने का माध्यम बन गया है। राउत ने दावा किया कि अब तो सुप्रीम कोर्ट ने भी कह दिया है की बीजेपी ईडी और सीबीआई का

गलत इस्तेमाल कर रही है। इन्होंने पहले अभिषेक बनर्जी को परेशान किया अब यह संजय सिंह को परेशान कर रहे हैं लेकिन इससे कुछ भी हासिल नहीं कर पाएंगे।

**बीजेपी शासित राज्यों में छापेमारी क्यों नहीं होती है?**

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा, संजय सिंह सांसद हैं और वह निर्भीक व्यक्ति रहे हैं। उनके घर में छापेमारी की जा रही है। हमारे ऊपर छापेमारी होती है, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़ और झारखंड में छापेमारी होती है लेकिन गुजरात मध्य प्रदेश, असम और उन राज्यों में जहां उनकी सरकार होती है वहां छापेमारी क्यों नहीं की जाती है? राउत ने कहा, अगर बीजेपी को या ईडी को जानकारी चाहिए तो हम दे देंगे कि आखिर कहां पर घपले हो रहे हैं। संजय सिंह के घर जिस तरह से छापेमारी चल रही है उससे मुझे लगता है कि यह तानाशाही की हद है।

**राजनीतिक रूप से बीमार हो गया है महाराष्ट्र**

शिवसेना नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र की बीजेपी गठबंधन सरकार में एनसीपी नेता अजित पवार की नाराजगी की खबरों को लेकर कहा कि महाराष्ट्र को बीजेपी ने बीमार कर दिया है। उन्होंने कहा, बीजेपी ने महाराष्ट्र को राजनीतिक रूप से बीमार कर दिया है। वह इस राज्य को बीमारू राज्य बना दिया है।

## स्कूल में हिंदू छात्रों से पढ़वाई नमाज, हंगामा बढ़ने पर सरकार ने दिए जांच के आदेश

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अहमदाबाद के एक प्राइवेट स्कूल में जागरुकता कार्यक्रम के तहत हिंदू छात्रों से नमाज अदा करने के लिए कहा गया, जिसके बाद गुजरात सरकार ने जांच के आदेश दिए हैं। इस मामले को लेकर दक्षिणपंथी हिंदू कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को विरोध प्रदर्शन किया। इस लेकर एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें प्रदर्शनकारी एक टीचर को पीटते हुए नजर आ रहे हैं। यह घटना अहमदाबाद के घाटलोडिया क्षेत्र के केलोरेक्स फ्यूचर स्कूल की है, जो कि 29 सितंबर की बताई जा रही है। वहीं अब मामले को लेकर स्कूल ने माफी मांगी है। स्कूल प्रशासन का कहना है कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को विभिन्न धर्मों के बारे में जागरूक करना था। किसी भी छात्र को नमाज पढ़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया था। इस घटना को लेकर स्कूल के फेसबुक पेज पर एक वीडियो भी जारी किया गया था हालांकि उसे बाद में हटा दिया गया, जिसमें प्राइमरी सेक्शन के छात्र को नमाज पढ़ते देखा गया। अखिल भारतीय विधार्थी परिषद के कार्यकर्ता, बजरंग दल और दूसरे दक्षिण पंथी संगठनों ने स्कूल परिसर में धरना प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं और अभिभावकों ने मंगलवार को एक टीचर की पिटाई भी कर दी, जिसकी वीडियो वायरल हो रही है।

## दिल्ली-एनसीआर में 200 पिस्टल सप्लाई: दो तस्कर महिलाएं गिरफ्तार, बेचने पर मिलती थी अच्छी रकम

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर के बदमाशों को हथियार सप्लाई करने वाले महिलाओं के गैंग का स्पेशल सेल ने खुलासा किया है। पुलिस ने गिरोह की दो महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान नाजिमपुरा, भूड़, बुलंदशहर, यूपी निवासी चंचल और गांव अनहेड़ा, अगौता, बुलंदशहर, निवासी विकांशा के रूप में हुई है। आरोपियों के पास से 10 पिस्टल बरामद की गई हैं। पूछताछ के दौरान दोनों महिलाओं ने बताया कि वह विकांशा के मामा सोनू चौधरी के आदेश पर मध्य प्रदेश के खारगोन से हथियार दिल्ली-एनसीआर में सप्लाई कर रही थीं। पिछले दो सालों से वह 200 से अधिक पिस्टल यहां सप्लाई कर चुकी हैं। हर ट्रिप के बाद उनको अच्छी रकम मिल जाती थी। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। स्पेशल सेल के विशेष आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने बताया कि उनकी टीम को लगातार सूचना मिली रही थी कि दिल्ली-एनसीआर के बदमाश मध्य प्रदेश के हथियार सप्लायरों से पिस्टल और तमंचे खरीद रहे हैं। सूचना मिलने के बाद इनकी जानकारी जुटाना शुरू की गई।

## उत्तरी सिक्किम में अचानक बादल फटने से आई बाढ़ के बाद सेना के 23 जवान लापता

**कैंप और वाहन भी डूबे**

गंगटोक, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील पर अचानक बादल फटने के बाद लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण सेना के 23 जवान और उनका शिविर व वाहन डूब गए। अधिकारियों ने बुधवार को जानकारी दी की तलाशी अभियान अभी जारी है। उत्तरी सिक्किम में ल्होनक झील के ऊपर अचानक बादल फटने से लाचेन घाटी में तीस्ता नदी में अचानक बाढ़ आ गई। घाटी में कुछ सैन्य प्रतिष्ठान प्रभावित हुए हैं और विवरण की पुष्टि करने के प्रयास जारी हैं। 23 कर्मियों के लापता होने की सूचना है और कुछ वाहनों के कीचड़ में डूबे होने

की खबर है।... अधिकारियों ने बताया कि अचानक बाढ़ आने और एक बांध से पानी छोड़े जाने के कारण स्थिति और बिगड़ गयी। बाढ़ मंगलवार देर रात करीब डेढ़ बजे आई। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि घाटी में कई प्रतिष्ठान बाढ़ की चपेट में आए हैं तथा नुकसान के संबंध में अभी और जानकारी नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि चुंगथांग बांध से पानी छोड़े जाने के कारण झील में जलस्तर अचानक 15 से 20 फुट तक बढ़ गया। अधिकारियों के मुताबिक, इससे सिंगताम के पास बारदांग में खड़े सेना के वाहन डूब गए। उन्होंने बताया कि सेना के 23 जवानों के लापता होने की खबर है और 41 वाहन कीचड़ में डूबे हुए हैं। अधिकारियों के अनुसार, तलाश एवं बचाव अभियान जारी है।

## गुरुग्राम: आठ साल की बच्ची से रेप, आरोपी फरार

गुरुग्राम, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गुरुग्राम के सेक्टर-51 महिला थाने की सीमा के अंतर्गत एक आठ साल की लड़की के साथ बलात्कार का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि आरोपी बच्ची का पड़ोसी है जो उसी इमारत में रहता है। घटना सोमवार देर शाम को हुई। जब पीड़िता खून से सने कपड़ों के साथ अपने घर लौटी तो लड़की के माता-पिता ने उसी दिन स्थानीय थाने में शिकायत की। पीड़िता की मां ने पुलिस को बताया कि आरोपी उसी इमारत में रहता था। वह उसकी बेटी को ऊपर ले गया और उसके साथ बलात्कार किया। हालांकि, पुलिस ने बुधवार को कहा कि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं हुई है कि संदिग्ध वयस्क है या नाबालिग। पुलिस ने बताया कि आरोपी की तलाश की जा रही है।

## नूपुर शर्मा के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने का मामला

**एससी ने अजमेर दरगाह के मौलवी को जमानत देने से किया इनकार**

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अजमेर दरगाह के मौलवी सैय्यद हुसैन गौहर चिश्ती को पूर्व भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के खिलाफ आपत्तिजनक नारे लगाने के लिए लोगों को उकसाने के आरोप में दर्ज मामले में जमानत देने से इनकार कर दिया। चिश्ती ने पिछले साल तत्कालीन भाजपा प्रवक्ता के खिलाफ दरगाह परिसर में लोगों से सिर तन से जुदा नारा लगाने के लिए कहा था। शर्मा ने एक टीवी शो में कथित तौर पर पैगंबर मोहम्मद पर कुछ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

**कोर्ट ने छह महीने में सुनवाई पूरी करने को कहा**

जस्टिस बी आर गवई और जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्रा की पीठ ने आरोपित और राजस्थान सरकार की दलीलों पर ध्यान दिया और जमानत याचिका खारिज कर दी। राज्य सरकार का प्रतिनिधित्व वरिष्ठ वकील मनीष सिंघवी ने किया। जमानत याचिका खारिज करते हुए पीठ ने निचली अदालत से सुनवाई में तेजी लाने और छह महीने में सुनवाई पूरी करने को कहा है।

## तमिलनाडु के कन्याकुमारी में करंट लगने से गर्भवती महिला समेत एक ही परिवार के 3 सदस्यों की मौत

चेन्नई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के आत्तूर में करंट लगने से एक गर्भवती महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई। घटना मंगलवार रात को हुई है। मृतकों की पहचान अश्विन, चित्रा और अथिरा के रूप में हुई है। कन्याकुमारी पुलिस अधिकारियों के अनुसार, 'बारिश के दौरान, स्ट्रीट लाइट का बिजली का तार बगल की इमारत की दीवार पर गिर गया। इस तार पर अश्विन ने गलती से हाथ रख दिया, जिससे वह करंट की चपेट में आ गया। यह देखकर उसकी मां चित्रा और बहन आथिरा ने उसे बचाने की कोशिश की, जिससे वह दोनों भी करंट के सपंर्क में आ गए और तीनों की मौत हो गई।

# मंत्री साध्वी निरंजन ने कहा- सांसदों ने बर्बाद किया 2.30 घंटा तृणमूल कांग्रेस का दावा नहीं दिया मिलने का समय

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक बार फिर केंद्र सरकार और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के बीच खींचतान हो गई है। मंगलवार रात केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति से मिलने पहुंचे टीएमसी के नेताओं ने सांसद अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व में कृषि भवन के अंदर धरना दिया। बनर्जी ने दावा किया है कि केंद्रीय मंत्री ने उन्हें मिलने का समय दिया था, इसके बावजूद मंत्री ने उनसे मुलाकात नहीं की। हालांकि, मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति ने टीएमसी नेताओं के दावों को खारिज किया है। इसके लिए तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा ने ग्रामीण विकास राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति को 'झूठा' बताया है। दरअसल, इन सबके बीच मंत्री ज्योति ने एक्स पर ट्वीट करके कहा, उन्होंने प्रदर्शनकारी टीएमसी सांसदों के इंतजार में अपने ऑफिस में दो घंटे से ज्यादा रहीं, मगर उनसे कोई मिलने नहीं आया।

**आज 2:30 घंटे का समय बरबाद गया- निरंजन ज्योति**

ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने एक्स पर लिखा, आज 02:30 घंटे का

समय व्यर्थ गया। आज तृणमूल के सांसदों की प्रतीक्षा करते करते 08:30 बजे कार्यालय से निकली हूं। मेरी जानकारी के अनुसार

तृणमूल के सांसद और बंगाल के मंत्रियों के प्रतिनिधिमण्डल ने कार्यालय में 06:00 बजे मिलने का समय लिया था।

**महुआ बोलीं, साध्वी निरंजन ज्योति झूठ बोल रही हैं**

मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के बयान पर टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने जवाब देते हुए कहा कि आप झूठ बोल रही हैं। महुआ ने लिखा, माफ कीजिएगा, साध्वी निरंजन ज्योति आप झूठ बोल रही हैं और मैं बहुत ही विनम्रता से ये कह रही हूं। आपने हमारे प्रतिनिधिमंडल को मिलने का समय दिया। आपने सभी नामों की जांच की, हमें एंट्री देने से पहले हमारी जांच की गई। हमें 3 घंटे तक इंतजार करवाया गया और फिर आप पिछले दरवाजे से भाग गईं।

**हमने 90 मिनट तक इंतजार किया- अभिषेक बनर्जी**

वहीं, टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कृषि भवन के अंदर इस मामले पर कहा, हमारा केंद्रीय मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति के साथ 6 बजे मिलने का समय तय था, हमने 90 मिनट तक इंतजार किया, जिसके बाद हमें बताया गया वे हमसे नहीं मिल सकती हैं। साध्वी निरंजन ने सुवेंदू अधिकारी से आज शाम 4 बजे मुलाकात की लेकिन हमें यहां पर इंतजार करवाया गया। वे हमसे मुलाकात नहीं करना चाहती हैं तो ठीक है कोई बात नहीं लेकिन हम भी यहां से कहीं नहीं जाएंगे, हम यहीं बैठे रहेंगे।

**ये है धरने की वजह**

बता दें कि तृणमूल कांग्रेस ने 2-3 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। टीएमसी का कहना है कि सरकार को मनरेगा के तहत रोके गए 15000 करोड़ रुपये पश्चिम बंगाल के लिए जारी करने होंगे। यही मामला अब कृषि भवन तक आ पहुंचा है।

## 'गऊ माता वोट नहीं देतीं इसलिए कंप्यूटर बाबा ने शिवराज सरकार की योजनाओं पर उठाए सवाल

भोपाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव 2023 में अब ज्यादा समय नहीं बचा है और इसी क्रम में पार्टियों का एक दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला जारी है। इसी बीच अब नामदेव दास त्यागी उर्फ कंप्यूटर बाबा भी शिवराज सिंह चौहान की बीजेपी सरकार पर हमलावर दिख रहे हैं। उनका आरोप लगाते हुए कहा, 'मध्य प्रदेश सरकार कई तरह की योजना तो ला रही है लेकिन हमारी गऊ माता के लिए कोई योजना नहीं ला रही, क्योंकि गऊ माता वोट नहीं देतीं।' वहीं, कमलनाथ की तत्कालीन सरकार की तारीफ करते हुए कंप्यूटर बाबा ने कहा कि कमलनाथ जब मुख्यमंत्री थे, तो उन्होंने गऊ माता के लिए कई योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन शिवराज सिंह ने वो सभी योजनाएं बंद कर दीं।

## कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना ने कर्नाटक की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया: राहुल

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को सिद्दारमैया के नेतृत्व वाली कर्नाटक सरकार की शक्ति योजना की सराहना करते हुए कहा कि इसने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और यह गर्व की बात है कि हमारा शासन मॉडल यह सुनिश्चित कर रहा है कि राज्य की महिलाओं को उनका अधिकार मिले। राहुल गांधी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, कर्नाटक में लक्ष्मी, वंदना, पूजा और उनके जैसी लाखों महिलाओं को कांग्रेस सरकार की शक्ति योजना द्वारा सशक्त बनाया गया है, जो मुफ्त बस यात्रा प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि चाहे उन्हें स्कूल, कॉलेज, काम पर जाना हो या राज्य में कहीं भी यात्रा करनी हो, शक्ति योजना ने महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है और इसके परिणामस्वरूप पर्याप्त बचत हुई है। उन्होंने कहा, यह योजना स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी बढ़ावा देती है और रोजगार के अवसर पैदा करती है। यह गर्व की बात है कि हमारा शासन मॉडल यह सुनिश्चित कर रहा है कि कर्नाटक की महिलाओं को उनके अधिकार दिए जाएं। उन्होंने अपने पोस्ट के साथ एक समाचार की प्रति भी संलग्न की है।

## एसजीपीसी चुनाव की तैयारियां शुरू, 21 अक्तूबर से शुरू होगा नए वोट बनाने का काम

चंडीगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के चुनाव की तैयारियां शुरू हो गई हैं। एसजीपीसी चुनाव के लिए नए वोट बनाने और मतदाता सूचियों को सही करने की प्रक्रिया 21 अक्तूबर से शुरू होगी। सीएम भगवंत मान ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जल्दी ही डिटेल जारी की जाएगी।

## बेंगलुरु में 15 जगहों पर आयकर विभाग की छापेमारी

**दस्तावेजों की हो रही जांच**

बेंगलुरु, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग (आई-टी) ने बुधवार को बेंगलुरु में 15 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। आईएएनएस द्वारा मिली जानकारी के अनुसार, छापेमारी सुबह से ही चल रही थी और अधिकारी कुछ उद्योगपतियों के आवासों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच कर रहे थे। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी कुछ उद्योगपतियों और सोने के व्यापारियों द्वारा कर चोरी से जुड़े मामलो में की गई थी। मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार रात चेन्नई और मुंबई कार्यालय से अधिकारी पहुंचे। बता दें कि छापेमारी विजयनगर, हुलीमावु, सदाशिवनगर और सांकी टैंक इलाकों में की गई। सूत्रों ने यह भी बताया कि छापेमारी एक महिला दंत चिकित्सक के आवास पर भी की जा रही है। मामले में अधिक जानकारी की प्रतीक्षा है। खबर अपडेट की जा रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

# मेरा हैदराबाद

गुरुवार, 5 अक्टूबर, 2023 3

सु वि चा र

दिन में कम से कम एक बार खुद से बात जरूर करें वरना आप दुनिया के बेहतरीन इंसान से नहीं मिल पाएंगे।

## लोगों को गुमराह कर रहे हैं पीएम मोदी : बीआरएस

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के वरिष्ठ नेता डॉ. दासोजू श्रवण ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आलोचना करते हुए कहा कि देश के प्रधानमंत्री पूरी तरह झूठ बोल कर लोगों को गुमराह कर रहे हैं। बुधवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, दासोजू श्रवण ने कर्ण प्रभाकर और अन्य नेताओं के साथ पीएम मोदी की उस टिप्पणी की निंदा की, जिसमें मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने उनसे जीएचएमसी चुनावों के दौरान भाजपा के साथ हाथ मिलाने का अनुरोध किया था। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि पीएम मोदी ने ज़बरदस्त झूठ का सहारा लिया है। जीएचएमसी चुनावों में, बीआरएस ने 56 पर्षद सीटें जीतीं और हमारे सहयोगी एआईएमआईएम ने 44 सीटें जीतीं। दूसरी ओर, बीजेपी ने सिर्फ 48 सीटें जीतीं। इसके अलावा, बीआरएस को पदेन सदस्यों का भी समर्थन प्राप्त है। केसीआर क्यों जाएंगे और पीएम मोदी से बीजेपी के समर्थन के लिए अनुरोध करेंगे, जबकि बीआरएस के पास अपने दम पर मेयर चुनने की पर्याप्त ताकत है। वहां उर्दू में एक कहावत है, 'नकल भी अकल से करना', जिसका अर्थ है कि भले ही आप 'नकल' करें या 'झूठ' बोलें, आपको इसे स्पष्ट रूप से करना होगा। इतने स्पष्ट झूठ के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर पकड़े गए हैं। बीआरएस नेता ने पीएम मोदी को भाग्यलक्ष्मी मंदिर में शपथ लेकर अपने शब्दों को सच साबित करने की चुनौती दी। पीएम मोदी परिवार वाद की बात कर रहे हैं। अगर बीजेपी वास्तव में वंशवाद की राजनीति के खिलाफ है, तो अमित शाह के बेटे जय शाह, जिनके पास क्रिकेट का कोई अनुभव नहीं है, बीसीसीआई के सचिव कैसे बन गए? क्या अनुराग ठाकुर, देवेंद्र फड़नवीस नहीं हैं?" धर्मेंद्र प्रधान, पंकज सिंह, पूनम महाजन, प्रीतम मुंडे और अन्य जो भाजपा पार्टी और सरकार में वंशवाद के आधार पर महत्वपूर्ण पदों का आनंद ले रहे हैं? अगर पीएम मोदी वंशवाद की राजनीति के खिलाफ हैं, तो भाजपा ने कर्नाटक में जेडीएस, महाराष्ट्र में एनसीपी के अजीत पवार से हाथ क्यों मिलाया? बीआरएस नेता ने कहा कि बीजेपी ने अतीत में शिरोमणि अकाली दल और टीडीपी के साथ गठबंधन क्यों किया था? यह किसी और की नहीं बल्कि प्रधानमंत्री के कद के व्यक्ति की छिछली बात और अवसरवादिता के अलावा कुछ नहीं है।

पीएम मोदी के 'परिवारवाद' वाले तंज पर पलटवार करते हुए श्रवण ने बताया कि पीएम मोदी को पता होना चाहिए कि अन्य वंशवादी बच्चों के विपरीत, मंत्री केटी रामा राव और एमएलसी कविता ने तेलंगाना आंदोलन में भाग लिया, इस उद्देश्य में योगदान दिया और तेलंगाना के लोगों द्वारा चुने जाने के बाद ही सत्ता में आए। उन्हें लोगों की स्वीकार्यता और आशीर्वाद प्राप्त है। यह कहते हुए कि विधानसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, पीएम मोदी ने सिर्फ दिखावा करने वाली घोषणाएं की हैं और निराधार आरोपों के साथ तेलंगाना के लोगों को बेवकूफ बनाने की कोशिश की है, श्रवण ने लोगों से तेलंगाना विधानसभा चुनाव में सतर्क रहने और भाजपा के फर्जी और नफरत भरे प्रचार के झांसे में न आने की अपील की।

## महिला की हत्या के मामले में तीन लोग गिरफ्तार

करीमनगर, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। करीमनगर पुलिस ने एक महिला की हत्या के मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। वारंगल जिले के भीमाराम मंडल के कमलापुर निवासी जी प्रमीला की हत्या के आरोप में करीमनगर निवासी शेख गौस पाशा, वंकया मोहन और मोहम्मद नूरजहाँ बेगम को गिरफ्तार किया गया था, जो केशवपट्टनम मंडल के अरकंडला में अपनी मां के घर आई थी। चूँकि उसके पिता कोमुरैया स्वास्थ्य समस्याओं से पीड़ित थे, वह उन्हें मोलंगुर में एक 'बाबा' के पास ले गई। जब वे गांव जा रहे थे, तो आरोपी ने उन्हें मना लिया और एक मंदिर में एक अन्य पुजारी की मदद से कोमुरैया को ठीक करने का वादा करके उन्हें थडिकल ले गया। वहां शेख गौस पाशा और मोहन ने उससे सोने के गहने छीनने की कोशिश की और जब उसने शोर मचाया तो उन्होंने उस पर चाकू से हमला किया और उसके गहने लेकर भाग गए। गंभीर रक्तस्राव के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने आरोपी के पास से एक मंगलसूत्र और एक सोने की बाली समेत 26.5 ग्राम सोना बरामद किया है।

## नारायण ने जनता के पैसे से राजनीति करने के लिए पीएम पर निशाना साधा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई के राष्ट्रीय सचिव के नारायण ने आज आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के खर्च पर राज्य में आ रहे हैं और राजनीति के बारे में बात कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि मोदी ने अब यह क्यों कहा कि केसीआर एनडीए में शामिल होना चाहते हैं? मैंने नहीं सोचा था कि प्रधानमंत्री इतना नीचे बोलेंगे। उसी तरह से संदेह है। पीएम द्वारा हल्दी बोर्ड के गठन का बयान किसी व्यक्ति की मृत्यु से पहले तुलसी के पेड़ का रस डालने जैसा है। मोदी को जो असली रहस्य कहना है वह यह है कि एपी में कीमती रेत के समुद्र तट उनके दोस्त अडानी को सौंप दिए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बीआरएस, वाईएसआरसीपी और बीजेपी ने शराब घोटाले में हाथ मिलाया है और कहा कि जो नेता अपना मुद्दा उठा रहे हैं तीनों दलों के भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज उठाने वालों को जेल भेजा जा रहा है और कहा कि जिन्होंने हजारों करोड़ रुपये लूटे हैं वे जेल के बाहर हैं। नारायण ने कहा कि चंद्रबाबू को सैकड़ों करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार के नाम पर जेल में डाल दिया गया और नायडू को आक्रामक तरीके से गिरफ्तार किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि नायडू देश से भागने वाले व्यक्ति नहीं हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्षी नेताओं को मानसिक रूप से परेशान करने के लिए केंद्र में प्रधानमंत्री मोदी और आंध्र प्रदेश में मुख्यमंत्री जगन मोहन रेड्डी द्वारा विपक्षी दल के नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बदले की भावना से केस दर्ज करना ठीक नहीं है. नारायण ने चुटकी लेते हुए कहा कि देश में असली गठबंधन बीजेपी-एआईएमआईएम गठबंधन है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर मोदी अगले आम चुनाव के बाद सत्ता में वापस आए तो देश को उत्तर भारत और दक्षिण भारत में विभाजित कर दिया जाएगा।

तेलंगाना में कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन पर टिप्पणी करते हुए नारायण ने कहा कि चर्चा अभी भी चल रही है। यह कहते हुए कि एपी में विधानसभा चुनाव बहुत दूर हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने अभी तक एपी में गठबंधन के बारे में नहीं सोचा है।

## कांग्रेस, भाजपा नेताओं से सतर्क रहें लोग : गंगुला

करीमनगर, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने लोगों से कांग्रेस और भाजपा नेताओं से सतर्क रहने को कहा, जो केवल चुनाव के समय ही उनसे संपर्क करेंगे। उन्होंने कांग्रेस और भाजपा नेताओं को राजनीतिक पर्यटक करार देते हुए कहा कि वे चुनाव के तुरंत बाद गायब हो जाएंगे। इसलिए, लोगों को यह तय करना चाहिए कि क्या वे चाहते हैं कि नेता हमेशा जनता के बीच रहें या चुनाव के बाद गायब हो जाएं।

वह हमेशा जनता के बीच घूमकर लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए कदम उठाते रहे हैं। करीमनगर से कांग्रेस के टिकट के दावेदार के खिलाफ लगभग 50 मामले दर्ज थे। मंत्री ने कहा, अगर कांग्रेस उम्मीदवार निर्वाचित हुआ तो वह सार्वजनिक जमीनें भी हड़प लेगा। कमलाकर ने बुधवार को करीमनगर शहर में 133 करोड़ रुपये से होने वाले विभिन्न विकास कार्यों की नींव रखने के बाद ये टिप्पणियां कीं।

लंबे संघर्ष के बाद हासिल किए गए तेलंगाना की रक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि आंध्र के नेता अब राज्य में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं।

यदि कांग्रेस या भाजपा राज्य में सत्ता में आती है तो हैदराबाद का कोयला, बिजली, पानी और राजस्व आंध्र प्रदेश में स्थानांतरित कर दिया जाएगा। अगर लोगों ने अन्य राजनीतिक दलों को चुनकर गलती की तो तेलंगाना 50 साल पीछे चला जाएगा। उन्होंने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और लोगों से मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को तीसरी बार फिर से चुनने के लिए कहा।

## टीएसआरटीसी कर्मचारियों को 4.8 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) देगा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) के प्रबंध निदेशक वीसी सज्जनर ने बुधवार को घोषणा की कि निगम ने कर्मचारियों को 4.8 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) देने का फैसला किया है, जो इस साल जुलाई से लंबित है।

इसके साथ ही अब तक लंबित सभी नौ डीए को मंजूरी मिल गयी है। कर्मचारियों को वर्तमान डीए का भुगतान अक्टूबर माह के वेतन के साथ किया जाएगा। टीएसआरटीसी ने 2019 से अब तक किश्तों में नौ डीए मंजूर किए हैं। नवीनतम डीए स्वीकृत होने के साथ, निगम द्वारा कर्मचारियों को सभी लंबित डीए का भुगतान किया गया।

## मुख्यमंत्री केसीआर 16 अक्टूबर को करेंगे बीआरएस घोषणापत्र की घोषणा : हरीश राव

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वित्त मंत्री टी हरीश राव ने बुधवार को कहा कि भारत राष्ट्र समिति का चुनाव घोषणापत्र, जो 16 अक्टूबर को वारंगल में मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव द्वारा जारी किया जाएगा, विपक्षी दलों के लिए एक बड़ा झटका होगा, लेकिन साथ ही इसमें तेलंगाना के लोगों के लिए बड़े आश्चर्य और अच्छी खबरें भी होंगी। हरीश राव ने कहा कि घोषणापत्र, जिसका अनावरण मुख्यमंत्री 16 अक्टूबर को वारंगल में होने वाली विशाल बीआरएस रैली के दौरान करेंगे, में लोगों, विशेषकर महिलाओं के लिए अच्छी खबर होगी। जिन लोगों को अधिक लाभ मिलता है। साथ ही, घोषणापत्र विपक्षी दलों के लिए एक प्रमुख बाधा बन जाएगा क्योंकि वे बीआरएस से मेल नहीं खा पाएंगे।

यह कहते हुए कि चंद्रशेखर राव हमेशा लोगों के लिए आशा का स्रोत थे, हरीश राव ने कहा कि मुख्यमंत्री ने तेलंगाना के लोगों से किए गए हर वादे को पूरा किया है और वास्तव में, कई कल्याण उन्मुख योजनाओं को शुरू करने वाले वादों से आगे निकल गए हैं। तेलंगाना में लागू की जा रही कोई

भी योजना और कल्याण कार्यक्रम कर्नाटक या किसी अन्य कांग्रेस शासित राज्य में नहीं पाया जा सका। उन्होंने बताया कि किसी भी चुनाव में कांग्रेस के घोषणापत्र को शायद ही कभी लागू किया गया था, उन्होंने कहा कि चन्द्रशेखर राव तीसरी बार विजयी होकर हैट्रिक बनाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। इससे पहले, मकथल और देवरकादरा में सार्वजनिक बैठकों को संबोधित करते हुए, हरीश राव ने कहा कि कृष्णा जल में राज्य की हिस्सेदारी तय करने के लिए एक न्यायाधिकरण गठित करने का केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्णय तेलंगाना के लिए एक बड़ी जीत होगी। इस कदम से सुनिश्चित जल का परियोजनावार आवंटन सुनिश्चित होगा। मुख्यमंत्री ने महान दूरदर्शिता का परिचय देते हुए पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना का निर्माण किया था। यह परियोजना एक वर्ष में पूरी तरह चालू हो जाएगी।

कृष्णा जल मुद्दे के समाधान के लिए कृष्णा जल विवाद न्यायाधिकरण-II को आगे की संदर्भ शर्तों (टीओआर) के मुद्दे को मंजूरी देने के केंद्र के फैसले से, तेलंगाना, जो कृष्णा के सबसे बड़े जलग्रहण क्षेत्र के लिए जिम्मेदार है, को काफी लाभ होगा। पूर्ववर्ती महबूबनगर जिले का भी यही हाल था, जहां राज्य में कृष्णा जलग्रहण क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है। उन्होंने कहा कि पानी में राज्य का हिस्सा हमेशा के लिए निर्धारित किया जाएगा।

राज्य की प्रत्येक परियोजना के लिए सुनिश्चित पानी का अपना हिस्सा आवंटित किया जाएगा। पालमुरु-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना का भी यही हाल था। कल्वाकुर्ती, नेट्टमपाडु, भीमा, कोइलसागर और जुराला जैसी परियोजनाओं को भी अपने हिस्से का सुनिश्चित पानी जल्द ही आवंटित किया जाएगा। वास्तव में, केंद्र वस्तुतः इस मुद्दे पर बैठा रहा, जबकि मुख्यमंत्री ने साढ़े नौ साल पहले केंद्रीय जल संसाधन मंत्रालय के साथ यह मुद्दा उठाया था।

यद्यपि राज्य ने कृष्णा जल मुद्दे पर सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया, लेकिन एक वर्ष से अधिक समय पहले इस मुद्दे को एक न्यायाधिकरण द्वारा हल करने की सुविधा के लिए मामले को वापस लेना पड़ा। उन्होंने कहा कि चुनाव करीब आते ही केंद्र इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए अपनी नींद से जाग गया।

## 90 लाख बतुकम्मा साड़ियाँ वितरण के लिए तैयार : मंत्री सत्यवती

सिद्दीपेट, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आदिवासी कल्याण मंत्री सत्यवती राठौड़ ने मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव के शासनकाल को तेलंगाना के लिए स्वर्ण युग बताया है। बुधवार को हुस्नाबाद में महिलाओं को बतुकम्मा साड़ियां वितरित करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, मंत्री ने कहा कि सरकार ने बतुकम्मा उत्सव से पहले तेलंगाना की महिलाओं के लिए वितरण के लिए 90 लाख साड़ियां तैयार रखी हैं।

चूँकि साड़ियाँ तेलंगाना के बुनकरों द्वारा बुनी जाती है, इसलिए तेलंगाना के बुनकर अच्छी आजीविका कमा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार बथुकम्मा साड़ियों पर 500 करोड़ रुपये खर्च कर रही है। विधायक वोडिथेला सतीश कुमार और अन्य उपस्थित थे।

## रेवंत ने कांग्रेस को हराने के लिए लोकसभा चुनाव में बीजेपी-बीआरएस गठबंधन की बात कही

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पीसीसी प्रमुख रेवंत रेड्डी ने लोकसभा चुनाव के लिए बीजेपी-बीआरएस गठबंधन पर कुछ सनसनीखेज टिप्पणियां कीं। उन्होंने दावा किया, हाल ही में संसद में, कुछ भाजपा मित्रों और कुछ बीआरएस मौजूदा सांसदों ने मुझसे कहा कि हालांकि विधानसभा चुनावों में भाजपा और बीआरएस के बीच कोई गठबंधन नहीं है, लेकिन लोकसभा चुनावों में गठबंधन है। विधानसभा चुनावों में, भाजपा सभी सीटों पर चुनाव लड़ेगी और जहां भी कांग्रेस को जीतने का मौका मिलेगा, वहां वोट बांटेगी और बीआरएस को जीतने में मदद करेगी।लोकसभा चुनाव में, बीआरएस नौ सीटों पर, भाजपा सात सीटों पर और एमआईएम एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। चार मौजूदा सीटों के साथ, बीजेपी ने मल्काजगिरी, महबूबनगर और चेवेल्ला लोकसभा सीटें मांगीं। बीआरएस के एक सांसद ने कहा कि गठबंधन पर फैसला भी हो चुका है और बीआरएस मेरी सीट बीजेपी को दे रही है, रेवंत रेड्डी ने कहा।

## विधायक के काफिले के सामने युवकों ने किया आंदोलन

मदनूर, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस पार्टी मंडल अध्यक्ष बंशी पटेल के नेतृत्व में जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे ने विविध विकासात्मक कार्य का आयोजन किया। बुधवार के दिन मदनूर, गोजेगांव, आंतापुर, सोमूर गांव में विकासात्मक कार्य का शुभारंभ करने बाद विधायक कमेटी भवन का शुभारंभ कर वापस राचुर गांव जा रहे थे कि तब धनुर गांव के युवकों ने विधायक के काफिले के सामने तेलंगाना सरकार के विरोध में नारे लगाते हुए आंदोलन किया। उन्होंने प्रदर्शन के दौरान बताया कि जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे विधायक बनने बाद 15 वर्ष में एक दिन भी गांव में नहीं आये। आज हमारी गांव की परिस्थिति बहुत ही दयनीय है। हमारे गांव में मोबाइल सुविधा नहीं है। सड़कों की स्थिति इसनी खराब है कि गांव में एंबुलेंस तक नहीं आ या आज चुनाव आने के साथ आज विधायक को धनुर की याद आई क्या आंदोलन करने वाले युवकों को पोलिस ने बाजू में हटा कर विधायक के वाहन को आगे ज्योंने को कहा गया कुछ देर बाद काफिले के सामने आंदोलन करने वाले युवकों को पोलिस ने आपने कब्जे में लेकर मदनूर पॉलिस्टेशन को लेकर आई

## सीएम केसीआर सरकारी स्कूलों में 6 को शुरू करेंगे नाश्ता योजना

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बच्चों के कल्याण को प्राथमिकता देने की एक और बड़ी पहल में, मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव शुक्रवार, 6 अक्टूबर को तेलंगाना के सभी सरकारी स्कूलों में प्रतिष्ठित 'मुख्यमंत्री नाश्ता योजना' शुरू करने के लिए तैयार हैं। मुख्यमंत्री औपचारिक रूप से इसका शुभारंभ करेंगे। रंगारेड्डी जिले में बच्चों के लिए अनूठी नाश्ता योजना जबकि साथ ही स्थानीय जन प्रतिनिधि तेलंगाना के अन्य जिलों में भी इस योजना का शुभारंभ करेंगे। मंगलवार को आयोजित मुख्यमंत्री नाश्ता योजना की तैयारियों पर तेलंगाना के सभी जिला कलेक्टरों के साथ एक समीक्षा बैठक में, मुख्य सचिव शांति कुमारी ने अधिकारियों को 6 अक्टूबर को सरकारी स्कूलों में नाश्ता योजना के सुचारू शुभारंभ के लिए सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

सीएस ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशों के आधार पर, चल रही मध्याह्न भोजन योजना के साथ, सभी सरकारी स्कूलों में मुख्यमंत्री नाश्ता योजना शुरू की जाएगी। नाश्ता योजना शुरू करने के लिए जिला कलेक्टरों को तेलंगाना के सभी जिलों में प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में एक सरकारी स्कूल की पहचान करने का निर्देश दिया गया है। सीएस ने कहा कि नाश्ता योजना के शुभारंभ के दौरान स्थानीय जन प्रतिनिधियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए उचित व्यवस्था की जानी चाहिए। शहरी केंद्रों पर, नाश्ता योजना अक्षय पात्र फाउंडेशन द्वारा कार्यान्वित की जाएगी, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में, यह योजना स्वयं सहायता समूहों द्वारा शुरू की जाएगी। मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों को बथुकम्मा साड़ियों के वितरण की प्रक्रिया 14 अक्टूबर तक और खेल किट के वितरण की प्रक्रिया 18 अक्टूबर तक पूरी करने का भी निर्देश दिया है।

राज्य सरकार को पूरे तेलंगाना में सरकारी प्राथमिक और उच्च विद्यालयों (कक्षा 1 से 10 तक) में छात्रों के लिए नाश्ता योजना के कार्यान्वयन के लिए हर साल लगभग 400 करोड़ रुपये खर्च करने की उम्मीद है।

## गहराता जा रहा है केयू के छात्रों और प्रबंधन के बीच का विवाद

हनमकोंडा, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। काकतीय विश्वविद्यालय (केयू) के छात्रों और प्रबंधन के बीच विवाद सुलझने के कोई संकेत नहीं दिख रहे हैं क्योंकि विभिन्न राजनीतिक दल और संगठन प्रदर्शनकारी छात्रों के पीछे लामबंद हो गए हैं। केयू स्टूडेंट ज्वाइंट एक्शन कमेटी (जेएसी) के बैनर तले छात्र पीएचडी दाखिले में कथित अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के खिलाफ 30 दिनों से आंदोलन कर रहे हैं। वे प्रवेश और प्रशासन में बड़े पैमाने पर अनियमितता का आरोप लगाते हुए कुलपति प्रोफेसर टी रमेश को हटाने की मांग कर रहे हैं। 2 अक्टूबर को, उन्होंने शहर के सार्वजनिक उद्यान में गांधी प्रतिमा के पास खुद को लोहे की बेड़ियों से बांधकर विरोध का एक अनोखा तरीका अपनाया। छात्रों ने पीएचडी परिणामों में कथित भ्रष्टाचार में शामिल कुलपति और रजिस्ट्रार दोनों के खिलाफ उनके संबंधित पदों से हटाने के अलावा तत्काल आपराधिक मामले दर्ज करने सहित कई मांगें रखी हैं। इसके अलावा, वे केयू के पीएचडी श्रेणी-2 प्रवेश में भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के आरोपों के संबंध में राज्य सरकार से जवाब चाहते हैं। इस बीच, बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के प्रदेश अध्यक्ष आरएस प्रवीण कुमार ने बुधवार को परिसर का दौरा किया और छात्रों के हित के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। प्रवीण कुमार ने सरकार पर काकतीय विश्वविद्यालय आंदोलन के नेताओं के खिलाफ कठोर रुख अपनाने का आरोप लगाया, जिन्होंने तेलंगाना संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

विश्वविद्यालय के अधिकारियों ने कहा कि छात्र निहित स्वार्थों के लिए आम चुनाव से पहले इस मुद्दे का राजनीतिकरण कर रहे हैं।

सांसद हेमंत पाटिल द्वारा सरकारी अस्पताल के अधीक्षक डॉ. वाकोड़े को शौचालय साफ कराये जाने का नांदेड़ के समस्त डाक्टर संगठनों द्वारा विरोध करते हुए रैली निकाली गई।

## केटीआर हनमकोंडा में करेंगे 900 करोड़ रुपये की परियोजनाओं की शुरूआत

हनमकोंडा, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पश्चिम विधायक दास्यम विनय भास्कर ने कहा कि आईटी और उद्योग मंत्री केटी रामाराव शुक्रवार को तीन शहरों की अपनी यात्रा के दौरान 900 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

बुधवार को यहां एमएलसी बस्वाराजू सरैया, विधायक चल्ला धर्मारेड्डी और अन्य बीआरएस नेताओं के साथ एक प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए विनय भास्कर ने कहा कि शहर को मंदिर पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि उस दिन हनमकोंडा में एक आरटीसी मॉडल बस स्टेशन की आधारशिला रखी जाएगी। विनय भास्कर ने कहा कि बीजेपी ओछी राजनीति कर रही है और लोगों को नीचा दिखाने वाली बातें कर रही है. उन्होंने यह भी कहा कि जहां बीआरएस महात्मा गांधी की पूजा कर रही है, वहीं भाजपा नाथूराम गोडसे की पूजा कर रही है, जिसने गांधी की हत्या की थी। विनय भास्कर ने यह भी कहा कि बीआरएस का बीजेपी से कोई लेना-देना नहीं है और पार्टी को एनडीए गठबंधन में शामिल होने की जरूरत नहीं है. उन्होंने भाजपा को चुनौती दी कि अगर पार्टी राज्य के लोगों से प्यार करती है तो वह तत्कालीन आंध्र प्रदेश के विभाजन के दौरान तेलंगाना से किए गए वादों को पूरा करे। विनय भास्कर ने यह भी भविष्यवाणी की कि आगामी चुनावों में भाजपा को जमानत नहीं मिलेगी और पार्टी के मौजूदा विधायक भी हार जाएंगे।

बसवराज सरैया ने कहा कि मंत्री केटी रामाराव पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की टिप्पणी सही नहीं है. उन्होंने यह भी कहा कि देश के सभी लोग तेलंगाना की ओर देख रहे हैं। केयूडीए के अध्यक्ष एस सुंदरराज यादव, केयूडीए के पूर्व अध्यक्ष मैरी यादव रेड्डी, नगरसेवक और अन्य उपस्थित थे।

## जब मोबाइल पर आया एक मैसेज तो मच गया बवाल

**पुलिस ने बुलाकर लिखी एफआईआर, 20 महीने से काट रहा था थाने की चक्कर**

ग्रेटर नोएडा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा की दनकौर पुलिस का एक कारनामा सामने आया है। करीब 20 महीना पहले चोरी हुई एक बाइक की रिपोर्ट पुलिस ने अब दर्ज की है। युवक बाइक चोरी के बाद थाने के कई चक्कर लगाता रहा, लेकिन उसकी रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। बाइक चोरी होने के करीब 2 महीने बाद चालान हुआ तो युवक ने इसकी शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर की और साथ ही आलाधिकारियों को सूचित किया। मामले की जांच हुई और 20 महीने बाद 30 सितंबर को बाइक चोरी की एफआईआर दर्ज हुई। दरअसल, फरवरी 2022 में दनकौर क्षेत्र स्थित खेरली नहर के पास से रोहित नाम के एक सेल्समैन की बाइक चोरी हो गई थी। उस समय पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था। अब चोरी हुई बाइक के चालान का मैसेज पीड़ित के मोबाइल पर आया, जिसके बाद पुलिस ने केस दर्ज किया है।

# लैंड फॉर जॉब घोटाला: लालू-तेजस्वी-राबड़ी को जमानत

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने कथित नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राजद प्रमुख लालू यादव, बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी, बिहार के उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव और राजद सांसद मीसा भारती को जमानत दे दी है। बताया जा रहा है कि इस मामले में अदालत ने राबड़ी, लालू और तेजस्वी यादव समेत 15 आरोपितों को 50000 के निजी मुचलके पर जमानत दी है। इसके अलावा अन्य दो आरोपियों ने बेल के लिए आवेदन नहीं दिया था। राउज एवेन्यू कोर्ट की विशेष न्यायधीश गीतांजलि गोयल के समक्ष सुनवाई हुई।

नौकरी के बदले जमीन मामले में बिहार के पूर्व सीएम और राजद प्रमुख लालू यादव, बिहार की पूर्व सीएम राबड़ी देवी और डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट पहुंचे। इनके साथ राज्यसभा सांसद मिसा भारती और मनोज झा भी कोर्ट पहुंचे। सुनवाई से पहले मीडिया से बातचीत के दौरान लालू यादव ने कहा कि सुनवाई होती रहती है और वह इससे डरते नहीं हैं क्योंकि उन्होंने कुछ भी गलत नहीं किया है। बता दें कि 22 सितंबर को दिल्ली की एक अदालत ने नौकरी के बदले जमीन घोटाले मामले में बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव, पूर्व केंद्रीय रेल मंत्री लालू प्रसाद यादव, पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और 14 अन्य आरोपियों को समन जारी किया था। सीबीआई ने हाल ही में कथित इस घोटाला मामले में लालू प्रसाद यादव समेत उनके बेटे तेजस्वी यादव और अन्य के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है।

सीबीआई ने 18 मई, 2022 को लालू यादव और उनकी पत्नी, दो बेटियों, अज्ञात लोक सेवकों और निजी व्यक्तियों सहित अन्य के खिलाफ मामला दर्ज किया था। आरोप यह लगाया गया था कि 2004-2009 के बीच तत्कालीन केंद्रीय रेल मंत्री ने रेल विभाग के ग्रुप डी में नियुक्ति के बदले में अपने परिवार के सदस्यों आदि के नाम पर जमीन लेकर आर्थिक लाभ प्राप्त किया था। वहीं, बिहार में जातीय गणना की रिपोर्ट जारी होने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसको लेकर पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर निशाना साधते हुए नजर आ रहे हैं। इस बीच, लालू यादव आज लैंड फॉर जॉब मामले में कोर्ट के समक्ष पेश होने वाले हैं। रात दिल्ली में लालू ने मीडिया से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने भाजपा पर जमकर निशाना साधा। इसके अलावा, उन्होंने पूरे देश में जातीय गणना को लेकर आगे की रणनीति के बारे में खुलकर बात की।

**लालू बोले सभी को मिलेगा लाभ**

मीडिया से बातचीत के दौरान लालू ने कहा कि बिहार में जातीय गणना हमलोगों ने करा दी है, अब यह पूरे देश में होना चाहिए। लालू ने कहा कि जातीय गणना से पूरे देश में गरीबों और दलितों को लाभ होगा। इससे सभी को सही हक मिलेगा, अभी तक किसी को वाजिब हक नहीं मिलता था, अब जातीय गणना को लेकर आगे भी काम करना है। वहीं, जब मीडिया द्वारा पूछा गया कि अब आगे की क्या प्लानिंग है? क्या आरक्षण के दायरे को 50 प्रतिशत तक बढ़ाया जाएगा? इसपर जवाब देते हुए लालू ने कहा कि संख्या के अनुरूप आरक्षण के दायरे को बढ़ाया जाएगा।

**लालू बोले- भाजपा की हकमारी पकड़ में आई**

इसके अलावा, लालू यादव ने मीडिया से बातचीत के दौरान भाजपा को भी घेरा। उन्होंने कहा कि भाजपा ने लंबे समय तक लोगों का हक मारा है, अब उसकी हकमारी पकड़ में आई है। गौरतलब है कि नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में आज दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई है। इसको लेकर लालू प्रसाद यादव और उनकी पत्नी राबड़ी देवी के साथ बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पटना से दिल्ली पहुंच गए हैं।

## 4 हजार रुपये की घूस लेते महिला लेखपाल रंगे हाथों गिरफ्तार

कानपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले में एक महिला लेखपाल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया है। कानपुर के घाटमपुर इलाके में एक महिला लेखपाल किसान की जमीन का चिन्हाकन करने के लिए 4 हजार रुपये की घुस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार हुई। एंटी करप्शन टीम ने महिला लेखपाल अंजली यादव को उनके परिचित दुकानदार के साथ घुस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार करके पुलिस को सौंप दिया। पुलिस ने लेखपाल और उनके परिचित दुकानदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है, जबकि डीएम ने महिला लेखपाल को सस्पेंड कर दिया है।

**क्या है पूरा मामला?**

कानपुर के घाटमपुर के रहने वाले राजेश कुमार की जमीन थी, जिसमें उनके दो भाई और शामिल थे। राजेश कुमार ने अपनी जमीन को अपने नाम करके अपने हिस्से की जमीन का चिन्हाकन करने के लिए लेखपाल अंजली यादव से अपील की। आरोप है कि महिला लेखपाल ने राजेश कुमार से 5 हजार रुपये की घूस की मांग कर ली और दोनों के बीच 4 हजार रुपये पर मामला तय हुआ। इसके बाद उन्होंने पुलिस कमिश्नर ऑफिस में एंटी करप्शन टीम को भी इसकी सूचना दे दी। राजेश ने घूस देने के लिए महिला लेखपाल से बात की तो उन्होंने एक दुकानदार शिवराज सिंह की दुकान पर पैसा लेने के लिए बुलाया। राजेश पैसा लेकर पहुंचे तो दोनों ने राजेश से पैसा ले लिया, लेकिन इसी दौरान एंटी करप्शन टीम ने महिला लेखपाल और उनके दुकानदार को पैसा लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। दोनों को हनुमान बिहार थाने में एफआईआर लिखकर पुलिस को सौंप दिया गया है। थानेदार उदय प्रताप ने बताया कि पुलिस ने एफआईआर लिखकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

# लोकसभा चुनाव 2024: ओबीसी वोटों पर सबकी नजर

## यूपी में ब्लॉक लेवल तक जातीय जनगणना को धार देगी कांग्रेस

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस लोकसभा चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। यूपी में जातीय जनगणना की मांग को लेकर कांग्रेस ने अब जिलों का रुख कर दिया है। मंडल स्तर पर सम्मेलनों के बाद जिलों-जिलों में बैठकें आयोजित करने की शुरुआत हो गई है। इसमें जातीय जनगणना की जरूरत लोगों को बताई जा रही है। उन्हें यह भी बताया जा रहा है कि आखिर सरकार जातीय जनगणना क्यों नहीं करवाना चाहती है?

जिला स्तर पर सम्मेलन के बाद इसे ब्लॉक और न्याय पंचायतों तक भी ले जाया जाएगा। जातीय जनगणना का मसला अब तक कांग्रेस ने इतने पुरजोर तरीके से नहीं उठाया था। हालांकि केंद्रीय नेतृत्व की तरफ से स्टैंड साफ होने के बाद इसे अगले साल होने वाले लोकसभा चुनाव के पहले जमीनी स्तर पर ले जाने की कवायद जारी है। प्रदेश कांग्रेस के संगठन सचिव अनिल यादव के मुताबिक मंडलीय सम्मेलनों में लोगों का रुझान कांग्रेस की इस मुहिम के पक्ष में रहा है। लोग चाहते हैं कि जातीय जनगणना हो, ताकि वे सामाजिक न्याय में सहभागी हों। वहीं, पूर्व प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिख मांग की है कि बिहार के दिखाए रास्ते पर चलकर यूपी में भी यह जनगणना करवाई जाए, ताकि जातियों के वास्तविक आंकड़े मिल सकें।

**क्यों है ओबीसी पर फोकस?**

समाज का एक बड़ा तबका अन्य पिछड़ी जातियों से ताल्लुक रखता है। यह पूरा समाज किसी एक दल का वोटर नहीं है, बल्कि अलग-अलग जातियां अपने सामाजिक ताने-बाने के मुताबिक अलग-अलग दलों को वोट करती रही हैं। हाल के वर्षों में भाजपा ने ओबीसी वोटरों को अपने वोटबैंक में प्लस किया है, जिसकी वजह से उसके चुनावी परिणामों में बड़ा अंतर दिखाई दे रहा है। ऐसे में कांग्रेस ओबीसी वोटरों को जातीय जनगणना के आधार पर लुभाकर अपने साथ लाना चाहती है। कांग्रेस की मंशा है कि अगर ओबीसी वोटरों का एक वर्ग उसके पास आता है तो उसे चुनावी लाभ हो सकता है।

## मुजफ्फरपुर में महिला की गोली मारकर हत्या

मुजफ्फरपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नगर थाना क्षेत्र के चंदवारा अली मिर्जा रोड में 4 अक्टूबर की रात एक महिला की बदमाशों ने गोली मारकर हत्या कर दी। वह फिजियोथेरेपी कराकर लौट रही थी। इसी दौरान रास्ते में बाइक से पहुंचे बदमाशों ने हत्या की इस वारदात को अंजाम दे दिया। सीसीटीवी में पूरी घटना कैद हो गई है। घटना की जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। हत्या का कारण पता नहीं चला है। पुलिस ने घटनास्थल से गोली का खोखा बरामद किया है। इस मामले में टाउन एएसपी अवधेश दीक्षित ने कहा मामले की जांच की जा रही है। शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है। घटना की वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है। बाइक सवार दो लोगों ने अंजाम दिया है।

# बिहार जाति जनगणना: 'जितनी भागीदारी

## उतनी हिस्सेदारी', तो क्या अब फिर होगा मंत्रिमंडल विस्तार?

पटना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार जाति जनगणना के बाद से ही प्रदेश में 'जितनी भागीदारी, उतनी हिस्सेदारी' को लेकर नई बहस छिड़ गई है। आबादी के एतबार से आरक्षण और हिस्सेदारी पर चर्चा हो रही है। अलग-अलग समुदायों के नेता अपनी-अपनी जातियों के लिए प्रतिनिधित्व की वक़ालत कर रहे हैं। सियासी गलियारों में यह चर्चा हो रही है कि, जाति आधारित गणना रिपोर्ट से यह साफ़ है कि 14 फिसदी यादवों की तादाद होने पर तेजस्वी डिप्टी सीएम हैं, तो वहीं मुस्लिम समुदाय की तादाद 17.70 फीसदी है तो मुस्लिम चेहरा क्यों नहीं उपमुख्यमंत्री बनाया जा सकता है। मुस्लिम के समर्थन से यादव की सियासत मज़बूत होने का दावा होता रहा है, वहीं 2.87 फीसदी आबादी वाली कुर्मी जाति से नीतीश कुमार मुख्यमंत्री बने हुए हैं, तो फिर क्यों नहीं नीतीश को सीएम पद से हटाकर तेजस्वी को सीएम बना दिया जाए और मुस्लिम चेहरा को डिप्टी सीएम बनाया जाए। प्रदेश के सियासी गलियारों में विभिन्न समुदायों का प्रतिनिधित्व कर रहे लोग तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री पद देने की चर्चा कर रहे हैं। धीरे-धीरे यह मांग सियासी रूप लेते हुआ भी नज़र आने वाला है। बिहार सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के बाद अलग ही सियासी समीकरण बनने लगे हैं। जाति आधारित गणनों के मुताबिक अति पिछड़ा वर्ग की आबादी का लगभग 36 फ़ीसद है, लेकिन इनके समुदाय से एक भी उपमुख्यमंत्री नही है। अनुसूचित जाति की तादा 19.65 फीसदी है, और मुसलमानों की तादाद 17 फीसद से कुछ ज़्यादा है। प्रदेश सरकार के जारी आंकड़ों के बाग कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से 3 नए उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग की है।

उन्होंने कहा कि जिसकी जितनी तादाद भारी, उतनी उसकी हिस्सेदारी। सीएम नीतीश कुमार को एक मुस्लिम, एक अतिपिछड़ा और एक अनुसूचित जाति के नेता को डिप्टी सीएम की ज़िम्मेदारी सौंपनी चाहिए। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी (हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा) की भी यही मांग है। डॉ। तारा श्वेता आर्या (राष्ट्रीय सचिव, हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा) ने कहा कि जातीय आधारित रिपोर्ट से साफ हो गया है कि प्रदेश में भारी तादाद अनुसूचित जाति, अनुसूचित जन जाति, पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग समुदाय को लोग हैं।

## 'मुस्लिम महिलाएं बच्चा पैदा करने की मशीन

### मेरी मां भी ऐसे ही मरी' शिवानी बन शबाना ने सुनाई कहानी

बरेली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुस्लिम धर्म में महिलाओं को बच्चा पैदा करने की मशीन समझा जाता है। मेरी मां भी बच्चे पैदा करते-करते मर गई। हिंदू धर्म में खुली हवा में सांस लेने की आजादी है। मैं शिव भक्त हूं... ' ये बातें शबाना से शिवानी बनी महिला ने कही हैं। उत्तर प्रदेश के बरेली की रहने वाली शिवानी ने अपने हिंदू प्रेमी से शादी की है और वो हिंदू रीति रिवाजों के मुताबिक रहना पसंद करती हैं। शिवानी ने बुर्का, हिजाब, तीन तलाक, हलाला और बहु विवाह को कुप्रथा बताया। बरेली में शिवानी ने मंगलवार को हिंदू धर्म अपना लिया। फरीदपुर की रहने वाली 21 साल की शबाना अब शिवानी बन गई है और उसने अरविंद के साथ हिंदू रीति रिवाज से शादी कर ली है। मढ़ीनाथ स्थित अगस्त मुनि आश्रम में आचार्य पंडित के के शंखधार ने गौमूत्र और गंगाजल से शबाना का शुद्धिकरण करवाया, जिसके बाद मंत्रोच्चार के साथ शिवानी ने अरविंद के साथ सात फेरे लिए। दरअसल, फरीदपुर के भगवंतापुर की रहने वाली शबाना पड़ोस के गांव केरुआ के रहने वाले अरविंद से प्यार करती है। शबाना भगवान भोलेनाथ की भी पूजा करती है और उनका जलाभिषेक भी करती है। इतना ही नहीं, वो ओम नमः शिवाय मंत्र का जाप भी करती है। उसकी भोलेनाथ में बहुत आस्था है। शबाना अब शिवानी बन गई है। उसका कहना है कि इस्लाम में महिलाओं को बच्चा पैदा करनी वाली मशीन समझा जाता है।

# यूपी के इस चर्चित आईएएस ने दिया इस्तीफा, फरवरी से चल रहे थे सस्पेंड

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। 2011 बैच के आईएएस अधिकारी अभिषेक सिंह ने भारतीय प्रशासनिक सेवा से इस्तीफा दे दिया है। वे फ़रवरी 2023 से ही निलंबित चल रहे थे। 2011 बैच के आईएएस अफसर उस वक्त सुर्ख़ियों में आए थे जब उन्हें गुजरात चुनाव के दौरान पर्यवेक्षक बनाया गया था और उन्होंने सरकारी गाड़ी के साथ एक फोटो सोशल मीडिया पर शेयर की थी। उनकी पत्नी दुर्गाशक्ति नागपाल भी 2010 की आईएएस अधिकारी हैं और मौजूदा समय में बांदा जिले की डीएम हैं। मूलतः जौनपुर जिले के रहने वाले अभिषेक सिंह ने 2011 में यूपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद 2013 में पहली

जोइनिंग जॉइंट मजिस्ट्रेट के रूप में हुई थी। हालांकि फिर वे सस्पेंड हो गए थे। इसके बाद 2015 में वे तीन साल के लिए दिल्ली सरकार में प्रतिनियुक्ति पर चले गए थे। जिसके बाद उनका डेप्युटेशन दो साल के लिए बढ़ा दिया गया था। हालांकि उनके मेडिकल लीव पर चले जाने के बाद उन्हें 2020 में उनके मूल कैडर में वापस भेज दिया गया था। मिल रही जानकारी के मुताबिक अभिषेक सिंह अपनी नई पारी सियासत से शुरू कर सकते हैं। अभी पिछले दिनों ही उन्होंने जौनपुर में भव्य गणेशोत्सव का आयोजन करवाया था, जिसमें कुछ बॉलीवुड के एक्टर भी शामिल हुए थे। उनके इस आयोजन को चुनाव लड़ने से जोड़ कर देखा गया था। कहा जा रहा है कि अभिषेक सिंह 2024 का चुनाव लड़ सकते हैं। अभिषेक सिंह बॉलीवुड की कुछ फिल्मों और एल्बम में एक्टिंग भी कर चुके हैं। अब उनके इस्तीफे के बाद चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे हैं।

## एनएच-27 पर भीषण सड़क हादसा

**गुरुग्राम से बिहार जा रही बस और ट्रक की टक्कर, 2 यात्रियों की मौत, 9 घायल**

अयोध्या, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ-अयोध्या एनएच-27 पर बुधवार को हुए भीषण सड़क दुर्घटना में बिहार के दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि 9 यात्री घायल हो गए। सात यात्रियों को दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज व दो यात्रियों को अयोध्या के जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। दरअसल हरियाणा के गुरुग्राम से यात्रियों से भरी एक बस बिहार के मधुबनी जा रही थी और जैसे ही भोर में अयोध्या पहुंची तभी किन्हीं कारणों से बस कोतवाली नगर के नाका ओवर ब्रिज पर रुक गई और पीछे से आ रही ट्रक ने टक्कर मार दी। मरने वाले यात्री बिहार के मधुबनी व सुपौल के रहने वाले हैं।

## वाराणसी में दर्दनाक हादसा

### कार और ट्रक की भिड़ंत में आठ लोगों की मौत

वाराणसी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वाराणसी से एक दर्दनाक हादसे की खबर आ रही है। फूलपुर थाना के करखियांव में कार और ट्रक की भिड़ंत में आठ लोगों की मौत हो गई है। सभी मृतकों की पहचान पीलीभीत निवासी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सभी वाराणसी दर्शन-पूजन के लिए आए थे और वापस घर लौट रहे थे। घटना की जानकारी मिलते ही आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने घटना पर शोक व्यक्त किया है। एक्स पर सीएम के ऑफिसियल अकाउंट से पोस्ट में लिखा- 'मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी महाराज ने जनपद वाराणसी में सड़क दुर्घटना में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। महाराज जी ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को घायलों के समुचित उपचार हेतु निर्देशित किया है। महाराज जी ने बाबा विश्वनाथ से दिवंगत आत्माओं की शांति एवं घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

## पश्चिम यूपी में मौसम ने ली करवट सुबह छाया घना कोहरा

लखनऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर, लखनऊ सहित कई जिलों में जहां सुबह से तेज धूप निकली है वहीं पश्चिमी यूपी के बदायूं, शाहजहांपुर में बदल डेरा डाले हुए हैं। सुबह तो घना कोहरा छाया था। वाहनों को लाइट जलाकर निकलाना पड़ा। वहीं अन्य हिस्सों में धूप और बादलों की लुकाछिपी जारी है। रुहेलखंड समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश के साथ कोहरे छाने लगा है। बुधवार सुबह गंगा, रामगंगा समेत नमी वाले क्षेत्रों में मौसम का परिदृश्य बदला नजर आया। कोहरे की तरह की धुंध छाई रही। सघनता की वजह से सुबह साढ़े सात बजे वाहनों की लाइट जलाकर सफर तय करना पड़ा। राज्य कृषि मौसम केंद्र के प्रभारी व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डा। अतुल सिंह ने बदले परिदृश्य को मानसून विदाई का संकेत बताया है। बदायूं में भी मौसम का मिजाज बदल गया है। बुधवार सुबह कोहरा छाया रहा। आठ बजे तक हाईवे पर लाइट जलाकर वाहन निकल रहे थे। रेलवे स्टेशन के करीब से भी पटरी नहीं दिखाई दे रही थी। तापमान में भी गिरावट आई है। मौसम में आए बदलाव को सर्दी का सीजन शुरू होने का संकेत माना जा रहा है। रुहेलखंड समेत पश्चिमी उत्तर प्रदेश से मानसून की विदाई के साथ कोहरे ने दस्तक दे दी है। बुधवार को गंगा, रामगंगा समेत नमी वाले क्षेत्रों में मौसम का परिदृश्य बदला नजर आया। कोहरे की तरह की धुंध छाई रही। सघनता की वजह से सुबह साढ़े सात बजे वाहनों की लाइट जलाकर सफर तय करना पड़ा। यहीस्थिति गंगा, रामगंगा क्षेत्र में शाम थी वायुमंडल की नमी भी 58 प्रतिशत दर्ज हुई। राज्य कृषि मौसम केंद्र के प्रभारी व वरिष्ठ मौसम विज्ञानी डा। अतुल सिंह ने बदले परिदृश्य को मानसून विदाई का संकेत बताया है।

# विधान परिषद-विधानसभा में हुई भर्तियों की जांच सीबीआई ही करेगी

## एचसी ने खारिज की रिव्यू पिटीशन

प्रयागराज, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने विधान परिषद और विधानसभा में हुई भर्तियों की सीबीआई जांच को लेकर विधान परिषद की तरफ से दाखिल की गई रिव्यू पिटीशन को खारिज कर दिया है। हाई कोर्ट में जस्टिस एआर मसूदी और जस्टिस ओपी शुक्ला की डबल बेंच ने सीबीआई जांच के आदेश को बरकरार रखते हुए रिव्यू पिटीशन खारिज की है। हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच के आदेश पर 29 सितंबर को यूपी विधानसभा और विधान परिषद सचिवालय में हुई भर्तियों की सीबीआई जांच शुरू कर दी गई थी, लेकिन विधान परिषद की तरफ से सीबीआई जांच के आदेश को लेकर रिव्यू पिटीशन दाखिल की गई, जिसे हाई कोर्ट के डबल बेंच में जस्टिस ए आर मसूदी और ओपी शुक्ला की डबल बेंच ने खारिज कर दिया है। माना जा रहा है कि सीबीआई की एंटी करप्शन ब्रांच जल्द विधानसभा और विधान परिषद के सचिवालय में हुई भर्ती को लेकर दस्तावेज जुटाने के लिए पूछताछ का दौर शुरू करेगी।

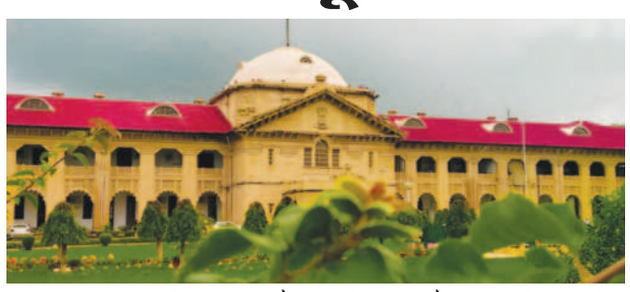

**क्या था पूरा मामला?**

दरअसल, हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच मे एक याचिका दाखिल की गई, जिसमें मांग की गई है कि विधानसभा और विधान परिषद में तृतीय श्रेणी के पदों के लिए भर्ती उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के जरिए ही कराई जाए। याचिका में मांग की गई की विधान परिषद सचिवालय में समीक्षा अधिकारी, सहायक समीक्षा अधिकारी और अपर निजी सचिव सहित 11 कैडर के लिए 99 पदों पर 17 जुलाई 2020 और 27 सितंबर 2020 के विज्ञापनों के बाद भर्ती की गई उनको निरस्त किया जाए। आरोप लगाया गया कि भर्ती प्रक्रिया में नियमों का पालन नहीं किया गया। अफसर और नेताओं की मिली भगत से उनके ही परिवार वालों को नौकरी दी गई। परीक्षा वाले दिन गोरखपुर में पेपर लीक हुआ। 7 दिसंबर 2020 को विधानसभा सचिवालय में सहायक समीक्षा अधिकारी के 13 और समीक्षा अधिकारी के 53 पदों समेत कुल 87 पदों के लिए विज्ञापन निकालने के बाद भर्ती प्रक्रिया शुरू की गई। इस साल विधान परिषद में 73 पदों की भर्ती के लिए विज्ञापन निकाले गए, जिसमें एआरओ के पद की भर्ती का जिक्र नहीं था। संशोधन के बाद एआरओ के 23 पदों के लिए भी विज्ञापन मांगे गए थे। इस तरह विधान परिषद के लिए 96 पदों की भर्ती निकाली गई। इस भर्ती प्रक्रिया में आरोप लगाया गया कि अभ्यर्थियों ने लिखित परीक्षा में ओएमआर सीट खाली छोड़ दी थी, वह भी पास कर दिए गए। भर्तियों में भाई भतीजावाद और सचिवालय के अफसर और परीक्षा कराने वाली संस्था की मिली भगत से खास लोगों पर नियुक्ति का आरोप लगा है। इसी गड़बड़ी को लेकर हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच में दाखिल की गई याचिका पर सुनवाई करते हुए कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए थे, लेकिन विधान परिषद की तरफ से इस मामले में रिव्यू पिटीशन दाखिल की गई, जिसे हाई कोर्ट ने अब खारिज कर दिया है।

## 35 साल की महिला को पत्नी की तरह रखने लगा 75 साल का तांत्रिक, फिर हुआ ये अंजाम

गोंडा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के गोंडा में 30 सितंबर को महिला की अधजली लाश मिली थी। इस मामले की जब पुलिस ने जांच-पड़ताल की तो पूरी घटना का खुलासा हो गया। दरअसल, 35 साल की महिला 75 साल के तांत्रिक के साथ पत्नी की तरह रहने लगी थी। महिला ने तांत्रिक की किसी बात को मानने से इनकार कर दिया था। इसी को लेकर तांत्रिक ने महिला की हत्या कर लाश जला दी थी। जानकारी के अनुसार, बीते 30 सितंबर को गोंडा के खोंडारे थाना क्षेत्र के कुआनो जंगलों में महिला का शव मिला था। पुलिस ने शव मिलने के बाद तफ्तीश शुरू की और उसकी शिनाख्त कराई तो उसकी पहचान सिद्धार्थनगर निवासी मीना के रूप में हुई। पुलिस ने इस मामले में महिला के परिजनों की शिकायत पर आरोपी तांत्रिक भगवानदीन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

# महाराष्ट्र की राजनीति में क्या फिर बनेंगे नए समीकरण

## कैबिनेट मीटिंग में अजित पवार की गैर-मौजूदगी से लग रहे कयास

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजित पवार की कैबिनेट मीटिंग में गैर-मौजूदगी से महाराष्ट्र की राजनीति में फिर से किसी नए समीकरण की ओर इशारा करते दिखाई पड़ने लगे है। अपने समय और काम के पाबंद अजित पवार के बीते दिन मंत्रिमंडल की बैठक में गैर-मौजूदगी ने कई सवाल खड़े किए है। अपने राजनीतिक और मंत्रिपद के कार्यकाल में शायद ही अजित पवार मुंबई में होने के बाद भी गैरमौजूद रहे हों। बीते दिन कैबिनेट के मीटिंग में सबसे पहली चर्चा नांदेड के सरकारी अस्पताल में 24 मौतों पर हुई जो एक ही दिन में दर्ज की गई थी। इन मौतों से सरकारी अस्पताल की बदइंतजामी फिर एक बार सामने आई है।

**तीन सदस्यीय टीम का गठन**

गौरतलब है कि यह अस्पताल मेडिकल एजुकेशन के अंतर्गत आता है और इस विभाग के मंत्री हसन मुशरिफ हैं और हसन मुशरिफ अजित पवार गुट के है। दवाईंया उपलब्ध कराने की ज़िम्मेदारी सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग की है जिसके मंत्री तानाजी सावंत हैं और ये एकनाथ शिंदे गुट के मंत्री हैं। मौत की वजह जरूरी दवाइयों का अभाव है या फिर डॉक्टर, नर्स का मौजूद न होना या और कुछ और। इस सबकी जांच के लिए सरकार तीन सदस्यीय टीम का गठन किया गया हैं। जल्द ही रिपोर्ट पेश करने के आदेश मुख्यमंत्री ने दिए है।

**उठाए ये मुख्यमंत्री एकनाथ पर सवाल**

कुछ महीने पहले जब ठाणे के अस्पताल में एक ही दिन में 18 मरीजों की मौत का मामला सामने आया था, तब राष्ट्रवादी कांग्रेस शरद पवार गुट के विधायक जितेंद आव्हाड ने मुख्यमंत्री एकनाथ पर सवाल उठाए थे। सूत्र बताते हैं कि अजित पवार ने कैबिनेट की मीटिंग में मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से पूछा था कि आपके ठाणे शहर के अस्पताल में क्या चल रहा है? इस एकनाथ शिंदे ने हंसकर टाल दिया था।

उस वक्त मौजूद देवेंद्र फडणवीस ने भी बीच-बचाव कर बहस को दूसरी दिशा में मोड़ दिया था, लेकिन इस विवाद का असर यह हुआ कि अजित पवार और मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे में कोल्ड वॉर की शुरुआत हो गई। आइए नजर डालें उन घटनाक्रम पर जिस कारण अजित पवार और एकनाथ शिन्दे में दूरियां बढ़ती नजर आईं।

**कई मौकों पर साथ नहीं गए अजित पवार**

जानकारी दें कि जब जालना में मराठा आरक्षण की मांग कर रहे मनोज जरांगे पाटिल से मिलने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गए तो वहां अजित पवार साथ नहीं गए। फिर जब अमित शाह गणपति दर्शन के लिए मुंबई आए, उस वक्त भी अजित, अमित शाह से मिलने नहीं पहुंचे। वहीं, जेपी नड्डा मुंबई आए तब भी अजित पवार पूर्व निर्धारित कार्यक्रमो में व्यस्त रहे। अजित पवार के पास वित्त मंत्रालय होने की वजह से वह सभी विभागों के बड़े प्रोजेक्टों की फाइल देखने लगे, जो एकनाथ शिंदे को नागवार गुजरी।

**बढ़ती जा रहीं है दूरियां**

उल्लेखनीय है कि अजित पवार की प्रशासन पर पकड़ है। कई सालों तक मंत्री बने रहने और कई मंत्रालयों में काम करने का उन्हें गाढ़ा अनुभव है। कहा जाता हैं कि मौजूदा सरकार में भले ही मुख्यमंत्री पद पर एकनाथ शिंदे हों लेकिन सरकार के अहम निर्णय उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के रजामंदी के पूरे नहीं होते। अब जबकि अजित पवार भी सरकार का हिस्सा है और वित्त मंत्रालय उनके पास होने की वजह से हर एक विभाग में अपना हस्तक्षेप रखते हैं। ऐसे में दूरियां तो बढ़ेंगी ही। सूत्रों की माने तो मंत्रीमंडल का तीसरे विस्तार में कुछ ही दिनों में हो सकता है क्योंकि अभी 14 मंत्री पद बाकी बचे हुए हैं, जिसमें से अजित पवार गुट के एक कैबिनेट और 2 राज्य मंत्री पद की मांग कर रहे हैं। मौजूदा स्थिति अपना कुनबा सम्भालने के लिए एकनाथ शिंदे गुट को ज्यादा मंत्री पद की जरूरत है। वहीं बीजेपी में भी कई ऐसे नेता है जिन्हें मंत्री पद की आस है इसलिए अब और मंत्री पद मांगा गया है, साथ ही गार्जियन मंत्री पद के लिए भी मांगा गया जिला शिंदे व फडनवीस के देने से इनकार करने की खबरें भी राजनीतिक गलियारों में चर्चित हैं।

**अजित पवार साथ नहीं आए दिल्ली**

बीते दिन एकनाथ शिंदे और देवेंद्र फडणवीस दिल्ली पहुंचे, लेकिन अजित पवार साथ नहीं आए। इसका कारण बताया गया उनकी तबियत ठीक नहीं है। ख़ुद मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि अजित पवार की तबियत ठीक नहीं इसीलिए वे मंत्री मंडल की बैठक में नहीं आए उनकी गैर मौजूदगी का कोई और मतलब निकलने की जरूरत नहीं है। अजित पवार ने हाल ही में बारामती दौरे पर कहा था कि आज उनके पास वित्त मंत्री पद है, वे सरकार में हैं कल होंगे या नहीं पता, कल किसी ने नहीं देखा है। राजनीतिक सूत्रों की मानें तो अजित पवार की नाराजगी सरकार में शामिल होने के दिनों से ही दिखाई दे रही थी जो अब और गहरी होती जा रही है इसलिए अपने फैसले से हमेशा सभी को चौंका देने वाले अजित पवार कोई और चौकाने वाला फैसला ले तो आश्चर्य नहीं होगा।

## 12वीं में फेल होकर भी आईपीएस अधिकारी बने मनोज से मिलना चाहते हैं दिग्विजय सिंह

मुरैना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुरैना जिले के छोटे से गांव के रहने वाले आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा ऐसे युवाओं के लिए बड़ी प्रेरणा हैं जो मोहब्बत में उलझ कर समय और करियर बर्बाद कर लेते हैं। आईपीएस मनोज शर्मा ने प्यार की खातिर सारी विपरीत परिस्थितियों से आगे बढ़कर यूपीएससी का एग्जाम क्रैक कर लिया। इन आईपीएस अधिकारी से प्रभावित होकर पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने उनसे मिलने की इच्छा तक जाहिर की है। आईपीएस अधिकारी मनोज शर्मा को लेकर लेखक अनुराग पाठक ने 'ट्वेल्थ फेल' पुस्तक लिखी। इस पुस्तक में उन सभी बातों का उल्लेख किया गया है जो मनोज शर्मा ने सहा है। मुरैना के रहने वाले मनोज शर्मा ने काफी गरीबी देखी। उन्होंने कक्षा आठवीं, दसवीं में तीसरा स्थान हासिल कर पासिंग मार्क्स अर्जित किए। इसके बाद जब उन्होंने 12वीं की परीक्षा दी तो फेल हो गए। इस दौरान उन्हें अपनी क्लासमेट श्रद्धा से प्रेम हो गया। जब 12वीं फेल हो गए तो उन्होंने मायूस होने की वजह अपने हौसले को और बुलंद कर दिया। एक बार मनोज शर्मा ने श्रद्धा से बातों ही बातों में कह दिया, यदि वह हां, कर दे तो दुनिया भी पलट सकते हैं। मनोज शर्मा ने केवल कहा ही नहीं बल्कि कर दिखाया। उन्होंने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद यूपीएससी जैसी कठिन परीक्षा में 121वीं रैंक हासिल कर आईपीएस कैडर में उपस्थिति दर्ज करा दी। उन्होंने क्लासमेट श्रद्धा से ही विवाह किया और वर्तमान में आईपीएस अधिकारी की पत्नी भारतीय राजस्व सेवा की अधिकारी है।

# 'चुनाव लड़ने पर मैं नहीं, मेरी पार्टी बात करेगी'

## बीजेपी से नाराजगी की अफवाहों के बीच क्या बोलीं उमा भारती?

भोपाल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों पूर्व सीएम उमा भारती ने प्रदेश की राजनीति में ओबीसी आरक्षण का मुद्दा उछाल दिया था, जिससे बीजेपी की टेंशन बढ़ गई थी। इसके बाद पार्टी संगठन से लगातार नारजगी की चर्चा के बीच बीजेपी की फायर ब्रांड नेता और मध्य प्रदेश की पूर्व सीएम भारती इन दिनों लगातार सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी बातों को जनता के सामने रख रही हैं। उमा भारती ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर ट्वीट कर कहा कि, मैं जो ट्वीट करती हूं उससे अधिकतम लोगों से मेरा संपर्क, कई खबरों की पुष्टि और कई खबरों का खंडन हो जाता है।

**'चुनाव लड़ने पर पार्टी लेगी फैसला'**

वहीं अपने दूसरे ट्वीट में उमा भारती ने कहा कि, '2024 का चुनाव लड़ने की बात तो मैंने 2019 में कही थी, विधानसभा चुनाव लड़ने की चर्चा पूर्णतः निराधार थी, अब मेरे लोकसभा चुनाव लड़ने पर मैं नहीं, मेरी पार्टी बात करेगी।' वहीं अपने तीसरे ट्वीट में उमा भारती ने कहा कि, 'भैया दूज तक जो कि 15 नवंबर को है, चार धाम के लगभग सब कपाट बंद हो जाते हैं। मैं चार-पांच दिन पहले ही हिमालय छोड़ देती हूं। क्योंकि जो व्यक्ति कपाट बंद होने के समय वहां रहता है उसे कपाट खुलते समय भी वहां रहना चाहिए, यही नीति एवं परंपरा है। कपाट खुलते समय कई बार वहां पहुंचना मुश्किल हो जाता है।'

**'मैं बेहद खुश हूं कि'**

बता दें कि, अपने आखिरी ट्वीट में उमा भारती ने कहा,' मैं बेहद खुश हूं जिंदगी की हर घड़ी सार्थक है एवं खुशियों से भरपूर है। मेरी खुशियां तो इसी से निकल रही हैं कि मैं आपके काम आती हूं।' वहीं उमा भारती ने कहा था कि, 'हमारी पार्टी ने मध्य प्रदेश में कुछ केंद्रीय मंत्रियों एवं सांसदों को विधानसभा चुनाव में उतारा है, इस निर्णय का अभिनंदन। यह सभी नाम अपने-अपने क्षेत्र में ऐसी लहरें पैदा करेंगे जिससे पूरा प्रदेश विधानसभा चुनाव में लाभान्वित होगा।

## कॉर्बेट टाइगर रिजर्व: गोमती और ब्रांडी हुए रिटायर, हुआ भव्य विदाई समारोह, माला पहनाकर लगाया बैच

नैनीताल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में लंबे समय से अपनी सेवा दे रही गोमती हथिनी और ब्रांडी कुत्ता आज रिटायर हो गए। बुधवार को विदाई देते हुए उन्हें सेवानिवृत किया गया। कॉर्बेट प्रशासन ने आमडंडा गेट पर दोनों के लिए भव्य विदाई समारोह आयोजित किया। गोमती को 40 साल पहले आसाम से लाया गया था। गोमती हथिनी ने कई महत्वपूर्ण अभियानों में अपना योगदान दिया। 65 वर्ष की आयु पूर्ण करने के बाद अब गोमती को एनटीसीए के मानक के अनुरूप सेवानिवृत्ति कर दिया गया। वहीं, स्नीफर डॉग ब्रांडी को भी सेवानिवृत किया गया। ब्रांडी ने भी कई महत्वपूर्ण अभियानों में अपनी भूमिका निभाई है।

## नरबलि! अमर होने की इच्छा में काट डाली बच्चे की गर्दन, पी गया खून

खन्ना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब के खन्ना में नरबलि का मामला सामने आया है। यहां एक युवक ने किसी तांत्रिक के कहने पर पड़ोस में रहने वाले 4 साल के बच्चे की गला काट कर हत्या कर दी। यही नहीं आरोपी ने बच्चे का खून भी पीया।घटना पंजाब के खन्ना जिले में सिटी खन्ना थाना क्षेत्र का है। सोमवार देर रात को आरोपी ने बच्चे को अगवा किया था। परिजनों को मामले की जानकारी मंगलवार की सुबह हुई। इसके बाद हरकत में आई पुलिस ने महज चार घंटे के अंदर बच्चे का शव बरामद करते हुए आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। वहीं अब पुलिस आरोपी की निशानदेही पर तांत्रिक की तलाश में जुट गई है। पुलिस के मुताबिक आरोपी की पहचान अरविंदर कुमार के रूप में हुई है। वह समाज का ना केवल ताकतवर आदमी बनना चाहता था, बल्कि वह अमर भी होना चाहता था। इसके लिए वह कई तरह की सिद्धियां हासिल करना चाहता था। आरोपी ने पुलिस की पूछताछ में बताया कि इन सिद्धियों के लिए उसने एक तांत्रिक से संपर्क किया था।

# मंत्रियों-अफसरों के देश-विदेश के दौरों का देना होगा हिसाब, राज्य सूचना आयोग सख्त

शिमला, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के मंत्रियों और अफसरों के देश-विदेश के दौरों पर हुए खर्च का पाई-पाई का हिसाब जनता को देना होगा। सरकारी विभागों को सबसे साझा करना होगा कि इन्होंने ऐसी यात्राओं पर कितना बजट खर्च किया और राज्य को क्या लाभ हुआ। राज्य सूचना आयोग ने सख्ती दिखाते हुए छह महीने के अंदर विभागों को यह जानकारी स्वतः संज्ञान आधार पर सार्वजनिक करने के लिए कहा है। सरकारी महकमे यह जानकारी अपनी वेबसाइट पर डालेंगे। उन्हें यह भी विवरण देना होगा कि मंत्री और अफसर किन-किन स्थलों का दौरा करके आए। कितने लोग देश-विदेश जाने वाले प्रतिनिधिमंडलों में शामिल थे। राज्य सरकार के सचिव प्रशासनिक सुधार सी पाल रासू ने इस संबंध में सभी प्रशासनिक अधिकारियों और विभागाध्यक्षों को एक पत्र भेजा है। इसमें उन्होंने राज्य मुख्य सूचना आयुक्त आरडी धीमान से आए आदेश का हवाला दिया है, जिसमें भारत सरकार के कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग की ओर से आरटीआई एक्ट 2005 की धारा-4 के बारे में जारी दिशा-निर्देश स्पष्ट किए गए हैं, जो सर्वोच्च न्यायालय के एक फैसले के बाद जारी हुए हैं। किशन चंद जैन बनाम भारत सरकार मामले में आए फैसले का भी उल्लेख किया है, जिसमें प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के अलावा केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव स्तर और इससे ऊपर के अधिकारियों का देश-विदेश दौरे का ब्योरा साझा करना अनिवार्य है। राज्य मुख्य सूचना आयुक्त ने सचिव प्रशासनिक सुधार को यह व्यवस्था छह माह में लागू करने की बात कही है। इसके बाद अनुपालना रिपोर्ट भी मांगी है।

**वीरभद्र सरकार के बागवानी मंत्री से हो चुकी है रिकवरी**

वीरभद्र सरकार के दौरान तत्कालीन बागवानी मंत्री सिंघी राम का विदेश दौरा विवादित रह चुका है। विजिलेंस ब्यूरो ने तो जांच तक बैठा दी थी। इसके बाद जयराम सरकार ने पूर्व बागवानी मंत्री से लाखों की रिकवरी भी की थी।

**सुक्खू सरकार के दो मंत्री जा चुके हैं विदेश दौरे पर**

सुखविंद्र सिंह सुक्खू सरकार के दो मंत्री भी विभागीय कार्यों से विदेश गए थे। कुछ अधिकारी भी गए थे। यह जानकारी भी सरकार की वेबसाइट पर देनी होगी।

## सुपौल में एसएसबी की बड़ी कार्रवाई, इंडो-नेपाल बॉर्डर से दो नेपाली नागरिक गिरफ्तार

सुपौल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तानी महिला सीमा हैदर के भारत में प्रवेश के बाद इंडो-नेपाल बॉर्डर पर तैनात एसएसबी के जवान चौकस हो गए हैं। एसएसबी ने मंगलवार (3 अक्टूबर की शाम शैलेशपुर बीओपी से दो नेपाली नागरिकों को गिरफ्तार किया है जिनके पास से छह लाख भारतीय रुपये मिले हैं। दोनों व्यक्ति नेपाल के मूल निवासी हैं। एसएसबी 45 में बटालियन के कार्यवाहक कमांडेंट रुपेश शर्मा ने इस मामले की जानकारी दी है।

**एसएसबी के जवान करते हैं पूछताछ और चेकिंग**

कमांडेंट रुपेश शर्मा ने बताया कि सुपौल जिले के शैलेशपुर बीओपी इंडो-नेपाल सीमा स्तंभ संख्या 206/1 के पास के क्षेत्र से भारत से नेपाल की तरफ जाने का पारंपरिक मार्ग है। सीमा पार करने वाले लोगों के लिए यहां दैनिक ड्यूटी पर तैनात एसएसबी की ओर से पूछताछ एवं चेकिंग की जाती है जिसके बाद ही आने-जाने की अनुमति दी जाती है।

# एसवाईएल नहर विवाद मामला

## एससी ने पंजाब सरकार को क्यों कहा- हमें मजबूर ना करें

चंडीगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सतलुज यमुना लिंक (एसवाईएल) नहर विवाद मामले की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को पंजाब सरकार को फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार से कहा कि इस मामले में राजनीति ना करें। कोर्ट ने आगे कहा है कि हमें मजबूर ना करें कि हम इस मामले में कोई सख्त आदेश जारी करें। सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार को आदेश देते हुए कहा कि पंजाब में एसवाईएल नहर बनने की प्रक्रिया को लेकर सर्वे शुरू किया जाए। कोर्ट ने पंजाब सरकार को केंद्र सरकार के सर्वे करने की प्रक्रिया में मदद करने के लिए कहा है। सर्वोच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार को कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार दोनों राज्यों को बीच में इस विवाद का हल निकालने के लिए पहल करे। सर्वोच्च न्यायालय ने कहा है कि हरियाणा में एसवाईएल नहर बनाने की प्रक्रिया लगभग पूरी हो गई है, लिहाजा पंजाब भी इस समस्या का हल निकालने की दिशा में काम करे। कोर्ट ने कहा कि हम लंबे समय से चल रहे इस विवाद का हल निकालने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमें उम्मीद है कि पंजाब सरकार भी इस दिशा में काम करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से रिपोर्ट मांगी कि पंजाब में एसवाईएल नहर के निर्माण के मौजदा हालात कैसे है। अब इस मामले की अगली सुनवाई जनवरी 2024 के दूसरे हफ्ते में होगी।

**क्या है विवाद**

1966 में पंजाब के अलग होकर हरियाणा का गठन होने के बाद से ही सतलुज-यमुना लिंक नहर का विवाद चला आ रहा है। अप्रैल 1982 में नहर का निर्माण शुरू हुआ था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पटियाला के कपूरी गांव में इसकी शुरुआत की थी। इसके तहत 214 किमी लंबी नहर बनाई जानी है। इसका 122 किमी हिस्सा पंजाब में और बाकी 92 किमी हिस्सा हरियाणा में बनना है। लेकिन इसे लेकर दोनों राज्यों के बीच विवाद है। इस नहर का पानी दिल्ली तक भी आना है, जहां पर अरविंद केजरीवाल की सरकार है।

# जज की हत्यारी महिला डॉक्टर को हाईकोर्ट ने दी अंतरिम जमानत

## समय पूर्व रिहाई की मांग पर होगा विचार

चंडीगढ़, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने एडीजे विजय सिंह की हत्या की दोषी डॉ। रवदीप कौर की समय पूर्व रिहाई की मांग पर पंजाब सरकार को विचार करने का आदेश दिया है। हाईकोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा आखिरी सांस तक कैद की सजा पर भी अपने फैसले में सवाल उठाया है और समय पूर्व रिहाई की मांग पर फैसला होने तक याची को अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। 13 अक्टूबर 2005 की रात एडिशनल सेशन जज विजय सिंह की पटियाला में हत्या कर दी गई थी। 2012 में रवदीप कौर व एक सुपारी किलर मंजीत सिंह को चंडीगढ़ की ट्रायल कोर्ट ने हत्या का दोषी मान उम्रकैद की सजा सुनाई थी जिसके खिलाफ अपील हाईकोर्ट में लंबित है। एफआईआर के अनुसार रवदीप कौर पटियाला में प्रसूति अस्पताल चलाती थी और विजय सिंह चंडीगढ़ लेबर कोर्ट में जज थे। दोनों उस समय संबंध में थे। विजय सिंह ने पत्नी से तलाक लेकर याची से शादी के प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। इसी के चलते सुपारी किलर मंजीत सिंह से विजय सिंह की हत्या करवा दी गई। याची ने कहा कि 2011 की नीति के अनुसार महिला दोषी को आठ साल के वास्तविक और छूट के साथ 12 साल के कारावास के बाद उसकी समय पूर्व रिहाई पर विचार किया जा सकता है। हाईकोर्ट ने कहा कि रवदीप कौर 17 साल असल और छूट के साथ 22 साल और सात महीने की सजा काट चुकी है, जो न्यूनतम निर्धारित अवधि से कहीं अधिक है। सरकार का तर्क था कि याची को उसकी प्राकृतिक मृत्यु तक आजीवन कारावास की सजा दी गई है, ऐसे में समय पूर्व रिहाई पर विचार नहीं किया जा सकता। हाईकोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट को किसी कैदी को अंतिम सांस तक की सजा सुनाने का अधिकार नहीं है। यह अधिकार केवल हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट को है। सरकार ने बताया कि याची 2014 में पैरोल के दौरान भागी थी। ऐसे में उसके आचरण के चलते यह लाभ नहीं दे सकते। इस पर हाईकोर्ट ने कहा कि याची के पिछले पांच वर्षों के दौरान आचरण को ध्यान में रखकर समय पूर्व रिहाई पर फैसला लिया जाना चाहिए।

ऐसे में हाईकोर्ट ने समयपूर्व रिहाई याचिका पर विचार करने और इस फैसले में चर्चा की गई कानूनी स्थिति को ध्यान में रखते हुए दोषियों की समयपूर्व रिहाई पर 2011 की नीति के अनुसार निर्णय लेने का भी निर्देश दिया है। साथ ही यह भी आदेश दिया कि फैसला लिए जाने तक उसे अंतरिम जमानत पर रिहा किया जाए। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि उसे समय पूर्व रिहाई मिलती है और हाईकोर्ट उसकी सजा के खिलाफ अपील खारिज कर प्राकृतिक जीवन तक कारावास की सजा सुनाएगा तो उसे आत्मसमर्पण कर वापस जेल जाना होगा।

## सुनाम का जवान परमिंदर सिंह कारगिल में शहीद, सिख रेजीमेंट में तैनात था

गांव छाजली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब में सुनाम के नजदीकी गांव छाजली का जवान परमिंदर सिंह देश की सेवा करते हुए कारगिल में शहीद हो गया है। परमिंदर की पिछले साल दो अक्तूबर को शादी हुई थी। गांव की सरपंच परमिंदर कौर के पति और समाज सेवी इंदरजीत सिंह बावा धालीवाल ने बताया कि समराव पत्ती का बेटा परमिंदर सिंह (25) सिख रेजीमेंट 31 पंजाब में कारगिल में देश की सेवा कर रहा था, जहां वह शहीद हो गया। उन्होंने बताया कि शहीद परमिंदर सिंह के दूसरे भाई गुरपिंदर सिंह भी सेना में कार्यरत हैं और उनके पिता गुरजीत सिंह सेना से सेवानिवृत्त हो चुके हैं।

# अस्पताल के डीन से शौचालय साफ कराना शिवसेना सांसद को पड़ा भारी, पुलिस ने दर्ज किया मामला

नांदेड, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के जिस अस्पताल में 35 लोगों की मौत हुई, वहां के डीन से शौचालय साफ कराने के आरोप में शिवसेना सांसद के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अस्पताल में 48 घंटों में 31 मरीजों की मौत के विवाद के बीच नांदेड़ अस्पताल के डीन से शौचालय साफ कराने के बाद शिवसेना सांसद हेमंत पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कार्यवाहक डीन एसआर वाकोडे की शिकायत के बाद पुलिस ने बुधवार को पाटिल के खिलाफ एक लोक सेवक को उसके कर्तव्य में बाधा डालने और उसे बदनाम करने के आरोप में एफआईआर दर्ज की है। सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए एक वीडियो में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के सांसद को वाकोडे को झाड़ू सौंपते हुए और उनसे गंदे शौचालय और दीवार पर लगे मूत्रालयों को साफ कराते हुए दिखाया गया है। पाटिल पर एक लोक सेवक को उसके कर्तव्य के निर्वहन से रोकने के लिए हमला या आपराधिक बल, मानहानि, आपराधिक धमकी के साथ-साथ अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम के प्रावधानों का आरोप लगाया गया है। महाराष्ट्र के नांदेड़ जिले के सरकारी अस्पताल में हाल ही में 48 घंटों में 31 लोगों की मौत हो गई, जिससे भारी आक्रोश फैल गया। मुख्यमंत्री के अस्पताल दौरे से पहले अस्पताल पहुंचे पाटिल ने शौचालय को गंदी हालत में देखा। शिकायत में कहा गया है कि उन्होंने अस्पताल के डीन से इसे साफ करने के लिए कहा। घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

## सड़क पार कर रहे दादा और पोता-पोती को तेज रफ्तार कार ने कुचला, बुजुर्ग की मौके पर मौत

लुधियाना, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। लुधियाना के मॉडल टाऊन इलाके में एक तेज रफ्तार कार ने सड़क पार कर रहे बुजुर्ग और उनके पोते पोती को टक्कर मार दी। बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बच्चे बुरी तरह से घायल हैं। पीछे से बच्चों के पिता वहां से गुजर रहे थे तो उन्होंने किसी तरह से सभी को अस्पताल पहुंचाया। सूचना मिलने के बाद थाना माडल टाऊन की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस के पहुंचने से पहले ही कार चालक वहां से फरार हो गया था।

# कंपनी पार्टनर को खुश करने के लिए रखी न्यूड पार्टी

## कपड़े उतारकर हो रहा था डांस, पुलिस ने मारी रेड

नागपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागपुर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है जहां एक बिजनेसमैन ने पार्टी में लड़कियों को हाफ न्यूड कर डांस कराया। नागपुर के पास पचगांव में रिसॉर्ट में डांस पार्टी चल रही थी। महाराष्ट्र पुलिस ने डांस पार्टी पर छापा मारा और 37 लोगों को गिरफ्तार किया। ये जानकारी महाराष्ट्र पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि कई लोग हाफ न्यूड पाए गए। वो पार्टी में अश्लील डांस कर रहे थे। पुलिस ने इनके खिलाफ आईपीसी और महाराष्ट्र पुलिस एक्ट के तहत केस दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि रविवार देर रात छापेमारी की गई। 13 डांसर्स सहित 37 लोगों को गिरफ्तार किया गया। ये पार्टी कीटनाशकों का कारोबार करने वाली एक कंपनी द्वारा 75,000 रुपये से अधिक की खरीदारी करने वालों के लिए प्रोत्साहन के रूप में आयोजित किया गया था। रिसॉर्ट का मालिक गिरफ्तार इसकी जानकारी मिलते ही नागपुर पुलिस और लोकल क्राइम शखेल ने उस रिसॉर्ट पर छापा मारा जहां पार्टी चल रही थी। पुलिस ने मौके से पार्टी में शामिल कई लोगों को हिरासत में लिया है। रिसॉर्ट के मालिक और मैनेजर को भी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, रविवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि नागपुर के कुही थाना क्षेत्र के पचगांव स्थित सिल्वरी लेक फार्म रिजॉर्ट में न्यूड पार्टी चल रही है। इसके बाद स्थानीय पुलिस और क्राइम ब्रांच की एक टीम ने कार्रवाई की। एक जाल बिछाया और रिसॉर्ट पर छापा मारा। रिसॉर्ट में पुलिस की छापेमारी से पार्टी में आए लोगों में भगदड़ मच गई और कई लोगों ने भागने की कोशिश की। पुलिस ने जब्त किए 49 लाख रुपए रिसॉर्ट में न्यूड पार्टी की खबर सुनकर नागपुर के लोग हैरान हैं। नागपुर ग्रामीण के पुलिस अधीक्षक हर्ष पोद्दार ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली थी कि रिसॉर्ट में लड़कियां बेहद महंगे कपड़े पहनकर डांस कर रही हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने छापेमारी कर वहां मौजूद लोगों को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही पुलिस ने मौके से 49 लाख रुपये, विदेशी शराब और पांच कारें भी जब्त की हैं।

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 5 अक्टूबर - 2023

# असम सरकार के मॉडल की देशव्यापी जरूरत



अशोक भाटिया

भारतीय राजनीति अपनी स्थापना के समय से ही इतने गूढ़ तरीके से उलझी रही है कि किसी भी सरकार के लिए समाज सुधार वाले निर्णय लेना आसान नहीं रहा है। जाति, मजहब की दीवारें अक्सर इन निर्णयों को ऐसी खाई में धकेल देती हैं कि उनके पुनर्जन्म की कोई गुंजाइश नहीं रहती। लीग से हटकर चलना भारतीय राजनीति में एक चुनौती की तरह है जिससे राजनेता बचते आए हैं या ऐसा करके अपनी सत्ता बचाते आए हैं हालांकि इस स्थिति में साल 2014 के बाद से कुछ बदलाव की आहट गाहे-बगाहे कानों में गूंजती रही है। कुछ समय से इस मामले के केंद्र में हैं असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा।

मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का नाम असम बाल विवाह के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के लिए एक बार फिर सुर्खियों में आ गया है। पुलिस ने यहां बाल विवाह करने वालों के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है। असम पुलिस ने इस बार बाल विवाह करने वाले 1000 लोगों को एक साथ गिरफ्तार किया है। सीमावर्ती राज्य असम में मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा की खास पहल पर राज्य की पुलिस बाल विवाह रोकथाम अधिनियम के तहत बाल विवाह करने वालों के खिलाफ सख्त एक्शन ले रही है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर हिमंता सरमा लिखते है कि बाल विवाह के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई में असम पुलिस ने एक विशेष अभियान में 1000 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया है जो सुबह के शुरुआती घंटों में शुरू हुआ है। उनके अनुसार सामाजिक खतरे से संबंधित मामलों में गिरफ्तारियों की संख्या बढ़ने की संभावना है क्योंकि ऑपरेशन अभी भी जारी है। 11 सितंबर को, सरमा ने असम विधानसभा को बताया था कि पिछले पांच वर्षों में बाल विवाह से संबंधित मामलों में कुल 3,907 लोगों को गिरफ्तार किया गया था जिनमें से 3,319 यौन अपराधों से बच्चों की सुरक्षा अधिनियम, 2012 के तहत आरोपी बनाए गये हैं। गौरतलब है कि इसी साल के फरवरी महीने में बाल विवाह के खिलाफ व्यापक मुहिम के तहत असम में 1,800 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। राज्य मंत्रिमंडल ने 23 जनवरी को यह फैसला किया था कि बाल विवाह के दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा और साथ ही व्यापक जागरूकता अभियान भी चलाया जाएगा। इस घोषणा के एक पखवाड़े से भी कम समय में पुलिस ने बाल विवाह के 4,004 मामले दर्ज किए थे। राज्य के विभिन्न हिस्सों में गिरफ्तारियां की गई थीं, जिनमें 136 गिरफ्तारियां धुबरी में हुई हुई थीं, जहां सबसे अधिक 370 मामले दर्ज हुए थे। इसके बाद बारपेटा में 110 और नागांव में 100 गिरफ्तारियां हुई थीं। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने लोगों से ''इस कुरीति से मुक्ति'' के लिए सहयोग एवं समर्थन की अपील की थी। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार, असम में मातृ एवं शिशु मृत्यु दर सर्वाधिक है और बाल विवाह इसका प्रमुख कारण रहा है। राज्य में दर्ज विवाह में से 31 प्रतिशत मामले निषिद्ध आयुवर्ग के हैं। असम सरकार यह कदम क्यों उठा रही है? इसे समझने के लिए कुछ आंकड़ों पर नजर डालना बेहद अहम है। बीते साल मई माह में आई राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस-5) की रिपोर्ट के अनुसार- असम में 20 से 24 वर्ष की उम्र की 31 प्रतिशत से ज्यादा ऐसी महिलाएं हैं जिनकी शादी 18 वर्ष की उम्र से पहले ही कर दी गई।

वहीं, इस मामले में राष्ट्रीय औसत तकरीबन 23 प्रतिशत है। असम में 11.7 फीसदी लड़कियां कम उम्र में गर्भवती हो रही हैं। यह आंकड़े बड़ी संख्या में होने वाले बाल विवाह का जीते-जागते गवाह हैं। राज्य के सीमावर्ती जिले धुबड़ी में आंकड़ा और भी भयावह है जहां 50 फीसदी शादियां कम उम्र में हो रही हैं। ऐसे में लड़कियां कम उम्र में मां बनने को मजबूर हैं। रजिस्ट्रार जनरल ऑफ इंडिया की ओर से 2022 में जारी आंकड़ों के अनुसार असम, देश में सबसे ज्यादा मातृ मृत्यु दर वाला राज्य है, जबकि शिश मृत्यु दर के मामले में यह तीसरे नंबर पर है।

दरअसल राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण की रिपोर्ट के मुताबिक, असम में मातृ और शिशु मृत्यु दर की उच्च दर है, बाल विवाह इसकी सबसे अहम वजह में गिनी जाती है क्योंकि राज्य में रजिस्टर्ड मैरिज में औसतन 31 फीसदी शादी के लिए प्रतिबंधित उम्र में रजिस्टर्ड हैं। वहां के डीजीपी के अनुसार अपने कम उम्र के बच्चों की शादी करने वाले परिवारों के सदस्यों के अलावा, पुलिस 'पुरोहितों' और 'काजियों' को गिरफ्तार कर रही है , जिन्होंने धार्मिक संस्थानों में इस तरह की शादी की रस्में निभाईं।उन्होंने कहा कि गिरफ्तारियां परिवार के सदस्यों, बाल कल्याण समिति, स्थानीय लोगों और पुलिस कर्मियों से मिली जानकारी के सत्यापन के बाद की गई हैं। सिंह ने कहा, 'हम कानून के अनुसार काम करेंगे, उचित जांच करेंगे और चार्जशीट दाखिल करेंगे।'वैसे बाल विवाह रोकने के लिए देश में बाल विवाह निषेध अधिनियम, 2006 लागू है, जिसे 2007 में लागू किया गया था। इस कानून के अनुसार, शादी की उम्र लड़कों के लिए 21 और लड़कियों के लिए 18 तय की गई है। कानून का उल्लंघन करने के लिए दो वर्ष सश्रम कारावास और एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है।

वहीं महिलाओं को यह रियायत है कि दोषी पाए जाने पर भी उन्हें जेल नहीं होगी। पुराने कानून में जमानत मिलने की संभावना रहती है। पॉक्सो एक्ट जुड़ने से ऐसा नहीं हो पाएगा।इस बीच दरअसल मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने 28 जनवरी को पहले ही कहा था कि अगले 5-6 महीनों में हजारों पतियों को गिरफ्तार किया जाएगा क्योंकि 14 साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बनाना अपराध है, भले ही वह कानूनी तौर से विवाहित पति ही क्यों न हो। कई (लड़कियों से शादी करने वाले पुरुष) को आजीवन कारावास हो सकती है।'हाल ही में नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे की रिपोर्ट सामने आई थी जिसमें कहा गया था कि मातृ और शिशु मृत्यु दर बहुत अधिक है। इसकी एक प्रमुख वजह बाल विवाह है। इसके बाद राज्य सरकार ने बाल विवाह करने वालों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया था और पुलिस को प्रथा के खिलाफ अभियान चलाने के लिए भी कहा गया था।दरअसल 14 से ज्यादा और 18 साल से कम उम्र की लड़की से शादी करने पर बाल विवाह निषेध अधिनियम 2006 के तहत कार्रवाई की जाएगी।

असम सरकार ने बाल विवाह रोकने के लिए सभी 2,197 ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत बाल विवाह रोकथाम अधिकारी के रूप में नामित किया है। ये अधिकारी ही पॉक्सो एक्ट के उन मामलों में शिकायत दर्ज कराएंगे जहां लड़की की उम्र 14 साल से कम है।अगर आंकड़ों के आईने में देखें तो असम सरकार का फैसला स्वागतयोग्य प्रतीत होता है। कुछ समाजसेवी संगठनों ने भी इसे सराहा है हालांकि दूसरी तरफ एक तबका ऐसा भी है जो इस फैसले को संदेहास्पद दृष्टि से देख रहा है। राज्य के कुछ हिस्सों में इस फैसले के खिलाफ लोग धरना-प्रदर्शन में भी जुट गए हैं। इन्हें आशंका है कि मुस्लिमों को परेशान करने के लिए इस कानून का दुरुपयोग किया जा सकता है।

दरअसल, मुस्लिम समुदाय में बाल विवाह का प्रचलन अधिक है। हालांकि मुस्लिमों को वोट बैंक के रूप में देखने वाले राजनीतिक दल इस तथ्य को सिरे से नकार देते हैं क्योंकि उन्हें लगता है कि ऐसा करने से उनका वोट बैंक उनसे छिटक जाएगा और सत्ता की चाबी उनसे दूर हो जाएगी। असम में फैसले के विरोध के पीछे भी यही राजनीतिक कारण है।यह देश का दुर्भाग्य है कि कई बार ऐसे फैसलों का भी विरोध किया जाने लगता है जो कि समाज के हित में हों। अधिकांश मामलों में राजनीतिक नफा-नुकसान देखकर पार्टियां बेवजह विरोध में उतर आती हैं जबकि इस फैसले के देशहित में दूरगामी परिणाम होंगे। गौरतलब है कि यहां पर बीते साल हुए एक देशव्यापी आंदोलन का जिक्र करना लाजिमी है।

## जाति आधारित जनगणना

जाति के आधार पर जनगणना की मांग वर्षों पुरानी है, इसके बाद भी यह मांग राष्ट्रीय स्तर पर आज भी बाट जोह रहा है। यहां तक कि अब तक इस मांग पर एक कदम भी नहीं बढ़ाया गया है। ऐसे माहौल में भी बिहार ने बाजी मार ली है। वहां की जनता दल (यू) और राष्ट्रीय जनता दल की मौजूदा सरकार ने गांधी जयंती के दिन जातीय जनगणना के आंकडे को जारी कर दिया। इस आंकडे के मुताबिक बिहार में अन्य पिछड़ा वर्ग और अति पिछड़ा वर्ग की कुल आबादी तिरसठ फीसद है। अनुसूचित जातियों की संख्या 19.65 फीसद और अनुसूचित जनजाति की 1.68 फीसद है। सामान्य वर्ग में आने वाली जातियों के लोगों की तादाद 15.52 फीसद है। धार्मिक आधार पर देखें तो कुल हिंदू आबादी 81.9 फीसद और मुसलिम 17.7 फीसद हैं। यानी जाति आधारित जनगणना के बाद राज्य में अलग-अलग जातियों और धर्मों के लोगों की संख्या के बारे में अब तस्वीर साफ हो गई है। राज्य सरकार की दलील है कि इसके जरिए सभी जातियों की आर्थिक स्थिति की भी जानकारी मिल गई है और इसी के आधार पर अब सभी सामाजिक वर्गों के विकास और उत्थान के लिए सरकार कदम उठाएगी। सरकार के दावे पर विश्वास किया जाए तो पाएंगे कि जाति आधारित जनगणना के आंकड़े आने के बाद सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में भागीदारी का सवाल हल करने और जरूरतमंद तबकों की स्थिति में सुधार के लिए नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। इसके साथ ही यह देखने वाली बात होगी कि इसका उपयोग विकास और उत्थान में कितना होगा और कितना इसका इस्तेमाल राजनीतिक मुद्दे के तौर पर किया जाएगा। ऐसे में जो सवाल अक्सर उठाया जाता रहा है कि सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों को लक्षित सरकारी नीतियों में जिन तबकों की हिस्सेदारी तय की जाती है, उनके बीच के कुछ समर्थ समूह उसका लाभ उठा लेते हैं और एक बड़ा तबका वंचित रह जाता है। खासकर पिछड़े वर्गों को हिस्सेदारी के संदर्भ में यह दावा किया जाता रहा है कि अब इस तबके की आबादी काफी ज्यादा हो गई है और इसके मुकाबले इन्हें मिलने वाला आरक्षण काफी कम है। इसके अलावा, जाति और वर्ग के आधार पर बनाई गई मौजूदा योजनाओं और कार्यक्रमों में कुछ खास सामाजिक समुदायों को आबादी के अनुपात में हिस्सेदारी नहीं मिल पाती है, क्योंकि उनकी संख्या से संबंधित कोई अद्यतन पुख्ता आंकड़े नहीं हैं। सवाल है कि इस मसले पर अब तक चलने वाली जद्दोजहद का कारण क्या सिर्फ यही रहा है कि इसके जरिए सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों में सभी तबकों को न्यायपूर्ण भागीदारी दिलाई जा सके! हो सकता है कि जाति और वर्ग के आधार पर बनने वाली नीतियों पर इसका असर दिखे। हालांकि यह अब बिहार सरकार की इच्छाशक्ति पर निर्भर करेगा कि वह आबादी के अनुपात में सबकी भागीदारी और इसके साथ-साथ न्यायपूर्ण तरीके से बिना भेदभाव किए वंचित वर्गों के हित कैसे सुनिश्चित कर पाती है। बिहार में हुई इस कवायद का राष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक असर यह पड़ सकता है कि देश भर में जाति आधारित जनगणना की मांग जोर पकड़े और यह एक चुनावी मुद्दा भी बने। बहरहाल मामला सर्वोच्च न्यायालय में पहुंच चुका है। इस पर उसने पटना उच्च न्यायालय के इससे संबंधित फैसले के खिलाफ की गई अपील पर सुनवाई की स्वीकृति दे दी है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि वक्त के साथ जाति के आधार पर पूर्वाग्रह-दुराग्रहों को कमजोर करना राजनीतिकों का दायित्व होना चाहिए। इसलिए बिहार में हुई जाति आधारित जनगणना को राजनीति का जरिया न बना कर इसे वंचित तबकों के लिए न्याय मुहैया कराने का ही आधार बनाया जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ तो सारी कवायद धरी की धरी रह जाएगी।

## योगी का सनातन संदेश

डॉ दिलीप अग्निहोत्री

विपक्ष का इंडी एलायंस के सदस्य हिन्दू धर्म पर हमला बोल रहे हैं, उसे धर्म नहीं धोखा बता रहे हैं, सनातन के उन्मूलन का ऐलान कर रहे हैं, मन्दिरों की मूर्तियों की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल बयान दिए जा रहे हैं. जातिवाद और जातिगत वैमनस्य बढ़ाने वाले बयान दिए जा रहे हैं. इनमें से कोई भी दल विकास सद्भाव और समरसता की बात नहीं कर रहा है. क्योंकि ऐसा करने पर इनको भी अपना हिसाब देना पड़ेगा. इंडी एलायंस की अनेक पार्टियां आज भी प्रदेशों मे सत्तारूढ़ हैं. यूपीए सरकार मे भी ये साझेदार रहीं हैं. इसलिए विकास पर मौन रहने में ही इन्हें अपनी भलाई दिखाई देती है. इसी प्रकार ईमानदारी की बात भी नहीं होती. लेकिन नरेंद्र मोदी को हटाने का एकमात्र एजेंडा बनाया है. इसलिए वोटबैंक राजनीति चल रही है. हिन्दू, सनातन,ठाकुर का कुंआ, हिन्दुओं के धार्मिक ग्रंथ आदि पर नकारात्मक बयान दिए जा रहे हैं. दूसरी तरफ योगी आदित्यनाथ जैसे मुख्यमंत्री हैं. जिन्होंने बिना भेदभाव के अभूत पूर्व विकास करके दिखाया है. इसके साथ ही साँस्कृतिक राष्ट्रवाद से प्रेरित बेमिसाल कार्य किए हैं. योगी श्री राम चरित मानस, हिन्दू और सनातन पर हमला बोलने वालों को उनकी औकात भी बता रहे हैं. जन्माष्टमी पर उन्होंने सनातन का अर्थ और भाव बताया था. यह मानव कल्याण का शाश्वत चिंतन है. उन्होंने कहा था कि जो सनातन रावण के अहंकार से नहीं मिटा, कंस के हुंकार से नहीं डिगा तथा बाबर और औरंगजेब के अत्याचार से नहीं मिटा, वह ऐसे सत्ता के लोभी लोगों से क्या मिटेगा। इन्हें अपने कृत्यों पर लज्जित होना चाहिए। रावण तथा हिरण्यकश्यप ने ईश्वर और सनातन धर्म की अवमानना करने का प्रयास किया था। कंस ने ईश्वरीय सत्ता को चुनौती दी थी, लेकिन वे सभी मिट गए। सनातन धर्म मानवता का धर्म है। दुनिया के सभी मत, मजहब तथा सम्प्रदायों को सनातन धर्मावलम्बियों ने सुरक्षा व संरक्षण देने का कार्य किया है। सनातन धर्मावलम्बियों ने कभी भी स्वयं को विशिष्ट नहीं माना, बल्कि सदैव कहा कि 'एकम् सत विप्रा बहुधा वदन्ति' अर्थात सत्य एक है, विद्वान व महापुरुष उन्हें अलग-अलग भाव से देखते हैं। अलग-अलग रास्तों से इनका अनुसरण करते हैं

श्रीकृष्ण ने निष्काम कर्म की प्रेरणा दी। 'कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन' अर्थात बिना फल की चिन्ता किए अपना कर्म करते रहो। साथ ही, 'परित्राणाय साधूनाम् विनाशाय च दुष्कृताम्' के भाव के साथ सज्जनों की रक्षा एवं संरक्षण के लिए कार्य करें, वहीं दुष्ट प्रवृत्ति के लोगों के खिलाफ कठोरता से कार्य करें। उत्तर प्रदेश पुलिस बल ने भगवान श्रीकृष्ण के इन सभी उपदेशों को अंगीकार करके प्रदेश के परसेप्शन को बदलने में बड़ी भूमिका का निर्वहन किया है।इसी का परिणाम है कि विगत एक वर्ष में उत्तर प्रदेश में 31 करोड़ पर्यटक आए हैं। उत्तर प्रदेश देश में निवेश के सबसे बड़े गंतव्य के रूप में उभरा है। प्रदेश के बारे में लोगों की धारणाएं बदल चुकी हैं। आज लोग यह मानते हैं कि उत्तर प्रदेश देश में सबसे अधिक प्रगति करने वाले राज्यों में है।

अग्रणी राज्यों में उत्तर प्रदेश की गिनती हो रही है।ईश्वर सत्य तथा शाश्वत है। इसी प्रकार सनातन धर्म भी सत्य और शाश्वत है। पांच सौ वर्षों पूर्व अयोध्या में सनातन धर्म को अपमानित करने का प्रयास किया गया था। आज ईश्वरीय अवतारों की कृपा से सनातन धर्म फिर से खड़ा हुआ है। अयोध्या में भगवान श्रीराम के भव्य मन्दिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। दुनिया को मानवता के कल्याण के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देने वाली भारत की सनातन परम्परा पर गौरव की अनुभूति करनी चाहिए। यह भारत की राष्ट्रीयता का प्रतीक है तथा देश को नई प्रेरणा देने का माध्यम है।

## क्या जातीय गणना नीतीश सरकार के लिए भस्मासुर साबित होगी

राज सक्सेना

मोदी विरोध के चलते, बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मोदी के बरसों के प्रयास हिंदुत्व एकता के गुब्बारे में सुई चुभा ही दी। जातीय गणना के आंकड़े सार्वजनिक करने के तुरंत बाद पत्रकारों से मुखातिब नीतीश कुमार की 'बाडी लैंग्वेज' से स्पष्ट हो रहा था कि वे अपने इस कृत्य से 'अति प्रसन्न' हैं, बिना यह विचार किये कि उन्होंने न केवल बिहार बल्कि देश की राजनीति में तो कांटे बो ही दिए हैं अपितु स्वयं अपने राजनैतिक जीवन की मौत के वारंट पर भी हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस तरह के प्रयास की भूमिका बनाते समय नीतीश ने वही गलती दोहरा दी जिसे उनके और लालू-मुलायम आदि जातिवादी नेताओं के उकसाने पर वीपी सिंह ने मंडल कमीशन लागू कर अपने राजनैतिक जीवन को तो समाप्त कर ही लिया, देश को भी जातिवादी दलदल में धकेल दिया था। बिहार में जातीय गणना के आंकड़ों के प्रकाशित होते ही कई क्षेत्रीय दलों के साथ वह कांग्रेस भी अब जोर-शोर से जातीय गणना पर जोर देने लगी है जो अपने यूपीए शासन के समय जातीय गणना करवाने के बाद उसके आंकड़े जारी करने की हिम्मत ही नहीं कर सकी थी। कर्नाटक की पिछली कांग्रेस सरकार ने भी 2014-15 में जाति गणना तो कराई थी लेकिन उसका विवरण बताने से वह भी उसके दुष्परिणामों को सोचकर पल्टी मार गई थी। अब फिर से कर्नाटक में कांग्रेस सत्ता में है लेकिन कोई नहीं जानता कि वह जाति गणना के आंकड़े जारी करने का इरादा रखती है या नहीं? राजस्थान में भी 2011 की जनगणना के समय तत्कालीन कांग्रेस की प्रदेश सरकार ने जाति आधारित गणना कराई थी लेकिन उसके आंकड़े उसने भी सार्वजनिक करने की हिम्मत नहीं की थी।

जातियों की गणना करने की मांग करने वाले राजनैतिक दल इस बात पर जोर दे रहे थे कि, 'जिसकी जितनी हिस्सेदारी हो, उसकी सत्ता में उतनी ही भागीदारी भी हो'। देखने सुनने में तो यह वाक्य बहुत अच्छा लगता है लेकिन सामाजिक न्याय का तकाजा यही कहता है कि भागीदारी का आधार आर्थिक व सामाजिक स्थिति ही होनी चाहिए। सामाजिक न्याय के नाम पर सनातन समाज को जातीय रूप से विभाजित करने वाली वोट बैंक की राजनीति से जितना संभव हो सके, उतना बचा जाना चाहिए। इसमें कोई शक नहीं है कि पिछड़ी कही जाने वाली कई जातियां ऐसी हैं जिनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति बहुत कमजोर है लेकिन इस नतीजे पर भी पहुंचना सही नहीं है कि ऐसी जातियों के सभी लोग आर्थिक रूप से कमजोर और तिरस्कृत हैं अथवा उनकी सामाजिक हैसियत वही है जो अब से पचासों साल पहले हुआ करती थी। बिहार में जातीय गणना की रिपोर्ट सार्वजनिक होने का व्यापक असर होने की पूर्ण संभावना है। यह किसी एक प्रदेश या गठबंधन तक सीमित नहीं रहेगा. हिंदी पट्टी के प्रमुख राज्यों उत्तर प्रदेश और झारखंड के अतिरिक्त महाराष्ट्र समेत कई राज्यों से भी यह मांग उठने लगी है। इंडी अलायन्स के साथ ही एनडीए के कई घटक दल भी जाति आधारित गणना के पक्ष में खड़े हो गए हैं। जातिगत गणना के मुद्दे पर राजनीति करने वाले अधिकतर क्षेत्रीय दल वह है, जिनका परंपरागत नारा है, 'जिसकी जितनी संख्या भारी, उसकी उतनी हिस्सेदारी'. स्पष्ट है कि यह नारा अब अपने आप देश की राजनीति के केंद्र में आ जाएगा। इससे राजनीति में वर्चस्व रखने वाली जातियों की भूमिका सिमट कर सीमित होने का खतरा बहुत बढ़ जाएगा क्योंकि अपेक्षाकृत कम संख्या वाली जातियों के बीच से हिस्सेदारी की मांग बढ़ने लगेगी। लोकसभा विधानसभा चुनाव में वे भी अपनी आबादी के अनुरूप टिकट की मांग करने लगेंगे। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव भी इससे अछूते नहीं रहेंगे। लाभार्थी योजनाओं के विस्तार के वादों की सूची लंबी हो सकती है. साथ ही आरक्षण के अंतर्गत आरक्षण की मांग भी उठने लगेगी। फिलहाल ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल को अगर छोड़ दें तो बिहार की तर्ज पर अन्य राज्यों से जातिगत गणना की मांग आना शुरू हो चुकी है। सबसे मुखर और बड़ी मांग वाम दलों की ओर से आ रही है. भाकपा और माकपा, बिहार की तरह पूरे देश में विभिन्न जातियों की आबादी गणना कर स्थिति जानना चाहती है। बिहार में सक्रिय भाकपा माले का समर्थन तो इस मांग को पहले से ही प्राप्त है। उत्तर प्रदेश में सपा और बसपा द्वारा भी पुरजोर मांग उठाई गयी है। यूपी में अपना दल के दोनों गुटों के साथ, निषाद पार्टी भी इसी रास्ते पर है। राजभर की पार्टी सुहेलदेव भी इसकी प्रबल पक्षधर है। राहुल गांधी ने तो पहले ही घोषणा कर रखी है कि अगर कांग्रेस केंद्र की सत्ता में आती है तो जातिगत गणना कराई जाएगी क्योंकि बीमारी का पता लगाने के लिए एक्सरे जरूरी है। एनडीए के सहयोगी दल भी मुखर होने लगे हैं। बिहार में एनडीए के साथी तीनों दलों लोजपा के दोनों और जीतन राम मांझी की पार्टी हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा ने भी बिहार की तर्ज पर देश में जातिगत गणना की मांग कर दी है। रामदास अठावले की पार्टी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया का बयान भी इसके पक्ष में ही आया है। महाराष्ट्र में सक्रिय अजीत पवार एवं एकनाथ शिंदे की पार्टी ने भी इस मांग की पुरजोर सिफारिश कर दी है। जहां तक दक्षिण भारत में डीएमके का प्रश्न है, वह तो इस अवधारणा की जन्मदाता ही है। इस मांग का सबसे बड़ा दुष्प्रभाव यह होगा कि मंडल आरक्षण के दूसरे दौर की सियासत शुरू हो जाएगी और इसके सहारे आरक्षण की अधिकतम 50% की संवैधानिक सीमा की बाध्यता को हटाने की मांग एक बार फिर तेज हो जायगी। विपक्षी खेमे का यह ब्रह्मास्त्र भाजपा के लिए 2024 में इसलिए भी चुनौती बन सकता है क्योंकि उत्तर के राज्यों में सियासत को ओबीसी फैक्टर प्रभावित करता ही है। सपा, राजद और जेडीयू जैसी पार्टियां यह जानती हैं कि ओबीसी वर्ग के भाजपा के साथ जाने के बाद उनकी राजनीतिक ताकत घट गयी है। सीएसडीएस जैसी एजेंसियों के आंकड़े बताते हैं कि 2014 के लोकसभा चुनाव में पीएम मोदी के चेहरे के कारण भाजपा के ओबीसी वोट में करीब दो गुना वृद्धि हुई थी और 2019 में इस आंकड़े में और इजाफा हुआ। विपक्षी पार्टियों के लिए ओबीसी के जा चुके आधार को वापस पाने के लिए जातीय जनगणना एक मजबूत हथियार के रूप में देखा जा रहा है। नारी शक्ति बंधन अधिनियम के जरिए संसद व विधानसभा में महिलाओं को 33% आरक्षण देने के भाजपा के दावों के बढ़ते जनाधार को रोकने के लिए विपक्ष ने ओबीसी व जातीय गणना का तुरुप चलने का संदेश लोकसभा में विधेयक पर चर्चा के दौरान दे ही दिया था। यह अब और अधिक जोर शोर के साथ उठाया जा सकता है।

## दबाव के बाद कनाडा का यू टर्न

सुनील कुमार महला

खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का आरोप भारत पर लगाने के बाद अब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रुडो के तेवर नरम पड़ते नजर आ रहे हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि भारत ने कनाडा के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था। हाल ही में, कनाडा और भारत के बीच तल्ख होते रिश्तों के बीच अब बदलाव के संकेत देखने को मिल रहे हैं। मीडिया के हवाले से यह पता चलता है कि कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन टूडो ने अब यह बात कही है कि भारत व कनाडा के बीच रिश्ते काफी पुराने हैं और यह बहुत ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि भारत के साथ रिश्तों का अपना महत्व है और कनाडा रिश्तों को बेहतर बनाएगा। इस मामले में कनाडा काफी गंभीर है। वैसे कनाडा पर हर तरफ से दबाव भी इन दिनों बढ़ रहा है।

एलन मस्क ने हाल ही में कनाडा सरकार की दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर यह कहा है कि जस्टिन अभिव्यक्ति की आजादी को दबा रहे हैं। एलन मस्क स्पेसएक्स के संस्थापक और दुनिया के सबसे अमीर उद्योगपतियों में से एक हैं। मस्क ने ट्रूडो सरकार की आलोचना की है। यहां यह बात महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय है कि कनाडा के एक आदेश के तहत सभी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं को आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराने का आदेश दिया है ताकि सरकार उस पर रेगुलेटरी कंट्रोल कर सके। वास्तव में कनाडा सरकार के इस आदेश की जमकर आलोचना की जा रही है। पत्रकार और लेखक ग्लेन ग्रीनवाल्ड ने सोशल मीडिया पर इस संबंध में एक पोस्ट साझा की है जिसमें उन्होंने यह लिखा कि कनाडा सरकार दुनिया की सबसे दमनकारी ऑनलाइन सेंशरशिप योजना लेकर आई है। वास्तव में इसके तहत सभी ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं, जिनमें पॉडकास्ट होता है, उन्हें आधिकारिक रूप से सरकार के रिकॉर्ड में पंजीकृत कराना होगा, जिससे सरकार ऑनलाइन स्ट्रीमिंग सेवाओं पर रेगुलेटरी नियंत्रण कर सके।

यह भी उल्लेखनीय है कि यह पहली बार नहीं है कि कनाडा की ट्रूडो सरकार पर बोलने की आजादी के हनन का आरोप लगा हो। इससे पहले भी फरवरी वर्ष 2022 में भी ट्रूडो सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था और यह कनाडा के इतिहास में पहली घटना थी। दरअसल, कोरोना महामारी के दौरान कोरोना वैक्सीन को लेने की अनिवार्यता के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों ने विरोध प्रदर्शन किया था और उस समय इसे लेकर पूरे कनाडा में बहुत हंगामा हुआ था। तब हालात को नियंत्रित करने के लिए कनाडा सरकार ने आपातकालीन शक्तियों का इस्तेमाल किया था।

बहरहाल भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने हाल ही में अपने अमेरिकी दौरे के दौरान यह बात कही थी कि कनाडा एक ऐसा देश बन गया है जहां भारत से संगठित अपराध, लोगों की तस्करी के साथ ही, अलगाववाद और हिंसा का मेल है।एस जयशंकर ने यह बात कही है कि कनाडा के प्रधानमंत्री ने जिस तरह निजी और सार्वजनिक तौर पर आरोप लगाया, वो ठीक नहीं था। उन्होंने कहा कि कनाडा को खालिस्तानियों पर लगाम लगानी चाहिए। भारत के सख्त रूख के बाद कनाडा जस्टिन ट्रूडो ने यू-टर्न लिया और कहा कि वैश्विक स्तर पर आज भारत का महत्व बढ़ रहा है. ऐसे में जरूरी है कि कनाडा और उसके सहयोगी भारत के साथ मिलकर काम करें। हैरानी की बात है कि भारत पर गंभीर आरोप लगाने के बाद अब खुद जस्टिन ट्रूडो भारत को महाशक्ति बताकर दोस्ती को नई ऊंचाई पर ले जाने की पैरोकारी कर रहे हैं।

खैर जो भी हो निज्जर मामले में कनाडा की अनावश्यक आक्रामकता के बाद भारत ने एक के बाद एक कड़े व सख्त कदम उठाकर कनाडा को यह जता दिया है कि भारत पर वैश्विक दबाव चलने वाला नहीं है । यहां पाठकों को यह बताया जाना आवश्यक है कि निज्जर कनाडा में एक प्रमुख खालिस्तान समर्थक नेता था और खालिस्तान टाइगर फोर्स (केटीएफ) का हेड था। भारत के गृह मंत्रालय ने केटीएफ पर आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए विदेशी स्रोतों से फंडिंग और हथियारों के उपयोग का आरोप लगाया था। भारतीय अधिकारी कई वर्षों तक निज्जर को ट्रैक कर रहे थे। इसी साल 18 जून को कनाडा में उसकी गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। तब से निज्जर के समर्थक भारत को उसकी हत्या में शामिल बता रहे हैं। कनाडा ने भारत पर बहुत ही ग़लत आरोप लगाए हैं, जो कि ठीक नहीं है। कनाडा के आरोपों के बाद भारत ने कनाडा की कार्रवाई के जवाब में कनाडा के राजनयिकों को वापस भेजा, फिर कनाडाई नागरिकों को वीजा जारी करने पर अस्थाई रोक लगा दी थी। इसके बाद भारत ने संपूर्ण दुनिया के सामने मजबूती के साथ अपना पक्ष रखा, जिसका बहुत ही सकारात्मक व जोरदार असर पड़ा। कनाडा के विदेश मंत्री और रक्षा मंत्री ने भी भारत-कनाडा के बीच तनातनी को उचित नहीं माना है।

## चुनाव के समय ढूँढ़े मोको



डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

**चुनाव समय ढूँढ़े मोको, बाकी समय उसको मैं ।न मंदिर में न आश्रम में, न घर-दुआरे-पाछे में । न खेतों में, न आंगन में, न झुग्गी-झोपड़िया में ॥न मैं नीति में, न मैं रीति में, न मैं सत्ता के अधरों में ।चार बरस से पहले मैं, बेकार हूँ सरकार गिराने में ॥ नहीं पूछ है, नहीं है रुतबा, मुंह छिपाती घूम रही मैं ।वोट बनकर बैठी हूँ मैं, मेनिफेस्टो और पोस्टर में ॥खोजकर देखो मैं मिल जाऊँ, हाइवे और चौराहों में ।कहे वोटर सुनो भई लंपट, वह तड़पती अनसुनी रागों में ॥**

भावार्थः वोटर के अनुसार चुनाव के समय नेता गायों को खोजते हैं। बाकी समय गायें उनके नाम पर वोट बटोरने वाले नेताओं की तलाश करती रहती हैं। चुनाव के बरस नेता हमें कहाँ-कहाँ नहीं ढूँढ़ते। उन्हें मैं कैसे बताऊँ न मैं मंदिर में हूँ न घर-द्वार-पिछवाड़े में। न खेत-आंगन में हूँ न झुग्गी-झोपड़ियों में। न मैं सत्ता की नीतियों-रीतियों में हूँ न उनके होंठों में। अलबत्ता संस्कृति विभाग की नेता अपनी संतानों के होटलों में स्टाइलिश इंग्लिश नाम से स्वादिष्ट क्विजिन बनकर बेशकीमती प्लेटों में परोसी जाती हूँ। मिलूँगी या दिखूँगी भी क्यों? मैं तो नेताओं के लिए चार बरस तक मिस्टर इंडिया की तरह गायब रहती हूँ। चार बरस तक सरकार गिराने में लाचार हूँ। इसीलिए मुझे इस दौरान कोई नहीं पूछता।

चुनावी बरस जैसी न पूछ होती है न रुतबा। मैं तो उनके मेनिफेस्टो और पोस्टरों में मान-सम्मान और दुनिया भर की सुख-सुविधाएँ पाती हूँ। बाकी समय हम स्वस्थ होने पर कहीं बीफ बनकर तो कहीं लंपी का शिकार होकर हाइवे-चौराहों पर नजर आती हैं। ऐसे सत्ताधारी नेताओं को देखकर हमें शर्म आती है। कसाइयों से ज्यादा इन्हें देखकर मुँह छिपाना पड़ता है। छद्म राष्ट्रवाद और छद्म धर्म के नाम पर छद्म सेवा का खेल सबसे खतरनाक होता है। हमारे संरक्षण और संवर्धन के नाम पर, हमारे विरोधियों का सिर कुचल दिया जाता है और हमारे नाम पर वसूले लाखों-करोड़ों का चंदा खुद गाय बनकर खा जाते हैं। कम से कम चारे को पचाने के लिए जुगाली तो करते हैं, वे तो बिना जुगाली सब डकार जाते हैं। इनका पाचन तंत्र की क्षमता दर्ज करने गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रेकॉर्ड वाले इन्हें चप्पा-चप्पा ढूँढ़ रहे हैं। एक बार के लिए हम किसी से बचे न बचें, लेकिन ऐसे सत्ता के लंपटों से कतई नहीं बच सकते।

अंत में वोटर लीचड़ किस्म के नेताओं से कहता है-- हे स्वार्थी! गिरगिट के वंशजो! मेनिफेस्टो और पोस्टरों से उतरो और जाकर उसे लंपी बीमारी से ग्रस्त विकास के चौराहों-हाइवे पर ढूँढ़ो। क्या पता स्पीड ब्रेकर के रूप में ही सही, वहीं मिल जाएँ।

# जीवित्पुत्रिका व्रत कल, संतान की सुरक्षा के लिए रखते हैं कठिन निर्जला व्रत

**जीवित्पुत्रिका व्रत 2023 पूजा मुहूर्त**

**6 अक्टूबर को जितिया व्रत के लिए पूजा का शुभ मुहूर्त प्रातः 06 बजकर सुबह 10 बजकर 41 मिनट तक है. इसमें चर-सामान्य मुहूर्त सुबह 06:16 बजे से सुबह 07:45 बजे तक है. उसके बाद लाभ-उन्नति मुहूर्त सुबह 07:45 बजे से सुबह 09:13 बजे तक है. अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त सुबह 09:13 बजे से सुबह 10:41 बजे तक है. उस दिन का अभिजित मुहूर्त 11:46 एएम से 12:33 पीएम तक है।**

**आश्विन कृष्ण अष्टमी तिथि का प्रारंभ 6 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 34 मिनट पर होने वाला है।**

जीवित्पुत्रिका व्रत के लिए पूजा का शुभ मुहूर्त प्रातः 06 बजकर सुबह 10 बजकर 41 मिनट तक है।

जीवित्पुत्रिका व्रत हर साल आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को रखा जाता है। जितिया को जीवित्पुत्रिका व्रत भी कहा जाता है। इस दिन माताएं अपनी संतान की सुरक्षा और उसके सुखी जीवन के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। जितिया व्रत में गंधर्व राजा जीमूतवाहन की पूजा होती है और जितिया व्रत कथा सुनते हैं। राजा जीमूतवाहन ने पक्षीराज गुरुड़ से नागमाता के पुत्रों की रक्षा की थी।

इस वजह से माताएं जितिया व्रत में जीमूतवाहन से अपनी संतान की सुरक्षा, सभी संकटों से मुक्ति देने और उनके सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करती हैं।

कब है जीवित्पुत्रिका व्रत?

पंचांग के अनुसार, इस साल आश्विन कृष्ण अष्टमी तिथि का प्रारंभ 6 अक्टूबर दिन शुक्रवार को सुबह 06 बजकर 34 मिनट पर होने वाला है और इस तिथि की मान्यता 7 अक्टूबर शनिवार को सुबह 08 बजकर 08 मिनट तक है। ऐसे में जितिया व्रत 7 अक्टूबर को रखा जाएगा।

**सर्वार्थ सिद्धि समेत 2 शुभ योग में जितिया व्रत**

इस साल जीवित्पुत्रिका व्रत के दिन सर्वार्थ सिद्धि योग और परिघ योग बन रहे हैं। सर्वार्थ सिद्धि योग रात में 09 बजकर 32 मिनट से बन रहा है, जो पारण वाले दिन 7 अक्टूबर को सुबह 06 बजकर 17 मिनट तक है।

वहीं परिघ योग सुबह से लेकर अगले दिन प्रातः 05 बजकर 31 मिनट तक है। व्रत के दिन आर्द्रा नक्षत्र सुबह से लेकर रात 09 बजकर 32 मिनट तक है, उसके बाद से पुनर्वसु नक्षत्र है।

**जीवित्पुत्रिका व्रत की पूजा विधि**

जिन माताओं को जितिया व्रत रखना है, वे व्रत पूर्व से सात्विक भोजन करें। व्रत वाले दिन प्रातःकाल में स्नान आदि के बाद जीवित्पुत्रिका व्रत और पूजा का संकल्प करें।

यह आपको निर्जला व्रत करना है। पूजा मुहूर्त में कुश से निर्मित जीमूतवाहन की मूर्ति की स्थापना पानी से भरे एक पात्र में करें। इसके बाद अक्षत, फूल, माला, सरसों तेल, खल्ली, बांस के पत्ते, धूप, दीप आदि से जीमूतवाहन की पूजा करें। उन पर लाल और पीले रंग की रूई अर्पित करें।

फिर मिट्टी और गोबर से बनी मादा चील और मादा सियार की मूर्ति पर सिंदूर, केराव, खीरा, दही और चूड़ा चढ़ाएं। उसके बाद जितिया व्रत की कथा सुनें। संतान की सुरक्षा और उसके सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करें। फिर अगले दिन स्नान आदि के बाद पारण करके व्रत को पूरा करें।

- मुकेश ऋषि

# श्राद्ध से पितृ खुश हैं या नहीं? ऐसे मिलेंगे शुभ संकेत

पितृपक्ष चल रहा है। पितृपक्ष में सनातन धर्म को मानने वाले लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए कई प्रकार के उपाय कर रहे हैं। कोई पिंडदान, तर्पण और श्राद्ध कर रहा है, तो कोई ज्योतिष द्वारा बताए गए उपाय करके अपने-अपने पितरों को प्रसन्न कर रहा है। धार्मिक मान्यता के मुताबिक, पितृपक्ष के दौरान पितृ अपने परिवारजन के बीच आते हैं। इस दौरान पितरों को प्रसन्न करने के लिए पितृ पक्ष में पिंडदान, कर्मकांड, श्राद्ध इत्यादि क्रम भी किए जाते हैं।

पितृपक्ष में पितृ दोष लगने पर परिवार में कलह की स्थिति भी पैदा होती है। वहीं, दूसरी तरफ पितृ के प्रसन्न रहने पर परिवार में सदस्यों के मध्य स्नेह और प्यार बना रहता है।

मान्यता है कि पितृपक्ष में पितृ के प्रसन्न रहने पर कौवा भोजन करने घर आते हैं, लेकिन आज हम आपको इस रिपोर्ट में बताएंगे कि पितृ पक्ष के दौरान अगर आपके पितृ प्रसन्न हैं, तो उसके पहले आपको भी कुछ संकेत प्राप्त होते हैं।

**जातक को मिलते हैं संकेत**

अयोध्या के ज्योतिषी पंडित कल्कि राम के मुताबिक, पितृपक्ष चल रहा है और पितृपक्ष में पितृ आत्मा को प्रसन्न करने के लिए कई उपाय भी किए जाते हैं।

पितृपक्ष के दौरान अगर पितृ प्रसन्न हैं, तो जातक को कुछ संकेत मिलते हैं। अगर पितृपक्ष में आपके पितृ आपसे प्रसन्न हैं, तो आपके परिवार के बीच प्यार और स्नेह बना रहेगा। एक दूसरे का सहयोग मिलेगा। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

## पितृ पक्ष में गलती से भी न करें 5 काम

पितृ पक्ष के समय में पितरों को खुश करने के लिए कई उपाय किए जाते हैं। लेकिन आपकी कुछ आदतों या कामों के वजह से पितर नाराज भी हो सकते हैं। इससे वे आपको श्राप दे सकते हैं, जिससे आपका जीवन अशांति, कष्ट और दुख से भर सकता है। परिवार में कलह और काम में रुकावटें आ सकती हैं। परिवार के सदस्य बीमार हो सकते हैं। आपस में प्रेम का अभाव हो सकता है और घर में कलह से दैनिक जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो सकता है। पितृ पक्ष या फिर किसी भी दिन आप पितरों का अपमान न करें। काशी के ज्योतिषाचार्य चक्रपाणि भट्ट से जानते हैं कि पितृ पक्ष में कौन से 5 काम भूलकर भी नहीं करना चाहिए।

**पितृ पक्ष में न करें ये गलतियां**

**1.छौड़ कर्म**

पितृ पक्ष के समय में छौड़ कर्म भूलकर भी नहीं करना चाहिए। छौड़ कर्म में दाढ़ी, बाल, नाखून काटना आता है। पितृ पक्ष में दाढ़ी, बाल, नाखून आदि काटने से दोष लगता है। इससे पितरों की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

**2. असमय और अकारण यात्रा**

शास्त्रों के अनुसार, पितृ पक्ष के समय में असमय और अकारण यात्रा करना वर्जित बताया गया है। बिना उद्देश्य की यात्रा न करें। जिस दिन यात्रा करना जरूरी है तो मुहूर्त देखकर घर से निकलें और दिशाशूल का ध्यान रखें। यदि दिशाशूल है और जाना आवश्यक है तो ज्योतिष उपाय करके ही यात्रा प्रारंभ करें।

**3. सहवास क्रिया**

पितृ पक्ष के दिनों में सहवास न करें। इसे वर्जित माना गया है। भाद्रपद पूर्णिमा से आश्विन अमावस्या तक पितृ पक्ष होता है, इसमें पितरों की पूजा करते हैं।

इस वजह से इसमें ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करना जरूरी होता है। इससे आपके पितर भी प्रसन्न रहते हैं।

**4. तीक्ष्ण वस्तुओं का सेवन न करें**

पितृ पक्ष के समय में तीक्ष्ण वस्तुओं का सेवन करने से परहेज करते हैं। इसमें सरसों के तेल, मसाला, मिर्च, हींग आदि का सेवन न करें। इसके अलावा लौकी, साग, तोरी, करेला आदि न खाएं।

**5. तामसिक वस्तुओं से रहें दूर**

श्राद्ध पक्ष के दौरान तामसिक वस्तुओं से दूरी बनाकर रखना चाहिए। इस समय में मांस, शराब, प्याज, लहसुन आदि का सेवन भूलकर भी न करें। इनके सेवन से नकारात्मकता बढ़ती है।

# पितरों के भोजन में खीर-पूड़ी ही क्यों बनाई जाती है?

पितृ पक्ष का आरंभ 29 सितंबर 2023 से हो चूका है। श्राद्ध-कर्म में तर्पण को सबसे अहम अंग माना गया है। तत्पश्चात, श्रद्धानुसार भोजन बनाकर कराना दूसरा अहम अंग है। तीसरा अंग है त्याग। वही श्राद्ध का भोजन बहुत ही साधारण तथा शुद्ध होना चाहिए। श्राद्ध के खाने में खीर-पूड़ी जरुर बनाएं। खीर को पायस अन्न कहते हैं, पायस यानी प्रथम भोग। दूध तथा चावल से बनी खीर शरीर को ऊर्जा देती है। यही कारण है कि पितृ पक्ष पितरों को खीर, पूड़ी का धूप देते हैं तथा पितरों के नाम ब्राह्मण भोज कराते हैं।

* श्राद्ध का खाना बनाते वक़्त जौ, मटर और सरसों का इस्तेमाल करना श्रेष्ठ माना जाता है। पितरों की भोग की थाल में कद्दू की खट्टी-मिठी सब्जी अवश्य सम्मिलित की जाती है।

* पितरों के भोजन में तिल का अवश्य इस्तेमाल करें। तिल पिशाचों से श्राद्ध की रक्षा करते हैं। तिल को बहुत शुभ और पवित्र माना जाता है। प्रसाद में अधिक से अधिक तिल होने पर उसका अक्षय फल प्राप्त होता है।

* पितृ पक्ष में चना, मसूर, उड़द दाल, प्याज, लहसून, मूली से युक्त भोजन नहीं बनाना चाहिए। इसे अशुभ माना गया है।

* श्राद्ध के भोजन से सबसे पहले अग्नि में धूप दें, फिर पंचबलि ग्रास निकालें। ब्राह्मणों को भोजन कराएं। यदि ब्राह्मण न मिलें तो बहन, दामाद या भानजे को भी भोजन कराना बहुत लाभदायक होता है।

# अक्टूबर में 5 राशिवाले रहें सावधान!

अक्टूबर का महीना 5 राशि के जातकों के लिए खतरे की घंटी बजा रहा है। वृष, कन्या समेत 5 राशिवालों की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है तो कुछ को नौकरी और बिजनेस में बड़ी चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है। लापरवाही के कारण नौकरी जाने का डर रहेगा। सड़क पर ध्यान से वाहन न चलाने के कारण दुर्घटना की आशंका है। कुछ लोगों के विरोधी भी प्रबल होंगे, जो आपको परेशान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। आइए जानते हैं कि अक्टूबर महीने में किन 5 राशिवालों को सावधान रहना है और उन पर क्या नकारात्मक असर हो सकता है।

वृष- यह महीना आपको काफी व्यस्त रखेगा। काम को लेकर आपकी काफी भागदौड़ रहेगी। आपको सुदूर क्षेत्रों में जाने का मौका मिलेगा। आपको इस महीने अपने साथ काम करने वाले लोगों का ध्यान रखना पड़ेगा। अभी आपके कुछ विरोधी प्रबल होंगे, जो आपको परेशान करने में कोई कसर बाकी नहीं रखेंगे। इस कारण आप मानसिक रूप से भी तनावग्रस्त रहेंगे। यदि आप प्रयास करेंगे तो आपको किसी खूबसूरत जगह घूमने जाने का मौका मिलेगा।

बिजनेस में उत्तम सफलता के योग बनेंगे और आपको प्रॉफिट होगा। स्वास्थ्य के लिहाज से देखें तो अभी आपको अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। आपको पेट से जुड़े रोग परेशान कर सकते हैं, इसलिए अपनी सेहत के प्रति लापरवाही ना बरतें।

**कन्या-** यह महीना आप पूरी तरह आत्मविश्वास से परिपूर्ण रहेंगे और जीवन की चुनौतियों का डटकर सामना कर पाएंगे। हालांकि, आप ओवरकॉन्फिडेंट भी हो सकते हैं। नौकरीपेशा लोगों के लिए यह समय भागदौड़ का रहेगा। बिजनेस करने वालों को अभी थोड़ा संभल कर चलना पड़ेगा। अपने किसी विरोधी से इस समय सतर्क रहें। हालांकि वह आपका कुछ बिगाड़ तो नहीं पाएंगे, लेकिन आपकी मानसिक चिंताएं बढ़ा देंगे। विद्यार्थियों की बात करें तो उनके लिए समय अच्छा रहेगा। स्वास्थ्य के लिहाज से देखें तो अभी आपको अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत है। सेहत को नजरंदाज न करें, नहीं तो बड़ी मुसीबत में आ सकते हैं। अपने खान-पान का ध्यान रखें। आपको बुखार हो सकता है या पेट से जुड़े रोग परेशान कर सकते हैं।

**धनु-** अक्टूबर का महीना आपके लिए उतार-चढ़ाव से भरा रहेगा। नौकरी में ओवरकॉन्फिडेंट होने से बचें। किसी भी कंट्रोवर्सी से दूर रहें। अभी आपके कुछ गुप्त रूप से खर्चे भी होंगे। स्वास्थ्य के लिहाज से देखें तो अभी आपको अपनी सेहत का ध्यान रखने की जरूरत होगी। ज्यादा तेल मसाले वाले भोजन से दूर रहना आपके लिए अच्छा रहेगा।

**मकर-** नौकरीपेशा लोगों के लिए यह समय थोड़ा कमजोर है। नौकरी में तबादले के योग भी बन सकते हैं। ध्यान से काम न करने के कारण नौकरी जा भी सकती है, इसलिए थोड़ी सावधानी जरूर रखें। जमीन-जायदाद से जुड़े मामलों में आपका ध्यान रहेगा और आपको कोई संपत्ति प्राप्त हो सकती है। स्वास्थ्य के लिहाज से भी यह महीना आपके लिए अच्छा नजर आ रहा है। अपनी दिनचर्या का पालन करें और योग व प्राणायाम को इसमें शामिल करें।

# बिहार के गया में ही क्यों होता है पिंडदान और मिलता है मोक्ष

बिहार के गयाजी में पितृपक्ष के दौरान पितरों के लिए पिंडदान की परंपरा आदिकाल से चली आ रही है। कहा जाता है कि गया में पिंडदान करने से पितरों को मोक्ष की प्राप्ति होती है। आश्विन महीने के कृष्ण पक्ष प्रतिपदा से अमावस्या तक 15 दिनों तक का समय पितृपक्ष का होता है। मान्यता के अनुसार पिंडदान मोक्ष प्राप्ति का एक सहज और सरल मार्ग है। मनुष्य पर देव ऋण, गुरु ऋण और पितृ ऋण होते हैं। माता-पिता की सेवा करके मरणोपरांत पितृपक्ष में पूर्ण श्रद्धा से श्राद्ध करने पर पितृऋण से मुक्ति मिलती है।

ऐसे तो देश के हरिद्वार, गंगासागर, कुरुक्षेत्र, चित्रकूट, पुष्कर सहित कई स्थानों में भगवान पितरों को श्रद्धापूर्वक किए गए श्राद्ध से मोक्ष प्रदान कर देते हैं, लेकिन गया में किए गए श्राद्ध की महिमा का गुणगान तो भगवान राम ने भी किया है। कहा जाता है कि भगवान राम और सीताजी ने भी राजा दशरथ की आत्मा की शांति के लिए गया में ही पिंडदान किया था।

मोक्ष की भूमि व विष्णु की नगरी है गया

गया को विष्णु की नगरी माना जाता है। यह मोक्ष की भूमि कहलाती है। गरुड़ पुराण के अनुसार गया जाने के लिए घर से निकले एक-एक कदम पितरों को स्वर्ग की ओर ले जाने के लिए सीढ़ी बनाते हैं। विष्णु पुराण के अनुसार गया में पूर्ण श्रद्धा से पितरों का श्राद्ध करने से उन्हें मोक्ष मिलता है। मान्यता है कि गया में भगवान विष्णु स्वयं पितृ देवता के रूप में उपस्थित रहते हैं, इसलिए इसे पितृ तीर्थ भी कहते हैं।

जानिए गयासुर की कहानी

मान्यता है कि गया भस्मासुर के वंशज दैत्य गयासुर की देह पर फैला है। कहते हैं कि गयासुर ने ब्रह्माजी को अपने कठोर तप से प्रसन्न कर वरदान मांगा कि उसकी देह देवताओं की भांति पवित्र हो जाए और उसके दर्शन से लोगों को पापों से मुक्ति मिल जाए।

वरदान मिलने के पश्चात स्वर्ग में जन्संख्या बढ़ने लगी और लोग अधिक पाप करने लगे। इन पापों से मुक्ति के लिए वे गयासुर के दर्शन कर लेते थे। इस समस्या से बचने के लिए देवताओं ने गयासुर से कहा कि उन्हें यज्ञ के लिए पवित्र स्थान दें। गयासुर ने देवताओं को यज्ञ के लिए अपना शरीर दे दिया। कहा जाता है कि दैत्य गयासुर जब लेटा तो उसका शरीर पांच कोस में फैल गया। यही पांच कोस का स्थान आगे चलकर गया के नाम से जाना गया। गया के मन से लोगों को पाप मुक्त करने की इच्छा कम नहीं हुई, इसलिए उसने देवताओं से फिर वरदान की मांग कि यह स्थान लोगों के लिए पाप मुक्ति वाला बना रहे। जो भी श्रद्धालु यहां श्रद्धा से पिंडदान करते हैं, उनके पितरों को मोक्ष मिलता है।

**गया में ही पिंडदान करने का खासा महत्व क्यों है?**

वे कहते हैं कि फल्गु नदी के तट पर पिंडदान किए बिना पिंडदान हो ही नहीं सकता। गया में पहले विभिन्न नामों की 360 वेदियां थीं, जहां पिंडदान किया जाता था। इनमें से अब 48 ही बची हैं। वर्तमान समय में इन्हीं वेदियों पर लोग पितरों का तर्पण और पिंडदान करते हैं। पिंडदान के लिए प्रतिवर्ष गया में देश-विदेश से लाखों लोग आते हैं। उन्होंने कहा कि हर इंसान की यह इच्छा होती है कि मरने के बाद गया धाम में उसका पिंडदान किया जाए ताकि उसकी आत्मा को शांति मिल सके।

**गया तीर्थ में जलरूप में विराजमान हैं विष्णु**

पितृपक्ष के पहले दिन की शुरुआत पावन फल्गु नदी के जल में पितरों को तपर्ण करने के साथ होती है। एक पखवारे तक चलने वाले पितृपक्ष मेले की शुरुआत यहीं से मानी जाती है। फल्गु तीर्थ और विष्णुपद में तादात्म्य संबंध है। भगवान विष्णु भी गया तीर्थ में जल रूप में विराजमान हैं। इसलिए गरुड़ पुराण में वर्णित है कि 21 पीढ़ियों में किसी भी एक व्यक्ति का पैर फल्गु में पड़ जाए तो उसके समस्त कुल का उद्धार हो जाता है। ब्रह्मवैवर्त पुराण में लिखा गया कि फल्गु सर्वनाश और गदाधर देव का दर्शन एवं गयासुर की परिक्रमा ब्रह्म हत्या जैसे पाप से मुक्ति दिलाती है। गयासुर की परिक्रमा का अभिप्राय समस्त पिंडवेदियों से है, क्योंकि एक कोशिश का मतलब तीन किलोमीटर (पंचकोश गया क्षेत्र) के क्षेत्र से है, जिसमें मुख्य वेदियां सम्मलित हैं। फल्गु तीर्थ के और भी कई पक्ष हैं, जिसके कारण इसकी आध्यात्मिकता बढ़ी है। बोधगया से उत्तर निरंजना संगम के पश्चात इसका उत्तरवाही अस्तित्व स्वतंत्र है। यह पुनपुन नदी से भी अपने को अलग रखकर आहर में खो जाती है। धार्मिक गौरव में यह गंगा से कम नहीं है। गंगा को सुर सरिता भले कहा गया है, पर फल्गु तो स्वयं विष्णु का अवतरण ही है।

# पायल घोष ने फिर किया बवाल काटने वाला पोस्ट, इस बार पूरे बॉलीवुड पर साधा निशाना

साउथ इंडस्ट्री में अपनी पहचान बना चुकी एक्ट्रेस पायल घोष अक्सर अपने कमेंट्स को लेकर विवादों में घिरी रहती हैं. हाल ही पायल ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर ऐसा पोस्ट शेयर किया जो सुर्खियों में आ गया है. पायल ने इस बार अपनी पोस्ट के जरिए सीधे बॉलीवुड पर निशाना साधा है. पायल के अनुसार, बॉलीवुड को क्रिएटिविटी की कद्र नहीं है, वहां बस अंग प्रदर्शन पर ही फोकस किया जाता है. उन्होंने बड़े बेबाक शब्दों में अपनी बात रखी है, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर उनका पोस्ट वायरल हो रहा है.

पायल घोष का जन्म 1992 में कोलकाता में हुआ था. पॉलिटिकल साइंस में ग्रेजुएशन के बाद उन्होंने कम उम्र में ही बीबीसी की एक टेलीफिल्म में काम किया था. इसके बाद वे एक कैनेडियन मूवी में भी नजर आई थीं. पायल ने एक्टिंग कोर्स किया था और इसी दौरान उन्हें पहली साउथ फिल्म का प्रस्ताव मिला था. साउथ सिनेमा से करियर की शुरुआत करने वाली पायल अब बॉलीवुड को आड़े हाथों लिया है. पायल घोष ने हाल ही एक पोस्ट शेयर की. इसमें उन्होंने लिखा, 'थैंक गॉड, मुझे साउथ फिल्म इंडस्ट्री ने लॉन्च किया. अगर मुझे बॉलीवुड इंडस्ट्री लॉन्च करती तो वे लोग मुझे प्रजेंट करने के लिए मेरे कपड़े उतार देते क्योंकि वहां क्रिएटिविटी से ज्यादा फीमेल बॉडी का यूज किया जाता है.'

पायल ने यह पोस्ट 1 अक्टूबर को सुबह 8 बजे के करीब शेयर की थी. इसके बाद से यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगी. पायल की इस पोस्ट के बाद से बॉलीवुड और साउथ की वर्किंग स्टाइल पर भी सवाल उठने लगे हैं. पायल इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'Fire Of Love: Red' को लेकर चर्चा में हैं. फिल्म में उनके साथ कृष्णा अभिषेक नजर आएंगे.

पायल की इस पोस्ट ने विवाद खड़ा कर दिया है. यह पहली बार नहीं है जब पायल ने इस तरह की बात रखी है. इससे पहले वे एक दफा अपनी जीवन समाप्त करने को लेकर एक पोस्ट शेयर कर चुकी हैं. इस पोस्ट के बाद भी काफी हंगामा हुआ था.

साउथ और बॉलीवुड को लेकर एक बार पायल ने अनुराग कश्यप पर भी आरोप लगाया था. उनका कहना था, 'मैंने साउथ फिल्म इंडस्ट्री में 2 नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर के साथ काम किया. इस दौरान उन्होंने मुझे छुआ तक नहीं लेकिन बॉलीवुड में मैंने अनुराग कश्यप के साथ काम तक नहीं किया, फिर भी हमारी तीसरी मुलाकात के दौरान उसने मेरा रेप किया.'

## रणबीर कपूर को ईडी का समन, महादेव गेमिंग ऐप मामले में होगी पूछताछ, पहले से निशाने पर हैं 14 बॉलीवुड सितारे

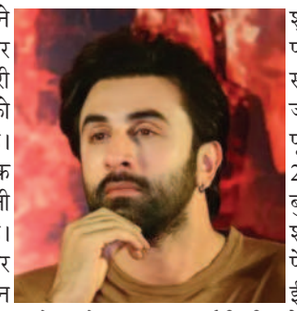

**प्रवर्तन निदेशालय** ने बुधवार को बॉलीवुड एक्टर रणबीर कपूर को समन जारी किया है। उन्हें छह अक्टूबर को पूछताछ के लिए बुलाया गया है। यह पूरा मामला 'महादेव बुक ऑनलाइन लॉटरी' से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले से जुड़ा हुआ है। इस ऑनलाइन बेटिंग ऐप के फेर में बॉलीवुड के 17 सितारे प्रवर्तन निदेशालय की रडार पर हैं। कुछ हफ्ते पहले इस केस में टाइगर श्रॉफ से लेकर सनी लियोनी, नेहा कक्कड़ और राहत फतेह अली खान जैसे दिग्गजों के नाम सामने आए थे। अब मामले में जांच आगे बढ़ते ही आलिया भट्ट के पति रणबीर कपूर से पूछताछ होनी है। ये सभी सतिारे दुबई में 200 करोड़ रुपये की एक शादी में शरीक होकर मुश्किल में फंस गए हैं।

अवैध सट्टेबाजी के इस मामले में अब ईडी ने बड़ा कदम उठाते हुए सेलेब्स को समन भेजना शुरू कर दिया है। जहां सबसे पहला नाम रणबीर कपूर का सामने आया है। एक्टर को जांच एजेंसी ने इस मामले में पूछताछ के लिए 6 अक्टूबर 2023 यानी शुक्रवार को बुलाया है। जहां उनसे शादी में शामिल होने, परफॉर्म करने, पेमेंट से लेकर अन्य सवाल ईडी दाग सकती है।

**ईडी की छापेमारी, मिले थे 417 करोड़**

बीते महीने ईडी ने कई शहरों में छापेमारी की थी। इस रेड में 417 करोड़ रुपये की भारी-भरकम रकम बरामद की गई थी। ये मामला तब सामने आया था जब महादेव ऐप के प्रमोटर सौरभ चंद्राकर की शादी की जानकारी व वीडियो सामने आया था। प्रमोटर ने फरवरी में सयुंक्त अरब अमीरात में शादी की थी। जहां उन्होंने 200 करोड़ रुपये से भी ज्यादा पानी की तरह बहाए थे।

## 1980 की ब्लॉकबस्टर का 28 साल बाद बना रीमेक, रिलीज होते ही हीरो की हुई फजीहत, ऑडियंस ने पीटा माथा

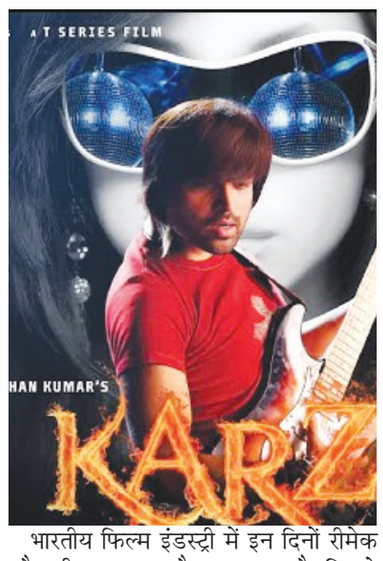

भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में इन दिनों रीमेक और सीक्वल्स का दौर चल पड़ा है. पिछले कुछ बरसों में बॉलीवुड मेकर्स ने साउथ की कई फिल्मों को हिंदी में रीमेक किया. इनमें से कुछ फिल्में बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुई. कुछ हिट हुई. मेकर्स को यह सपना साल 2019 में आई शाहिद कपूर स्टारर 'कबीर सिंह' ने दिखाया था, जो तेलुगु फिल्म 'अर्जुन रेड्डी' का हिंदी रीमेक थी. 'डॉन', 'अग्निपथ' और 'उमराव जान' जैसी कई ऐसी फिल्म हैं, जो पुरानी बॉलीवुड फिल्मों के रीमेक बने. इनमें कई हिट हुई, तो कई बुरी तरह फ्लॉप हुई.

बीते कुछ सालों में 'हिम्मतवाला', 'चश्मे बद्दूर' और 'जंजीर' जैसी फिल्में भी रिलीज हुईं और बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह फ्लॉप हुईं. यह फिल्म ने 70-80 के दशक में आई फिल्मों की रीमेक थे, जो इसी नाम से बनी थी. लेकिन हम यहां आपको एक ऐसी फिल्म के बारे में बता रहे हैं, जो 1980 में रिलीज हुई और म्यूजिकल हिट और ब्लॉकबस्टर साबित हुई. 28 साल बाद जब इसका रीमेक बना, तो मेकर्स और हीरों को ऑडियंस-क्रिटिक्स ने खूब कोसा.

सबसे पहले, 1980 में आई इस फिल्म का नाम 'कर्ज' है. इसे सुभाष घई ने डायरेक्ट किया था. फिल्म में ऋषि कपूर, टीना मुनीम और सिमी गरेवाल लीड रोल में थे. यह म्यूजिकल फिल्म थी. फिल्म की कहानी पुनर्जन्म पर आधारित थी. ऋषि कपूर स्टारर यह फिल्म डेढ़ करोड़ रुपए में बनी थी और इसने लगभग 4 करोड़ रुपए का कलेक्शन किया था. फिल्म के गाने आज भी खूब सुने जाते हैं. यह ऋषि कपूर की बेस्ट फिल्मों से एक है.

वहीं, इसके 28 साल बाद यानी साल 2008 में 'कर्ज' नाम से ही इसका रीमेक बना. फिल्म में हीरो बने हिमेश रेशमिया, जोकि उस समय वह सबसे टॉप के सिंगर माने जाते थे. फिल्म को सतीश कौशिक ने डायरेक्ट किया था.

साल 2008 की 'कर्ज' में उर्मिला मातोंडकर, श्वेता कुमार, डैनी डेंगजोंगपा, दीनो मौर्या, गुलशन ग्रोवर जैस बड़े और प्रतिभाशाली कलाकार थे. लेकिन ये सभी कलाकार भी फिल्म को फ्लॉप होने से नहीं बचा सके.

हिमेश रेशमिया की कर्ज 24 करोड़ रुपए में बनी थी और यह 16 करोड़ रुपए भी पूरे नहीं कमा सकी. इतना ही नहीं क्रिटिक्स के साथ-साथ ऑडियंस ने भी हिमेश एक्टिंग का मखौल उड़ाया और उन्हें सिंगर बने रहने की नसीहत दे दी. लोगों ने मेकर्स पर इतनी अच्छी फिल्म को खराब करने का आरोप लगाया. खुद ऋषि कपूर ने भी इसकी आलोचना की थी।

## जिस पति के लिए नंगे पैर सिद्धि विनायक गई, उसी ने दिया धोखा, दे दिया तलाक

**बोनी कपूर बॉलीवुड** के सबसे सफल फिल्म निर्माताओं में से एक हैं. उन्होंने इंडस्ट्री को 'मिस्टर इंडिया', 'वॉन्टेड', 'रन' और 'पिंक' जैसी जबरदस्त फिल्मों का निर्माण किया है. लेकिन, अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ में बोनी कपूर ने काफी उतार-चढ़ाव भी देखे हैं. श्रीदेवी के निधन के पांच साल बाद बोनी कपूर ने पहली बार अभिनेत्री के निधन के कारणों के बारे में बात करके हलचल पैदा कर दी है. बोनी कपूर ने हाल ही में अपनी प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ से जुड़े कई किस्से साझा किए, जिनमें से एक उनकी फिल्म 'रूप की रानी चोरों का राजा' से भी जुड़ा है, जिसमें अनिल कपूर और दिवंगत अभिनेत्री श्रीदेवी लीड रोल में थे.

बोनी कपूर ने फिल्म पर चर्चा करते हुए कहा- 'सबको लगता था कि ये फिल्म हिट होगी, लेकिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह पिट गई.' बोनी ने बताया कि इस फिल्म के ना चलने से उन्हें बहुत नुकसान हुआ था. इस फिल्म पर उन्हें इतना भरोसा था कि इसके लिए उन्होंने कई लोगों से पैसे उधार लिए थे, लेकिन फिल्म का इतना खराब हाल हुआ कि उन्हें अपनी प्रॉपर्टी तक बेंचनी पड़ गई. हालांकि, इस बुरे समय में उनकी पहली पत्नी मोना शौरी कपूर उनके साथ लगातार खड़ी रहीं.

बोनी कपूर ने इस फिल्म की असफलता और पत्नी मोना से जुड़ा किस्सा शेयर किया और बताया कि 'रूप की रानी चोरों का राजा' के फ्लॉप होने से उन्हें बहुत नुकसान हुआ था. इस बुरे दौर में पत्नी मोना कपूर उनके साथ मजबूती से खड़ी रहीं. पति बोनी की भलाई के लिए मोना नंगे पैर सिद्धि विनायक मंदिर गई थीं. बता दें, बोनी कपूर ने श्रीदेवी के लिए पहली पत्नी मोना कपूर से तलाक का फैसला लिया था. मोना ने तो इस अन्याय को चुपचाप सह लिया, लेकिन मोना की मां सत्ती शौरी को श्रीदेवी से नफरत हो गई. कहते हैं मां के साथ हुए अन्याय को अर्जुन कपूर भी नहीं सह पाए और उन्होंने कभी श्रीदेवी के जिंदा रहते उनसे बात नहीं की.

हालांकि, बोनी कपूर का कहना है कि उन्होंने कभी मोना को धोखा नहीं दिया. उन्होंने इस दौरान इस बात पर भी निराशा जाहिर की कि श्रीदेवी अपनी बेटी जाह्नवी और खुशी की सफलता को देखने से पहले ही इस दुनिया को अलविदा कह गईं और इस बात से वह बेहद निराश हैं. गौरतलब है कि बोनी कपूर ने 1996 में श्रीदेवी से गुपचुप शादी रचा ली थी और शादी के कुछ महीनों बाद इस पर से पर्दा उठाया था.

**बोनी कपूर ने हाल ही में श्रीदेवी की मौत की वजह पर भी खुलकर बात की.**

बोनी कपूर ने कहा – 'मैं कोई पावरफुल फैमिली मैन नहीं हूं. मैं एक सिंपल सा फैमिली मैन हूं. एक केयरिंग, प्यार करने वाला बेटा, भाई, मेरी पत्नी के लिए उसका पति और बच्चों अर्जुन, अंशुला, खुशी और जाह्नवी के लिए उनका पिता. यहां तक कि मैं मोना के साथ भी हमेशा पूरी तरह से ईमानदार था. मैं अपने आपको एक सिंपल, ईमानदार शख्स के रूप में परिभाषित करूंगा. जो अपने आस-पास के सभी लोगों के लिए अच्छा था. मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे वो सब करने का अवसर मिला जो मैं करना चाहता था, और मैं इसे अपने परिवार के सदस्यों के सपोर्ट के बिना नहीं कर सकता था.'

## 18 साल की उम्र में की पहली शादी, 2 बार झेला तलाक का दर्द, अब अपनी शर्तों पर जिंदगी जी रही हैं एक्ट्रेस

**श्वेता तिवारी** सीरियल्स से लेकर फिल्मों तक अपने अभिनय का जलवा बिखेर चुकी हैं. 43 साल की उम्र में भी ये एक्ट्रेस फिटनेस के मामले में आज की युवा एक्ट्रेसेज को टक्कर दे सकती हैं. आज भी ये एक्ट्रेस फिल्मों और सीरियल्स में पूरी तरह से सक्रिय हैं. श्वेता तिवारी आज 4 अक्टूबर के दिन अपना जन्मदिन मना रही हैं. श्वेता तिवारी ने अपने करियर में कई बुलंदियों को छुआ, लेकिन उनकी निजी जिंदगी हमेशा से उथल-पुथल भरी रही है. आज आपको एक्ट्रेस की निजी जिंदगी के कुछ अनसुने पहलुओं से वाकिफ कराने जा रहे हैं.

श्वेता तिवारी ने महज 12 साल की उम्र में फिल्मों और सीरियल्स में काम करना शुरू कर दिया था. बॉलीवुड और सीरियल्स का रुख करने से पहले श्वेता तिवारी ने भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अच्छी-खासी पहचान बना ली थी. भोजपुरी इंडस्ट्री में काम करने के दौरान श्वेता तिवारी और निर्देशक राजा चौधरी की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं. दोस्ती से शुरू हुआ दोनों का रिश्ता धीरे-धीरे प्यार में बदल गया.

**परिवार के खिलाफ जाकर की थी शादी**

इस कपल के रिलेशनशिप को महज कुछ वक्त ही हुआ था कि इन दोनों ने शादी कर सभी को हैरान कर दिया था. इस कपल की शादी के वक्त एक्ट्रेस की उम्र केवल 18 साल थी और उनके परिवार वाले राजा चौधरी संग उनके रिश्ते के सख्त खिलाफ थे, लेकिन एक्ट्रेस निर्देशक के प्यार में कुछ इस कदर डूब चुकी थीं कि उन्होंने परिवार के खिलाफ जाकर शादी कर ली थी.

**अकेले की बेटी की परवरिश**

9 सालों तक खुशहाल शादीशुदा जिंदगी बिताने के बात साल 2007 में श्वेता और राजा के रिश्ते में दरार आनी शुरू हो गई और आखिरकार इस कपल ने तलाक लेकर अपनी राहें अलग कर लीं. इस शादी से इस कपल की एक बेटी भी है. तलाक के बाद श्वेता तिवारी ने अपनी बेटी पलक की परवरिश अकेले ही की है.

**बखूबी बैलेंस करती हैं पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ**

सालों तक सिंगल मदर के तौर पर जिंदगी जीने के बाद साल 2013 में एक्ट्रेस की जिंदगी में प्यार ने एक बार फिर दस्तक दी और उन्होंने अपने दोस्त अभिनव कोहली संग शादी रचा ली. लेकिन इस बार भी एक्ट्रेस की खुशियां ज्यादा दिनों तक टिक नहीं पाईं. 2019 में अभिनव से तलाक लेने के बाद वह अब अपनी शर्तों पर जिंदगी जीती हैं. श्वेता तिवारी आज भी अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ बखूबी बैलेंस करती हैं।

## शहनाज गिल बनीं लव गुरु, 'सा रे गा मा पा' के कंटेस्टेंट को दी रिलेशनशिप एडवाइज, बोलीं- 'थैरेपी ले लो...'

आइकोनिक सिंगिंग रियलिटी शो 'सा रे गा मा पा' में बतौर स्पेशल गेस्ट शामिल होने वाली एक्ट्रेस शहनाज गिल ने एक कंटेस्टेंट को रिलेशनशिप एडवाइज देते हुए कहा कि वह अगली बार उनसे एक रैप गाना सुनना चाहेंगी.

'सा रे गा मा पा' में हिमेश रेशमिया, नीति मोहन और अनु मलिक जज हैं. शो के नए एपिसोड में स्पेशल गेस्ट के तौर पर भूमि पेडनेकर, शहनाज गिल, कुशा कपिला, डॉली सिंह और शिबानी बेदी शामिल हुईं.

कंटेस्टेंट रिक बसु 'आप ही से था' गाना गया, जिसे अनु मलिक ने कंपोज किया है. उनकी आवाज और अधूरी प्रेम कहानी सुनने के बाद, शहनाज ने उन्हें रिलेशनशिप एडवाइज दी.

एक रिपोर्ट के अनुसार, शहनाज गिल ने कहा, 'जब आप परफॉर्म कर रहे थे, तो मैंने एक इंटेंस लवर को अपनी गर्लफ्रेंड के लिए गाते हुए देखा. पूरा गाना बताता है कि आप उसे कितना प्यार करते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि अब आपके लिए आगे बढ़ने का समय आ गया है.'

शहनाज गिल ने कहा, 'फिलहाल, थैरेपी ले लो, अगली बार आपसे एक रैप गाना सुनने का इंतजार करूंगी.' 'सा रे गा मा पा' जी टीवी पर प्रसारित होता है.

काम की बात करें, तो शहनाज गिल को आखिरी बार फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' में सुकून के रोल में देखा गया था. वे जल्द ही फिल्म 'थैंक्यू फॉर कमिंग' में दिखाई देंगी जो 6 अक्टूबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

# भीगे बादाम के फायदे जो आपकी सेहत को अच्छा कर सकती हैं

**काजू से लेकर** पिस्ता तक, नट्स अच्छे स्वास्थ्य के लिए जाने जाते है। और वे ढेर सारे लाभ भी प्रदान करते हैं। लेकिन आप अपने नट्स का सेवन कैसे करते हैं यह भी महत्वपूर्ण है। हम सभी जानते हैं कि बादाम आंखों, दिमाग और शरीर के कई अन्य कार्यों को फायदा पहुंचाता है। लेकिन भीगे हुए बादाम वास्तव में हमारे सिस्टम और हमारे जीने के तरीके को बेहतर बनाते हैं।

**भीगे हुए बादाम कच्चे बादाम से बेहतर क्यों होते हैं?**

भीगे हुए बादाम बनावट, स्वाद और पोषक तत्वों की उपलब्धता में कच्चे बादाम से बेहतर होते हैं। भिगोने से बादाम की बाहरी परत नरम हो जाती है, जिससे पोषक तत्वों का स्वस्थ पाचन होता है। यह दो पोषक तत्वों – टैनिन और फाइटिक एसिड – को भी रोकता है जो इन नट्स के भूरे रंग के आवरण में पाए जाते हैं।

**भीगे हुए बादाम के फायदे**

## पाचन में सुधार

भीगे हुए बादाम संपूर्ण पाचन प्रक्रिया को सुगम बनाकर आपके भोजन के पाचन को आसान और तेज़ बना सकते हैं। ये एक लिपिड-ब्रेकिंग एंज़ाइम लाइपेस छोड़ते हैं जो भोजन में मौजूद वसा पर काम करने के लिए जाना जाता है और इस प्रकार शरीर के पाचन तंत्र की मदद करता है।

## वजन कम करना

शोध बताते हैं कि भीगे हुए बादाम लाइपेस सहित विभिन्न एंज़ाइम छोड़ते हैं। इनका नियमित सेवन मेटाबॉलिज़्म को बढ़ाता है और इस तरह वजन घटाने और प्रबंधन में मदद करता है। यह शरीर में खराब कोलेस्ट्रॉल की मात्रा को कम करने में मदद करता है और मोटापे से बचाता है। यह शरीर में पानी के वजन, कमर की परिधि, और वसा द्रव्यमान को कम करने में भी मदद करता है।

## गर्भावस्था में लाभकारी

गर्भावस्था के दौरान आवश्यक विटामिन और खनिजों का सेवन सुनिश्चित करना आवश्यक हो जाता है। फोलेट का एक उत्कृष्ट स्रोत होने के नाते, भिगोए हुए बादाम नेचुरल लेबर की संभावना को बढ़ाने में मदद करते हैं। इसके अलावा, वे यह भी सुनिश्चित करता है कि जन्मजात हृदय दोष और तंत्रिका ट्यूब जैसे जोखिमों को दूर करके बच्चा स्वस्थ पैदा होता है।

**मस्तिष्क विकास में मददगार**

कहा जाता है कि बादाम में एल-कार्निटाइन होता है, हालांकि इसके कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। एल-कार्निटाइन मस्तिष्क की नई कोशिकाओं के उत्पादन और वृद्धि में मदद कर सकता है। इसके अलावा, विटामिन ई और बी6 की उपस्थिति यह सुनिश्चित करती है कि मस्तिष्क की कोशिकाओं के लिए प्रोटीन की जैवउपलब्धता बढ़े। इसके अलावा, भीगे हुए बादाम ओमेगा -6 और ओमेगा -3 के कारण मस्तिष्क के प्रभावी विकास में भी योगदान करते हैं।

**हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा**

बादाम पोटेशियम, प्रोटीन और मैग्नीशियम से भरपूर होते हैं जो एक अच्छे और स्वस्थ दिल के लिए बहुत अच्छे होते हैं। जब आप बादाम को भिगोते हैं, तो यह इन पोषक तत्वों की अच्छाई को बरकरार रखता है। हालाँकि, इसे साबित करने के लिए अभी भी शोध चल रहा है।

**कोलेस्ट्रॉल के स्तर को कम करना**

मुट्ठी भर बादाम को अपनी सुबह की दिनचर्या में शामिल करने से "एलडीएल" नामक खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद मिल सकती है, जबकि "एचडीएल" नामक अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बनाए रखा जा सकता है। इसके अलावा पोटेशियम और मैग्नीशियम शरीर में कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में भी अच्छे होते हैं।

**बालों के स्वास्थ्य में सुधार**

बादाम को नियमित रूप से भिगोकर रखना भी बालों के लिए अच्छा होता है। यह न केवल बालों के झड़ने को रोकता है, बल्कि यह ताज़ा बालों के विकास को भी बढ़ावा देता है और मौजूदा बालों को मजबूत करता है। इसके अलावा, इसके पेस्ट को जैतून के तेल में मिलाकर स्कैल्प पर लगाने से आपके बालों को पोषण मिलता है और बालों का झड़ना कम होता है।

# सावधान ! सेहत ही नहीं आपकी उम्र और खूबसूरती को भी नुकसान पहुंचा रहा है जंक फूड, बना सकता है आपको डाइबिटीज का मरीज

**सेहतमंद रहना है** तो आपकी डाइट हेल्दी और पौष्टिक होनी चाहिए. इस तरह का खानपान न सिर्फ आपकी बॉडी को एक्टिव रखता है, बल्कि बीमारियों से भी बचाता है. आजकल जंक फूड का ट्रेंड चल गया है. हर कोई बड़े ही चाव से खाते हैं लेकिन यह काफी खतरनाक हो सकता है. नेशनल फूड एंड टेस्टिंग एजेंसी के अनुसार, साल 2019 में फास्टफूड खाना वालों का आंकड़ा जहां 25 प्रतिशत तक था, वहीं, 2022 में यह 40 प्रतिशत के पार पहुंच गया. ICMR के अनुसार जंक फूड का सेहत पर बुरा असर होता है. यह आपकी खूबसूरती और उम्र पर भी असर डाल सकते हैं.

**जंक फूड नुकसानदायक क्यों**

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, जंक फूड में चीनी, नमक और फैट ज्यादा मात्रा में होता है. ये सभी हाई कैलोरी फूड्स होते हैं. इन फूड्स में पोषण का लेवल शून्य होता है. इस तरह के फूड खाने में टेस्टी और ललचाने वाले होते हैं इसलिए इनकी डिमांड बढ़ती जा रही है. इसे खाने से लाइफस्टाइल का बैलेंस बिगड़ रहा

है. सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट की टेस्टिंग लैब में हुए एक रिसर्च के मुताबिक, इंडिया में FSSAI के मानकों की तुलना में पैकेज्ड फूड आइटम में फैट, तेल और नमक की मात्रा ज्यादा है. चिप्स, नमकीन, बर्गर, स्प्रिंग रोल, पिज्जा समेत 33 जंक फूड्स ऐसे हैं, जिसे लोग ज्यादा पसंद करते हैं.

**फास्ट फूड खाने से बढ़ रहीं बीमारियां**

फास्ट फूड के ज्यादा सेवन से हर साल 8 परसेंट लोग बीमार हो रहे हैं. रेगुलर जंक फूड खाने से हाई ब्लड प्रेशर, दांतों में समस्या, कब्ज, हार्ट से जुड़ी परेशानी, स्किन प्रॉब्लम, लेटने और बैठने में घबराहट जैसी समस्याएं हो सकती हैं.

**जंक फूड के नुकसान**

**हार्ट की समस्याएं**

हेल्थ एक्सपर्ट के मुताबिक, जंक फूड्स में कार्बोहाइड्रेट पाए जाते हैं. इसमें फाइबर की मात्रा बिल्कुल न के बराबर ही होती है. जब डाइजेस्टिव सिस्टम जंक फूड्स को तोड़ता है तो कार्बोहाइड्रेट ब्लड सर्कुलेशन में ग्लूकोज के तौर पर निकल जाते हैं. इससे ब्लड में शुगर भी बढ़ सकता है. इसी कारण इंसुलिन बढ़ जाता है. दिल की सेहत भी बिगड़ सकती है.

**शुगर लेवल का बढ़ना**

जंक फूड्स शुगर या फैट्स से भरपूर होते हैं. पिज्जा के आटे, कुकीज में ट्रांस फैट की ज्यादा मात्रा पाई जाती है, जिससे गुड कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है. कुछ जंक फूड्स खाने से शुगर लेवल तेजी से बढ़ सकता है.

**ब्रीदिंग प्रॉब्लम्स**

जंक फूड में अतिरिक्त कैलोरी होती है, जो वजन को बढ़ा सकता है. मोटापा बढ़ने से सांस की समस्या होने लगती है और अस्थमा का खतरा हो सकता है. जिससे सीधी चढ़ने, वर्कआउट करने या दूसरे काम करने में सांस लेने में दिक्कत आने लगती है.

**उम्र और खूबसूरती पर जंक फूड का प्रभाव**

जंक फूड आपको बीमार तो बना ही रहा है साथ ही स्किन, हेयर और उम्र पर भी प्रभाव डाल रहा है. इसलिए इससे बचने की सलाह दी जाती है. जंक फूड खूबसूरती को भी बिगाड़ सकती है.

# अगर आपका मोबाइल भी धीमा काम कर रहा है तो समस्या को इस तरह दूर करें

**जब भी हम** नया स्मार्टफोन ख़रीदते हैं तो शुरुआत में यह बहुत आराम से चलता है। लेकिन कुछ महीने बाद यह धीमा चलने लगता है। मोबाइल धीमे होने की कई वजह हो सकती हैं। मोबाइल में कम नेटवर्क पर डाटा कनेक्शन ऑन रखते हैं तो स्मार्टफोन के प्रोसेसर पर ज़्यादा लोड पड़ता है, यानी कि प्रोसेसर को ज़्यादा काम करना पड़ता है। इस कारण भी फोन की स्पीड कम होने लगती है। इसके अलावा और भी कई वजह हैं मोबाइल स्लो होने की। इन्हें समझें और हल निकालें।

**होम स्क्रीन पर रखें ज़रूरी एप्स**

यदि मोबाइल के होम स्क्रीन पर ढेर सारे एप्स, विजेट्स और शॉर्टकट्स मौजूद हैं तो आपके स्मार्टफोन का धीमा होना तय है। जब भी आप होम स्क्रीन पर जाएंगे इसको लोड होने में समय लगेगा और प्रोसेसर पर लोड भी पड़ेगा और यदि आपके फोन की रैम कम है तो और भी ज़्यादा समय लगेगा। इसके लिए आवश्यक एप्स, विजेट्स को अपने होम स्क्रीन का हिस्सा बनाएं, गैर

ज़रूरी एप्स को हटा दें। साथ ही लाइव वॉलपेपर की जगह स्टैटिक वॉलपेपर लगाएं क्यूंकि लाइव वॉलपेपर कुछ समय अंतराल के बाद बदलता रहता है जबकि स्टैटिक वॉलपेपर हमेशा ही एक-सा रहता है इसलिए मोबाइल के कार्य पर असर नहीं पड़ता।

**डिलीट करें एंटीवायरस**

मोबाइल को वायरस और मैलवेयर से मुक्त रखने के लिए एंटीवायरस का उपयोग करते हैं। लेकिन यह एंटीवायरस एप्स बैकग्राउंड में एक्टिव रहता है जो कि रिसोर्सेज का उपयोग करता है जिसकी वजह से मोबाइल स्लो चलता है या धीमा हो जाता है। यदि आप अपना मोबाइल बिना एंटीवायरस एप्स के चलाना चाहते हैं तो केवल प्ले स्टोर और आधिकारिक सोर्स से ही एप्स इनस्टॉल करें ताकि मोबाइल वायरस और मैलवेयर से मुक्त रहे।

**सॉफ्टवेयर-एप्स करते रहें अपडेट**

समय-समय पर अपने स्मार्टफोन के सॉफ्टवेयर और एप्स को अपडेट करते रहें क्योंकि हर अपडेट के बाद परफॉरमेंस और प्रोसेसिंग की गति बेहतर होती है और उसे ऑप्टिमाइज़ किया जाता है। इसके साथ ही यदि हम पुराने वर्शन पर काम करते हैं तो लेटेस्ट फीचर्स नहीं मिलते।

**ऑटो सिंक फीचर को रखें ऑफ**

जीमेल और क्लाउड स्टोरेज एप्स डाटा को सिंक करने के लिए फोन के रिसोर्सेज का इस्तेमाल करते हैं जिसकी वजह से मोबाइल धीमे काम करता है। इससे बचने के लिए ऑटो सिंक फीचर को ऑफ करें और मैनुअल डाटा को सिंक या अपडेट करें या फिर आप सेटिंग्स में जाकर इसका शेड्यूल जैसे कब और कितनी बार डाटा को सेव करना है सेट कर सकते हैं।

**इस्तेमाल करें एप्स का लाइट वर्ज़न**

आपके मोबाइल को धीमा करने में भारी एप्स और गेम्स की भी अहम भूमिका होती है। अगर एप्स ख़ासतौर पर सोशल मीडिया एप्स बहुत भारी हैं तो ये आपके मोबाइल की गति को प्रभावित कर सकते हैं। इसके लिए आप लाइट वर्ज़न के एप्स उपयोग करें। ये कम रैम और स्टोरेज लेते हैं और वही फीचर्स भी देते हैं।

# सुगठित शरीर पाने संबंधी व्यायाम

**फिट रहना कई** लोगों के जीवन का लक्ष्य होता है । फिट रहने का सबसे अच्छा तरीका है फिटनेस का एक लक्ष्य निर्धारित करना, एक व्यायाम कार्यक्रम बनाना और उसका पालन करना । नित नियमित व्यायाम के द्वारा आप अपने वज़न को नियंत्रित कर सकते हैं । इन सात तरीकों के व्यायाम को अपनाकर आप एक स्वस्थ शरीर पा सकते हैं और खुश रह सकते हैं ।

## पुश अप्स

पुश अप बाजुओं, छाती, ट्राइसेप्स और कंधों के सामने के हिस्से के लिए एक बेहतरीन मसल टोनिंग एक्सरसाइज़ है। पुश अप करने के लिए आप अपने शरीर को अपनी बाहों के साथ सीधा रखें, एब्स को टाइट रखें, और अपने शरीर को एक तख़्ते की स्थिति में रखें । अपने शरीर को तब तक नीचे करें जब तक कि आपकी छाती फर्श से एक या दो इंच ऊपर न हो जाए, और कोहनी को लगभग 45 डिग्री के कोण पर पीछे की ओर खींचे । अपने धड़ को जमीन से दूर तब तक धकेलें जब तक कि आपकी बाहें बंद न हो जाएं, फिर इस प्रक्रिया को दोहराएं ।

## स्क्वाट

'स्क्वाट एक्सरसाइज़' सम्पूर्ण लोअर बॉडी वर्कआउट के लिए बेहतरीन व्यायाम है । ये व्यायाम कूल्हों और जांघों के अधिकांश प्रमुख मांसपेशियों के लिए प्रभावकारी हैं।

इस व्यायाम को करने के लिए अपने पैरों को कूल्हे से थोड़ा दूर करके खड़े हों । पीठ सीधी, कंधे नीचे, पैर की उंगलियां थोड़ी बाहर की ओर रखें । अपनी पीठ को सीधा रखते हुए, अपने शरीर को नीचे और पीछे इस तरह नीचे करें जैसे कि आप एक कुर्सी पर बैठे हों । ऐसा तब तक करें जब तक कि आपकी जांघें जमीन के समानांतर न हों । सुनिश्चित करें कि आपके घुटने आपके पैर की उंगलियों के ऊपर से न गुजरें । इस व्यायाम आपके रीढ़ को सीधा रखना सुनिश्चित करता है । धीरे-धीरे वापस ऊपर उठें और यह क्रम दोहराते रहें ।

**अपनी जांघ और नीचे की मांसपेशियों को टोन करना**

अपने पैरों को तराशने और अपनी जांघों और नीचे की मांसपेशियों को टोन करने के लिए आप ये व्यायाम करें । अपने हाथों और घुटनों पर खुद को सहारा देते हुए लेट जाएँ । फिर, एक पैर को सीधा रखने की कोशिश करते हुए, उसी समय में विपरीत हाथ को ऊपर उठाते और खींचते हुए झुकें । इसके बाद दूसरे हाथ और पैर के लिए भी ऐसा ही करें ।

## एब्स एक्सरसाइज़

यह व्यायाम मज़बूत एब्स बनाए रखने में मददगार होने के साथ ही पीठ दर्द को कम करने, आपकी चपलता को बढ़ाने और आपके शरीर के लचीलेपन को बढ़ाने में मदद करता है । अपनी पीठ के बल लेट जाएं और अपनी बाहों को ऊपर उठाएं, फिर धीरे-धीरे अपना एक पैर उठाएं, घुटने पर झुकें, और इसे अपने हाथ से स्पर्श करें । प्रारंभिक स्थिति में लौटें और दूसरे पैर और हाथ से यह क्रिया दोहराएं ।

## एब्स और नितंब

यह व्यायाम आपके एब्स और नितम्ब के लिए त्वरित एब्स और ग्लूट वर्कआउट है ।

सबसे पहले, अपने शरीर को अपने हाथों और पैरों पर बनाए रखें ताकि आपका शरीर फर्श के ऊपर एक त्रिकोण बना सके। अपने एक पैर को जितना हो सके ऊपर उठाएं, और फिर इसे धीरे-धीरे नीचे करें और अपने घुटने से अपनी नाक के सिरे को छूने की कोशिश करें। प्रारंभिक स्थिति में लौटें और दूसरे पैर के साथ भी ऐसा ही करें ।

## कमर का व्यायाम

संपूर्ण पतली कमर पाने के लिए, आपको व्यायाम के सही मिश्रण की आवश्यकता होती है जो आपके चयापचय को बढ़ाते हुए आपके दाहिनी कोर की मांसपेशियों को लक्षित करता है। इस व्यायाम में अपने पैरों को व्यापक रूप से अलग करते हुए घुटनों को थोड़ा मोड़ें और दीवार के खिलाफ़ अपनी पीठ को प्रारंभिक स्थिति लें।

फिर, अपनी उंगलियों को लेस करें या एक गेंद लें, और धीरे-धीरे अपने हाथों को एक तरफ से दूसरी तरफ ले जाएं, उनके साथ दीवार को छूने की कोशिश करें ।

## प्लैंक एक्सरसाइज़

प्लैंक व्यायाम आपको अपने शरीर के ऊपरी और निचले हिस्से में ताकत बनाने में मदद करता है ताकि एक अच्छा पूर्ण शरीर काम करे।

प्रेस-अप पोज़ीशन में आकर शुरुआत करें। अपनी कोहनियों को मोड़ें और अपना भार अपने अग्र-भुजाओं पर टिकाएं न कि अपने हाथों पर। आपके शरीर को कंधों से टखनों तक एक सीधी रेखा में बनाए रखें ।

अपने नाभि को अपनी रीढ़ की हड्डी के साथ खास स्थिति में रखें। निर्धारित समय के लिए इस स्थिति में बने रहें ।

# सिगरेट पीने से त्वचा पर होने लगता है ये गंभीर रिएक्शन... भरी जवानी में बूढ़े दिख सकते हैं आप

**स्मोकिंग एक बुरी** हैबिट है ये बात तो हम सभी जानते हैं. लेकिन आज कल युवा और नौजवानों के बीच स्मोकिंग एक फैशन बन चुका है जो की उन्हें अंदर और बाहर दोनों तरफ से नुकसान पहुंचा रहा है. जो लोग स्मोकिंग करते हैं उन्हें कैंसर का खतरा बढ़ जाता है. सिगरेट के धुएं में मौजूद टार फेफड़ों में जमा होकर ब्लॉकेज पैदा करता है. इससे रेस्पिरेटरी सिस्टम पर काफी बुरा असर पड़ता है. सिगरेट में पाया जाने वाला निकोटिन रक्त वाहिकाओं में संकुचन का कारण बनता है, जो ब्लड सर्कुलेशन को बाधित करने लगता है. इससे ब्लड प्रेशर की समस्या होती है और हार्ट अटैक का खतरा भी ज्यादा होता है. ये सब तो अंदरूनी समस्या की बात हो गई लेकिन क्या आप जानते हैं कि सिगरेट पीने से आप भरी जवानी में बूढ़े दिख सकते हैं. स्मोकर्स जो होते हैं उनके होंठ काले होने लगते हैं और स्किन से जुड़ी परेशानियों खतरा बढ़ जाता है. आईए जानते हैं स्मोकिंग से कैसे स्किन को नुकसान होता है.

**स्मोकिंग से स्किन पर होने वाले नुकसान**

1.रिसर्च में पाया गया है कि

तंबाकू के धुएं में करीब 4000 से भी ज्यादा जहरीले कैमिकल होते हैं. इनमें से कई केमिकल कॉलेजन और इलास्टिन को प्रभावित करते हैं. इसकी वजह से आपकी स्किन वक्त से पहले ढ़ीली पड़ने लगती है और त्वचा दाल नजर आने लगती है.

2.सिगरेट से निकलने वाले धुएं में निकोटिन मॉलिक्यूल होता है जो स्किन में आसानी से अवशोषित हो जाता है. जब ये स्किन के अंदर पहुंचते हैं तो कोरोटीनोसाइट्स सेल्स को डैमेज करने का काम करते हैं. इसकी वजह से आपकी स्किन पर डेड सेल्स बढ़ सकते हैं और स्किन का रंग काला पड़ सकता है.

3.स्मोकिंग का स्किन पर साइड इफेक्ट इतना गंभीर होता है कि लोगों को सोरायसिस जैसी गंभीर बीमारी तक हो सकती है. बता दें कि सोरायसिस से एक तरह का क्रॉनिक कंडीशन है जिसके कारण स्किन पर पैचेज बनने लगते हैं.

4.केस वेस्टर्न रिसर्व यूनिवर्सिटी की एमडी के मुताबिक एक शोध में पाया गया है कि स्मोकिंग करने वालों की आंखों के नीचे के स्किन लूज हो जाती है और वो वक्त से पहले बुजुर्ग दिखने लगते हैं.

5.स्मोकिंग करने से ऐज स्पॉट बनने लगता है. ऐज स्पॉट वह नेचुरल प्रोसेस है जब कोई बुजुर्ग होता है तब उसके चेहरे पर अपने आप ही स्किन टोन में बदलाव हो जाता है, लेकिन जो लोग धूम्रपान करते हैं उनको समय से पहले ही एक स्पॉट की समस्या हो जाती है. उनका स्किन टोन वैसा ही हो जाता है जैसे लोगों में सूर्य की रोशनी में ज्यादा समय बीतने पर होता है.

6.सिगरेट के धुएं में टॉक्सिंस मौजूद होते हैं इससे शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ता है इसके कारण स्क्रीन में ऑक्सीजन की आपूर्ति कम होने लगती है. इससे स्किन कठोर और डैमेज हो सकती है.

7. स्मोकिंग वैस्कुलर कॉन्ट्रैक्शन का कारण बन सकता है, जो ब्लड सर्कुलेशन को कम कर सकता है. ब्लड सर्कुलेशन कम होने से किसी भी चोट या जख्म को भरने में परेशानी आती है.जो लोग सिगरेट पीते हैं उनके मामूली कट और खरोंच को भी ठीक होने में काफी वक्त लगता है.किसी सर्जरी और ऑपरेशन में बाधा आ सकता है.

**क्या है इसका बचाव?**

स्मोकिंग से स्किन को होने वाले नुकसान को रोकने के लिए किसी दवाई या किसी ट्रीटमेंट की जरूरत नहीं होती इसे रोकने के लिए स्मोकिंग छोड़ने ही एक सही रास्ता है. स्मोकिंग छोड़ने से आपके स्किन पर मौजूद समस्याएं अपने आप ही कम होने लगती है.

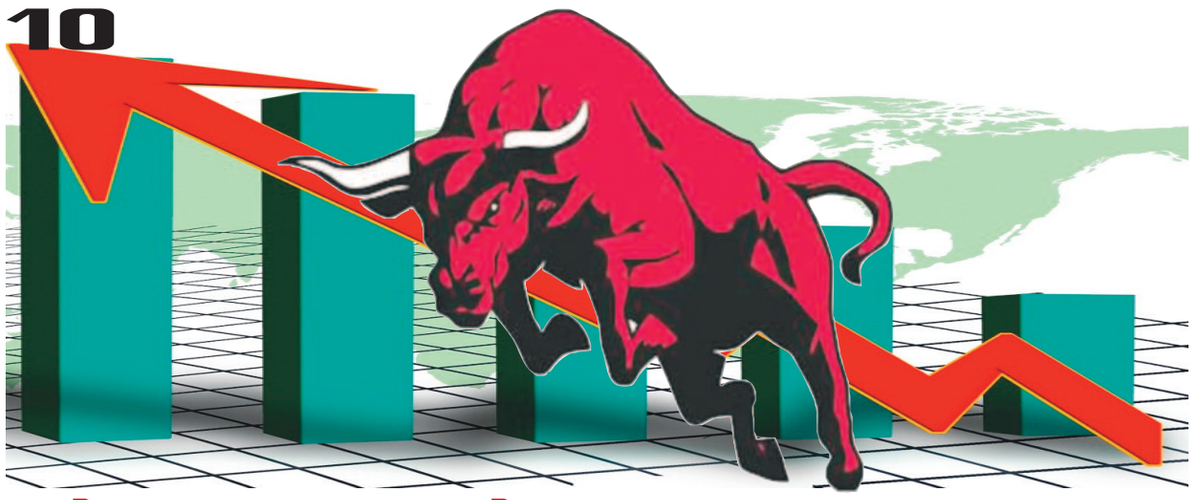

# कैबिनेट का बड़ा फैसला, उज्ज्वला योजना वाले सिलेंडर पर सौ रुपए सब्सिडी बढ़ी

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। **एलपीजी सिलेंडर** पर केंद्र सरकार ने अतिरिक्त 100 रुपये की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। यह फायदा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेगा। इस तरह से अब सिलेंडर की कीमत कम होकर 603 रुपये हो गई है। बता दें कि पीएम मोदी ने मई 2016 में इस योजना की शुरुआत की थी।

नई दिल्लीः केंद्रीय कैबिनेट की बैठक में बड़ा फैसला हुआ है। अब प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में सब्सिडी बढ़ा दी गई है। सब्सिडी 200 रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये कर दी गई है। केंद्र सरकार के कैबिनेट की बुधवार को बैठक हुई है। बैठक में सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी राशि बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। बता दें कि केंद्र सरकार ने एलपीजी सिलेंडर पर अतिरिक्त 100 रुपये की सब्सिडी देने का ऐलान किया है। बता दें कि पिछले अगस्त महीने के अंत में दिल्ली में सामान्य ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर 1103 रुपये में मिल रहा था। इसके बाद सरकार ने इसमें बड़ी कटौती करते हुए दो सौ रुपये सस्ता कर दिया तो सिलेंडर के दाम 903 रुपये हो गए। वहीं उज्ज्वला योजना के तहत आने वाले ग्राहकों को घरेलू सिलेंडर 703 रुपये में मिल रहा था। अब नई कटौती के बाद सिलेंडर की कीमत 603 रुपये हो गई है।

इन लोगों को मिलेगा फायदा

यह फायदा उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को मिलेगा। इस तरह से अब सिलेंडर की कीमत 603 रुपये हो गई है। बता दें कि अब तक सरकार उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को गैस सिलेंडर पर 200 रुपये की सब्सिडी दे रही थी। अब इसे 100 रुपये और बढ़ा दिया गया है। इसके साथ नई सब्सिडी कुल 300 रुपये की हो गई है।

**फ्री में मिलता है गैस और चूल्हा**

बता दें कि उज्ज्वला योजना की शुरुआत मई 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की थी। योजना के लाभार्थियों को पहली बार में गैस सिलेंडर और गैस चूल्हा फ्री में दिया जाता है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने संवाददाताओं को बताया कि दुनियाभर की एजेंसियों ने उज्ज्वला योजना की तारीफ की है। इससे महिलाओं के जीवन में बड़ा बदलाव आया है। अब तक इस योजना के तहत 9.60 करोड़ गैस कनेक्शन बांटे जा चुके हैं। अगले तीन वित्त वर्ष में 75 लाख कनेक्शन और दिए जाएंगे। इससे गरीब परिवारों को फायदा होगा। पहला रिफिल और स्टोव इसमें फ्री दिया जाता है। इसका खर्च ऑयल मार्केटिंग कंपनियां उठाती हैं।

**केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने दी जानकारी**

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए सब्सिडी की राशि बढ़ाए जाने की जानकारी दी। ग्रामीण और वंचित परिवारों को एलपीजी गैस सिलेंडर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना की शुरुआत की गई थी। इस योजना का फायदा करोड़ों लोगों को हुआ है। दरअसल भारत में बड़ी आबादी ऐसी थी, जो खाना पकाने के लिए कोयला,लकड़ी, गोबर के उपले आदि ईंधनों का इस्तेमाल करती थी। अब सरकार की प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत इन्हें गैस सिलेंडर और चूल्हा उपलब्ध कराया जा रहा है।

# ओपेक हेड की चेतावनी से कोहराम जल्द 100 डॉलर पहुंचेगा क्रूड ऑयल

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। दुनिया के प्रमुख तेल उत्पादक देशों के संगठन ओपेक के प्रमुख ने एक चेतावनी दी है। ओपेक के महासचिव हैथम अल घैस ने सीएनएन को बताया कि ऑयल इंडस्ट्री में इन्वेस्टमेंट की कमी आ रही है, जो ग्लोबल एनर्जी सिक्योरिटी के लिए एक खतरा है। इससे कच्चे तेल की कीमतें जल्द ही 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।

**12 ट्रिलियन डॉलर निवेश की जरूरत**

अबू धाबी में एडीपीईसी एनर्जी समिट में घैस ने कहा कि अब से 2045 के बीच ऑयल इंडस्ट्री में कम से कम 12 ट्रिलियन डॉलर का कुल निवेश आवश्यक है, ताकि ऊर्जा की कीमतों में उछाल को रोका जा सके। उन्होंने चेतावनी दी कि ऑयल सेक्टर में कम निवेश 'खतरनाक' है। उन्होंने कहा, 'कम निवेश करके हम वास्तव में ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। मुझे लगता है कि मांग बढ़ने के साथ कीमतों में उतार-चढ़ाव बढ़ने की गंभीर संभावनाएं हैं।'

**90 डॉलर से ऊपर पहुंचा ब्रेंट क्रूड**

वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड ऑयल जून के मध्य के निचले स्तर से 29% बढ़ गया है। यह पिछले नवंबर के बाद से अपने उच्चतम स्तर के करीब कारोबार करता दिख रहा है। बुधवार को यह 90 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर ट्रेड करता दिखा। मुख्य रूप से सऊदी अरब और रूस द्वारा उत्पादन में कटौती को बढ़ाने के चलते दाम ऊपर जा रहे हैं।

**100 डॉलर तक पहुंच सकती है कीमतें**

जब घैस से पूछा गया कि क्या कच्चे तेल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच जाएगी, तो उन्होंने कहा, 'ओपेक कीमतों का पूर्वानुमान नहीं करता है, लेकिन इस संख्या को जन्म दे सकने वाले कारक कुछ समय से मौजूद हैं और बने हुए हैं। सबसे बड़ा कारक तो तेल सेक्टर में निवेश की कमी है।'

**खतरे में वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा**

उन्होंने कहा, 'दुनिया इस निवेश की कमी की समस्या को सुलझा ले यह काफी जरूरी और महत्वपूर्ण है। कम निवेश करके हम वास्तव में ऊर्जा सुरक्षा को खतरे में डाल रहे हैं। दुनिया को अब से 2045 तक कम से कम 12 ट्रिलियन डॉलर के

# देश के निर्माण क्षेत्र की गतिविधि सितंबर में पांच महीने के निचले स्तर पर, पीएमआई के आंकड़े जारी किए गए

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया) कमजोर वैश्विक बाजार रुझानों और विदेशी फंड आउटफ्लो का असर बुधवार को भारतीय घरेलू शेयर बाजार पर गिरावट के रूप में देखने को मिला. सेंसेक्स 286 अंक टूट गया और निफ्टी 19,4450 के नीचे लुढ़ककर बंद हुआ. मेट्रो ब्रांड्स शेयर 6% और एक्सिस बैंक 5% की गिरावट दर्ज की गई. सेंसेक्स पैक के 21 शेयर लाल निशान पर बंद हुए. टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन में 6.30% का उछाल दर्ज किया गया.

अमेरिकी बाजार में मंगलवार को 1 फीसदी से ज्यादा की गिरावट के बीच बुधवार को एशियाई बाजारों सियोल, टोक्यो और हांगकांग निचले स्तर पर कारोबार कर रहे थे. कमजोर वैश्विक रुझान के असर के चलते भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई. बीएसई सेंसेक्स 286.06 अंक या 0.44% टूटकर 65,226.04 के स्तर पर बंद हुआ. वहीं, एनएसई निफ्टी 92.65 अंक या 0.47% गिरावट के साथ 19,436.10 के स्तर पर जाकर बंद हुआ.

30 शेयर वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स के 21 शेयर लाल निशान के साथ बंद हुए. एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक, मारुति, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा स्टील और बजाज फिनसर्व में गिरावट दर्ज की गई. वहीं, सेंसेक्स पैक में 9 शेयर मजबूत हुए, जिनमें नेस्ले 2.79% चढ़कर बंद हुआ. हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स, टीसीएस इंफोसिस के शेयर मजबूत हुए.

टॉप गेनर्स में टाटा इनवेस्टमेंट कॉरपोरेशन का शेयर 6.30% का उछाल के साथ शामिल हुआ. जबकि, Aki India Ltd शेयर 4.95% चढ़ गया. इसी तरह ईडलवाइज फाइनेंशियल सर्विसेज 4.68%, सीई इंफो सिस्टम 4.33%, एवेन्यू सुपरमार्ट 3.95% चढ़ गया. वहीं, टॉप लूजर्स में इंडियाबुल्स हाउसिंग 7.15% टूटकर शामिल हुआ. इसी तरह मेट्रो ब्रांड्स 5.76% लुढ़क गया और जेएसडब्ल्यू एनर्जी 5.35%, मणप्पुरम फाइनेंस 5.10%, सोभा लिमिटेड 4.71% की गिरावट दर्ज की गई.

जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि निकट अवधि में बाजारों के लिए वैश्विक संकेत नकारात्मक हैं. अमेरिकी बांड यील्ड में निरंतर वृद्धि ने एफआईआई (FIIs) बिक्री को गति दी है. वहीं, डॉलर इंडेक्स अब स्पष्ट रूप से 107 से ऊपर है और यूएस 10 ईयर बॉन्ड यील्ड 4.83 फीसदी पर है. इसका मतलब है कि FIIs बिकवाली जारी रखेंगे और तेजड़िये बैकफुट पर रहेंगे. एक्सपर्ट ने कहा कि मौजूदा निराशावाद का असली कारण एफआईआई की बिकवाली है.

# सोना और चांदी की कीमत में गिरावट, गोल्ड 7 महीने के निचले स्तर पर पहुंचा, विभिन्न शहरों में आज के भाव

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। सोना की कीमत 7 महीने के निचले स्तर पर आ गई है. डॉलर इंडेक्स में तेजी के बीच एमसीएक्स पर सर्राफा की कीमतें बुधवार को लगातार आठवें सत्र में गिर गईं. मासिक आधार पर गोल्ड वायदा की कीमत 800 रुपये नीचे आ गई है, जबकि चांदी वायदा 359 रुपये लुढ़क गई है. दिल्ली और अहमदाबाद जैसे शीर्ष भारतीय शहरों में सोने की फिजिकल प्राइस लगभग 58,200 रुपये प्रति 10 ग्राम है. जबकि, चांदी की कीमत 68,500 रुपये प्रति किलो ग्राम है.

**फ्यूचर्स मार्केट में सोना और चांदी का भाव**

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज यानी एमसीएक्स पर बुधवार को दिसंबर सोना वायदा 76 रुपये यानी 0.13% की गिरावट के साथ 56,851 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रहा था. इस बीच दिसंबर चांदी वायदा 359 रुपये या 0.53% की गिरावट के साथ 67,035 रुपये प्रति किलोग्राम पर कारोबार कर रही थी. वहीं, डॉलर इंडेक्स 6 प्रमुख मुद्राओं की बास्केट के मुकाबले 0.14 डॉलर या 0.13% की बढ़त के साथ 107.14 के करीब रहा.

**ग्लोबल मार्केट में सोने और चांदी की कीमत**

कॉमेक्स पर सोना वायदा बुधवार को 5.50 डॉलर या 0.30% की गिरावट के साथ 1,836 डॉलर प्रति ट्रॉय औंस पर कारोबार कर रहा था, जबकि चांदी वायदा 0.162 डॉलर या 0.760% की गिरावट के साथ 21.215 डॉलर पर थी.

**मासिक आधार पर सोना और चांदी के भाव में अंतर**

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के कमोडिटी और करेंसी प्रमुख अनुज गुप्ता ने ईटीमार्केट्स को बताया कि सोने का वायदा भाव मासिक आधार पर पर 1.39% या 800 रुपये नीचे है, जबकि सालाना आधार पर इसमें 3.25% या 1,784 रुपये की बढ़ोतरी हुई है. उन्होंने कहा कि चांदी वायदा सितंबर में गिरावट 4.12% या 2,878 रुपये की दर्ज की गई है, जबकि इस साल गिरावट 3.50% या 2,458 रुपये रही है.

**सोना 7 माह के निचले स्तर पर पहुंचा**

मंगलवार को दिसंबर का सोना वायदा 676 रुपये या 1.17% की गिरावट के साथ 56,924 रुपये पर बंद हुआ था, जबकि दिसंबर चांदी वायदा 2,455 रुपये प्रति किलोग्राम या 3.51% की गिरावट के साथ 67,402 रुपये पर बंद हुआ था. लागातार जारी गिरावट के कारण सोना सात महीने के निचले स्तर पर आ गया है. अमेरिकी यील्ड में बढ़ोतरी जारी रहने के कारण स्पॉट गोल्ड लगातार सातवें दिन कमजोर हुआ. दस साल की अमेरिकी यील्ड 2.37% बढ़कर 2.795% पर बंद हुई.

**सोने में 50 रुपये की गिरावट, चांदी 500 रुपये कमजोर हुई**

अंतरराष्ट्रीय बाजार में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में गिरावट के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में बुधवार को सोना 50 रुपये टूटकर 57,500 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया। पिछले कारोबारी सत्र में सोना 57,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी भी 500 रुपये टूटकर 71,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। वैश्विक बाजारों में सोना गिरावट के साथ 1,822 डॉलर प्रति औंस रह गया जबकि चांदी 21.09 डॉलर प्रति औंस पर लगभग अपरिवर्तित रही। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में जिंसों के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि अमेरिका के मजबूत वृहद आर्थिक आंकड़ों और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में तेजी से कॉमेक्स स्पॉट सोने में करीब सात महीने के निचले स्तर पर कारोबार हुआ।

# आरबीआई एमपीसी बैठक में लिए गये फैसले का एलान शुक्रवार की सुबह, क्या रेपो रेट स्थिर रहेगी?

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। आरबीआई की तीन दिवसीय द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक बुधवार को शुरू हुई। केंद्रीय बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास छह अक्तूबर (शुक्रवार) की सुबह एमपीसी की बैठक में लिए गए फैसलों का एलान करेंगे। बाजार के प्रतिभागी केंद्रीय बैंक की एमपीसी मीटिंग के एलान और नीतिगत रुख की बारीकी से निगरानी कर कर रहे हैं। आरबीआई आमतौर पर एक वित्तीय वर्ष में छह द्वि-मासिक बैठकें आयोजित करता है, जहां यह ब्याज दरों, धन की आपूर्ति, मुद्रास्फीति दृष्टिकोण और विभिन्न व्यापक आर्थिक संकेतकों पर विचार-विमर्श किया जाता है।

एसबीआई रिसर्च के अनुसार, भारतीय केंद्रीय बैंक इस सप्ताह फिर से प्रमुख रेपो दर को स्थिर रख सकता है। एसबीआई समूह के मुख्य आर्थिक सलाहकार सौम्य कांति घोष की ओर से तैयार रिपोर्ट में हाल ही में कहा गया है, 'घरेलू स्तर पर हमारा मानना है कि इकोनॉमी 6.50 प्रतिशत की वृद्धि दर के साथ हम लंबे समय तक ठहराव की स्थिति में हैं क्योंकि मुद्रास्फीति में नरमी आ रही है। एसबीआई रिसर्च की रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमारा मानना है कि आरबीआई का रुख समायोजन को वापस लेने का ही रहना चाहिए क्योंकि 2023-24 की शेष अवधि



में मुद्रास्फीति के पांच प्रतिशत से नीचे जाने की संभावना नहीं है।

रिजर्व बैंक ने अप्रैल, जून और अगस्त में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखा था। रेपो रेट वह ब्याज दर होती है जिस पर आरबीआई दूसरे बैंकों को कर्ज देता है। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल का भी मानना है कि मौद्रिक नीति समिति अक्टूबर की बैठक में नीतिगत दर को वर्तमान स्तर पर ही रखेगी। रिजर्व बैंक ने अगस्त में 'रेटव्यू-क्रिसिल का निकट भविष्य की दरों पर परिदृश्य' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा है कि 2024 की शुरुआत में नीतिगत दर में 25 बेसिस प्वांइट के कटौती की फिलहाल सशर्त संभावना है। इनफॉर्मिक्स रेटिंग्स का यह भी मानना है कि आरबीआई लगातार चौथी बार रेपो दर को अपरिवर्तित रखेगा।

खुदरा मुद्रास्फीति के एमपीसी की 6 प्रतिशत की ऊपरी सीमा को पार करने और अमेरिकी फेडरल रिजर्व के आक्रामक रुख को देखते हुए रिजर्व बैंक चौथी बार रेपो दर को अपरिवर्तित रख सकता है। मुद्रास्फीति विकसित अर्थव्यवस्थाओं सहित कई देशों के लिए चिंता का विषय रही है, लेकिन भारत अपने मुद्रास्फीति को काफी अच्छी तरह से प्रबंधित करने में कामयाब रहा है।

मुद्रास्फीति के खिलाफ लड़ाई में आरबीआई ने मई के बाद से रेपो दर को 250 आधार अंकों तक बढ़ाकर 6.5 प्रतिशत कर दिया है। ब्याज दरों को बढ़ाना एक मौद्रिक नीति साधन है जो आम तौर पर अर्थव्यवस्था में मांग को दबाने में मदद करता है, जिससे मुद्रास्फीति दर में गिरावट में मदद मिलती है। गेहूं, चावल और सब्जियों जैसे खाद्य पदार्थों की कीमतों में वृद्धि के कारण भारत में हेडलाइन मुद्रास्फीति जुलाई में बढ़कर 7.8 प्रतिशत पर पहुंच गई थी जो फिर अगस्त में घटकर 6.8 प्रतिशत पर आ गई।

अगस्त की मौद्रिक नीति बैठक के बाद रिजर्व बैंक ने 2023-24 के लिए देश की खुदरा मुद्रास्फीति के अनुमान को संशोधित कर 5.4 प्रतिशत कर दिया, जबकि जून की मौद्रिक नीति की बैठक में इसके 5.1 प्रतिशत रहने का अनुमान जताया गया था। रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के बाद कहा था कि निकट भविष्य में मुद्रास्फीति में उल्लेखनीय वृद्धि होगी। उन्होंने जून की बैठक के बाद कही गई बातों को दोहराते हुए कहा था कि महंगाई को महज सहिष्णुता दायरे में लाना पर्याप्त नहीं है; हमें मुद्रास्फीति को 4.0 प्रतिशत के लक्ष्य आसपास रखने पर दृढ़ता से ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है।

# भारत-जापान फंड के लिए हुआ 600 मिलियन डॉलर का करार, जलवायु और पर्यावरण की दिशा में होगा काम

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। राष्ट्रीय निवेश और अवसंरचना कोष ने जापान बैंक फॉर इंटरनेशनल कोऑपरेशन के साथ 600 मिलियन डॉलर का भारत-जापान फंड लॉन्च करने के लिए और भारत सरकार के साथ एंकर निवेशकों के रूप में करार किया है। यह संयुक्त पहल एक ऐसे क्षेत्र में दोनों देशों के बीच सहयोग के एक प्रमुख आयाम का संकेत देती है जो जलवायु और पर्यावरण की दिशा में एक साझा प्राथमिकता है। वित्त मंत्रालय ने बयान जारी यह जानकारी दी है। यह घोषणा एनआईआईएफ के पहले द्विपक्षीय फंड को चिह्नित करती है, जिसमें भारत सरकार ने लक्षित कोष का 49% योगदान दिया है और शेष 51% जेबीआईसी द्वारा योगदान दिया गया है। वित्त मंत्रालय के अनुसार फंड का प्रबंधन एनआईआईएफ लिमिटेड (एनआईआईएफएल) की ओर से किया जाएगा और जेबीआईसी आईजी (जेबीआईसी की सहायक कंपनी) भारत में जापानी निवेश को बढ़ावा देने में एनआईआईएफएल का समर्थन करेगी।

# भारत की इकॉनमी को लेकर वर्ल्ड बैंक की आई रिपोर्ट पढ़कर जल भुन जाएगा चीन

नई दिल्ली , 4 अक्टूबर (एजेंसिया)। निवेश और घरेलू मांग के दम पर भारतीय अर्थव्यवस्था के चालू वित्त वर्ष 2023-24 में 6.3 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार, चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल की पृष्ठभूमि में भारत लगातार मजबूती दिखा रहा है। विश्व बैंक की भारत की वृद्धि से जुड़ी अद्यतन रिपोर्ट के अनुसार, भारत जो दक्षिण-एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है, की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 2023-24 में 6.3 प्रतिशत रहेगी।

विश्व बैंक ने अपनी अप्रैल रिपोर्ट में भी 6.3 प्रतिशत जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। भारत ने 2022-23 में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की थी।भारत में विश्व बैंक के 'कंट्री निदेशक' ऑगस्ते तानो कुआमे ने कहा, " प्रतिकूल वैश्विक वातावरण अल्पावधि में चुनौतियां उत्पन्न करता रहेगा। सार्वजनिक व्यय के दोहन से अधिक निजी निवेश बढ़ेगा और भारत के लिए भविष्य में वैश्विक अवसरों का लाभ उठाने के लिए अनुकूल परिस्थितियां उत्पन्न करेगा। इससे उच्च वृद्धि हासिल करने होगी।" मुद्रास्फीति पर रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य पदार्थों की कीमतें घटने और सरकारी उपायों से प्रमुख वस्तुओं की आपूर्ति सुधरने से इसके धीरे-धीरे कम होने की उम्मीद है। मौजूदा वित्त वर्ष में खुदरा मुद्रास्फीति 5.9 प्रतिशत पर रहने की उम्मीद है। विश्व बैंक ने कहा कि दक्षिण एशिया की वृद्धि दर इस साल 5.8 प्रतिशत रहने का अनुमान है। जो दुनिया के किसी भी अन्य विकासशील देशों के क्षेत्र की तुलना में अधिक है। हालांकि, यह वैश्विक महामारी से पहले की गति से धीमी है और विकास लक्ष्यों को हासिल करने की दृष्टि से पर्याप्त नहीं है।

## दैनिक पंचांग

### ग्रह गोचर

| ग्रह स्थिति | | लग्नारंभ समय | |
|---|---|---|---|
| सूर्य- | कन्या में | सिंह... | 05-01 बजे |
| चंद्र- | वृष में | कन्या.. | 07-08 बजे |
| मंगल | कन्या में | तुला... | 09-16 बजे |
| बुध- | कन्या में | वृश्चिक. | 11-30 बजे |
| गुरु- | मेष में | धनु..... | 13-17 बजे |
| शुक्र- | सिंह में | मकर.. | 15-17 बजे |
| शनि- | कुंभ में | कुंभ... | 17-05 बजे |
| राहु- | मेष में | मीन... | 18-37 बजे |
| केतु- | तुला में | मेष-- | 20-26 बजे |
| | | वृष-- | 21-45 बजे |
| | | मिथुन.. | 00-39 बजे |
| | | कर्क... | 02-51 बजे |

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत **-1945,** सूर्य - दक्षिणायन ,ऋतु- **शरद**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- **06-10** सूर्य अस्त- **18-00**
भोग्य कति वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- **षष्ठी - 05 -41-** दिनरात तक
मास - आश्विन कृष्ण पक्ष , बुधवार **04 October**
नक्षत्र - रोहिणी **- 18-28 -**तक उपरान्त मृगशिरा
योग - सिद्ध **- 06 - 42 -** तक उप व्यतिपात
करण- गर **- 17 -31 -** तक उप- वणिज
विशेष:- **षष्ठी तिथि का श्राद्ध**
व्रत -त्योहार - **छठ का श्राद्ध**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

**राहुकाल 12:05 से 13:34 तक**

### श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

| दिन का चौघड़िया | | रात का चौघड़िया | |
|---|---|---|---|
| लाभ | 06:10 - 07:37 शुभ | उत्पात | 18:00 - 19:33 अशुभ |
| अमृत | 07:37 - 09:06 शुभ | शुभ. | 19:33 - 21:03 शुभ |
| काल | 09:06 - 10:36 अशुभ | अमृत | 21:03 - 22:34 शुभ |
| शुभ | 10:36 - 12:05 शुभ | चंचल | 22:34 - 00:05 शुभ |
| रोग | 12:05 - 13:34 अशुभ | रोग | 00:05 - 01:36 अशुभ |
| उत्पात | 13:34 - 15:03 अशुभ | काल | 01:36 - 03:06 अशुभ |
| चंचल | 15:03 - 16:33 शुभ | लाभ | 03:06 - 04:37 शुभ |
| लाभ | 16:33 - 18:00 शुभ | उत्पात | 04:37 - 06:10 अशुभ |

### आपका राशिफल

**मेष** (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)

आज बोलने में सावधानी रखें आप जिसे अपना करीबी समझते हैं,वो आपकी गुप्त बात को उजागर कर सकता है बोलने से पहले सोच लें,अपनी बातचीत का विषय अपने और सामने वाले तक ही सीमित रखें किसी तीसरे के बारे में बात करने से बचें किसी दूसरे शहर की यात्रा और इसके दौरान किसी पुराने दोस्त से मुलाकात की सम्भावना है,पुराने पलों को याद करेंगे।

**वृष** (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)

आप आज आत्मविश्वास से भरे हैं और यह बात आपकी भाव –भंगिमा और नजरिये से साफ़ झलक रही है आज हर कहीं आप लोगों के आकर्षण का केंद्र बने रहेंगे और अपनी छाप छोड़ेंगे महत्वपूर्ण बिजनेस बैठकों में आपके मुताबिक़ निर्णय होंगे अगर स्थितियां आपके पक्ष में नही भी दिख रही तब भी आप उन्हें अपने पक्ष में कर लेंगे और अपनी बात मनवाने में कामयाब रहेंगे ।

**मिथुन** (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)

आज आप खरीदारी सम्बन्धी किसी ऑफर या लाटरी तिच्क्त खरीदने का जोखिम उठा सकते हैं आपका भाग्य आपके साथ है ,इसलिए जीतने का अच्छा मौका आपके पास रहेगा स्थिति आपसे अपने दृष्टिकोण पर दृढ बने रहने की अपेक्षा कर सकती है आपकी चुप्पी को गलत समझा जाएगा और उसपर सवाल खड़े किये जायेंगे यही बेहतर होगा कि आप किसी को अपने खिलाफ राय बनाने का मौका ना दें।

**कर्क** (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)

आज आप बारीकियों पर बहुत ध्यान देंगे आप किसी परियोजना की ब्योरेवार योजना बनाने में जुटे हुए हैं और आप इस पर बहुत मेहनत भी कर रहे हैं आपकी यह मेहनत आपके काम में भी दिखाई देगी और इस काम के लिए आपको काफी तारीफ मिलेगी आपके काम में आज पूरा दिन सृजनात्मकता बनी रहेगी

**सिंह** (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)

आज आपके विचार उलझे और बिखरे हुए से हैं आप एक साथ बहुत सारी बातों के बारे में सोच रहे हैं इसका परिणाम यह होगा की आज कोई भी काम पूरा नही कर पायेंगे ध्यान को केन्द्रित रखने की जरुरत है थोडा सा मानसिक अभ्यास करें और दूसरों से सलाह ना लें क्योंकि अलग-अलग सलाह से आप और भी उलझते जायेंगे

**कन्या** (टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,)

आप आज ऊर्जा से भरे हैं,आपके आकर्षण और कुशलता से आज घर-ऑफिस में सब प्रभावित होंगे अपने दोस्तों या किसी ख़ास के साथ बाहर घुमने जाकर मजे करें दिन शांत और तनावरहित रहेगा आज अच्छा वित्तीय लाभ होने की सम्भावना तो बनी हुई है,लेकिन अपने खरीदारी के खर्चों पर भी नजर रखें

**तुला** (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)

आपकी अपने पिछले समय में से किसी पुराने व्यक्ति से मिलने की सम्भावना है और यह व्यक्ति आपके भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा सहायता करने और लेने में अपने पूर्वाग्रहों को आड़े ना आने दें ,इससे आपकी प्रगति के नए रास्ते खुल सकते हैं अब कोई भी बदलाव नयी सफलता ही लाएगा ।

**वृश्चिक** (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)

स्थितियां और घटनाएं इस प्रकार बदलेंगे कि आपको पहले से सोच समझकर लिया गया एक फैसला बदलना पड़ सकता है आपको जीवन में आने वाली चीजों के प्रति अधिक जिम्मेदार रवैया अपनाना होगा आप अपने पहले तय किये गया कार्यक्रम के अनुसार नही चल पायेंगे क्योंकि आपको कुछ अप्रत्याशित घटनाओं के कारण अपना कार्यक्रम बदलना पड़ सकता है ।

**धनु** (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)

आपको दोस्तों का प्यार पाने के लिए थोडा नम्र बनना पड़ेगा आप यह नही जानते लेकिन आपको घमंडी समझा जाता है इसीलिए यह सबसे अच्छा समय है कि आप दूसरों की आलोचना करने के स्थान पर अपनी भूतकाल की गतिविधियों का विश्लेष्ण करें यह आपके लिए अपने अंतर्मन में झाँकने का बहुत अच्छा समय है और आपको इसका उपयोग अपनी कमियां दूर करने के लिए इसका उपयोग जरुर करना चाहिए ।

**मकर** (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)

आज आप साझेदारी के अंतर्गत घर और ऑफिस दोनों ही में बहुत अच्छा काम करेंगे यदि अकेले काम करेंगे तो अस्पष्ट और असंभव सी लगने वाली मुसीबतों में फंस सकते हैं टीम के रूप में काम करने पर ये बाधाएं परेशान नही करेंगी आपसी सहयोग से आज आप किसी भी प्रयास में सफलता हासिल कर पायेंगे ।

**कुंभ** (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)

आपका सकारात्मक दृष्टिकोण आपको सकारात्मक कदम उठाने के लिए ही प्रेरित करेगा इससे आपको भविष्य में बहुत लाभ मिलेगा अगर कोई आपसे उलझने की कोशिश करता भी है तो आप शांति बनाये रखें और दृढ़ता से अपनी बात सामने रखें आज आपकी धार्मिक तथा रहस्य विज्ञान के कार्यों में रूचि बनेगी ।

**मीन** (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)

आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

# बेतहाशा निर्माण कार्य और बढ़ती आबादी से जोशीमठ में धंसान

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के जोशीमठ में इस साल दो जनवरी को हुए भू-धंसाव की मुख्य वजह इस क्षेत्र में क्षमता से ज्यादा निर्माण कार्य करने और बढ़ती आबादी को माना गया है। विभिन्न जांच एजंसियों ने अपने रिपोर्ट में मुख्य रूप से यह वजह बताई है। देश के आठ अलग-अलग बड़े संस्थाओं ने जोशीमठ हादसे की गहन जांच की थी और और विस्तृत अध्ययन के बाद अपनी रपट राज्य सरकार को सुपुर्द की थी। राज्य सरकार ने यह रपट जारी की है।

जोशीमठ का अध्ययन करने वाली एजंसियों में केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट रुड़की) तथा राष्ट्रीय आपदा मोचक बल (एनडीआरएफ) आदि शामिल हैं। अपनी अध्ययन रपट में इन संस्थाओं ने जमीन के धंसने के कारणों के बारे में बताया है और इनके निदान के उपाय भी बताएं हैं। विभिन्न संस्थाओं ने अपनी रपट में बताया कि जोशीमठ कई सदियों पहले भूस्खलन के बाद एकत्र मिट्टी के ढेर पर बसा हुआ शहर है और आबादी का घनत्व अत्यधिक होने के कारण कई जगहों पर इसका असर अत्यधिक देखने को मिलता है। ज्यादा आबादी वाले स्थानों पर धंसाव ज्यादा देखने को मिलता है। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट रुड़की) ने जोशीमठ के मौजूदा निर्माण कार्य पर कई तीखे सवाल प्रस्तुत किए हैं और संस्थान ने जोशीमठ के अलावा उत्तराखंड के अन्य पर्वतीय शहरों की भी समीक्षा करने के सुझाव दिए हैं। भारतीय भू वैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआइ) ने कहा है कि जोशीमठ में उन जगहों पर ज्यादा बड़ी दरारें मकानों और भू-धंसाव देखने में आया है, जहां पर घनी आबादी थी और निर्माण कार्य अधिक हुआ है तथा बहुमंजिले भवन बने हुए हैं, जिनमें जोशीमठ नगर पालिका क्षेत्र के मनोहर बाग और सिंहधर आदि क्षेत्र शामिल है। केंद्रीय भवन अनुसंधान संस्थान (सेंट्रल बिल्डिंग रिसर्च इंस्टीट्यूट रुड़की) ने जोशीमठ में 2 हजार 364 मकानों की जांच की है और इस क्षेत्र में 20 फीसद मकानों को उपयोग के लायक नहीं माना गया है, जबकि 42 फीसद मकान की और अधिक विस्तृत जांच किए जाने की बात कही गई है। साथ ही 37 फीसद मकानों को उपयोग के लायक पाया गया है। एक फीसद मकानों को गिराने की सलाह दी गई है। विभिन्न संस्थानों ने अपनी रपट में चेताया है कि जोशीमठ में किसी भी तरह के निर्माण से पहले सभी मानकों को शक्ति के साथ लागू किया जाए वरना इस क्षेत्र में पुनर्निर्माण यहां के पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा। पहले भी पुनर्निर्माण की वजह से यहां के पर्यावरण पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। अध्ययन रपट में बताया गया है कि जोशीमठ में भूमि धंसने से करीब 65 फीसद मकान प्रभावित हुए हैं। इस साल जनवरी में जोशीमठ भू-धंसाव के कारण 355 परिवारों को अन्य जगह स्थानांतरित किया गया है। अध्ययन रपट में पाया गया है कि जोशीमठ में 2 हजार 152 मकानों में से 1 हजार 403 मकान जमीन धंसने से प्रभावित हुए हैं और उनमें से 472 मकानों का पुनर्निर्माण किया जाना बेहद जरूरी है। 931 मकानों की मरम्मत किए जाने की अत्यधिक आवश्यकता है।

अध्ययन रपट में बताया गया है कि जिन मकानों में क्षति हुई है उसकी खास वजह इनके निर्माण में अच्छी गुणवत्ता वाली निर्माण सामग्री का इस्तेमाल नहीं करना, संरचनात्मक कमियां और खड़ी ढलानों पर इमारतों का निर्माण आदि सम्मिलित है। संस्थानों ने 10-15 सालों के लिए एक सुरक्षित जोशीमठ शहर में बनाने के लिए एक विस्तृत विकास योजना बनाने की आवश्यकता बताई है क्योंकि 1970 के दशक में भी जोशीमठ में भूमि धंसने की घटनाएं देखने को मिली थी। जोशीमठ हिमालयी शहर सबसे संवेदनशील भूकंपीय क्षेत्र जोन 5 में सम्मिलित है इसीलिए यहां पर भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा ज्यादा रहता है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार जोशीमठ में मरम्मत करने लायक मकानों के रखरखाव के लिए योजना बना रही है। इसके लिए एक परामर्श एजंसी का चयन करने का सिलसिला शुरू कर दिया गया है। उत्तराखंड शासन के आपदा सचिव रंजीत सिन्हा ने कहा कि इस दिशा में काम किया जा रहा हैं और जिसके परिणाम जल्दी देखने को मिलेंगे। आइआइटी रुड़की के सिविल विभाग के प्रोफेसर सत्येंद्र कुमार मित्तल का कहना है कि सरकार को जोशीमठ को लेकर विभिन्न संस्थाओं की अध्ययन रपट को गंभीरता से लेकर व्यापक परियोजना बनानी चाहिए और उन्हें धरातल पर उतारा जाना चाहिए, तभी उत्तराखंड के पहाड़ बचेंगे।

# ट्रेन कोच में निकल आया सांप, यात्रियों में मचा हडकंप

## रेस्क्यू टीम पहुंची लेकिन...

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस्लामपुर से चलकर नई दिल्ली आने वाली गाड़ी संख्या 20801, मगध एक्सप्रेस में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब यह ट्रेन इटावा रेलवे स्टेशन पर पहुंची थी। यात्रियों ने दावा किया कि ट्रेन के कोच में सांप निकल आया। इससे पूरे कोच में अफरा-तफरी मच गई। इसकी सूचना अधिकारियों को दी गई और फिर रेस्क्यू टीम को बुलाया गया।

यात्री ने बताया कि ट्रेन के बी-1 कोच में सांप दिखाई दिया। उसकी पूंछ दिखाई दी तो हम डर गए। कुछ लोगों ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन वह पकड़ में नहीं आया। इस तरह दो तीन बार हुआ, इसके बाद हमने सांप की फोटो क्लिक की और फिर रेलवे स्टाफ को दिखाकर इसकी जानकारी दी। बताया गया कि इटावा स्टेशन पर ट्रेन को रोककर सांप को खोजने की कोशिश हुई लेकिन रेक्स्यू टीम को सांप कहीं दिखाई नहीं दिया। सांप नहीं मिलने पर ट्रेन को आगे जाने दिया गया। यात्रियों ने कहा कि हम रास्ते पर जागते हुए दिल्ली पहुंचे हैं। कोच में सांप है, उसको खोजकर बाहर निकालना चाहिए क्योंकि ये जानलेवा हो सकता है। यात्री ने बताया कि सांप निकलने के बाद कोच में लोग डर गए थे। हम पूरे रास्ते निगरानी करते रहे और इधर-उधर घूमते हुए अपना सफर तय किया है। वहीं इस मामले पर अधिकारियों का कहना है कि ट्रेन से इस कोच को अलग कर फिर सर्च अभियान चलाया जाएगा और सांप को रेक्स्यू किया जाएगा। वहीं इससे पहले हावड़ा से ग्वालियर जाने वाली चंबल एक्सप्रेस के जनरल डिब्बे में चढ़े पांच सपेरों ने कोच में सांप छोड़ कर हड़कंप मचा दिया था। बताया गया कि संपेरे ट्रेन में घूमकर सभी यात्रियों से पैसे मांग रहे थे और जब उन्हें पर्याप्त पैसे नहीं मिले तो लोगों को डराने के लिए कोच में ही सांप को छोड़ दिया था।

# लोकसभा चुनाव 2024 : इमरान मसूद के फिर कांग्रेस में जाने की चर्चा

## बोले-अभी स्पष्ट नहीं, कई दलों से बात चल रही

सहारनपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारनपुर के पूर्व विधायक इमरान मसूद के दोबारा कांग्रेस में जाने की चर्चा तेज हो गई है। वह बसपा छोड़कर कांग्रेस में शामिल हुए थे। वहीं अब उनके दोबारा कांग्रेस में जाने के कयास लगाए जा रहे हैं। वहीं खुद इमरान मसूद का कहना है कि कई दलों से बातचीत चल रही है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया कि वह किस राजनीतिक दल में शामिल होंगे।

इमरान मसूद ने हाल ही में मुजफ्फरनगर में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि अब मुसलमानों को एकजुट होकर कांग्रेस का समर्थन करना चाहिए। मुसलमानों के लिए कांग्रेस ही एकमात्र विकल्प है। तभी से उनके कांग्रेस में शामिल होने के कयास लगाए जा रहे थे। मुजफ्फरनगर में कांग्रेस नेता अब्बास अली खां के आवास पर इमरान मसूद ने कहा कि वर्तमान समय दो विचारधाराओं का रह गया है। एक विकल्प कांग्रेस के साथ है और दूसरा विकल्प भाजपा के साथ है। उन्होंने कहा कि मुसलमान, दलित और ब्राह्मण कांग्रेस के परंपरागत मतदाता रहे हैं। यदि मुसलमान कांग्रेस में वापस लौट आए तो ब्राह्मण, दलित और अन्य पिछड़ा वर्ग भी कांग्रेस में लौट आएगा। अब देश में बदलाव का दौर है और 2024 के चुनाव में बदलाव होना तय है। हालांकि इमरान मसूद अभी तक कांग्रेस के किसी बड़े नेता से नहीं मिले हैं और अभी तक पार्टी में दोबारा शामिल नहीं हुए हैं, लेकिन उन्होंने कांग्रेस में शामिल होने के संकेत जरूर दिए हैं।

## 110 मोबाइल एसपी अभिषेक पल्लव ने असली मालिकों को सौंपा

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कबीरधाम में मंगलवार को एसपी कार्यालय में गुम मोबाइल फोन को वास्तविक मोबाइल फोन के मालिक को वितरण किया गया। दरअसल, एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव के दिशा निर्देश पर लंबित गुम मोबाइल आवेदनों का निराकरण कर उनके स्वामियों को वापस दिलाये जाने के लिए विशेष अभियान चलाने के लिए सायबर सेल प्रभारी को निर्देशित किया गया था। जिस पर सायबर सेल प्रभारी द्वारा अपनी टीम को पूर्व के लंबित गुम मोबाइल के आवेदन तथा दूरसंचार विभाग द्वारा जारी किये गये, सीआईईआर पोर्टल से प्राप्त आवेदनों में से वर्तमान में कुल 110 नग विभिन्न कंपनियों के मोबाइल फोन आसपास के क्षेत्रों से बरामद किया गया।

# गांधी परिवार में आया नया सदस्य

## राहुल गोवा से दिल्ली लेकर लाए और नाम रखा नूरी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने अपनी मां सोनिया गांधी को एक खास तोहफा दिया है, जिसकी चर्चा हर जगह हो रही है। दरअसल, गांधी परिवार में एक नए सदस्य ने प्रवेश किया है। यह कोई और नहीं बल्कि एक पपी है। राहुल ने विश्व पशु दिवस के मौके पर मां सोनिया को तोहफे में जैक रसेल टेरियर नस्ल के एक पपी को दिया है।

बताया जा रहा है कि इस पपी का नाम नूरी है। राहुल गांधी ने पपी नूरी का फोटो सोशल मीडिया पर साझा किया है। यह फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है। इसमें राहुल अपनी मां को नूरी देते हुए नजर आ रहे हैं। नूरी को गोवा से लाया गया है। राहुल गांधी ने नूरी को लाने और मां को सरप्राइज देने का एक वीडियो अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया है।

वीडियो में कांग्रेस सांसद ने कहा, 'मैं चाहता हूं कि आप सभी हमारे परिवार के सबसे नए और सबसे प्यारी सदस्य नूरी से मिलें।' राहुल गांधी अगस्त में गोवा गए थे। इस पपी की नस्ल जैक रसेल टैरियर की एक नस्ल है। राहुल गांधी ने ये पपी गोवा एक डॉग हाउस से लिया, जिसे शरवानी पित्रे नाम की महिला अपने पति स्टेनली ब्रगांका के साथ चलाती हैं। उनका कुत्तों को पालने का ही काम है। कहा जाता है कि ये नस्ल ब्रिटेन की एक मशहूर नस्ल है। इसके नाम एक अनोखा रिकॉर्ड भी है। इसका वजन 4-7 किलो होता है और ऊंचाई करीब 25 सेमी होती है। राहुल गांधी पपी खरीदने के लिए खास तौर पर गोवा गए थे। राहुल गांधी को कुत्ते बहुत ज्यादा पसंद हैं। यही वजह है कि अपने गोवा यात्रा के दौरान वो ये क्यूट पपी ले आए। वीडियो में , गांधी को दिल्ली में मेट्रो से घर लौटते हुए भी देखा जा सकता है। रास्ते में, उन्होंने यात्रियों के साथ बातचीत की। बाद में घर पहुंचकर मां सोनिया गांधी को सरप्राइज दिया। सोनिया भी बहुत खुश दिखीं। उन्होंने पपी को देखते ही कहा कि यह तो बहुत प्यारी है। खबर लिखे जाने तक इस वीडियो को 117,000 से ज्यादा बार देखा जा चुका था।

# महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में मौत का सिलसिला जारी

### नांदेड़ और औरंगाबाद के बाद अब नागपुर में 24 घंटे में 25 मरीजों की मौत

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सरकारी अस्पतालों में मौत का सिलसिला जारी है। नांदेड़ के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे में 24 मौत और संभाजीनगर में 10 की मौत अब नागपुर के सरकारी अस्पताल में 24 घंटे के अंदर 25 मरीजों की मौत हो गई है। ये मौतें यहां के 2 अलग-अलग सरकारी अस्पतालों में रिपोर्ट की गई हैं।

नागपुर के मेडिकल कॉलेज और इंदिरा गांधी गवर्नमेंट कॉलेज (मेयो अस्पताल) के आंकड़ों की जांच करने पर सामने आई जानकारी के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में 25 मरीजों की मौत हो गई है। नांदेड़ हॉस्पिटल डेथ केस की घटना के बाद नागपुर के सरकारी कॉलेज के आंकड़ों की जांच करने पर पता चला है कि पिछले 24 घंटों में 25 मरीजों की मौत हो गई है। इसमें 16 मरीज सरकारी मेडिकल कॉलेज और 9 मरीज इंदिरा गांधी सरकारी मेडिकल कॉलेज के हैं।

इस बीच अस्पताल प्रशासन का कहना है कि 25 में से 12 मरीजों को अंतिम समय में निजी अस्पतालों से सरकारी अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। निजी अस्पताल मरीजों की हालत देखकर उन्हें भर्ती कर लेते हैं जबकि सरकारी अस्पतालों में सभी को भर्ती करना पड़ता है इसलिए मरने वालों की संख्या ज्यादा है। अस्पताल प्रशासन ने यह भी कहा कि प्राइवेट अस्पताल मृत्यु दर कम करने के लिए वेंटिलेटर पर गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अंतिम समय में सरकारी अस्पतालों में भेजते हैं। शिंदे सरकार ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं। वहीं, विपक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री तानाजी सावंत के इस्तीफे की मांग की है।

# लाखों का लोन लेकर पत्नी को कराया नर्सिंग कोर्स

## नौकरी लगते ही बॉयफ्रेंड संग हुई फरार, फिर किया ये कांड

रांची, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। झारखंड के गोड्डा से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। इस बारे में जानकर आपको ज्योति मौर्या केस की याद आ जाएगी। दरअसल, यहां रहने वाले एक एक शख्स ने लाखों का लोन लेकर पत्नी की पढ़ाई पूरी कराई मगर नौकरी लगते ही वह अपने प्रेमी के साथ फरार हो गई। उसके धोके से शख्स टूट गया। अभी वह न्याय की मांग कर रहा है। दरअसल, पीड़ित शख्स का नाम टिंकू यादव है। वह गोड्डा नगर थाना इलाके के कठौन गांव का रहने वाला है। शहर के ही बढ़ौना मोहल्ले की रहने वाली प्रिया कुमारी के साथ उसकी शादी हुई थी। प्रिया पढ़ने में काफी तेज थी। वह आगे पढ़ना चाहती थी।

पति को लगा कि पत्नी पढ़ लेगी तो भविष्य सुधर जाएगा। हालांकि वह आर्थिक रूप से कमजोर था। इसके बावजूद उसने हिम्मत नहीं हारी और पत्नी को पढ़ाने के लिए 2.5 लाख का लोन ले लिया। उसे क्या पता था कि उसकी पत्नी आगे चलकर उसे धोखा देने वाली है। फिलहाल टिंकू यादव ने धोखेबाज पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ नगर थाना

में शिकायत दर्ज कराई है। चलिए बताते हैं कि पूरा मामला क्या है।

**पिज्जा डिलीवरी बॉय है पति**

टिंकू यादव पत्नी की बेवफाई से पूरी तरह टूट चुका है। वह पिज्जा डिलीवरी बॉय है मगर हर महीने लोन का कर्ज चुका रहा है। उसकी पत्नी उसे दगा देकर प्रेमी के साथ दिल्ली भाग गई। वहां जाकर उसने एक और कांड किया। दरअसल, उसने दिल्ली में अपने प्रेमी के साथ कोर्ट मैरिज कर ली और फोटो सोशल मीडिया पर डाल दी। टिंकू यादव पत्नी का असली चेहरा देखकर हैरान है। उसे अभी भी पत्नी की हरकतों पर भरोसा नहीं हो रहा है मगर अफसोस...काश की यह सब सच नहीं होता। जिस तकलीफ से वह गुजर रहा है उसे ठीक से बयां भी नहीं कर पा रहा है। जानकारी के अनुसार, टिंकू यादव ने पत्नी का एडमिशन शकुंतला नर्सिंग स्कूल में कराया था। यहां से वह नर्सिंग का कोर्स कर रही थी। पढ़ाई के दौरान ही उसकी मुलाकात पड़ोसी दिलखुश राउत से हुई। दोनों के बीच अफेयर हो गया। प्रिया ने अपना कोर्स पूरा किया और फिर पड़ोसी के साथ दिल्ली भाग गई। टिंकू को पता नहीं था कि पत्नी उसे धोखा दे रही है। प्रिया को एएनएम की डिग्री दिलवाने के लिए उसने उसका दाखिला कराया था।

दिन रात मेहनत कर उसने प्रिया की पढ़ाई की फीस भरी। प्रिया 17 सितंबर को कॉलेज से छुट्टी होने पर प्रेमी के साथ दिल्ली भाग गई। वहीं मामले की जानकारी होने पर दोनों परिवारों के बीच तनाव हो गया है। फिलहाल मामले में आगे की कार्रवाई की जा रही है।

## गिरफ्तार करने से पहले लिखित में उसे उसका कारण बताना जरूरी

## प्रवर्तन निदेशालय से बोली शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्वोच्च न्यायालय ने एक अहम फैसले में कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय किसी को गिरफ्तार करता है तो उसके लिए अनिवार्य है कि वो लिखित में आरोपी को इसकी वजह बताए। पंजाब एंड हरियाणा कोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील में शीर्ष कोर्ट ने ये बात कही। कोर्ट का कहना था कि कानून कहता है कि आप उस शख्स को गिरफ्तार करने की वजह लिखित में बताए जिसे आप अपने शिकंजे में लेना चाहते हैं।

ये फैसला पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ अपील पर सामने आया। सर्वोच्च न्यायालय की बेंच M3M रियल इस्टेट ग्रुप के पंकज बंसल और बसंत बंसल की शिकायत पर सुनवाई कर रही थी। दोनों ने हाईकोर्ट के उस फैसले के खिलाफ गुहार लगाई थी जिसमें उन दोनों की गिरफ्तारी को रोकने से इनकार कर दिया गया था।

ईडी मनी लांड्रिंग के आरोप के तहत कर रही थी जांच

दोनों के खिलाफ ईडी मनी लांड्रिंग के आरोप के तहत जांच कर रही थी। ईडी ने दोनों को गिरफ्तार करने की कवायद शुरू कर दी थी। अरेस्ट को रुकवाने के लिए ही दोनों ने हाईकोर्ट का रुख किया था। लेकिन वहां से ना होने के बाद दोनों ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस पीवी संजय कुमार की बेंच ने अपने फैसले में कहा कि अगर ईडी किसी को बगैर कारण बताए गिरफ्तार करती है तो ये गैरकानूनी माना जाएगा। उनका कहना था कि घटना का क्रम इशारा कर रहा है कि ईडी का कृत्य नेगेटिव नहीं तो गलत जरूर था।

## कार्यक्रम में भोजन करना परिवार को पड़ा भारी, पिता के बाद बेटे की भी गई जान

भरतपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के भरतपुर ब्लॉक के पटेलपारा गांव में हैरान कर देने वाला मामला सामने आया। यहां शुक्रवार के दिन समारोह में भोज करने के बाद कई लोगों की उल्टी दस्त से तबीयत बिगड़ गई। जिनको हॉस्पिटल ले जाया गया। इलाज के दौरान एक ही परिवार के दो लोगों की मौत हो गई। वहीं, गांव के 5 लोग अभी भी बीमार है। जिनमें से 2 की हालत सीरियस है। दरअसल, ग्राम लरकोंड़ा निवासी भैयालाल सिंह के यहां बरहों (बच्चों के जन्म के बाद मनाया जाने वाला उत्सव) कार्यक्रम था। जिसमें गांव के सभी लोग खाना खाने गए थे। उसी रात लोगों की तबीयत बिगड़ना शुरू हो गई। बीमार लोगों को हॉस्पिटल लाया गया। जिनमें से पिता पुत्र की मौत हो गई। वहीं गांव के अन्य बीमार लोगों का इलाज जारी है।

## उद्योगपतियों के कॉर्पोरेट कार्यालयों पर आईटी रेड

### 15 ठिकानों पर चल रही छापेमारी

बैंगलुरू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आयकर विभाग (I-T) बुधवार को बेंगलुरु में 15 से अधिक स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर रहा है। छापेमारी सुबह से ही चल रही है और अधिकारी कुछ उद्योगपतियों के आवासों और कॉर्पोरेट कार्यालयों में दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि छापेमारी कुछ उद्योगपतियों और सोने के व्यापारियों द्वारा टैक्स चोरी के आरोप में की गई है।

रात को चेन्नई और मुंबई कार्यालय से अधिकारी पहुंचे। छापेमारी विजयनगर, हुलीमावु, सदाशिवनगर और सांकी टैंक इलाकों में की गई है। सूत्रों ने यह भी बताया कि छापेमारी एक महिला डेंटिस्ट के आवास पर भी की जा रही है। छापेमारी शांतिनगर में नवीन कुमार के आवास पर हुई, जिन पर आरोप है कि वे बेंगलुरु में अपने विभिन्न व्यवसायों के माध्यम से टैक्स चोरी में शामिल हैं। उनके रामानगर में एक मुर्गी फार्म और शांतिनगर में एक कार्यालय पर छापेमारी हुई। यह दूसरी बार है जब नवीन के घर पर आईटी विभाग ने छापा मारा है। ऑपरेशन में आठ आईटी अधिकारी और सीएआर पुलिस शामिल है, जिसका फोकस शांतिनगर में नवीन के आलीशान बंगले पर था।

इसके अलावा पैलेस रोड पर गजराजा ज्वैलर्स पर आईटी छापा मारा गया, जिसमें अधिकारी परिसर का निरीक्षण करने के लिए दो इनोवा कारों में पहुंचे। वहीं दूसरी छापेमारी गणेश ज्वैलरी पर हुई। यह सदाशिवनगर में स्थित है और रिकॉर्ड की जांच करने के लिए दो इनोवा कारों में लगभग 15 लोग पहुंचे हैं।

## हार्ट अटैक से सीआरपीएफ जवान की हुई मौत

जगदलपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। दंतेवाड़ा जिले के नरेली में पदस्थ 230 सीआरपीएफ बटालियन में पदस्थ हेड कांस्टेबल की हार्ट अटैक से मौत हो गई। मेकाज में पोस्टमार्टम के बाद शव को घर भिजवाया गया।

मामले के बारे में जानकारी देते हुए मेकाज चौकी ने बताया कि मूलतः रांची में रहने वाले बाबूलाल रजक पिता रामू रजक 51 वर्ष विगत कई वर्षों से दंतेवाड़ा जिले के नरेली कैंप में सीआरपीएफ 230 में हेड कांस्टेबल के पद में पदस्थ थे। सुबह अचानक से उनके सीने में दर्द हुआ साथियों ने कैंप के अंदर ही पदस्थ डॉक्टरों के द्वारा चेकअप करने के बाद हार्ट अटैक आने की बात बताई। जहां बेहतर उपचार के लिए दंतेवाड़ा जिला अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मेकाज रेफर कर दिया गया।

# झारखंड के कई राज्यों में भारी बारिश के आसार

## कन्याकुमारी में 150 जवान तैनात; आईएमडी ने जारी की चेतावनी

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों के दौरान झारखंड समेत कई राज्यों में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है। इससे होने वाले नुकसान से निपटने के लिए राज्यों ने कमर कस ली है। वहीं, मंगलवार रात कन्याकुमारी में बिजली का करंट लगने से तीन लोगों की मौत हो गई।

आईएमडी ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण-पूर्व झारखंड के ऊपर बना कम दबाव का क्षेत्र पश्चिम बंगाल में अगले दो से तीन दिनों के दौरान लगभग पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। इससे आसपास के कई राज्यों में भारी बारिश हो सकती है।

**इन राज्यों में बारिश**

मौसम पूर्वानुमान एजेंसी ने एक बुलेटिन में बताया कि बिहार,

झारखंड, पश्चिम बंगाल, सिक्किम और उत्तरी ओडिशा में अगले तीन दिनों के दौरान और पूर्वोत्तर भारत में अगले चार दिनों के दौरान भारी बारिश जारी रहने की संभावना है।

पूर्वानुमान के अनुसार बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, झारखंड और उत्तरी ओडिशा में आज और अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, मिजोरम तथा त्रिपुरा में छह अक्टूबर तक अधिक से बहुत अधिक बारिश हो सकती है। वहीं, मंगलवार को केरल के कुछ हिस्सों में भारी बारिश हुई। बताया जा रहा कि आज भी बारिश होने का अनुमान है। इसके अलावा तिरुवनंतपुरम में भारी बारिश के लिए जारी ऑरेज अलर्ट के कारण यहां के जिला प्रशासन ने चार अक्टूबर को स्कूलों सहित शैक्षणिक संस्थानों के लिए छुट्टी कर दी है। राज्य में बारिश जारी रहने के बीच, आईएमडी ने राज्य के सबसे दक्षिणी जिले में ऑरेंज अलर्ट और कोल्लम, पथनमथिट्टा और अलाप्पुझा जिलों में येलो अलर्ट जारी किया है। इतना ही नहीं, लगातार बारिश के चलते कन्याकुमारी में अग्निशमन और बचाव सेवाओं के 150 से अधिक कर्मियों को तैनात किया गया है। बता दें, यहां आज भी स्कूल बंद रहेगा। वहीं, कल रात अत्तूर के पास बिजली का करंट लगने से एक ही परिवार के तीन लोगों की मौत हो गई।

**क्या है ऑरेंज अलर्ट**

बता दें, ऑरेंज अलर्ट का मतलब है 6 सेमी से 20 सेमी तक बहुत भारी बारिश और येलो अलर्ट का मतलब है 6 से 11 सेमी के बीच भारी बारिश।

# दूसरे देशों के लिए चीन ने बनाया चेन एंड एंकर ट्रैप... फंस गई उसी की परमाणु पनडुब्बी

## पीएलए के 55 ऑफिसर्स की मौत

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियों ने समंदर की गहराइयों में चीन की हरकतों को लेकर एक चौंकाने वाली रिपोर्ट प्रकाशित की है. रिपोर्ट के अनुसार चीन ने पीला सागर में अपने दुश्मन देशों की पनडुब्बियों को फंसाने और छकाने के लिए एक किस्म का अवरोधक बनाया है जिसे चेन एंड एंकर ट्रैप के नाम से जाना जाता है।

लेकिन दुश्मन के लिए बनाए गए इस ट्रैप में कुछ हफ्तों पहले चीन का एक न्यूक्लियर पनडुब्बी फंस गया. इस घटना में चीन को व्यापक हानि हुई है. ब्रिटेन की एक बेहद खुफिया रिपोर्ट के अनुसार पानी के अंदर चीन में इस न्यूक्लियर पनडुब्बी के फंसने से चाइनीज नेवी के 22 ऑफिसर, 7 ऑफिसर कैडेट, 9 पेटी ऑफिसर्स, और 17 दक्ष नाविकों की मौत हो गई. इस तरह से इस घटना में चीन के कुल 55 सैन्यकर्मियों की मौत हो गई है. फिलहाल चीन ने हमेशा की तरह 21 अगस्त 2023 की इस घटना से इनकार किया है. ब्रिटेन की टॉप क्लास खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट में कहा गया है कि चाइनीज नेवी के ऑफिसरों की मौत की वजह सबमरीन (पनडुब्बी) के ऑक्सीजन सिस्टम में आई खराबी थी. इस तकनीकी खराबी की वजह से पानी के अंदर फंसे सबमरीन का पूरा वातावरण दमघोंटू हो गया है. इस वजह से सैन्यकर्मियों को ऑक्सीजन नहीं मिल पाया और उनकी मौत हो गई. द मिरर में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार इस दुर्घटना में मरने वालों में चाइनीज पीपुल्स लिब्रेशन आर्मी नेवी के सबमरीन संख्या 093-417 के कैप्टन भी शामिल थे. खास बात यह है कि जब ये घटना हुई तो चीन ने इससे साफ इनकार कर दिया. यही नहीं चीन ने कथित रूप से पनडुब्बी में फंसे नौसैनिकों के रेस्क्यू के लिए किसी भी तरह की विदेशी सहायता लेने से भी इनकार कर दिया. चीन का ये सबमरीन 15 साल से सर्विस में है. ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी ने इस घटना के बारे में लिखा है, 21 अगस्त को स्थानीय समयानुसार 08:12 बजे पीला सागर में एक मिशन के दौरान एक जहाज पर दुर्घटना हुई, जिसके परिणामस्वरूप 55 चालक दल के सदस्यों की मृत्यु हो गई, जिनमें 22 अधिकारी, 7 अधिकारी कैडेट, 9 छोटे अधिकारी और 17 नाविक शामिल थे. मृतक कैप्टन कर्नल जू योंग-पेंग थे।

**अपने ही जाल में फंसी चीनी पनडुब्बी!**

रिपोर्ट में आगे लिखा गया है, ऐसा माना जाता है कि इनकी मौत पनडुब्बी पर हाइपोक्सिया के कारण हुई थी. ये स्थिति सिस्टम फेल्योर के कारण पैदा हुई थी. रिपोर्ट के अनुसार ये पनडुब्बी चीनी नौसेना की ओर से अमेरिकी और दूसरे देशों की पनडुब्बियों को फंसाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली Chain and Anchor obstacle से टकरा गई. इससे इस पनडुब्बी का सिस्टम खराब हो गया. इसकी मरम्मत में और पनडुब्बी को फिर से सतह पर लाने में 6 घंटे लग गए. इस दौरान जहाज का ऑक्सीजन सिस्टम भयावह रूप से खराब हो गया. बीजिंग ने इस घटना के बारे में अटकलों को पूरी तरह से गलत बताया है और ताइवान ने भी इंटरनेट रिपोर्टों का खंडन किया है. लेकिन यूके का दावा है की उसकी ये रिपोर्ट रक्षा खुफिया जानकारी पर जारी की गई है.

अब हम आपको बताते हैं कि चेन और एंकर ट्रैप क्या होता है, जिसमें चीन का न्यूक्लियर पनडुब्बी फंस गया. दरअसल चेन और एंकर ट्रैप समंदर की तलहटी में पनडुब्बियों को तबाह करने वाला एक उपकरण है. इसमें एक भारी चेन होती है जो दो एंकरों के बीच लटकी होती है, जिन्हें समुद्र के तल पर बिछा दिया जाता है. चेन को आमतौर पर धातु की गेंदों या अन्य वस्तुओं से भारी बनाया जाता है, और यह कई मील लंबी हो सकती है. जब एक पनडुब्बी चेन और एंकर ट्रैप से टकराती है, तो वह आसानी से इस चेन में उलझ सकती है.

# केरल प्रवासी कई सदस्यों को न्यूयॉर्क में सम्मानित किया जाएगा

न्यूयॉर्क, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। आठ भारतीय-अमेरिकियों को अपने संबंधित क्षेत्रों में उपलब्धियों और समाज के प्रति उनकी सेवा के लिए इस महीने न्यूयॉर्क में एक पुरस्कार समारोह में सम्मानित किया जाएगा। भारतीय अमेरिकी केरल सांस्कृतिक और नागरिक केंद्र 28 अक्टूबर को एल्मोंट में अपना 31वां वार्षिक पुरस्कार बैंक्वेट प्रस्तुत करेगा। इसमें भारत, अमेरिका के प्रमुख नेताओं के साथ-साथ प्रवासी समुदाय के सदस्य भी शामिल होंगे।

केरल सेंटर के ट्रस्टी बोर्ड के अध्यक्ष और पुरस्कार समिति के सदस्य थॉमस अब्राहम ने कहा, "केरल सेंटर 1992 से उत्कृष्ट उपलब्धि हासिल करने वालों को सम्मानित कर रहा है। हर साल हम नामांकन आमंत्रित करते हैं और समिति को पुरस्कार प्राप्त करने के लिए एक श्रेणी में एक उम्मीदवार का सर्वसम्मति से चयन करना होता है और यह वर्ष उनकी उपलब्धियों के मामले में पिछले वर्षों से अलग नहीं है।" वायरोलॉजिस्ट और इम्यूनोलॉजिस्ट श्याम कोट्टिलिल को हेपेटाइटिस और एचआईवी के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। वह वर्तमान में बाल्टीमोर में इंस्टीट्यूट ऑफ ह्यूमन वायरोलॉजी के अंतरिम निदेशक हैं।

दुबई में दुनिया की सबसे ऊंची बुर्ज खलीफा इमारत को रोशन करने वाली एलईडी फेस लाइटिंग के निर्माता कनाडा स्थित सजीब कोया को उद्यमिता पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। वह तिरुवनंतपुरम के रहने वाले हैं। लता मेनन ने कनाडा जाने से पहले केरल, महाराष्ट्र और कर्नाटक में एक वकील के रूप में अभ्यास किया। एक वकील के रूप में अपनी व्यावसायिक गतिविधियों के अलावा, लता महिलाओं की समानता और अधिकारों की एक सक्रिय समर्थक और चैंपियन हैं। केरल सांस्कृतिक और नागरिक केंद्र की एक विज्ञप्ति में उल्लेख किया गया है, लता ने अपने कई ग्राहकों के जीवन को प्रभावित किया है जो पारिवारिक कलह, घरेलू हिंसा, दुर्व्यवहार और पारिवारिक विवादों का सामना करते हुए संकट में उनके पास आए थे। उन्होंने अपने कई ग्राहकों को अपने जीवन को एक साथ खींचने और प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने के लिए प्रभावित किया है। लता की उपलब्धियां और सफलता उन्हें एक सच्चा नेता, गुरु, दुर्जेय शक्ति, प्रभाव और कई लोगों के लिए प्रेरणा बनाती हैं। इंडियन नर्सेज एसोसिएशन ऑफ़ न्यूयॉर्क (आईएनएएनवाई) की अध्यक्ष डॉ. अन्ना जॉर्ज और शेल्बी कुट्टी को स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा।

# कर्मचारियों को लेकर टिप्पणी करने पर कोर्ट ने ट्रंप को चुप रहने को कहा

न्यूयॉर्क, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। एक अमेरिकी न्यायाधीश ने धोखाधड़ी के एक मामले में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पर शिकंजा कसते हुए उनके खिलाफ कोर्ट के कर्मचारियों के बारे में कुछ भी नहीं बोलने का आदेश जारी किया है। ट्रंप पर आरोप है कि उन्होंने एक अदालत के क्लर्क के बारे में अपमानजनक टिप्पणी की थी।

पूर्व राष्ट्रपति ने अपनी सोशल मीडिया साइट ट्रुथ पर एक कार्यक्रम में डेमोक्रेटिक सीनेट के नेता चक शूमर के साथ प्रिंसिपल क्लर्क एलीसन ग्रीनफील्ड की एक तस्वीर पोस्ट की थी। पोस्ट में उन्होंने ग्रीनफील्ड को 'शूमर की गर्लफ्रेंड' कहा और कहा कि उनके खिलाफ मामला खारिज कर दिया जाना चाहिए। न्यायाधीश आर्थर एंगोरोन ने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन ट्रुथ सोशल पोस्ट का संदर्भ दिया और कहा कि एक प्रतिवादी ने सोशल मीडिया अकाउंट पर मेरे स्टाफ के एक सदस्य के बारे में अपमानजनक, असत्य और व्यक्तिगत पहचान वाली पोस्ट पोस्ट की। उन्होंने कहा, मेरे कोर्ट स्टाफ के सदस्यों पर व्यक्तिगत हमले अस्वीकार्य करता हैऔर मैं इसे किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं करूंगा। न्यायाधीश के हवाले से कहा, इस आदेश का पालन नहीं करने पर गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। न्यायमूर्ति एंगोरोन ने कहा कि उनके बयान को उनके स्टाफ के सदस्यों के बारे में किसी भी पोस्ट, ईमेल या सार्वजनिक टिप्पणी पर रोक लगाने वाला एक आदेश माना जाना चाहिए।

आदेश के तुरंत बाद ट्रंप के पोस्ट को हटा दिया गया। ट्रंप ने मुकदमे को धोखाधड़ी और घोटाला कहा है और अपने बचाव में खड़े होने का वादा किया है। यह पूछे जाने पर कि क्या वह मामले में गवाही देंगे, उन्होंने कहा, हां, मैं गवाही दूंगा। उचित समय पर, मैं गवाही दूंगा। रिपोर्ट के अनुसार, पूर्व राष्ट्रपति, उनके दो बेटों और ट्रंप संगठन के लिए लोन लेने के लिए अपनी संपत्तियों का मूल्य बढा चढ़ा कर पेश करने का आरोप है। अटॉर्नी जनरल लेटिटिया जेम्स 250 मिलियन डॉलर और ऐसे प्रतिबंधों की मांग कर रहे हैं जो ट्रम्प परिवार को न्यूयॉर्क राज्य में व्यापार करने से रोक सकें। दोषी पाए जाने पर किसी भी प्रतिवादी को जेल की सजा नहीं होगी, क्योंकि यह एक दीवानी मामला है, आपराधिक नहीं।

## खैबर पख्तूनख्वा में सैनिकों के साथ मुठभेड़ में 10 आतंकी ढेर

रावलपिंडी, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा के टैंक क्षेत्र में सुरक्षाबलों के जवानों के साथ गोलीबारी में 10 आतंकी मारे गए। पाकिस्तानी सैन्य मीडिया विंग ने इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंगलवार को आतंकवादियों की उपस्थिति की जानकारी के आधार पर सेना के जवानों ने एक खुफिया ऑपरेशन चलाया था।

इस ऑपरेशन के दौरान गोलीबारी में 10 आतंकी मौके पर ही मारे गए। पाकिस्तानी सैन्य मीडिया ने कहा, 'ये आतंकी कई आतंकवादी गतिविधियों में शामिल थे, जिसमें सुरक्षाबलों पर हमला से लेकर जबरन वसूली और मासूम नागरिकों की हत्या भी शामिल है।' इस ऑपरेशन के बाद सेना के जवानों ने बड़े पैमाने पर गोला-बारूद, हथियार और विस्फोटक बरामद किया।

# अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान छोड़ने के अल्टीमेटम पर भड़का तालिबान

काबुल, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान सरकार ने अफगानियों समेत सभी अवैध शरणार्थियों को 31 अक्टूबर तक देश छोड़ने का अल्टीमेटम जारी किया है. पाकिस्तान में 17 लाख अवैध अनुमानित शरणार्थी हैं. पाकिस्तान के इस कदम का अफगानिस्तान की तालिबान सरकार ने विरोध जताया है. इतना ही नहीं तालिबान की ओर कहा गया है कि पाकिस्तान में हो रहीं आतंकी घटनाओं में अफगान शरणार्थियों का कोई हाथ नहीं है.

दरअसल, पाकिस्तान में आतंकियों घटनाओं में इजाफा हुआ है. इसके चलते पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच रिश्ते तनावपूर्ण होते चले जा रहे हैं. पाकिस्तान ने सीमा पार हमलों के लिए अफगानिस्तान स्थित आतंकवादियों को जिम्मेदार ठहराया है. वहीं, तालिबान ने इन आरोपों से इनकार किया है। पाकिस्तान में पिछले हफ्ते अफगानिस्तान बॉर्डर के पास बलूचिस्तान में मस्जिद के पास ब्लास्ट हुआ था. इसमें 50 लोगों की मौत हो गई. पाकिस्तान ने बढ़ते आतंकी हमलों के बीच अवैध शरणार्थियों पर कार्रवाई का ऐलान कर दिया. दरअसल, 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के कब्जे के बाद लाखों अफगानी नागरिक भागकर पाकिस्तान आ गए थे. पाकिस्तान के गृह मंत्री सरफराज बुगती ने दावा किया है कि उनके देश में करीब 17 लाख अवैध शरणार्थी हैं. उन्होंने कहा, इन लोगों को महीने के अंत तक देश छोड़ना होगा. चाहे वे स्वेच्छा से छोड़ें या उन्हें जबरन निकाला जाएगा. बुगती ने कहा कि अगर ये लोग नहीं जाते हैं, तो कानून प्रवर्तन एजेंसियों का इस्तेमाल इन्हें निर्वासित करने के लिए किया जाएगा. उन्होंने देश में अवैध अफगानियों के निजी व्यवसायों और संपत्तियों की पहचान करने और उन्हें जब्त करने के लिए एक टास्कफोर्स का भी ऐलान किया। वहीं, पाकिस्तान में अफगान अधिकारियों ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों ने पहले से ही सभी अफगानियों पर कार्रवाई शुरू कर दी है, चाहें वे अवैध हों या वैध शरणार्थी. उन्होंने दावा किया कि पिछले दो हफ्तों में 1000 से ज्यादा अफगान शरणार्थियों को हिरासत में लिया गया है।

अफगान अंतरिम सरकार के प्रवक्ता जबीउल्लाह मुजाहिद ने पाकिस्तान सरकार के फैसले को अस्वीकार्य करार दिया. उन्होंने पाकिस्तान सरकार से अफगान शरणार्थियों के निष्कासन के संबंध में अपनी नीति पर पुनर्विचार करने और शरणार्थियों के स्वेच्छा से चले जाने तक कार्रवाई न करने की अपील की है।

# दुनिया में हर किसी को अरबपति बना सकता है रहस्यमय एस्टेरॉइड

## नासा लॉन्च करने जा रहा बड़ा मिशन

फ्लोरिडा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा एक अहम लॉन्च करने वाली है। 12 अक्टूबर की सुबह अगर सबकुछ ठीक रहा और योजना के अनुसार आगे बढ़ा तो फिर नासा का मिशन 16साइक नामक एक दिलचस्प एस्टेरॉइड की तरफ लॉन्च होना वाला है। इस मिशन के तहत एजेंसी 2.2 अरब मील की यात्रा पर साइकी नामका की एक हाई टेक अंतरिक्ष यान रवाना करने वाला है। इस मिशन का लक्ष्य एस्टेराइड का विस्तार से अध्ययन करना है। नासा का मानना है कि यह एक अंतरिक्ष चट्टान है। नासा इस एस्टेरॉइड का विस्तार से अध्ययन करना चाहता है।

**बनेगी रहस्यमय सुरंग**

उसका मानना है कि यह एस्टेरॉइड न केवल बहुमूल्य धातुओं से समृद्ध है बल्कि यह वास्तव में एक पूरे ग्रह का बचा हुआ लोहे का हिस्सा है। एजेंसी का कहना है कि अगर अध्ययन सफल रहा तो फिर 16 साइकी पृथ्वी से हमें उस दुनिया तक एक सीधी सुरंग प्रदान कर सकता है जहां पर वैसे भी कोई नहीं पहुंच सकता है। इस साल मार्च में आई एक रिपोर्ट के मुताबिक नासा ने बताया था कि यह एस्टेरॉइड मंगल और बृहस्पति के बीच हो सकता है। नासा ने अनुमान लगाया गया है कि इसमें 10,000 क्वाड्रिलियन डॉलर मूल्य का लोहा, निकल और सोना है। इस मिशन के शुरू होने से पहले वैज्ञानिक 140 मील चौड़े एस्टेरॉइड का पर रिसर्च कर रहे हैं। इसकी रिसर्च में वह कई तरह के उपकरणों और डिवाइसेज का प्रयोग कर रहे हैं।

**कैसे बनाएगा सबको अरबपति**

साउथवेस्ट रिसर्च इंस्टीट्यूट की एक टीम ने हाल ही में एस्टेरॉइड के बारे में कुछ परिणामों का ऐलान किया। ये वो परिणाम हैं जो उन्होंने दो शक्तिशाली इन्फ्रारेड उपकरणों में टैप करके इकट्ठे किए थे। नासा की मानें तो आलू के आकार सा दिखने वाले इस एस्टेरॉइड का औसत व्यास करीब 140 मील यानी 226 किलोमीटर है। यानी यह पृथ्वी के चंद्रमा के व्यास का करीब सोलहवां हिस्सा या लॉस एंजिल्स और सैन डिएगो के बीच की दूरी बराबर है।

## फिलीपींस में 6.2 तीव्रता का आया भूकंप

मनीला, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तरी फिलीपींस के कागायन प्रांत में बुधवार को 6.2 तीव्रता का भूकंप आया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, फिलीपीन इंस्टीट्यूट ऑफ वोल्केनोलॉजी एंड सीस्मोलॉजी के अनुसार, भूकंप सुबह 11.35 बजे आया।

कैलायन शहर के एक द्वीप गांव दलुपिरी से लगभग 22 किमी उत्तर पूर्व में इसकी गहराई 10 किमी थी। संस्थान ने कहा कि टेक्टोनिक भूकंप के बाद झटके आएंगे लेकिन नुकसान नहीं होगा।

# अपने ही सेना से त्रस्त पुतिन! रूसी सैनिकों को नशे की लग गई है लत, भेजा जा रहा यूक्रेन

मास्को, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस इस समय यूक्रेन के साथ युद्ध के मैदान में है. इस बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस अपने सैनिकों को पनिशमेंट दे रहा है. क्योंकि रूस के सैनिकों को नशे की लत लग गई है और वह आदेश और निर्देश को नहीं मान रहे हैं. ऐसे सैनिकों को रूस, यूक्रेन की सीमा पर भेज रहा है।

खबर के मुताबिक ऐसे सैनिकों को खतरनाक मोर्चे पर भेजा जा रहा है जहां जान जाना तय है. ऐसे सैनिकों के लिए रूस ने एक स्क्वॉड बनाया है. यह स्क्वॉड माफी की मांग करने वाले पूर्व सैनिकों से बने हैं. सैनिकों ने कहा है कि उन्हें इस स्क्वॉड में ड्यूटी पर नशे में रहने, नशीली दवाओं का उपयोग करने और आदेशों की अवहेलना करने के कारण शामिल होने के लिए कहा गया है. इस स्क्वॉड का नाम स्टॉर्म स्क्वॉड है। इस स्क्वॉड में शामिल एक सैनिक ने रॉयटर्स से कहा 'अगर कमांडेंट किसी भी सैनिकों की सांस से शराब की गंध पकड़ते हैं तो वे तुरंत उस सैनिक को स्टॉर्म स्क्वॉड में भेज देते हैं.' मालूम हो कि रूसी सैनिकों को केवल सेना की अदालतों द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद ही पनिशमेंट के लिए इस यूनिट में भेजा जा सकता है. लेकिन स्टॉर्म स्क्वॉड के सैनिक ने कहा कि उसे कोर्ट की सुनवाई के बारे में कोई जानकारी नहीं थी. पूर्वी शहर बखमुत के पास तैनात एक सैनिक ने कहा, 'स्टॉर्म स्क्वॉड के सैनिकों को मांस के रूप में देखा जाता था.'

# मालदीव के नए राष्ट्रपति मुइज्जू के साथ ही चीन ने जीत ली आधी जंग

## बढ़ेगा अमेरिका और भारत का बीपी!

बीजिंग, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। चीन के समर्थक और 'इंडिया आउट' कैंपेन को आगे बढ़ाने मोहम्मद मुइज्जू अब मालदीव के नए राष्ट्रपति हैं। मुइज्जू ने अपने विजयी भाषण से साफ कर दिया है कि आने वाले में वह भारत के लिए सिरदर्द बनने वाले हैं। सोमवार को जब उन्होंने समर्थकों को संबोधित किया तो कहा कि वह देश से विदेशी सेनाओं को हटाकर रहेंगे। मुइज्जू ने इस बात पर जोर दिया है कि उनके देशवासियों की इच्छा के विरुद्ध मालदीव में कोई भी विदेशी सैनिक नहीं रहेगा। उनका कहना था कि कार्यभार संभालने के बाद वह विदेशी सैनिकों को हटाने की कोशिशें शुरू कर देंगे। मुइज्जू का आना चीन के लिए गुड न्यूज है। रक्षा विशेषज्ञ मान रहे हैं कि उनके सत्ता में आने के बाद से हिंद महासागर पर भारत की चुनौतियां दोगुनी होने वाली हैं।

**चीनी मीडिया बोली, चीन की जीत**

45 साल के मुइज्जू को राजधानी माले के मेयर भी रहे हैं राष्ट्रपति चुनावों में 54 फीसदी वोट हासिल करके आए हैं। गहरे नीले पानी वाला खूबसूरत देश मालदीव पर्यटकों के अलावा भारत और चीन के बीच प्रतिद्वंद्विता का मैदान भी रहा है। यह द्वीप राष्ट्र अपनी राजनीति से पूरे दक्षिण एशिया को हिला सकता है। भारत और चीन के अलावा अमेरिका भी इसका पारंपरिक साझेदार रहा है। साफ है कि आने वाले दिनों में हिंद महासागर क्षेत्र में बड़ी उथल-पुथल देखने को मिलने वाली है। चीनी सरकारी मीडिया ने मुइज्जू की जीत को चीन की जीत करार दिया है। साथ ही उसने मुइज्जू के सत्ता में आने को अमेरिका और भारत के लिए बड़ा झटका बताया है। बीजिंग डेली ने लिखा है, 'भारत को बड़ा कूटनीतिक झटका लगा है।'

**अमेरिका और भारत पर बयान**

खबार के मुताबिक अमेरिका और भारत को चीन के 'केवल दो रणनीतिक प्रतिस्पर्धी' के तौर पर ही पहचाना गया है। मालदीव अभी तक चीनी पर्यटकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के तौर पर शामिल नहीं हुआ है और न ही व्यवसाय में इसकी कोई ज्यादा भागीदारी है। लेकिन यह मुइज्जू इसे बदल सकते हैं। अगले महीने वह राष्ट्रपति पद संभालेंगे लेकिन इससे पहले से ही उन्हें 'चीन समर्थक' कहा जाने लगा है। सिनामाले ब्रिज आज भी द्वीप देश में चीन के के बढ़ते कद का प्रतीक माना जाता है। यह ब्रिज बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के जरिए से चीनी फंडिंग के कारण पहले चीन-मालदीव मैत्री ब्रिज के रूप में जाना जाता था।

**मालदीव पर चीनी कर्ज**

भारत परंपरागत रूप से मालदीव को अपने हिंद महासागर प्रभाव क्षेत्र के हिस्से के रूप में देखता है। साथ ही मानवीय उद्देश्यों के लिए द्वीपसमूह पर भारतीय सैनिकों की एक छोटी टुकड़ी को तैनात रखता है। मालदीव में चीन की पहुंच कोई नई बात नहीं है। पांच साल पहले मालदीव के लोगों ने अपने पूर्व नेता मोहम्मद यामीन को वोट दिया था।

# भारतीय मूल के दो लोगों पर लाखों डॉलर के फर्जीवाड़े का आरोप

**आर्थिक सहायता योजना के लोन में की थी धोखाधड़ी**

ह्यूस्टन, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका में भारतीय मूल के दो लोगों ने कई मिलियन डॉलर की धोखाधड़ी के आरोप को स्वीकार किया है। उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान एक आर्थिक सहायता योजना के तहत लोन में धोखाधड़ी को अंजाम दिया था।

न्याय विभाग ने इसकी जानकारी देते हुए एक बयान जारी किया है। इस बयान में कहा गया, 'बोस्टन के निशांत पटेल (41), हरजीत सिंह (49) और अन्य तीन लोग पेचेक प्रोटेक्शन प्रोग्राम (पीपीपी) लोन में धोखाधड़ी कर लाखों डॉलर के फर्जीवाड़े में लगे हुए थे।' आरोपियों ने झूठे और नकली पीपीपी लोन आवेदन जमा करने की बात स्वीकार की। पीपीपी लोन प्राप्त करने वाली कंपनियों के कर्मचारियों ने भी उन पांच आरोपियों की सहायता की। हालांकि, वे खुद वास्तव में कर्मचारी नहीं थे। इन नकली पे-चेक को चेक कैशिंग स्टोर में दिया गया, जहां अन्य आरोपियों ने सहायता की। इस योजना के तहत आरोपी पटेल ने 474,993 यूएस डॉलर का नकली पीपीपी लोन और हरजीत ने 937,379 यूएस डॉलर का लोन प्राप्त किया। योजना में शामिल अन्य तीन लोगों को 14 लाख रुपये मिले। आरोपियों का सजा अगले साल चार जनवरी को तय किया जाना है, जहां उन्हें पांच-पांच साल की सजा सुनाई जाएगी। उनके अलावा 15 अन्य ऐसे हैं जो इस अपराध में आरोपी पाए गए हैं। कोरोनावायरस सहायता, राहत और आर्थिक सुरक्षा (सीएआरईएस) एक्ट 2020अमेरिकी कर्मचारियों, परिवारवालों, छोटे व्यापारियों को आर्थिक सहायता प्रदान करने के लिए बनाया गया था।

# जेपी नड्डा करेंगे बीजेपी के अभियान की शुरुआत

## आकांक्षा पेटी रथ को दिखाएंगे हरी झंडी

## घोषणा पत्र के लिए जनता से मांगे जाएंगे सुझाव

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों को लेकर बीजेपी के घोषणा पत्र को तैयार करने का काम चल रहा है। इस घोषणा पत्र को बीजेपी ने संकल्प पत्र का नाम दिया है। घोषणा पत्र में बीजेपी जनता के सुझाव भी शामिल करेगी।

इसको लेकर जयपुर से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा आपणो राजस्थान, सुझाव आपका संकल्प हमारा अभियान की लॉन्चिंग करेंगे। इसके तहत 51 रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। यह सभी रथ प्रदेश की 200 विधानसभाओं में जाकर जनता के सुझाव एकत्रित करने का काम करेंगे।

बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का जयपुर एयरपोर्ट पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे और अन्य भाजपा नेताओं ने स्वागत किया।

**मिस्ड कॉल, वॉट्सऐप और ऑनलाइन भी दे सकेंगे सुझाव**

बीजेपी की प्रदेश संकल्प पत्र समिति के संयोजक व केन्द्रीय कानून मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने बताया कि विधानसभा चुनावों को लेकर जो घोषणा पत्र बीजेपी तैयार कर रही है। उसमें हर वर्ग के सुझाव शामिल किए जाएंगे।

उन्होंने कहा कि इसके लिए 51 रथ तैयार करवाए गए हैं, जिनको बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। हर रथ पर एक संयोजक व सह संयोजक होगा। प्रत्येक रथ शहर-शहर और गांव-गांव तक जाएगा। हर रथ में एक आकांक्षा पेटी रखी होगी, जिसमें कोई भी व्यक्ति अपने सुझाव डाल सकता है। इसके अलावा अभियान को लेकर मिस्ड कॉल नम्बर, वॉट्सऐप नंबर और वेबसाइट भी लॉन्च की जाएगी। इसके जरिए भी आमजन अपने सुझाव दे सकता हैं। उन्होंने बताया कि हमारा उद्देश्य है कि हम संकल्प पत्र में हर वर्ग के सुझाव शामिल करें।

**परिवर्तन यात्रा के बाद बीजेपी का दूसरा बड़ा इवेंट**

बीजेपी विधानसभा चुनावों को लेकर लगातार अपने नेता व कार्यकर्ताओं को सक्रिय किए हुए है। सितंबर महीने में बीजेपी ने जहां प्रदेश की चारों दिशाओं से परिवर्तन यात्राएं निकालकर अपने पक्ष में माहौल तैयार करने का काम किया।

वहीं अब बीजेपी आपणो राजस्थान, सुझाव आपका संकल्प हमारा अभियान के तहत एक बड़ा कैम्पेन खड़ा करने की कोशिश में है। बीजेपी चुनाव तक हर तरह से आमजन को पार्टी से जोड़े रखना चाहती है। यही वजह है कि इस अभियान की भव्य लॉन्चिंग की जा रही है।

# गहलोत बोले- मोदीजी, आप पर कौन विश्वास कर सकता है

## प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों ने राजस्थान पर धावा बोल रखा है

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत ने पीएम नरेंद्र मोदी पर पलटवार करते हुए कहा है कि हम चार साल से लगातार प्रधानमंत्री को लिख रहे हैं, उस पर तो कुछ बोले नहीं। आपने गोलमाल कह दिया कि वेलफेयर स्कीमों को हम लागू रखेंगे। गहलोत ने पीएम से कहा- आपके ऊपर कौन विश्वास कर सकता है कि आप जो कह रहे हो, लागू होगा? पहले केंद्र में लागू करो, तब हम मानेंगे कि वास्तव में आपने किस रूप में बात कही है। गहलोत जयपुर से वीसी के जरिए राजसमंद के लोकार्पण-शिलान्यास कार्यक्रम में बोल रहे थे।

गहलोत ने कहा- मैंने प्रधानमंत्री से कहा था कि आप गारंटी दो कि सरकार बनने पर हमारी योजनाओं को बरकरार रखोगे। आप वादा निभाने की गारंटी दें, लेकिन प्रधानमंत्री ने गोलमाल जवाब दिया। आपने यह नहीं कहा कि मैं ओपीएस को लागू करूंगा। आपने यह नहीं कहा कि मैं यहां की सरकार जो 25 लाख का बीमा दे रही है, उसे लागू रखूंगा। आपने यह नहीं कहा कि राजस्थान में जो हजार रुपए पेंशन दे रहे हैं कि मैं सोशल सिक्योरिटी एक्ट बनाऊंगा। मैं भी कम से कम हजार रुपए दूंगा। आपने यह नहीं कहा- गैस सिलेंडर हम 500 रुपए में देंगे। मैं आपका जनता को भ्रमित करने का तरीका उचित नहीं मानता।

गहलोत ने कहा- आप प्रधानमंत्री हैं। आपके पद की गरिमा है, लेकिन आप चुनाव जीतने के लिए कुछ भी बोल रहे हैं। जिस प्रकार आप और आपके साथ ही केंद्रीय मंत्रियों ने राजस्थान पर धावा बोला हुआ है। पूरा कुनबा राजस्थान के अंदर बैठा हुआ है। आपके सब नेता क्या-क्या बोलते हैं, झूठे आरोप लगाते हैं। वह आपको मालूम है, क्या-क्या हो रहा है? मैं आपको कहना चाहूंगा कि राजस्थान में शानदार काम हुआ है। शिक्षा के क्षेत्र में इतिहास बना दिया है।

सीएम गहलोत ने कहा- मैं पीएम से अपील करूंगा कि वह हमारी योजनाओं का अध्ययन करवाएं। हमारी ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) को पूरे देश में लागू करें। सोशल सिक्योरिटी के लिए मिनिमम गारंटी एक्ट बनाएं। राष्ट्रीयकृत बैंकों से किसानों का कर्ज माफ करवाएं। हमने राजस्थान में किसानों का कर्ज माफ किया। अब हम राष्ट्रीयकृत बैंकों से मांग कर रहे हैं कि जिस तरह उद्योगपतियों को वन टाइम सेटलमेंट करके कर्ज में राहत देते हैं, उसी तरह किसानों के कर्ज में भी करें। हमने प्रधानमंत्री को कई बार पत्र लिखे हैं। वन टाइम सेटलमेंट होने पर उसका पैसा राज्य सरकार देने को तैयार है। इससे किसानों का राष्ट्रीयकृत बैंकों का कर्ज माफ हो जाएगा। हमने 22 लाख किसानों का 15000 करोड़ रुपए का कर्ज माफ किया है।

गहलोत ने कहा- हमने राजस्थान में एक से बढ़कर एक स्कीम दी है। हम एक लाख वरिष्ठ नागरिकों को तीर्थ यात्रा पर भेज रहे हैं। हम मंदिरों में 100 करोड़ रुपए दे चुके हैं। हमने राजस्थान में 600 मंदिर चुने हैं, जहां पर एक लाख रुपए दिए जा रहे हैं। बीजेपी वाले हिंदुओं की बात ऐसे करते हैं, जैसे कि हम तो हिंदू हैं ही नहीं। गाय माता के नाम पर राजनीति करते हैं। जबकि गायों पर हमने 3000 करोड़ रुपए दिए हैं।

# जयंत चौधरी बोले- गठबंधन मजबूती से लड़ेगा चुनाव

## जिन सीट पर कांग्रेस हारी, वहां आरएलडी जीतेगी

भरतपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयंत चौधरी ने कहा- हम इंडिया के घटक दल हैं। घटक दलों को आपसी टकराव होते हैं, मतभेद होते हैं। हमें इससे ऊपर उठकर निर्णय लेने होंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस अपना बड़ा दिल दिखाए। पिछली बार हम दो सीटों पर चुनाव लड़े थे, लेकिन इस बार हम विस्तार चाहते हैं।

राष्ट्रीय लोकदल पार्टी के अध्यक्ष जयंत चौधरी बुधवार को भरतपुर के जाटौली रातभान गांव पहुंचे। यहां उन्होंने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का उद्घाटन किया और किसान सभा को भी संबोधित किया। इस दौरान विधानसभा चुनावों को लेकर जयंत चौधरी ने कहा कि हम पर भरोसा किया जा सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि हमें और भी जगह दी जाएगी। क्योंकि, लोकदल का पुराना चेहरा है, हमारी पार्टी की पहचान पुरानी है। चौधरी ने कहा- ऐसी सीट जिसे कांग्रेस 3 से 4 बार न जीत पाई हो, वह सीट हम जीतकर दिखा सकते हैं। सीकर, झुंझुनूं, नागौर से भी हमें मौका दिया जाए। किसान सभा के बाद जयंत चौधरी ने एक प्रेस वार्ता की। इस

दौरान उन्होंने कहा कि हमारा गठबंधन मजबूती से चुनाव लड़ेगा। अबकी बार राजस्थान में अप्रयाशित चुनाव के नतीजे आएंगे। राजस्थान में जो ट्रेंड रहा है उसे तोड़ते हुए एक फिर कांग्रेस सरकार बनेगी। उन्होंने कहा- कांग्रेस सरकार ने इस बार उम्मीद से ज्यादा काम किए हैं। ईआरपीसी एक महत्वाकांक्षी योजना है, इसे लेकर केंद्र सरकार ने कोई मदद नहीं की। प्रदेश सरकार ने खुद ही बजट में इसका प्रावधान किया। सीएम गहलोत कह चुके हैं कि जितने भी संसाधन लगाने पड़े जाएं, परियोजना को आगे बढ़ाया जाएगा।

जयंत चौधरी ने कहा- हम इंडिया के घटक दल हैं। उत्तर प्रदेश, हरियाणा, राजस्थान में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। घटक दलों के आपसी टकराव और मतभेद होते हैं। इससे ऊपर उठकर हमें निर्णय लेने होंगे। हम उम्मीद करते हैं कि कांग्रेस अपना बड़ा दिल दिखाए। पिछली बार हम दो सीटों पर चुनाव लड़े थे, लेकिन अब हम विस्तार चाहते हैं। हमने दिखाया है कि हम दूसरे एलाइंस की तरह नहीं हैं। हम कहीं टस से मस नहीं हुए, उनके 99 जीते थे और हमारा 1 जीता था। जयंत चौधरी ने कहा- हम पर भरोसा किया जा सकता है। हम उम्मीद करते हैं कि हमें और भी जगह दी जाए। क्योंकि, लोकदल पुराना चेहरा है, हमारी पार्टी की पुरानी पहचान है। ऐसी सीट जो कांग्रेस न जीत पाई हो, वह हम जीतकर दिखा सकते हैं। सीकर, झुंझुनूं और नागौर में हमारी पार्टी का विस्तार हो। ब्रज का इलाका एक नेचुरल इलाका है, यहां के लोगों का मथुरा आना जाना रहा है। मैं मथुरा से सांसद रहा हूं, हर तरीके से लोग पहचानते हैं। लोकदल की अपनी एक अहमियत है। यहां हमारे पुराने स्थापित नेता भी रहे हैं। भरतपुर के कई ऐसे स्थापित लोग हैं जो चौधरी चरण सिंह के समय से करीबी रहे हैं।

# सरकार ने 9 आईपीएस और 2 आईएएस के किए ट्रांसफर

## 2 जिलों के एसपी और 1 कलेक्टर बदला

## एडीजी एसओजी का विजिलेंस में तबादला

जयपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनावों के मद्देनजर सरकार लगातार फील्ड अधिकारियों के ट्रांसफर कर रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने 9 आईपीएस और 2 आईएएस अधिकारियों के ट्रांसफर किए हैं।

कार्मिक विभाग ने आदेश जारी करते हुए आईएएस महावीर प्रसाद मीणा को कोटा कलेक्टर लगाया है। वहीं आईएएस ओम प्रकाश बुनकर का ट्रांसफर राजस्थान राज्य भंडारण निगम के एमडी पद पर किया है।

**9 आईपीएस अधिकारियों के भी हुए ट्रांसफर**

सरकार ने देर रात 9 आईपीएस अधिकारियों के भी तबादले किए हैं। इसमें सरकार ने एसओजी-एटीएस के एडीजी को बदल दिया है। अब आईपीएस अमृत कलश को एसओजी-एटीएस की कमान सौंपी गई है। आईपीएस अशोक राठौड़ एडीजी एसओजी-एटीएस पद से हटाकर एडीजी सर्तकता के पद पर लगाया गया है। चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार एक ही पद पर तीन साल से ज्यादा समय तक रहने वाले अधिकारियों के ट्रांसफर किए गए हैं। आईपीएस अशोक राठौड़ एडीजी एसओजी-एटीएस के पद पर पिछले तीन साल थे।

# खड़े ट्रेलर से जा टकराई स्लीपर बस

## भीषण हादसे में तीन लोगों की मौत; 24 अन्य घायल

भरतपुर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भरतपुर में आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर एक ट्रेलर और एक स्लीपर बस की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई, जबकि 24 लोग घायल हो गए। बस झुंझुनू से ग्वालियर जा रही थी।

राजस्थान के भरतपुर के चिकसाना थाना इलाके में आगरा जयपुर नेशनल हाईवे पर खड़े ट्रेलर में एक सवारियों से भरी बस जा टकराई। इस भीषण घटना में बस ड्राइवर, हेल्पर और एक सवारी की मौत हो गई। वहीं, 24 अन्य सवारियां घायल हो गईं। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सभी घायलों को RBM अस्पताल पहुंचाया गया। घटना देर रात दो बजे की है।

अंधेरे के कारण नहीं दिखा ट्रेलर

चिकसाना थाना अधिकारी विनोद कुमार ने बताया कि जयपुर आगरा नेशनल हाईवे से एक पत्थरों से भरा ट्रेलर निकल रहा था। तभी वह बरसो गांव के पास खराब हो गया और ड्राइवर ने उसे हाईवे के किनारे खड़ा कर दिया। वहीं, एक स्लीपर बस झुंझुनू से ग्वालियर जा रही थी। बस ड्राइवर को अंधेरे के कारण ट्रेलर नहीं दिखा और बस के ड्राइवर ने ट्रेलर में जोरदार टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। ट्रेलर में पत्थर भरे हुए थे।

ड्राइवर, हेल्पर समेत तीन लोगों की मौत

हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। 27 घायलों को एंबुलेंस की मदद से आरबीएम अस्पताल पहुंचाया गया। जहां ट्रक के ड्राइवर कमलेश (40) निवासी समसपुर झुंझुनू और हेल्पर विजेंद्र सिंह (40) निवासी महलों की ढाणी झुंझुनू को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दो घायलों की हालत नाजुक होने के कारण उन्हें जयपुर रेफर कर दिया। उनमें से बंटी (22) निवासी मुंशीपुरा ग्वालियर को मृत घोषित कर दिया गया। सुनील निवासी राजापार्क जयपुर का इलाज जयपुर में जारी है। बाकी 23 घायल आरबीएम अस्पताल में भर्ती हैं। पुलिस ने मृतकों के परिजनों को घटना की सूचना देर रात ही दे दी थी। फिलहाल सभी के शव मोर्चरी में रखे हुए हैं।

# कारतूस सप्लायर हिस्ट्रीशीटर गिरफ्तार

## बदमाश के खिलाफ पहले से दर्ज है 9 मामले

## अब तक चार बदमाश पकड़े जा चुके हैं

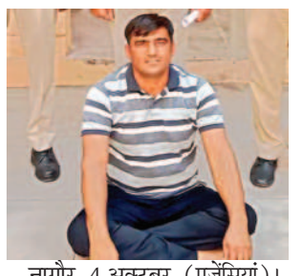

नागौर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। नागौर की कोतवाली थाना पुलिस ने कारतूस सप्लायर और हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले पुलिस ने बदमाश के चार साथियों को पहले से गिरफ्तार कर लिया था। बदमाश के पास से एक पिस्तौल और चार कारतूस भी बरामद किए है।

जानकारी के अनुसार 19 जुलाई को पुलिस की गश्त के दौरान सरकारी स्कूल के पास चैनार में एक कार्रवाई की गई थी। इसमें सांखला का बास चैनार रहने वाले 28 साल के आरोपी गोपीलाल साखला पुत्र बाबूलाल माली को गिरफ्तार किया है।

वहीं मामले में अवैध हथियार सप्लायर आरोपी कुम्हारी दरवाजा रहने वाले फिरोज खान पुत्र मुन्शी खान और आसिफ उर्फ मुन्ना पुत्र जाकिर हुसैन को पहले गिरफ्तार किया गया था।

इसी कड़ी में पुलिस की टीम ने डुकौसी रहने वाले 43 साल के सरवर खां पुत्र बाबू खां को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ पूर्व में कुल 9 मामले दर्ज है।

# पानी की मांग को लेकर सड़क पर उतरे किसान

## बोले, कमांड एरिया में होने के बाद भी चंबल के पानी से वंचित

## चंबल का पानी आलनिया डेम में डालने की मांग

कोटा, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। जिले के लाडपुरा व सांगोद तहसील के किसान पानी की मांग को लेकर सड़क पर उतरे हैं। बड़ी संख्या में क्षेत्र के किसानों ने कलेक्ट्रेट के बाहर धरना दिया। और चंबल का पानी आलनिया डेम में डालने की मांग की। किसानों का कहना है कि कमांड एरिया में होने के बाद भी 40 से 45 गांवों के लोग चंबल के पानी को तरस रहे है। किसानों ने जिला प्रशासन को ज्ञापन देकर 8 दिन में समस्या समाधान की मांग की। मांग पूरी नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार की चेतावनी दी।

किसान कुलदीप ने कहा कि लाडपुरा व सांगोद क्षेत्र के 40 से

45 गांवों के लोग सिंचाई के लिए आलनिया डेम पर निर्भर है। 33 फीट भराव क्षमता वाला आलनिया डेम हर बार खाली रह जाता है। जिस के चलते क्षेत्र की 7 हजार हेक्टयर जमीन पड़त रह जाती है। पानी नही मिलने से जानवरों भी अकाल मौत मरने लगते है। डेम को भरने के वैकल्पिक इंतजाम करने की मांग को लेकर कई बार मंत्री,अधिकारियों से लेकर जनप्रतिनिधियों को ज्ञापन दिया। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

पहले चंबल से निकली कैथून नहर से आसपास के गांवों के खेतों में सिंचाई होती थी। अब वहां प्लांनिग काट दी गई। किसानों की मांग है कि कैथून नहर से भीमपुरा उम्मेदगंज से आलनिया डेम को जोड़ा जाए। नहर के 5 से 7 किमी हिस्सा जुड़ने से आलनिया डेम तक चंबल का पानी पहुंचाया जाए। जिससे क्षेत्र के 40 से 45 गांवों के किसानों की पानी समस्या खत्म हो जाएगी। किसानों ने समस्या का समाधान नहीं होने पर चुनाव बहिष्कार व जनप्रतिनिधियों को गांव में नहीं घुसने देने की चेतावनी दी।

# बनास नदी में 2 छात्र डूबे, 1 की मौत, दूसरे की तलाश जारी

## जयपुर से माउंटआबू आया था 112 छात्रों का दल

माउंट आबू, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोताखोरों ने साढ़े 3 घंटे की मशक्कत के बाद बनास नदी से एक छात्र का शव बाहर निकाला। देर शाम तक दूसरे छात्र का पता नहीं चला। पुलिस ने परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया है।

राजस्थान की राजधानी जयपुर से 112 छात्रों का दल माउंटआबू घूमने के लिए पहुंचा। इस दौरान आबूरोड में बनास नदी में नहाने उतरे 2 छात्र पानी में डूब गए। इनमें से एक छात्र का शव नदी से बाहर निकाल लिया गया, जबकि दूसरे की तलाश जारी है। पानी में डूबे दोनों छात्र जयपुर के सांगानेर इलाके के केशर सेकेंडरी स्कूल में पढ़ते थे।

छात्रों के डूबने की सूचना पर स्थानीय गोताखोरों के साथ, एसडीआरएफ और माउंटआबू आपदा प्रबंधन दल मौके पर पहुंचा और तलाश शुरू की। करीब साढ़े 3 घंटे की मशक्कत के बाद एक छात्र का शव नदी से बाहर निकाला गया। लेकिन, देर शाम तक दूसरे छात्र का पता नहीं चला। पुलिस ने मृतक छात्र के परिजनों को सूचना देकर मौके पर बुलाया। फिलहाल, शव को मोर्चरी में रखवाया दिया गया है। गुरुवार को पीएम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

**शैक्षणिक भ्रमण पर आए थे मृतक छात्र**

आबूरोड शहर पुलिस थानाधिकारी बलभद्रसिंह के अनुसार मृतक प्रीतम बैरवा सांगानेर, जयपुर के केशर सेकेंडरी स्कूल का छात्र था। वह स्कूल के शैक्षणिक भ्रमण पर माउंट आबू घूमने आया था। छात्रों का दल राजवाड़ा पुल के समीप स्थित साईबाबा मंदिर धर्मशाला में ठहरा था।

# ड्रग्स सप्लाई करने जा रहे दो तस्कर गिफ्तार

## पुलिस को देख बाइक घुमाकर भागने लगे, 10 ग्राम एमडी पाउडर बरामद

बाड़मेर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालोतरा जिले की समदड़ी थाना पुलिस ने गश्त के दौरान दो तस्करों को गिरफ्तार उनके कब्जे से 10 ग्राम एमडी पाउडर बरामद किया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों युवक लंबे समय से मादक पदार्थ की सप्लाई कर रहे हैं। फिलहाल पुलिस दोनों आरोपियों से एमडी पाउडर की खरीद-फरोख्त को लेकर पूछताछ कर रही है। समदड़ी थानाधिकारी महेश गोयल के मुताबिक पुलिस के अनुसार अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ विशेष अभियान के तहत इलाके में गश्त की जा रही थी। खेजडीयाली से समदड़ी रोड पर रानीदेशीपुरा गांव में बाइक पर आ रहे दो युवकों

को रोकने का इशारा किया। इस पर युवक बाइक घुमा कर भागने लगे। पुलिस टीम ने पीछा कर बाइक को रुकवाया। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम भेंपाराम पुत्र मेकाराम, सुरेंद्र पुत्र धनाराम दोनों निवासी लूणावास जाटान पुलिस थाना झंवर जोधपुर बताया। दोनों युवकों की तलाशी ली गई तो इनके कब्जे से 10 ग्राम एमडी पाउडर मिला। इस पर पुलिस ने बाइक को जब्त कर दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। इनके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पूछताछ में सामने आया है कि आरोपी गांवों में मादक पदार्थों की सप्लाई करते थे।

## सरकारी टीचर ने स्कूल में स्टूडेंट से किया रेप

**प्रेग्नेंट होने पर अबॉर्शन का कहा, दवाई भी लाकर दी, अब फरार**

बाड़मेर, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकारी स्कूल में पढ़ाने वाले एक टीचर ने स्कूल की ही एक स्टूडेंट से रेप किया। जब वह प्रेग्नेंट हुई तो अबॉर्शन करवाने का दबाव बनाया और इसके लिए मेडिसिन भी लाकर दे दी। इससे पहले परिजन युवती को लेकर हॉस्पिटल पहुंचे तो पता चला कि वह डेढ़ महीने की गर्भवती है।

# अग्रवाल समाज दोमलगुड़ा शाखा की कार्यकारिणी सभा संपन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, तेलंगाना की दोमलगुडा शाखा की कार्यकारिंणी सभा विजय कुंचल के निवास पर संपन्न हुई। महाराजा श्री अग्रसेन की स्तुति और अध्यक्ष प्रदीप अग्रवाल द्वारा स्वागत संबोधन के पश्चात मानद मंत्री योगेश अग्रवाल ने पिछली कार्यकारिंणी की रिपोर्ट, गत महीनों मे संपन्न विभिन्न कार्यक्रम के साथ ही शाखा की भावी योजनाओं पर प्रकाश डाला। समाज की केंद्रीय समिति के द्वारा चल रही अखंड अग्र ज्योत रथ यात्रा का शाखा की तरफ से स्वागत का निर्णय और संबंधित तैयारियों पर विचार विमर्श करते हुए इस कार्यक्रम की जिम्मेदारि रश्मि अग्रवाल और सीमा अग्रवाल को संयोजिका के रूप मे दी गई।

शनिवार 14 अक्टूबर अमावश्या के दिन शाखा द्वारा संचालित हेल्थ क्लिनिक परिसर के समीप अन्न प्रसाद वितरण का कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया गया जिसकी जिम्मेदारी विजय कुंचल और विकास अग्रवाल को संयोजक के रूप मे दी गई। दिवाली के बाद रविवार , 25 नवंबर को नेकलेस रोड पर स्थित श्री हनुमान मंदिर मे अन्नकूट प्रसाद के आयोजन का निर्णय लिया गया। समाज की साधारण सभा मे संविधान संशोधन विषय के साथ ही इस अवसर पर उत्पन्न हुई परिस्थिति और इस विषय (संविधान संशोधन) से संबंधित अन्य विषयों पर चर्चा भी उक्त सभा मे की गई। महिला समिति की तरफ से उपस्थित सभी सदस्यों से महिला समिति द्वारा समय समय पर संपन्न होने विभिन्न कार्यक्रम मे सहयोग का निवेदन किया गया।

सभा के अंतर्गत ही शाखा द्वारा संचालित हेल्थ क्लिनिक की परिस्थिति और आर्थिक स्थिति पर भी चर्चा की गई। धन्यवाद प्रस्ताव रश्मि अग्रवाल ने दिया। उक्त सभा मे शाखा के परामर्शदाता गिरधारी लाल अग्रवाल, श्याम लाल अग्रवाल, गिरधारी लाल गुप्त, उपाध्यक्ष अनिल गर्ग, उप मंत्री प्रतीक अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य विजय जिंदल तथा डॉ. दिलीप पंसारी (निवर्तमान अध्यक्ष) और महिला समिति की उप संयोजिका सीमा अग्रवाल उपस्थित थीं।

## सिद्दीपेट में 1000 बेड का अस्पताल लोगों को समर्पित किया जाएगा

सिद्दीपेट, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिद्दीपेट के लोगों को अब सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज के लिए हैदराबाद या वारंगल या करीमनगर जाने की जरूरत नहीं होगी। यहां सरकारी मेडिकल कॉलेज से जुड़े 1,000 बिस्तरों वाले अस्पताल का उद्घाटन होने को तैयार है, जिसमें उस्मानिया जनरल अस्पताल और गांधी अस्पताल के बराबर सुविधाएं होंगी। एनसनपल्ली में 28 एकड़ भूमि पर बने इस अस्पताल में प्राथमिक उपचार से लेकर हृदय सर्जरी और कैंसर और किडनी की बीमारियों के इलाज तक कई तरह की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने की सुविधाएं होंगी। मौजूदा डायलिसिस सेंटर के अलावा, अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण की भी सुविधा होगी। चूंकि बड़ी संख्या में लोगों को कैंसर का पता चल रहा है, इसलिए अस्पताल कीमोथेरेपी सेवाएं प्रदान करने के लिए भी सुसज्जित होगा।

# अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत अणुव्रत कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अध्यात्म जगत के महान सूर्य महान तपस्वी अणुव्रत अनुशास्ता आचार्य श्री महाश्रमणजी की प्रबुद्ध शिष्या डॉ. मंगल प्रज्ञाजी की प्रेरणा से श्रीमती निर्मला बैद ने महबूब डिग्री कालेज में अणुव्रत का कार्यक्रम संपन्न किया। प्रिंसिपल रामाकृष्णा के स्वागत भाषण से कार्यक्रम शुरू हुआ। निर्मला बैद के बारे में जानकारी दी पिछले 20 साल से यहां पर प्रोग्राम दे रही है। अणुव्रत नियमों का बोर्ड भी दिया गया।

निर्मला बैद ने भलामर के श्लोक व तुलसी अष्टकम से कार्यक्रम की शुरूआत की। बच्चों में अच्छे संस्कार भावात्मक शुद्धि मन की एकाग्रता के बारे में कई उदाहरणों द्वारा बताया गया। अच्छी संगति के परिणाम व बुरी संगति के परिणाम के बारे में बताया। नशा मुक्त रहने के लिए कुछ उपाय बताये गये। क्रोध, अहंकार से मुक्त रहकर विनम्रता व सहनशीलता को प्रश्रय दें। लडकियों को बताया कि वे दो घरों को सवारती हैं, इसलिए उन्हें सजगता से भविष्य उज्ज्वल बनाने के लिए ईमानदारी के साथ मेहनत करें। इसमें बच्चों ने अनुशासन व ईमानदारी से स्थिरता से भाग लिया। हनुमान जिनेन्द्र ने तेलुगु, हिन्दी, अंग्रेजी में अणुव्रत के नियम बताये।

## कैबिनेट ने सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दी

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम, 2009 में और संशोधन करने के लिए एक विधेयक, अर्थात् केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन), विधेयक, 2023 को संसद में पेश करने की मंजूरी दे दी। आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम, 2014 (2014 की संख्या 6) की तेरहवीं अनुसूची में दिए गए अनुसार तेलंगाना राज्य के मुलुगु जिले में सम्मक्का सरक्का केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दे दी गई।

## हिन्दी महाविद्यालय के छात्र पुरस्कृत

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा में संपन्न हिन्दी दिवस कार्यक्रम में भाषण प्रतियोगिता में हिन्दी महाविद्यालय के छात्र पुरस्कृत किये गये।

प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा खैरताबाद में संपन्न हिन्दी दिवस के उपलक्ष्य में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें हिन्दी महाविद्यालय के स्नातक तथा इंटर के 5 छात्रों ने भी हिस्सा लिया। जिनमें से स्नातक तृतीय वर्ष के छात्र आनंद कुमार को द्वितीय पुरसकार, इंटर द्वितीय वर्ष के छात्र मृत्युंजय त्रिपाठी को द्वितीय पुरस्कार तथा इंटर द्वितीय वर्ष के छात्र निखिल कुमार को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। सभी विजेताओं को गांधी जयंती के दिन हिन्दी पखवाड़ा समारोह के समापन पर स्मृति चिह्न एवं नगद देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. बी. श्रीदेवी, उप-प्राचार्या श्रीमती अश्विनी सनपुरकर ने छात्रों को बधाई दी तथा राजनीति शास्त्र विभाग प्राध्यापिका श्रीमती अर्चना पाण्डेय कार्यक्रम में छात्रों के साथ उपस्थित रही।

## अग्रवाल समाज कुक्कटपल्ली पूर्वांचल शाखा द्वारा वृक्षारोपण किया गया

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज कुक्कटपल्ली तेलंगाना (पूर्वांचल) शाखा अध्यक्ष सीमा जैन की अध्यक्षता में बड़ी ही धूमधाम से वृक्षारोपण गोंगलूर गांव नारायणन खेड के पास किया गया। इसमें अग्रवाल समाज के बहुत सारे बंधुओ के साथ-साथ उसी गांव के पंचायत मुखिया, सरपंच डिप्टी कमिश्नर, और वहां के वासिदों ने आगे इन सारे झाड़ों की पूरी देखरेख का जिम्मा लिया। ये झाड़ पीपल, नीम, बरगद, अशोका, यह सारे झाड़ो को लगाया गया। वह सीनियर सिटीजंस को सम्मान भी किया गया। कार्यक्रम में मेघराज अग्रवाल, वासुदेव खेतान, विपुल झुनझुनवाला, केंद्रीय समिति मेंबर सुशील अग्रवाल, अतुल अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, आशुतोष, शिवानी, निधि, दीपाली अग्रवाल, विधु अग्रवाल, और बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

# भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान में हिंदी प्रतियोगिताएं संपन्न

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में जारी हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत आज, 04 अक्तूबर, 2023 को हिंदी शब्द शक्ति एवं हिंदी में साक्षात्कार प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। हिंदी शब्द शक्ति प्रतियोगिता का उद्देश्य सहभागियों के हिंदी शब्द भंडार का परीक्षण था, जबकि हिंदी में साक्षात्कार का प्रयोजन पत्रकार व अन्य साक्षात्कारकर्ता आदि के साथ हिंदी में संवाद का आकलन करना था। संस्थान में कार्यरत सभी (वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि) संवर्ग के लगभग 20 सहभागियों ने उक्त प्रतियोगिताओं में भाग लिया। साक्षात्कार के दौरान सहभागियों ने भाश्रीअनुसं/श्री अन्न का भावी परिदृश्य, अनेकता में एकता प्रदर्शित करती हिंदी, स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत आदि विषयों पर चर्चा की तथा श्रोतागण का ज्ञानवर्धन किया। डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक तथा श्रीमती डी रेवती, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी एवं डॉ. सी अरुणा रेड्डी तथा डॉ. ए वी उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिकों ने प्रतियोगिता के दौरान निर्णायकों की भूमिका निभाई। इस पूरे कार्यक्रम का समन्वय एवं संचालन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) के द्वारा किया गया।

ऋषि श्रृंग संस्थान हरणी महादेव भीलवाड़ा के तत्वावधान में 7 मार्च 2024 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय सामूहिक विवाह के आयोजन के संदर्भ में आज हैदराबाद में एक सभा का आयोजन हुआ, जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष किशनलाल उपाध्याय खाचरोल, उपाध्यक्ष सुरेश कुमार व्यास एवं मंत्रिमंडल के अन्य सदस्यों की सहमति से वरिष्ठ समाजसेवी रामदेव नागला को राष्ट्रीय आदर्श सामूहिक विवाह समिति का पूरे दक्षिण भारत का प्रभारी नियुक्त किया गया।

लोध क्षत्रिय समाज कावड़ सेवा संघ द्वारा शिव मंदिर, मंगलहाट से महाकालेश्वर शिव मंदिर, गंगाबावली तक शुरू हुई कलश यात्रा में भाग लेते हुए आयोजक मुनीश सिंह, महेशपाल सिंह, पूर्व पार्षद परमेश्वरी सिंह, शंकर सिंह, शशिराज सिंह, वाई नागिरेड्डी व अन्य।

## जुक्कल विधायक ने विविध विकासात्मक कार्य का भूमि पूजन किया

मदनूर, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्थानीय सरपंच सुरेश दरासवार की अध्यक्षता के साथ मदनूर भारसा पार्टी मंडल अध्यक्ष बशी पटेल के नेतृत्व में बुधवार के दिन जुक्कल विधायक हनमंत शिंदे द्वारा विविध गांव में विकासात्मक कार्य का भूमि पूजन किया गया। विधायक ने जनता को संबोधित करते हुए बताए की मदनूर जूनियर कॉलेज कमांड वाल निर्माण के लिय 5 लाख रूपये मदनूर मंडल केंद्र में बीटी सड़क के साथ सेंट्रिंग लाइट निर्माण करने के लिय 9 करोड़ रुपए मंजूर किया गया है। इस के साथ-साथ मदनूर मंडल गोजेगांव गांव में उच्चस्तरीय पुल व गोजेगाव से लेकर महाराष्ट्र सीमा तक बीटी रोड का नवीनीकरण, के लिय 5.5 करोड़ आरबी रोड से लेकर सोमूर गांव तक बीटी रोड 60 लाख, हाईवे रोड से लेकर राचुर गांव तक बीटी रोड निर्माण के लिय 2 करोड़ 70 लाख, धनुर गांव में कमेटी भवन निर्माण के लिय 5 लाख मंजूर किये गये। इस समय मंडल विकास अध्यक्ष वागमारे लक्ष्मीबाई, मदूर सोसायटी अध्यक्ष श्रीनिवास पाटील, गंगाधर, विविध गांव के सरपंच, एमपीटीसी के साथ काशीनाथ पाटील, इरवांत देसाई, शिवाजी राठौड़ एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

# नवरात्रि उत्सव की तैयारी पर हुई बैठक

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस हॉकी ग्राउंड, बेगमपेट में अन्विता 15 से 23 अक्टूबर तक आयोजित होने वाले नवकार नवरात्रि उत्सव सीजन-6 की तैयारी पर चर्चा के लिए आज एक बैठक आयोजित की गई। कार्यक्रम का संचालन कविता जैन और सलोनी जैन द्वारा किया जाएगा। मां-बेटी की जोड़ी अपने 9 दिवसीय पारंपरिक कार्यक्रम के सीजन 6 का आयोजन कर रही है।

नवकार एंटरटेनमेंट ने प्रसिद्ध सोशलाइट सुश्री बीना मेहता और गुजराती सोशल वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी के साथ जलपान, सोमाजीगुडा में 100 प्रतिभागियों के लिए मुफ्त गरबा कार्यशाला के बाद एक ग्रैंड पास लॉन्च का आयोजन किया। इस अवसर पर सुश्री कविता जैन ने कहा कि नवकार नवरात्रि उत्सव पूरी तरह व्यवस्थित रूप से किया जाएगा। इस अवसर पर सुलेमानजी, पायल सराफ, विजय सुराणा, पवन पंड्या, सुरेश मेल, मीना नविंदर, अनन्या सिमिलई, ममता जैन, पायल जैन, मंजू अग्रवाल, रिया, रीना अग्रवाल, श्रुति, कोमल, प्रीति, झलक आदि उपस्थित रहे।

# तेलंगाना में छत्रपति शिवाजी महाराज महा रथयात्रा 8 अक्टूबर से

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। छत्रपति शिवाजी महाराज का हिंदू पद सदासाही के रूप में राज्याभिषेक किए हुए 350 वर्ष होने के पावन अवसर पर छत्रपति शिवाजी स्पुर्ती केन्द्र, श्रीशैलम, आन्ध्रप्रदेश द्वारा तेलंगाना व आन्ध्रप्रदेश में 8अक्टूबर से रथ यात्राओं का आयोजन किया जाएगा। हैदराबाद के कोठी स्तिथ मिथिला कॉम्पलेक्स में प्रमुख गौसेवक जसमत भाई पटेल के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम के दौरान कार्यक्रम के संयोजक किशोर ने बताया कि रथ यात्रा का तेलंगाना क्षेत्र में पहले चरण में 8 तारीख़ से अमलापुरम्-जोगुलम्बा शक्ति मंदिर से शुरू होकर गढ़वाल, आत्माकूर, नारायणपेट, मैरिकल ,देवरकद्रा, महबूबनगर, जडचर्ला, शाद नगर, विकाराबाद, संगारेड्डी, बोइनपल्ली, से होते हुए कुक्कटपल्ली तक होगी जहां सार्वजनिक बैठक की जायेगी। दूसरे चरण में बसरा से भाग्यनगर तक तथा तीसरे चरण में भद्राचलम से भाग्यलक्ष्मी मंदिर भाग्यनगर तक ऊपर वर्णित पहले चरण के बाद 2,3 चरणों में (चुनावी प्रकिया के दौरान अनुमति के आधार पर) की जाएगी। कार्यक्रम में देश भर के साधू-संत, अखाड़ा परिषद, संत परिषद,पीठ्म् मठ् के वरिष्ठ संतों के साथ तेलंगाना के गौरक्षक गौसेवक उपस्तिथ रहेंगे। कार्यक्रम के प्रचार प्रसार हेतु भाग्यनगर के गौसेवकों द्वारा प्रचार रथ की व्यवस्था की जाएगी। कार्यक्रम में सीए जसराज श्री श्रीमाल,जसमत भाई पटेल,आर के जैन, बालाकृष्ण गुरु स्वामी, मुकेश जैन चौहान, राजेश व्यास, श्रीराम कुमार जोशी, ओमसिंह राजपुरोहित, भवानी सिंह राजपुरोहित, टी श्रीनिवास यादव, प्रीतम पटेल, सीएच उदय कुमार, वाई वैंकट प्रवीण उपस्थित थे।

# हैदराबाद विश्वविद्यालय में 'दक्षिण भारतीय साहित्य' पर राष्ट्रीय संगोष्ठी 6 को

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय और केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के संयुक्त तत्त्वावधान में "आधुनिक दक्षिण भारतीय साहित्य : सामाजिकएवं सांस्कृतिक परिदृश्य' पर 6 अक्तूबर को विश्वविद्यालय के मानविकी सभागार में एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें केंद्रीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली की पत्रिका समकालीन भारतीय साहित्य के संपादक एवं वरिष्ठ कथाकार, व्यंग्यकार एवं पत्रकार बलराम मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे। इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा के निदशक प्रो. सुनील बाबुराव कुलकर्णी, सम्मानीय अतिथि के रूप में प्रो. आर.एस. सर्राजु उपस्थिति होंगे। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता मानविकी संकाय के अध्यक्ष प्रो. वी. कृष्ण करेंगे। हिंदी विभाग के अध्यक्ष प्रो. गजेन्द्र पाठक स्वागत वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। डॉ. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र, प्रो. माणिक्यांबा "मणि' (हैदराबाद), प्रो. सुनीता मंजनबैल (कर्नाटक), प्रो. एस.वी.एस.एस. नारायण राजु (तमिलनाडु), प्रो. अन्नपूर्णा (हैदराबाद), डॉ. मोहनन (केरल), डॉ. सुमीत पी.वी. (केरल), डॉ.वासुदेवन शेष (तमिलनाडु), डॉ. अनुपमा (हैदराबाद), डॉ. सुधा देवी (हैदराबाद), डॉ. भीमसिंह, डॉ. जी.वी. रत्नाकार (हैदराबाद) विशिष्ट वक्तव्य प्रस्तुत करेंगे। इनके साथ-साथ जैकलीन (केरल), श्रीराज (केरल), डॉ. सिरिसिल्ला चंदना (हैदराबाद), रूपा प्रभू (हैदराबाद) और हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय के बीस अधिक विद्यार्थी एवं शोधार्थी अपना प्रपत्र वाचन करेंगे। संगोष्ठी के संयोजक डॉ. जे. आत्माराम, हिंदी विभाग, हैदराबाद विश्वविद्यालय नगर द्वय के सभी साहित्य-प्रेमियों से इस संगोष्ठी में भाग लेने का अनुरोध किया है ।

## अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा अखंड अग्र ज्योति यात्रा का स्वागत

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा श्री अग्रसेन महाराज की 5147वीं जयंती पर अखंड अग्र ज्योति यात्रा का बड़े ही भव्य रूप से अग्रवाल समाज मलकपेट शाखा द्वारा स्वागत किया गया। मलकपेट हनुमान मंदिर स्थित श्री ग्यारसी लालजी के प्रतिष्ठान पर पूजा एवं अर्चना का आयोजन किया गया। अवसर पर शाखा की सदस्यों ने बड़े ही भव्य रूप से इस यात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। रथ यात्रा विभिन्न मार्गो से होते हुए प्रोफेसर कॉलोनी स्थित केंद्रीय समिति सदस्य राजकुमार गुप्ता के निवास स्थान पर उनके पारिवारिक सदस्यों ने पूजा एवं अर्चना की। अवसर पर मलकपेट शाखा के अध्यक्ष पंकज सघी, उपाध्यक्ष अशोक अग्रवाल, सचिव प्रदीप बंसल, उपसचिव शैलेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सत्यनारायण मोदी, केंद्रीय समिति सदस्य लाजपत राय गुप्ता, राजकुमार गुप्ता, परामर्शदाता महावीर प्रसाद अग्रवाल, गोविंद नारायण मोदी, इंदरलाल सिंघानिया, सतीश बंसल, गोपाल मोदी, श्यामलाल, जितेश सिंघानिया तथा युवा मोर्चा से निश्चित अग्रवाल, आशीष बंसल, केंद्र से ईश्वर बंसल, मूसारामबाग शाखा से हरगोविंद अग्रवाल, विनोद गुप्ता, कोत्तापेट शाखा से अशोक जिंदल आदि उपस्थित रहे।

## अग्रवाल समाज बशीरबाग आदर्श नगर शाखा द्वारा रथ यात्रा का स्वागत

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज बशीरबाग आदर्श नगर शाखा द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की अग्र अखंड ज्योत रथ यात्रा का स्वागत आदर्श नगर में किया गया, जिसमें अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नवीन कुमार अग्रवाल, शाखा के अध्यक्ष अशोक कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष गोविंद केडिया, कोषाध्यक्ष महेंदर अग्रवाल, केंद्रीय समिति सदस्य कैलाश चंद केडिया, कमल, बिकी सराफ, फथेचंद मित्तल आदि उपस्थित थे।

गोशामहल विधानसभा के विजय खेल मैदान में तेलंगाना क्रीड़ा प्रांगण में खेल सामग्री का वितरण मुख्य अतिथि विधायक टी. राजा सिंह व जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल के नेतृत्व में किया गया। उपस्थित हैं गोशामहल पार्षद लाल सिंह, श्रीमती एम. शशिकाला, पांडु यादव, माधवी मेदाम, कृष्णा, राकेश, रामकृष्ण, राजा जौहरी व अन्य।

# इस बार वर्ल्ड कप ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

## बीसीसीआई ने कहा- हमने कभी नहीं कहा कि उद्घाटन समारोह होगा; कैप्टेंस डे सेरेमनी होगी

अहमदाबाद, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे वर्ल्ड कप 2023 में ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। बीसीसीआई सूत्रों ने नाम न छापने की शर्त पर भास्कर को बताया कि इस बार वर्ल्ड कप की ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी। 4 अक्टूबर को कैप्टेंस डे सेरेमनी या परेड होनी है। यह पहले से तय प्रोग्राम के मुताबिक ही होगी। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में यह सेरेमनी होगी।

रिपोर्ट्स के मुताबिक टूर्नामेंट में क्लोजिंग सेरेमनी जरूर होगी। इसके अलावा भारत और पाकिस्तान के मैच के पहले भी एक स्पेशल इवेंट होस्ट किया जाएगा। इसकी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है।

बीसीसीआई सूत्रों के मुताबिक ओपनिंग सेरेमनी का तो कोई प्लान ही नहीं था। लिहाजा इसे कैंसिल किए जाने का सवाल ही नहीं उठता।

**4 अक्टूबर को होनी थी ओपनिंग सेरेमनी**

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक वर्ल्ड कप 2023 की ऑफिशियल ओपनिंग सेरेमनी 4 अक्टूबर को होनी थी। इसके अगले दिन यानी पांच अक्टूबर को पहला मैच खेला जाएगा। फैन्स को भी इस ओपनिंग सेरेमनी का बेसब्री से इंतजार था।

रिपोर्ट्स के मुताबिक ओपनिंग सेरेमनी में बॉलीवुड स्टार रणवीर सिंह, सिंगर अरिजीत सिंह, एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया, सिंगर श्रेया घोषाल और लिजेंड्री सिंगर आशा भोसले परफॉर्म करने वालीं थीं। इसके अलावा आतिशबाजी और लेजर शो भी होना था।

4 अक्टूबर को कैप्टेंस डे परेड जरूर होगी। इस दौरान वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने वालीं सभी 10 टीमों के कप्तान अपने-अपने देश की जर्सी में मौजूद रहेंगे। इस फंक्शन के बाद सभी कप्तान उन शहरों के लिए रवाना हो जाएंगे, जहां उनकी टीमों को पहला मुकाबला खेलना है।

**खालिस्तानी आतंकी पन्नू ने धमकी दी थी**

सिख फॉर जस्टिस के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत में होने वाले क्रिकेट वर्ल्ड कप को लेकर धमकी दी थी।

कुछ दिन पहले उसकी तरफ से एक ऑडियो जारी किया गया था। इसमें उसने कहा था- 5 अक्टूबर को क्रिकेट वर्ल्ड कप नहीं, आतंकवाद वर्ल्ड कप की शुरुआत होगी। गुजरात के अहमदाबाद स्थित नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मैच के दिन खालिस्तानी झंडों का सैलाब आएगा। हमारे साथी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या का बदला लिया जाएगा।

# आईसीसी ने सचिन को वर्ल्डकप का ग्लोबल ब्रांड एम्बेस्डर बनाया

## तेंदुलकर बोले- वर्ल्ड कप की मेरे दिल में खास जगह

दुबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। सचिन तेंदुलकर वनडे वर्ल्ड कप के ग्लोबल ब्रांड एंबेस्डर बनाए गए हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने उन्हें यह सम्मान दिया। वर्ल्ड कप का आगाज 5 अक्टूबर को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होगा।

तेंदुलकर यहां ट्रॉफी लेकर पहुंचेंगे। इसके बाद वर्ल्ड कप का आगाज होगा। टूर्नामेंट का पहला मुकाबला इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बीच खेला जाएगा। दोनों टीम 2019 वर्ल्ड कप की फाइनलिस्ट हैं।

2011 वर्ल्ड कप जीतना सबसे गौरवपूर्ण पल रहा

ग्लोबल ब्रांड एंबेसडर बनाए जाने के बाद सचिन ने कहा- वर्ल्ड कप का मेरे दिल में खास स्थान रहा है। 1987 में बॉल बॉय से लेकर 6 बार देश का

प्रतिनिधित्व करना और 2011 का वर्ल्ड कप जीतना मेरे लिए सबसे गौरवपूर्ण पल रहा। भारत में हो रहे विश्व कप में इतनी टीमें और खिलाड़ी मजबूती से लड़ने वाले हैं। मैं इस टूर्नामेंट को लेकर उत्साहित हूं। मुझे उम्मीद है कि यह एडिशन बच्चों को खेलों में आने और देश का प्रतिनिधित्व करने की प्रेरणा देगा।

विव रिचर्ड्स, डिविलियर्स और मुथैया मुरलीधरन भी ब्रांड एंबेस्डर

आईसीसी ने विवियन रिचर्ड्स, एबी डिविलियर्स, ऑएन मॉर्गन, एरोन फिंच, मुथैया मुरलीधन, रॉस टेलर, सुरेश रैना, मिताली राज और मोहम्मद हफीज को ब्रांड एम्बेसडर बनाया गया है।

6 वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे तेंदुलकर

सचिन तेंदुलकर 6 वनडे वर्ल्ड कप में टीम इंडिया का हिस्सा रहे। उन्होंने 1992 से 2011 तक 45 वर्ल्ड कप मैचों में देश कका प्रतिनिधित्व किया। इन मैचों में तेंदुलकर ने 56.95 के एवरेज से 2278 रन बनाए। इनमें 6 सेंचुरी और 15 हाफ सेंचुरी शामिल हैं।

भारत का पहला मैच 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से

टीम इंडिया का पहला मुकाबला 8 अक्टूबर को ऑस्ट्रेलिया से होगा। यह मुकाबला चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में खेला जाएगा।

# क्या 2023 में खत्म होगा भारतीय फैंस का ट्रॉफी का इंतजार? कप्तान रोहित ने दिया जवाब

मुंबई, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। वनडे विश्व कप 2023 के लिए सिर्फ एक दिन बचा है, रोहित शर्मा एंड कंपनी से ट्रॉफी के सूखे को तोड़ने की उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गई हैं।

भारत को आईसीसी ट्रॉफी पर कब्ज़ा जमाए हुए एक दशक से अधिक समय हो गया है। जब भारत ने 2013 में एमएस धोनी के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती थी तब रोहित शर्मा उस टीम का हिस्सा थे।

2013 से, भारत तीनों प्रारूपों में नौ आईसीसी आयोजनों का हिस्सा रहा है, लेकिन वे आईसीसी ट्रॉफी जीतने में असफल रहे हैं। कुछ विशेषज्ञ तो भारत को नया चोकर्स भी कहने लगे हैं। अब, वनडे विश्व कप 2023 के लिए सिर्फ एक दिन बचा है, रोहित शर्मा एंड कंपनी से ट्रॉफी के सूखे को तोड़ने की उम्मीदें एक बार फिर बढ़ गई हैं।

**क्या भारत जीतेगा 2023 का विश्वकप?**

भारत घरेलू विश्व कप खेल रहा है, इसलिए रोहित और टीम पर काफी दबाव है। क्या इस साल भारत आख़िरकार तीसरी बार विश्व कप जीतेगा? जब रोहित शर्मा से पूछा गया कि क्या भारत में इतनी दूर तक जाने की क्षमता है, तो कप्तान ने बहुत ही कूटनीतिक जवाब दिया।

# विश्वकप से पहले ही बड़ा उलटफेर, अफगानिस्तान ने चैंपियन टीम को दी मात

खेल डेस्क, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। क्रिकेट वर्ल्ड कप 2023 की शुरुआत से पहले अफगानिस्तान ने अपनी मजबूती का प्रमाण दिया है।

भारत में खेले जाने वाले वर्ल्ड कप की शुरुआत से पहले ही बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। दरअसल वार्म-अप मैच में अफगानिस्तान की टीम ने 1996 वर्ल्ड कप की चैंपियन श्रीलंका को मात दे दी है। इस प्रकार अफगानिस्तान ने बता दिया है कि उन्हें भी विश्वकप में हल्के में नहीं लिया जा सकता।

बारिश से प्रभावित मैच में श्रीलंका की टीम पहले बल्लेबाजी करने उतरी। टीम की तरफ से कुशल मेंडिस के अलावा कोई भी बल्लेबाज कुछ कमाल नहीं कर सका जिसके चलते उन्होंने बोर्ड पर

46.2 ओवर में 294 रन बनाए। वहीं बाद में बारिश के चलते अफगानिस्तान को 42 ओवर में 257 रनों का लक्ष्य मिला जिसे उन्होंने आसानी से हासिल कर लिया।

**ऐसी रही श्रीलंका की पारी**

पहले बल्लेबाजी करते हुए, दिमुथ करुणारत्ने के जल्दी आउट होने के बाद मेंडिस क्रीज पर आए और तेजी से अपनी लय में आ गए। वह तेजी से 59 गेंदों में शतक बनाने में सफल रहे।

19 चौकों और छह छक्कों सहित 158 के स्कोर पर मेंडिस 30वें ओवर की समाप्ति पर रिटायर हुए। इसके बाद अफगानिस्तान ने गेंद से जलवा बिखेरा। मोहम्मद नबी ने 4/44 का स्पेल डाला जिससे श्रीलंका 22 गेंदें शेष रहते ही 294 पर ऑलआउट हो गई।

**ऐसी रही अफगानिस्तान की पारी**

कसुन राजिथा ने खराब शुरूआती स्पैल के बीच इब्राहिम जादरान का विकेट लिया। लेकिन रहमानुल्लाह गुरबाज़ और रहमत शाह को हटाना अधिक कठिन साबित हुआ।इस जोड़ी की शतकीय साझेदारी बारिश की देरी के बावजूद हुई, जिसके बाद लक्ष्य को 42 ओवरों में 257 पर समायोजित किया गया, और जैसे ही लक्ष्य सामने आया, दोनों ने और तेजी दिखाई।

रहमानुल्लाह ने 31वें ओवर में तीन छक्के लगाए और फिर अगले ओवर में लगातार तीन बार गेंद को छकाया, जिससे उन्होंने अपना शतक भी पूरा किया।वह और रहमत दोनों कुछ देर बाद ही रिटायर हो गए लेकिन उन्होंने 212 रन की विशाल साझेदारी की। अज़मतुल्लाह उमरज़ई ने अंत में आकर विजयी रन बनाए।

# भारत को कैसे मिला16वां स्वर्ण

## ज्योति-ओजस ने रचा इतिहास; 16 में 15 तीर सटीक निशाने पर दागे

हांगझोऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्योति सुरेखा और ओजस देवतले ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेल 2023 में भारत को 16वां स्वर्ण पदक दिलाया। भारतीय तीरंदाजों ने 16 तीर चलाए और इनमें से 15 सटीक निशाने पर लगे। सिर्फ एक तीर ऐसा था, जिसमें नौ अंक हासिल हुए। इस तरह भारतीय जोड़ी ने 159 का स्कोर बनाया और स्वर्ण पदक जीता।

एशियाई खेल 2023 में भारत ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। भारत की झोली में 16 स्वर्ण सहित 71 पदक आ चुके हैं। अब तक एशियाई खेलों में भारत ने अपना सबसे बेहतरीन प्रदर्शन 2018 में किया था। तब भारत ने कुल 70 पदक जीते थे। एशियाई खेलों के 11वें दिन ज्योति सुरेखा और ओजस देवतले की जोड़ी ने देश को 71वां पदक दिलाया और एशियाई खेल 2023 को भारत के लिए यादगार बना दिया।

तीरंदाजी की मिश्रित स्पर्धा में भारतीय जोड़ी ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। यह मौजूदा एशियाई खेलों में भारत को 16वां स्वर्ण था। फाइनल मुकाबले में भारत ने दक्षिण कोरिया को 159-158 के अंतर से हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आइए जानते हैं कि भारतीय जोड़ी ने कैसे स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पहला राउंडः भारत के दोनों तीरंदाजों ने दोनों प्रयास में 10-10 अंक हासिल किए और भारत को पूरे 40 अंक मिले। वहीं, दक्षिण कोरिया के तीरंदाजों ने एक प्रयास में नौ अंक हासिल किए। पहले राउंड के बाद स्कोर 40-39 से भारत के पक्ष में था।

दूसरा राउंडः कोरियाई जोड़ी ने पहले प्रयास किया और सभी चार तीर सटीक निशाने पर दागकर 40 अंक हासिल किए। भारतीय तीरंदाजों ने भी कोई गलती नहीं की और पूरे 40 अंक हासिल किए। दूसरे राउंड के बाद भारतीय टीम 80-79 के स्कोर से आगे रही।

तीसरा राउंडः कोरियाई तीरंदाजों ने दबाव में अच्छा प्रदर्शन किया और पूरे 40 अंक हासिल किए। भारत की तरफ से ओजस ने एक प्रयास में नौ अंक हासिल किए और भारत की बढ़त खत्म हो गई। तीसरा राउंड खत्म होने के बाद दोनों टीमें 119-119 के स्कोर के साथ बराबरी पर रहीं।

चौथा राउंडः भारतीय ने पहले प्रयास किया और दोनों तीरंदाजों ने 10 अंक हासिल किए। वहीं, कोरिया के जू नौ अंक ही हासिल कर पाए। भारत के पास एक अंक की बढ़त हो गई। अपने आखिरी प्रयास में चारों तीरंदाजों ने 10 अंक हासिल किए। हालांकि, जू की गलती के चलते अंत में भारतीय टीम 159-158 के स्कोर से आगे रही और स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

भारत के लिए ज्योति ने शानदार प्रदर्शन किया और सभी आठ प्रयासों में सटीक निशाने पर तीर दागे। उन्होंने पूरे 80 अंक हासिल किए। वहीं, तेजस एक प्रयास में नौ ही अंक हासिल कर पाए थे। उन्होंने अपने आठ प्रयासों में 79 अंक हासिल किए।

# भारत ने पहली बार 70 से ज्यादा पदक जीते

## 1951 से लेकर अब तक; कब कितने पदक मिले

हांगझोऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत ने 2018 में इंडोनेशिया में हुए एशियाई खेलों में कुल 70 पदक जीते थे। यह अब तक का भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इस बार भारतीय खिलाड़ियों ने 11वें दिन की शुरुआत में ही 71वां पदक हासिल कर सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।

2023 एशियाई खेलों में भारत का शानदार प्रदर्शन जारी है। 11वें दिन की सुबह भारत की झोली में दो पदक आए। पहला पदक 35 किलोमीटर दौड़ में था और दूसरा पदक तीरंदाजी में था। शुरुआती 10 दिन में 69 पदक हासिल करने वाले भारत ने 11वें दिन 71 का जादुई आंकड़ा छुआ और पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए। एशियाई खेलों के इतिहास में यह भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले कभी भी भारत ने एशियाई खेल में 71 पदक नहीं जीते थे। ज्योति सुरेखा और ओजस देवतले की जोड़ी ने मिश्रित तीरंदाजी प्रतिस्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल कर भारत को 71वां पदक दिलाया। आइए जानते हैं अब तक एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन कैसा रहा है।

एशियाई खेलों की शुरुआत 1951 में हुई थी। दिल्ली में इसका आयोजन किया गया था और मेजबान भारत ने कुल 51 पदक जीते थे। इसमें 15 स्वर्ण, 16 रजत और 20 कांस्य पदक शामिल थे। पदक तालिका में भारत दूसरे स्थान पर था। हालांकि, इसके बाद भारत को 50 पदक हासिल करने के लिए 31 साल का

**एशियाई खेलों में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन**

| साल | रैंक | स्वर्ण | रजत | कांस्य | कुल पदक |
|---|---|---|---|---|---|
| 2023 | 4 | 16 | 26 | 31 | 73* |
| 2018 | 8 | 16 | 23 | 31 | 70 |
| 2010 | 6 | 14 | 17 | 34 | 65 |
| 1982 | 5 | 13 | 19 | 25 | 57 |
| 2014 | 8 | 11 | 10 | 36 | 57 |

*2023 के पदकों की संख्या चार अक्तूबर दोपहर एक बजे की स्थिति के मुताबिक है

इंतजार करना पड़ा। 1982 में नई दिल्ली में आयोजित एशियाई खेलों में भारत ने 13 स्वर्ण सहित 57 पदक जीते। 1954 में भारत ने कुल 17 और 1958 में सिर्फ 13 पदक जीते, जबकि 1951 में भारत ने 15 स्वर्ण जीते थे।

1990 में ऐसा मौका भी आया, जब पदक तालिका में भारत शीर्ष 10 में भी नहीं था। इस साल भी भारत के पास सिर्फ 23 पदक थे। इसमें सिर्फ एक स्वर्ण पदक था। 1998 से भारत के प्रदर्शन में सुधार आया और 2006 में पहली बार भारत ने घर से बाहर 50 से ज्यादा पदक जीते। इसके बाद से भारत लगातार 50 से ज्यादा पदक जीतता आया है। 2010 में भारत ने 65 पदक जीते और सबसे ज्यादा पदकों का नया कीर्तिमान हासिल किया। 2018 में भारत ने इसे बेहतर किया और 70 पदक जीते। अब 2023 में भारत ने 71 से ज्यादा पदक हासिल कर लिए हैं और कई अन्य प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी फाइनल में पहुंचकर पदक पक्का कर चुके हैं। ऐसे में भारतीय खिलाड़ियों का सफलता की नई कहानी लिखना तय है। भारतीय एथलीट इस बार 100 पार का नारा लेकर हांगझोऊ रवाना हुए थे। ऐसे में सभी को इस साल भारत की झोली में 100 पदकों की उम्मीद है।

**एशियाई खेलों में भारत का प्रदर्शन**

| साल | स्वर्ण | रजत | कांस्य | कुल पदक |
|---|---|---|---|---|
| 1951 | 15 | 16 | 20 | 51 |
| 1954 | 5 | 4 | 8 | 17 |
| 1958 | 5 | 4 | 4 | 13 |
| 1962 | 10 | 13 | 10 | 33 |
| 1966 | 7 | 3 | 11 | 21 |
| 1970 | 6 | 9 | 10 | 25 |
| 1974 | 4 | 12 | 12 | 28 |
| 1978 | 11 | 11 | 6 | 28 |
| 1982 | 13 | 19 | 25 | 57 |
| 1986 | 5 | 9 | 23 | 37 |
| 1990 | 1 | 8 | 14 | 23 |
| 1994 | 4 | 3 | 16 | 23 |
| 1998 | 7 | 11 | 17 | 35 |
| 2002 | 11 | 12 | 13 | 36 |
| 2006 | 10 | 17 | 26 | 53 |
| 2010 | 14 | 17 | 34 | 65 |
| 2014 | 11 | 10 | 36 | 57 |
| 2018 | 16 | 23 | 31 | 70 |
| **2023** | **18** | **31** | **31** | **81*** |

# भाला फेंक में भारत को दो पदक, नीरज को स्वर्ण

हांगझोऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने पुरुषों के भाला फेंक में स्वर्ण जीत लिया है। वहीं, भारत के ही किशोर जेना ने रजत पर कब्जा जमाया है। यह एशियाई खेलों के इतिहास में पहली बार है जब भाला फेंक में भारत ने पहले-दूसरे स्थान पर कब्जा जमाया हो। भारत के स्टार एथलीट नीरज चोपड़ा ने लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों के भाला फेंक स्पर्धा में स्वर्ण जीता है। उन्होंने 88.88 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ स्वर्ण पर कब्जा जमाया। वहीं, भारत के ही किशोर जेना ने 87.54 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत हासिल किया। नीरज ने 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में भी स्वर्ण जीता था। वहीं, किशोर का यह पहला एशियाई खेल है और उन्होंने रजत पर कब्जा जमाया। यह किसी भी प्रतियोगिता में जेना का पहला पदक है। जापान के गेंकी डीन 82.68 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

1951 से एशियाई खेल हो रहे हैं। यह 72 वर्षों में पहली बार है जब भारत के ही दो एथलीट ने स्वर्ण और रजत पर कब्जा जमाया हो। भारत के अब एशियाई खेलों के भाला फेंक स्पर्धा में पांच पदक हो गए हैं। इन दो पदक से पहले 1951 दिल्ली एशियाई खेलों में परसा सिंह ने रजत, 1982 दिल्ली एशियाई खेलों में गुरतेज सिंह ने कांस्य और 2018 जकार्ता एशियाई खेलों में नीरज ने स्वर्ण जीता था। वहीं, ऐसा भी पहली बार है जब एशियाड के पुरुषों के भाला फेंक में भारत ने दो पदक जीते हैं।

मीटर का रहा। यह नीरज का सीजन बेस्ट थ्रो है। इससे ज्यादा उन्होंने इस सीजन में थ्रो नहीं किया है। वह फिर से पहले स्थान पर आ गए हैं। किशोर जेना का चौथा प्रयास 87.54 मीटर का रहा और वह दूसरे स्थान पर हैं।

नीरज और जेना दोनों का छठा थ्रो फाउल रहा। अपने-अपने प्रयासों के बाद ही दोनों जश्न मनाने लगे। नीरज ने स्वर्ण और जेना ने रजत जीता। इस स्पर्धा की शुरुआत में ही गड़बड़ी आ गई थी। सबसे पहले चीनी ताइपे के सुन चेंग चाओ थ्रो के लिए आए, लेकिन उनका थ्रो फाउल रहा। इसके बाद नीरज थ्रो के लिए आए। उन्होंने थ्रो किया, पर उनका स्कोर नहीं बताया गया। इसके बाद कुवैत के अब्दुलरहमान अलाजेमी ने भी थ्रो कर दिया और उनका स्कोर भी नहीं बताया गया। इसके बाद खेल को करीब 15 मिनट रोका गया। नीरज काफी देर तक अधिकारियों से बात करते हुए दिखाई दिए। किसी को नहीं पता था कि क्या हुआ था।

# भारत बनाम दक्षिण कोरिया हॉकी: भारत ने कोरिया को 5-3 से हराया

## फाइनल में जगह बनाई; रजत पदक पक्का किया

हांगझोऊ, 4 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम एशियाई खेलों के मौजूदा संस्करण में शानदार फॉर्म में चल रही है। उसने ग्रुप दौर में अपने सभी पांच मैच जीते और सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया को भी एकतरफा अंदाज में हराया। ग्रुप दौर में टीम इंडिया ने 58 गोल दागे थे।

एशियाई खेलों में पुरुष हॉकी के सेमीफाइनल में भारत ने दक्षिण कोरिया को 5-3 से हरा दिया है। इसके साथ ही भारत ने फाइनल में जगह बना ली है और कम से कम रजत पदक पक्का कर लिया है। भारत के लिए उपकप्तान हार्दिक सिंह ने पहला गोल किया। दूसरा गोल मनदीप सिंह ने किया। तीसरा गोल ललित उपाध्याय ने दागा। चौथा गोल अमित रोहिदास और पांचवां गोल अभिषेक ने किया। कोरिया के लिए जूंग मानजाई ने पहला, दूसरा और तीसरा गोल किया।

**मैच में ऐसे हुए गोल**

**पहला गोलः** भारत के लिए पहला गोल पांचवें मिनट में आया। भारतीय टीम के पहले शॉट को कोरियाई गोलकीपर ने रोक लिया, लेकिन गेंद वापस हार्दिक सिंह के पास आ गई। उन्होंने रिबाउंड पर कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।

**दूसरा गोलः** टीम इंडिया ने दूसरा गोल 11वें मिनट में किया। गुरजंत ने लॉन्ग बॉल को संभाला और कोरिया के डी में पहुंच गए। उन्होंने गोलपोस्ट के पास खड़े मनदीप सिंह को पास कर दे दिया। मनदीप ने बिना कोई गलती किए गोल कर दिया।

**तीसरा गोलः** भारत के लिए तीसरा गोल 15वें मिनट में आया। विवेक गेंद लेकर कोरिया के डी में पहुंचे। उन्होंने गुरजंत को पास किया। गुरजंत ने गोल का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो पाए। कोरियाई टीम में उनके शॉट को रोक लिया। हालांकि, कप्तान हरमनप्रीत ने गेंद को किसी तरह अपने काबू में कर लिया और उसे ललित उपाध्याय की तरफ पास कर दिया। ललित ने कोई गलती नहीं की और गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया।

**चौथा गोलः** 17वें मिनट में कोरिया ने अपना पहला गोल किया। पेनल्टी कॉर्नर पर फायदा उठाते हुए उसने मैच में अपना खाता खोला। कोरिया के लिए जूंग मानजाई ने पहला गोल किया।

**पांचवां गोलः** 20वें मिनट में कोरिया ने अपना दूसरा गोल दागा। जुंग माजी ने एक बार फिर कमाल किया और अपनी टीम की वापसी कराई।

**छठा गोलः** 24वें मिनट में अमित रोहिदास ने भारत के लिए चौथा गोल किया और टीम इंडिया को मैच में काफी आगे कर दिया।

सातवां गोलः 42वें मिनट में कोरिया के लिए जुंग माजी ने तीसरा गोल किया और भारत की बढ़त कम की।

**आठवां गोलः** 54वें मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारत को अहम बढ़त दिलाई। अंतिम समय में किए गए उनके गोल से भारत को दो गोल की बढ़त मिल गई, जो कि निर्णायक साबित हुई।

नौ साल बाद फाइनल में पहुंचा भारत

भारतीय टीम 2014 के बाद पहली बार फाइनल में पहुंची है। 2018 में भारत को सेमीफाइनल में हार झेलनी पड़ी थी। उसके बाद ने भारत ने पाकिस्तान को हराकर कांस्य पदक पर कब्जा किया था। फाइनल में भारत का मुकाबला छह अक्तूबर को चीन या जापान से हो सकता है।

**ग्रुप दौर में टीम इंडिया ने किए थे 58 गोल**

भारतीय टीम एशियाई खेलों के मौजूदा संस्करण में शानदार फॉर्म में चल रही है। उसने ग्रुप दौर में अपने सभी पांच मैच जीते हैं। ग्रुप दौर में टीम इंडिया ने 58 गोल दागे थे। उसके खिलाफ सिर्फ पांच गोल हुए थे। सेमीफाइनल में भी भारत ने पांच गोल किए। हालांकि, दक्षिण कोरिया भी तीन गोल करने में सफल रहा।

# तेलंगाना के विकास को प्राथमिकता : केटीआर

## आईटी मंत्री ने 1157 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास किया

निर्मल, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य के आईटी और नगरपालिका प्रशासन मंत्री केटीआर ने मंत्री इंद्रकरण रेड्डी के साथ निर्मल निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया और 1157 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास और उद्घाटन किया। सबसे पहले दिलावरपुर मंडल के गुंडमपल्ली में बनाए गए हेलीपैड पर पहुंचे मंत्री केटीआर का मंत्री इंद्रकरण रेड्डी ने फूलों का गुलदस्ता सौंपकर स्वागत किया। दिलावरपुर मंडल के गुंडमपेल्ली में निर्मित कालेश्वरम परियोजना के हिस्से के रूप में, मंत्री केटीआर ने 714 करोड़ की लागत से बने पैकेज नंबर-27 (श्री लक्ष्मीनरसिम्हास्वामी लिफ्ट योजना) का उद्घाटन किया। मंत्री इंद्रकरण रेड्डी के साथ मिलकर, मंत्री ने केटीआर लिफ्टिंग योजना को चालू किया और नहरों में पानी छोड़ा और इसे किसानों को समर्पित किया।

बाद में, दिलावरपुर के उपनगरीय इलाके मटेगाम में एक डिलीवरी सिस्टर्न का उद्घाटन किया गया और नहर के पानी पर पुष्पांजलि अर्पित की गई। बाद में, सोन मंडल के पुराने पोचम पहाड़ में 4 एकड़ जमीन रुपये में खरीदी। 300 करोड़ की लागत से ऑयल पाम फैक्ट्री के निर्माण की आधारशिला रखी। वहां से वे हेलीकॉप्टर से जिला मुख्यालय स्थित एकीकृत समाहरणालय परिसर पहुंचे। निर्मल शहर पहुंचकर कई विकास कार्यों का शिलान्यास किया। उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। 10.15 करोड़ रुपये की लागत से एकीकृत बाजार के निर्माण का शिलान्यास किया।

मिशन भगीरथ योजना के हिस्से के रूप में निर्मल शहर में ताजे पानी की व्यवस्था में सुधार करना 39.91 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण किये गये कार्यों का लोकार्पण एवं पानी सप्लाई की शुरूआत शामिल रहे। मंत्री ने कुछ अन्य विकास कार्यों से संबंधित शिला पट्टिकाओं का भी अनावरण किया।

टीयूएफआईडीसी निधि से धोबीघाट कार्यों के निर्माण हेतु 2 करोड़ रु. बुनियादी ढांचे के निर्माण के साथ-साथ अमृता योजना के हिस्से के रूप में ताजे पानी की आपूर्ति प्रणाली में सुधार के लिए किए जाने वाले विभिन्न विकास कार्यों के लिए टीयूएफआईडीसी ने 4 करोड़ रुपये का फंड दिया है। 62.5 करोड़ की लागत से होने वाले कार्यों का शिलान्यास किया गया। 50 करोड़ रुपये की धनराशि से निर्मल कस्बे में सीसी रोड, नालियां व अन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण कार्य कर शिलान्यास किया गया। मंत्री केटीआर कुल 1157 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का शिलान्यास करने के बाद एनटीआर मिनी स्टेडियम में आयोजित प्रगति रिपोर्ट बैठक में भाग लिए।

## बीआरएस ने कभी राजनीतिक गठबंधन नहीं चाहा : मंत्री

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और मंत्री केटी रामाराव ने स्पष्ट कर दिया है कि उनकी पार्टी ने तेलंगाना राज्य के गठन के बाद से चुनावों के दौरान कभी भी राजनीतिक गठबंधन की मांग नहीं की है। बुधवार को केटी रामाराव ने कहा कि वास्तव में, यह विपक्ष ही था जो दुर्जेय मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव को हराने के लिए अपने वैचारिक मतभेदों को दरकिनार कर एक साथ आया था। उन्होंने 2018 में एक पिछली घटना का खुलासा किया जब तत्कालीन भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. के लक्ष्मण ने जीएचएमसी चुनावों से पहले बीआरएस के साथ गठबंधन की पेशकश की थी। हालाँकि, बाद वाले ने स्वतंत्र राजनीतिक प्रयासों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को उजागर करते हुए प्रस्ताव को तुरंत खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा लगाए गए आरोपों की निंदा करते हुए, जिन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी ने भाजपा के साथ गठबंधन बनाने की कोशिश की, केटी रामाराव ने कहा कि चुनिंदा स्मृतिलोप वाले राजनीतिक पर्यटक जो कहानियां गढ़ रहे हैं, उन्हें यह जानना चाहिए। केटी रामा राव ने पूछा कि बीआरएस को उस पार्टी के साथ गठबंधन क्यों करना चाहिए जिसे 105-विधानसभा क्षेत्रों में जमा राशि भी नहीं मिली?

# केंद्र ने राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित किया

नई दिल्ली, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्र ने आज राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड के गठन को अधिसूचित कर दिया। बोर्ड देश में हल्दी और हल्दी उत्पादों के विकास और वृद्धि पर ध्यान केंद्रित करेगा। राष्ट्रीय हल्दी बोर्ड हल्दी से संबंधित मामलों पर नेतृत्व प्रदान करेगा, प्रयासों को बढ़ाएगा और हल्दी क्षेत्र के विकास और विकास में मसाला बोर्ड और अन्य सरकारी एजेंसियों के साथ अधिक समन्वय की सुविधा प्रदान करेगा।

हल्दी के स्वास्थ्य और कल्याण लाभों पर दुनिया भर में महत्वपूर्ण संभावनाएं और रुचि है, जिसका लाभ बोर्ड जागरूकता और खपत बढ़ाने, निर्यात बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नए बाजार विकसित करने, नए उत्पादों में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देने और हमारे पारंपरिक विकास पर काम करेगा। यह विशेष रूप से मूल्य संवर्धन से अधिक लाभ प्राप्त करने के लिए हल्दी उत्पादकों की क्षमता निर्माण और कौशल विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा। बोर्ड गुणवत्ता और खाद्य सुरक्षा मानकों और ऐसे मानकों के पालन को भी बढ़ावा देगा। बोर्ड मानवता के लिए हल्दी की पूरी क्षमता की सुरक्षा और उपयोगी दोहन के लिए भी कदम उठाएगा।

बोर्ड की गतिविधियाँ हल्दी उत्पादकों के क्षेत्र पर केंद्रित और समर्पित ध्यान और खेतों के करीब बड़े मूल्यवर्धन के माध्यम से हल्दी उत्पादकों की बेहतर भलाई और समृद्धि में योगदान देंगी, जिससे उत्पादकों को उनकी उपज के लिए बेहतर कीमत मिलेगी। अनुसंधान, बाजार विकास, बढ़ती खपत और मूल्य संवर्धन में बोर्ड की गतिविधियां यह भी सुनिश्चित करेंगी कि हमारे उत्पादक और प्रोसेसर उच्च गुणवत्ता वाले हल्दी और हल्दी उत्पादों के निर्यातकों के रूप में वैश्विक बाजारों में अपनी प्रमुख स्थिति बनाए रखना जारी रखेंगे।

बोर्ड में केंद्र सरकार द्वारा नियुक्त एक अध्यक्ष, आयुष मंत्रालय के सदस्य, केंद्र सरकार के फार्मास्यूटिकल्स, कृषि और किसान कल्याण, वाणिज्य और उद्योग विभाग, तीन राज्यों के वरिष्ठ राज्य सरकार के प्रतिनिधि (रोटेशन के आधार पर), अनुसंधान में शामिल राष्ट्रीय/राज्य संस्थानों, हल्दी किसानों और निर्यातकों के प्रतिनिधियों का चयन करें और वाणिज्य विभाग द्वारा एक सचिव की नियुक्ति की जाएगी।

भारत दुनिया में हल्दी का सबसे बड़ा उत्पादक, उपभोक्ता और निर्यातक है। वर्ष 2022-23 में, 11.61 लाख टन (वैश्विक हल्दी उत्पादन का 75% से अधिक) के उत्पादन के साथ भारत में 3.24 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में हल्दी की खेती की गई थी। भारत में हल्दी की 30 से अधिक किस्में उगाई जाती हैं और यह देश के 20 से अधिक राज्यों में उगाई जाती है। हल्दी के सबसे बड़े उत्पादक राज्य महाराष्ट्र, तेलंगाना, कर्नाटक और तमिलनाडु हैं।

हल्दी के विश्व व्यापार में भारत की हिस्सेदारी 62% से अधिक है। 2022-23 के दौरान, 380 से अधिक निर्यातकों द्वारा $207.45 मिलियन मूल्य के 1,534 लाख टन हल्दी और हल्दी उत्पादों का निर्यात किया गया था। भारतीय हल्दी के लिए प्रमुख निर्यात बाजार बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, अमेरिका और मलेशिया हैं। बोर्ड की केंद्रित गतिविधियों से उम्मीद है कि 2030 तक हल्दी निर्यात 1 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा।

## तेलंगाना में कांग्रेस व बीआरएस के बीच मजबूत संबंध : डीके अरुणा

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ भाजपा नेता डीके अरुणा ने आज आरोप लगाया कि कांग्रेस पार्टी और सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के बीच फेविकोल स्टिक बंधन जैसा मजबूत बंधन है। वह बुधवार को प्रदेश भाजपा पार्टी कार्यालय में पत्रकारों से बात कर रही थीं। अगर विपक्षी बीआरएस पार्टी के नेता प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ बोलेंगे, तो मैं बीआरएस नेताओं की जीभ मोड़कर सिल दूंगी। जो लोग कह रहे हैं कि मोदी को तेलंगाना की धरती पर पैर रखने का अधिकार नहीं है, वे मूर्ख हैं। आरोप लगाया कि सीएम केसीआर अपने काले सौदे के तहत सनसनीखेज कैश-फॉर-वोट मामले में टीपीसीसी अध्यक्ष रेवंत रेड्डी को बचा रहे हैं।

उन्होंने तंज कसा कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में पार्टी के विजेताओं को भी नहीं बचा पाई. उन्होंने रेवंत रेड्डी से बीआरएस पार्टी एमएलसी कविता के साथ अपने संबंधों का खुलासा करने की मांग की? उन्होंने रेवंत से यह भी पूछा कि पीएम को तेलंगाना के लोगों से माफी क्यों मांगनी चाहिए? उन्होंने कहा कि वह बीआरएस नेताओं द्वारा प्रधानमंत्री के खिलाफ लगाए गए आरोपों से इनकार कर रही हैं। उन्होंने कहा कि वह केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं पर राज्य मंत्री एर्राबेल्ली दयाकर राव की टिप्पणियों की निंदा कर रही थीं। उन्होंने कहा कि पिछले नौ वर्षों में केंद्र ने तेलंगाना राज्य को 9 लाख करोड़ रुपये दिए हैं।

## नवजात शिशु लावारिस हालत में मिला

मुलुगु, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को जिले के वेंकटपुरम (नूगुरु) मंडल के पात्रापुरम गांव में झाड़ियों में एक नवजात बच्ची लावारिस हालत में मिली। स्थानीय लोगों के अनुसार, उन्होंने झाड़ियों में बच्चे के रोने की आवाज सुनी और संबंधित आईसीडीएस अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद मौके पर पहुचे अधिकारियों ने बच्ची को बचाया और अस्पताल ले गए। डॉक्टरों ने कहा कि बच्चे की स्वास्थ्य स्थिति स्थिर है। अधिकारियों को संदेह है कि लड़की के जन्म के बाद माता-पिता ने बच्ची को छोड़ दिया।

# खम्मम में बांटी जाएंगी 4.27 लाख बतुकम्मा साड़ियां : पुव्वाड़ा

खम्मम, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन मंत्री पुव्वाडा अजय कुमार ने बताया कि जिले में बतुकम्मा उत्सव मनाने के लिए महिलाओं को बतुकम्मा साड़ियों के वितरण के लिए सभी व्यवस्थाएं की गई हैं। मंत्री ने बुधवार को यहां बथुकम्मा साड़ी वितरण का औपचारिक रूप से शुभारंभ करने के बाद कहा कि जिले भर में 4.27 लाख साड़ियां वितरित की जाएंगी और सभी मंडलों और गांवों में वितरण केंद्र स्थापित किए गए हैं।

राज्य सरकार सभी धर्मों के सदस्यों को उनके त्योहार मनाने के लिए उपहार वितरित कर रही है। राज्य भर में 250 डिज़ाइन वाली 1.02 करोड़ साड़ियाँ वितरित की

जा रही हैं, जिसके लिए 200 करोड़ रुपये खर्च किए जा रहे हैं।

बतुकम्मा साड़ियों के वितरण से हथकरघा श्रमिकों को काम भी सुनिश्चित हुआ। 2017 से 2022 तक महिलाओं को लगभग 5.81 करोड़ साड़ियाँ वितरित की गई हैं। अजय कुमार ने कहा, महिलाओं द्वारा बड़े उत्साह के साथ मनाया जाने वाला बतुकम्मा विश्व स्तर पर तेलंगाना राज्य के आत्मसम्मान का प्रतीक है।

बाद में दिन में, मंत्री ने शहर में 1.77 करोड़ रुपये के कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। खम्मम विकास के मामले में गजवेल, सिरसिला और सिद्दीपेट निर्वाचन क्षेत्रों के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। उन्होंने लाभार्थियों को गृह लक्ष्मी स्वीकृति आदेश भी वितरित किए।

अजय कुमार ने कहा कि खम्मम, जो कभी विकास की रेखा में सबसे नीचे था, अब शीर्ष पर है और कई जिले और नगर पालिकाएं खम्मम को एक उदाहरण के रूप में ले रहे हैं, उन्होंने कहा। यह कहना कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी कि पड़ोसी राज्यों के निर्वाचन क्षेत्र भी खम्मम में हुए विकास का अनुसरण कर रहे हैं। मंत्री ने नगर निगम आयुक्त आदर्श सुरभि को 'पार्कों का आदमी' बताया और कहा कि खम्मम निगम ने विकास के मामले में वारंगल और करीमनगर निगमों को पीछे छोड़ते हुए हैदराबाद के बाद दूसरा स्थान हासिल किया है।

# तेलंगाना ने 3,17,17,389 मतदाताओं के साथ अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की

हैदराबाद, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मतदाता सूची के दूसरे विशेष सारांश पुनरीक्षण के पूरा होने के बाद, बुधवार को तेलंगाना राज्य के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों में अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की गई।

यहां मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, अंतिम सूची में मतदाताओं की संख्या 3,17,17,389 है, जिसमें कुल 1,58,71,493 पुरुष और 1,58,43,339 महिलाएं हैं। और 2,557 तीसरे लिंग के हैं। 15,338 सेवा मतदाता और 2,780 विदेशी मतदाता हैं। जनवरी, 2023 से मतदाताओं की संख्या में शुद्ध 5.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। अंतिम नामावली के प्रकाशन की प्रक्रिया में 19 सितम्बर 2023 से पूर्व प्राप्त आवेदनों का निस्तारण किया गया।

इसके फलस्वरूप नामावली के प्रारूप प्रकाशन की तिथि से 28 सितम्बर तक; 17,01,087 अतिरिक्त; 6,10,694 प्रविष्टियों को हटाया गया और 5,80,208 प्रविष्टियों में सुधार किया गया। चूंकि अंतिम रोल और प्रिंटिंग तैयार करने के लिए रोल को 28 सितंबर को फ्रीज कर दिया गया था; 19 सितंबर से पहले प्राप्त 57,617 आवेदनों का निस्तारण रोल फ्रीज होने से पहले नहीं किया जा सका। हालाँकि, अब इन सभी आवेदनों का निपटारा कर दिया गया है और ऐसे पात्र मतदाता आगामी विधानसभा चुनाव में मतदान कर सकेंगे।

चुनावी प्रक्रिया के पीछे समावेशिता की भावना को उचित श्रद्धांजलि देते हुए, मतदाता सूची का लिंग अनुपात 5 जनवरी को 992 से बढ़कर 998 हो गया है। 80 वर्ष से अधिक आयु के 4,43,943 मतदाता और 5,06,493 दिव्यांग हैं। तृतीय लिंग व्यक्तियों की संख्या बढ़कर 2,557 हो गई है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि यद्यपि अंतिम नामावली प्रकाशित हो चुकी है, मतदाता सूची के निरंतर अद्यतनीकरण की कवायद जारी रहेगी। सभी पात्र व्यक्ति (जिन्होंने 1 सितंबर, 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है और जो अन्यथा पात्र हैं) जो पहले नामांकन के लिए आवेदन नहीं कर सके थे, उनसे एक बार फिर अनुरोध किया जाता है कि वे सूची में शामिल होने के लिए आवेदन करें। नामांकन विवरण में किसी भी गलती के मामले में, मतदाता ऑनलाइन या वीएचए पर या बीएलओ के माध्यम से फॉर्म 8 का उपयोग करके सुधार के लिए आवेदन कर सकता है।

गौरतलब है कि हमारी मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए पिछले दो वर्षों में गहन प्रयास किए गए हैं। इन प्रयासों के परिणामस्वरूप, कुल 22,02,168 मृत, डुप्लीकेट और स्थानांतरित मतदाताओं को मतदाता सूची से हटा दिया गया है। इनमें से कुल 4,89,574 मतदाता जीएचएमसी और आसपास के क्षेत्रों से हैं। इसके अलावा, वर्ष में 2,47,756 मृत मतदाताओं को भी मतदाता सूची से हटा दिया गया है। मतदाता सूची को शुद्ध करने के प्रयासों में, मतदाता सूची में प्रविष्टियों का पता लगाने और उनमें सुधार करने के लिए बहुत काम किया गया है। घर-घर सर्वेक्षण और सत्यापन के कई दौर किए गए हैं और इस साल मतदाता सूची में प्रविष्टियों में 14,24,694 सुधार किए गए हैं, जबकि पिछले साल औसतन 2-3 लाख सुधार सालाना किए जाते थे। इसी प्रकार 6 से अधिक मतदाता वाले घरों के सभी मतदाताओं का सत्यापन करने की कवायद की गई। 4,15,824 मतदाताओं (ज्यादातर अपार्टमेंट/एक ही इमारत के हिस्से जिनके दरवाजे नंबर समान हैं) के पते सही कर दिए गए। 3,94,968 मतदाताओं को विधानसभा क्षेत्र के भीतर एक मतदान केंद्र से दूसरे में स्थानांतरित किया गया और 64,661 मतदाताओं को एक विधानसभा क्षेत्र से दूसरे में स्थानांतरित किया गया, विधिवत सही मतदान केंद्र आवंटित किया गया। इसी प्रकार, 73,364 मतदाताओं के लिए मकान नंबर में सुधार किया गया, जिनकी पहचान ईआरओनेट में शून्य या विशेष अक्षर वाले मकान नंबर के रूप में की गई है।

शहरी क्षेत्रों में बहुत अधिक मात्रा में प्रवासन और स्थानांतरण देखा जाता है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि शहरी क्षेत्रों के सभी निवासी मतदाता सूची में नामांकित हैं, 4,605 आरडब्ल्यूए को कवर करने के लिए एक अभियान शुरू किया गया था, जिसमें 757 टीमों ने आवासीय कल्याण संघों (आरडब्ल्यूए) को शामिल करके 4,605 बहुमंजिला इमारतों और गेटेड समुदायों को कवर किया। इसके परिणामस्वरूप 50,907 फॉर्म-6 और फॉर्म 8 एकत्र किए गए और उनका निपटान किया गया, ताकि वे मतदान कर सकें। वर्तमान एसएसआर की एक उल्लेखनीय उपलब्धि 6 जनवरी से 28 सितंबर तक 5,32,990 18-19 वर्ष के युवा मतदाताओं का नामांकन है। परिणामस्वरूप, मतदाता सूची में 18-19 आयु वर्ग के 8,11,640 नए मतदाता हैं। यह मतदाता सूची का 2.56 प्रतिशत है। पहले कभी भी इतना प्रतिशत हासिल नहीं हुआ था। द्वितीय एसएसआर के दौरान निपटान के इतने उच्च स्तर का एक प्रमुख कारण जुलाई माह में बीएलओ का व्यापक प्रशिक्षण है। इस प्रशिक्षण अभ्यास में 618 प्रशिक्षकों ने राज्य के सभी बीएलओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों को बीएलओ ऐप के संचालन सहित बीएलओ की भूमिका और जिम्मेदारियों पर प्रशिक्षित किया।

## एसीबी कोर्ट ने चंद्रबाबू की जमानत याचिका, पुलिस हिरासत याचिका पर 5 को सुनवाई तय की

अमरावती, 4 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यहां की एक स्थानीय अदालत ने बुधवार को टीडीपी प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की जमानत याचिका के साथ-साथ कौशल विकास निगम घोटाला मामले में उनकी हिरासत की मांग करने वाली आंध्र प्रदेश पुलिस सीआईडी की याचिकाओं को गुरुवार, 5 अक्टूबर को सुनवाई के लिए पोस्ट कर दिया।

विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट ने अतिरिक्त महाधिवक्ता पी सुधाकर रेड्डी और विशेष लोक अभियोजक वाईएन विवेकानंद द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए सीआईडी वकीलों और पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से बहस कर रहे सुप्रीम कोर्ट के वकील प्रमोद दुबे के बीच जारी गहन बहस के बीच यह निर्णय लिया।

हाल ही में, सीआईडी ने अपनी दूसरी हिरासत याचिका दायर की क्योंकि नायडू ने कथित तौर पर 23 और 24 सितंबर को पहली दो दिवसीय हिरासत पूछताछ के दौरान जांच अधिकारियों के साथ सहयोग नहीं किया था। वह कौशल विकास निगम घोटाला मामले में उनसे आगे की पूछताछ के लिए पांच दिन की पुलिस हिरासत की मांग कर रही है। महत्वपूर्ण बात यह है कि नायडू का दूसरा रिमांड विस्तार भी गुरुवार, 5 अक्टूबर को समाप्त हो रहा है। इसके अलावा, एपी फाइबरनेट और अमरावती इनर रिंग रोड घोटाला मामलों में दो और सीआईडी कैदी-ऑन-ट्रांजिट (पीटी) वारंट याचिकाएं भी विजयवाड़ा एसीबी कोर्ट में सुनवाई के लिए हैं। नायडू को कौशल विकास निगम से कथित तौर पर धन का दुरुपयोग करने के आरोप में 9 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था, जिसके परिणामस्वरूप राज्य के खजाने को 300 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ था। इस बीच, इसी मामले में टीडीपी महासचिव नारा लोकेश की अग्रिम जमानत याचिका भी बुधवार को उच्च न्यायालय में सुनवाई के लिए आई, लेकिन सीआईडी ने अपना जवाब दाखिल करने के लिए 12 अक्टूबर तक का समय मांगा।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.